सरल बंगला शिक्षा

बंगला पहली पुस्तक, बंगला दूसरी पुस्तक, सरल अंग्रेजी शिक्षा,
सरल हिन्दी शिक्षा, राष्ट्र-भाषा, हिन्दी बंगला शब्द कोश,
बंगला हिन्दी शब्द कोश, अंग्रेजी हिन्दी
डिक्शनरी, हिन्दी अंग्रेजी डिक्शनरी,
संस्कृत अंग्रेजी हिन्दी डिक्शनरी
आदि शताधिक पुस्तकों
के
लेखक

श्रीगोपालचन्द्र चक्रवर्ती वेदान्तशास्त्री

स्वयम्भाति पुस्तकालय

४३।१७ सदानन्द बाजार, वाराणसी

Dr Suniti Kumar Chatterji, M. A (Calcutta). D Litt. (London), Chairman, West Bengal Legislative Council, writes—

I have great pleasure in testifying to my high opinion of the work which Pandit Sri Gopal Chandra Vedanta Sastry of Banaras has been doing for the pro. pagation of Hindi among Bengali-speaking people Pt Vedanta Sastry, took upon himself, as a labour of love the task of making Hindi popular among the people of Bengal by publishing one of the first books in Bengali to teach Hindi to Bengali people his "Saral Hindi Shiksha". This was long before the declaration of Hindi to be the National language of India by the Congress, and before the acceptance of Hindi as the official language of India by the Constitution, and before Societies were started to teach Hindi as the National language of India to non-Hindi people. Pandit Vedanta Sastri is certainly one of the pioneers who began work in this line on his own initiative. His "Saral Hindi Shiksha" became immensely popular in Bengal, not only among Bengalis but also among Hindi-speaking people who wanted to learn Bengali Some of our great leaders like Netaji Subhas Chandra Bose, Dr Shyama Prasad Mukherjee and others found this to be the only convenient book to acquire Hindi.

उत्तर प्रदेश के शिक्षा-मन्त्री पं० कमलापति त्रिपाठी लिखते हैं—

श्रीयुत पं० गोपालचन्द्र चक्रवर्ती वेदान्तशास्त्री जी ने बहुत सी पुस्तकें हिन्दी में लिखी हैं। आप "सरल बंगला शिक्षा" के लेखक के रूप से इस देश में सुपरिचित हैं, आपकी अंग्रेजी हिन्दी डिक्शनरी यथेष्ट प्रतिष्ठा पा चुकी है।

सरल बंगला शिक्षा

लेखक

श्रीगोपालचन्द्र चक्रवर्ती वेदान्तशास्त्री

प्रकाशक

स्वयम्भाति पुस्तकालय

४३।१७ सदानन्द बाजार, वाराणसी

[मूल्य २)

निवेदन

हिन्दी-भाषा-भाषियोंमें बंगला भाषा सीखनेके लिए अत्यधिक आकांक्षा देखी जाती है। इसका खास कारण यह है कि, आधुनिक बंगला साहित्य भारतकी भाषाओंमें सर्व-श्रेष्ठ स्थानको पहुँचा है। विलायतके कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयमें भारतकी भाषाओंमें केवल संस्कृत और बंगला ही पढ़ायी जाती है। जर्मनी, आस्ट्रिया, फ्रान्स, जापान आदि देशोंके विश्वविद्यालयोंमें भी अब बंगला पढायी जाने लगी है। एशियाखण्डमें केवल बंगला भाषाके कविको ही नोवेल प्राइज पानेका सौभाग्य प्राप्त हुआ है। बंगलामें उपन्यास लिखकर वंकिम बाबू अमर हो गये हैं। न्यू यार्कके यूनियन कालेजके प्रफेसर श्रीमत् मधु-सूदन एस० गोखले महाशय ने लिखा है कि—"It is superior to all others mentioned above, as regards its characteristics, etc. We can safely admit the easy-working quality of the Bengali language...As regards the amount of modern Bengali literature ready for immediate use it can challenge any of its sister-languages." कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयके प्रफेसर J. D. Anderson साहब बंगलाकी श्रेष्ठताके सम्बन्धमें लिखते हैं कि—"It is one of the great expressive languages of the world capable of being the vehicle of as great things as any speech of men." बंगलाके अच्छे-अच्छे ग्रन्थकारोंके प्रायः सभी ग्रन्थोंका हिन्दीमें अनुवाद हो चुका है। उस अनुवादको पढ़कर मूल पुस्तक

पढ़नेके लिए हिन्दीभाषी प्रायः उत्सुक हुआ करते हैं। उन्हें बंगला सीखनेमें थोड़ीसी सहायता देनेके लिए यह पुस्तक बनायी गयी है।

पढ़े-लिखे लोगोंके उपयोगमें आनेके लिए ही यह पुस्तक लिखी गयी है, इसलिए वर्ण-परिचयके बाद ही प्रथम खण्डमें अनुवाद दिया गया है, साथ-साथ पाद-टीकामें व्याकरणके नियम भी सङ्क्षेपमें दिये गये हैं। अनुवाद पढ़ कर भाषाका कुछ ज्ञान प्राप्त कर लेनेपर लोग उस भाषाके भिन्न भिन्न विषयोंके शब्द जानना चाहते हैं, इसलिए द्वितीय खण्डमें शब्द-माला दी गयी है। उसके बाद व्याकरणके नियम दिये गये हैं। तृतीय खण्डमें व्याकरण देने पर भी उस अध्यायको पहले थोड़ासा पढ़ कर सारी पुस्तक अच्छी तरह पढ़नेसे समझनेमें सुगमता होगी। बंगलाकी लिखित भाषासे कथित भाषा पृथक् है. बंगला नाटक और उपन्यासोंमें इसी कथित भाषाकी भरमार है। इस कथित भाषाके अर्थ-सहित बहुतसे उदाहरण चतुर्थ खण्डमें दिये गये हैं। मुहावरों तथा कहावतोंका आशय ज्ञात रहनेसे ग्रन्थकारका भाव पूर्णरूपसे समझमें आ सकता है, इसलिए पञ्चम खण्डमें श्रेष्ठ ग्रन्थकारोंके अच्छे-अच्छे ग्रन्थोंसे कुछ मुहावरेदार वाक्य और कहावतें दी गयी हैं। प्रथम और द्वितीय खण्डोंमें अभ्यास के लिए प्रत्येक पाठके नीचे अनुशीलनियाँ दी गयी हैं। प्रथम खण्डकी अनुशील-नियोंका अनुवाद साथ ही साथ दिया गया है। द्वितीय खण्डकी अनुशीलनियोंके क्लिष्ट शब्दोंका अर्थ पुस्तकके अन्तमें दिया गया है। अब इस एक ही पुस्तकके पढ़नेसे बंगलामें अच्छी तरह प्रवेश हो जायगा इसमें कोई सन्देह नहीं है। अगर इस पुस्तकसे हिन्दी-भाषा-भाषियोंको बंगला सीखनेमें जरा भी सहायता प्राप्त हो तो मैं अपना श्रम सफल समझूंगा।

ग्रन्थकार।

विषय सूची

सरल बंगला शिक्षा

वर्ण-परिचय

स्वर

অ	আ	ই	ঈ	উ	ঊ
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ

ঋ	এ	ঐ	ও	ঔ
ऋ	ए	ऐ	ओ	औ

व्यंजन

ক	খ	গ	ঘ	ঙ
क	ख	ग	घ	ङ

চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
च	छ	ज	झ	ञ

ট ঠ ড ঢ ণ

ट ठ ड ढ ण

ত থ দ ধ ন

त थ द ध न

প ফ ব ভ ম

प फ व भ म

য র ল ব শ

य र ल व श

ষ স হ ক্ষ ড়

ष स ह क्ष ड़

ঢ় য় ৎ ং ঃ ঁ

ढ़ य़ त् ं : ँ

बारह खड़ी (বানান)

ক	কা	কি	কী	কু	কূ	কৃ	কে	কৈ	কো	কৌ	কং	কঃ
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
গ	গা	গি	গী	গু	গূ	গৃ	গে	গৈ	গো	গৌ	গং	গঃ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
দ	দা	দি	দী	দু	দূ	দৃ	দে	দৈ	দো	দৌ	দং	দঃ
द	दा	दि	दी	दु	दू	दृ	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ন	না	নি	নী	নু	নূ	নৃ	নে	নৈ	নো	নৌ	নং	নঃ
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
ভ	ভা	ভি	ভী	ভু	ভূ	ভৃ	ভে	ভৈ	ভো	ভৌ	ভং	ভঃ
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
র	রা	রি	রী	রু	রূ		রে	রৈ	রো	রৌ	রং	রঃ
र	रा	रि	री	रु	रू		रे	रै	रो	रौ	रं	रः
শ	শা	শি	শী	শু	শূ	শৃ	শে	শৈ	শো	শৌ	শং	শঃ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शृ	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
স	সা	সি	সী	সু	সূ	সৃ	সে	সৈ	সো	সৌ	সং	সঃ
स	सा	सि	सी	सु	सू	सृ	से	सै	सो	सौ	सं	सः
হ	হা	হি	হী	হু	হূ	হৃ	হে	হৈ	হো	হৌ	হং	হঃ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हृ	हे	है	हो	हौ	हं	हः

बंगला में কৈ, দৈ, হৈ आदि के ऐकार का उच्चारण कइ, दइ, हइ आदि की तरह और কৌ, দৌ, হৌ आदि का कउ, दउ, हउ आदि की तरह है।

১ এক ❀ (ऐक)	१	১৫ পনের (पनेरो)	१५
২ দুই (दुइ)	२	১৬ ষোল (शोलो)	१६
৩ তিন (तिन)	३	১৭ সতের (शतेरो)	१७
৪ চার, চারি (चारि)	४	১৮ আঠার (आठारो)	१८
৫ পাঁচ (पाँच)	५	১৯ উনিশ (उनिश)	१९
৬ ছয় (छय)	६	২০ কুড়ি (कुड़ि)	२०
৭ সাত † (शात्)	७	২১ একুশ (एकुश)	२१
৮ আট (आट)	८	২২ বাইশ (बाइश)	२२
৯ নয় (नय)	९	২৩ তেইশ (तेइश)	२३
১০ দশ (दश)	१०	২৪ চব্বিশ (चव्बिश)	२४
১১ এগার ণ (ऐगारो)	११	২৫ পঁচিশ (पॅचिंश)	२५
১২ বার (बारो)	१२	২৬ ছাব্বিশ (छाब्बिश)	२६
১৩ তের (तैरो)	१३	২৭ সাতাশ (शाताश)	२७
১৪ চৌদ্দ (चउद्दो)	१४	২৮ আটাশ (आटाश)	२८

❀ बंगलामें एकारका उच्चारण कहीं-कहीं हिन्दी के 'ऐसा' 'जैसा' आदि के ऐकार-सा होता है।

† बंगलामे दन्त्य 'স' का उच्चारण 'श' सा होता है। तीनों श के उच्चारणमे कोई भेद नहीं किया जाता।

ণ शब्दके अन्तिम अकारका कहीं-कहीं ओकार-सा उच्चारण होता है। ऐसे ओकारका उच्चारण बहुत ही लघु है।

২৯ উনত্রিশ (उन्त्रिश)	२९	৫১ একান্ন (ऐक्कान्नो)	५१
৩০ ত্রিশ (त्रिश)	३०	৫২ বাহান্ন (बाहान्नो)	५२
৩১ একত্রিশ (एकत्रिश)	३१	৫৩ তিপ্পান্ন (तिप्पान्नो)	५३
৩২ বত্রিশ (बत्त्रिश)	३२	৫৪ চুয়ান্ন (चुआन्नो)	५४
৩৩ তেত্রিশ (तेत्त्रिश)	३३	৫৫ পঞ্চান্ন (पंचान्नो)	५५
৩৪ চৌত্রিশ (चउत्रिश)	३४	৫৬ ছাপ্পান্ন (छाप्पान्नो)	५६
৩৫ পঁযত্রিশ (पँयत्रिश)	३५	৫৭ সাতান্ন (शातान्नो)	५७
৩৬ ছত্রিশ (छत्त्रिश)	३६	৫৮ আটান্ন (आटान्नो)	५८
৩৭ সাঁইত্রিশ (शाँइत्रिश)	३७	৫৯ উনষাট (उनशाट)	५९
৩৮ আটত্রিশ (आट्त्रिश)	३८	৬০ ষাট (शाट)	६०
৩৯ উনচল্লিশ (उनचल्लिश)	३९	৬১ একষট্টি (ऐकशट्टि)	६१
৪০ চল্লিশ (चल्लिश)	४०	৬২ বাষট্টি (बाशट्टि)	६२
৪১ একচল্লিশ (एकच.)	४१	৬৩ তেষট্টি (तेशट्टि)	६३
৪২ বেযাল্লিশ (बेया.)	४२	৬৪ চৌষট্টি (चौ.)	६४
৪৩ তেতাল্লিশ (तेता.)	४३	৬৫ পঁযষট্টি (पँय.)	६५
৪৪ চুয়াল্লিশ (चुआ.)	४४	৬৬ ছেষট্টি (छे.)	६६
৪৫ পঁয়তাল্লিশ (पँय.)	४५	৬৭ সাতষট্টী (शात्)	६७
৪৬ ছিবাল্লিশ (छिया.)	४६	৬৮ আটষট্টি (आट्)	६८
৪৭ সাতচল্লিশ (शात्.)	४७	৬৯ উনসত্তর (उनशात्तर)	६९
৪৮ আটচল্লিশ (आट्.)	४८	৭০ সত্তর (शात्तर)	७०
৪৯ উনপঞ্চাশ (उनपंचाश)	४९	৭১ একাত্তর (ऐक्कात्तर)	७१
৫০ পঞ্চাশ (पंचाश)	५०	৭২ বাহাত্তর (बाहात्तर)	७२

৭৩ তিয়াত্তর তিয়াত্তর	৭३	৮৭ সাতাশী শাতাশী	८७
৭৪ চুয়াত্তর চুয়া.	৭४	৮৮ আটাশী আটাশী	८८
৭৫ পঁচাত্তর পঁচা.	৭५	৮৯ উননব্বই (উননব্বই)	८९
৭৬ ছিয়াত্তর ছিয়া.	৭६	৯০ নব্বই নব্বই	९०
৭৭ সাতাত্তর শাতা.	৭७	৯১ একানব্বই ঐকা.	९१
৭৮ আটাত্তর আটা	৭८	৯২ বিবানব্বই ব্রিরা.	९२
৭৯ উনআশী উনআশী	৭९	৯৩ তিরানব্বই তিরা	९३
৮০ আশী আশী	८०	৯৪ চুবানব্বই চুরা.	९४
৮১ একাশী ঐকাশী	८१	৯৫ পঁচানব্বই পঁচা.	९५
৮২ বিবাশী ব্রিরাশী	८२	৯৬ ছিয়ানব্বই ছিয়া.	९६
৮৩ তিবাশী তিরাশী	८३	৯৭ সাতানব্বই শাতা.	९७
৮৪ চুরাশী চুরাশী	८४	৯৮ অটানব্বই আটা	९८
৮৫ পঁচাশী পঁচাশী	८५	৯৯ নিরানব্বই নিরা	९९
৮৬ ছিযাশী ছিয়াশী	८६	১০০ একশ (ঐক শ)	१००

১০০০ এক হাজার, ১০০০০ দশ হাজার, ১০০০০০ এক লক্ষ ১০০০০০০ দশ লক্ষ (লক্ষৌ), ১০০০০০০০ এক কোটি।

पुरण वाचक संख्या

প্রথম	प्रथम	पहला	একাদশ	(एकादश)	ग्यारहवाँ
দ্বিতীয়	द्वितीय-अ	दूसरा	দ্বাদশ	(द्वादश)	बारहवाँ
তৃতীয়	तृतीय-अ	तीसरा	ত্রয়োদশ.	(त्रयोदश)	तेरहवाँ
চতুর্থ	चतुर्थ-अ	चौथा	চতুর্দ্দশ	(चतुर्दश)	चौदहवाँ
পঞ্চম	पञ्चम	पाँचवाँ	পঞ্চদশ	(पंचदश)	पंद्रहवाँ
ষষ্ঠ	षष्ठ-अ	छठा	ষোড়শ	(षोड़श)	सोलहवाँ
সপ্তম	शप्तम	सातवाँ	সপ্তদশ	(शप्तदश)	सत्रहवाँ
অষ্টম	अष्टम	आठवाँ	অষ্টাদশ	(अष्टादश)	अट्ठारहवाँ
নবম	नवम	नवाँ	ঊনবিংশ	(ऊनविंश)	उन्नीसवाँ
দশম	दशम	दशवाँ	বিংশ	(विंश)	बीसवाँ

---

* संख्याके पूरण अर्थमें ऊपर जो प्रयोग दिये गये वे संस्कृतके हैं कोई कोई इनके बदले बंगला संख्याके साथ सम्बन्धकी विभक्ति जोड़ते हैं जैसे—দশের শ্লোক (दशवाँ श्लोक), উনিশের শ্লোক (उन्नीसवाँ श्लोक), বাষট্টির শ্লোক (बासठवाँ श्लोक) इत्यादि। कोई कोई संस्कृतके 'संख्यक' शब्द भी जोड़ देते हैं, जैसे—দশ या দশম সংখ্যক শ্লোক, উনিশ या ঊনবিংশ সংখ্যক শ্লোক, বাষট্টি या দ্বিষষ্ঠি সংখ্যক শ্লোক इत्यादि।

सरल बंगला शिक्षा

प्रथम खण्ड

अनुवाद

संज्ञा और विशेषण

সাদা কাপড়	शादा कापड़	सफेद कपड़ा
ভাঙ্গা বাড়ী	भाङा बाड़ी	टूटा मकान
নূতন বাসন	नूतन बाशन	नया वर्तन
দুর্ব্বল লোক	दुर्बल लोक	दुबला आदमी
ভরা ঘটি	भरा घटि	भरा लोटा
নীচু দরজা	नीचु दरजा	नीचा दरवाजा
ঠাণ্ডা জল	ठांडा जल	ठण्ढा पानी
কাঁচা আম	काँचा आम	कच्चा आम
পাকা কলা	पाका कला	पक्का केला
উঁচু পাহাড়	उँचु पाहाड़	ऊँचा पहाड़
ভিজা ছাতা	भिजा छाता	भींगा छाता
পুরান (পুরাতন) জুতা	पुरान जुता	पुराना जूता
শক্ত কাঠ	शक्तो काठ	मजबूत लकड़ी
কালো পাথর	कालो पाथर	काला पत्थर

ধারাল ক্ষুর	धारालो खुर	तीखा छुरा
পাতলা * দুধ	पातला दुध	पतला दूध
পাতলা চামড়া	पातला चामड़ा	पतला चमड़ा
নরম বিছানা	नरम बिछाना	नरम बिछौना
সবুজ মাঠ	शबुज माठ	हरा मैदान
হলদে ফুল	हलदे फूल	पीला फूल
পুরু (মোটা) গালিচা	पुरु गालिचा	मोटा गलीचा
ঘন জঙ্গল	घनो जंगल	घना जंगल
ঘন দুধ	घनो दुध	गाढ़ा दूध
ছোট ভাই	छोटो भाइ	छोटा भाई
বড় বাঘ	बड़ो बाघ	बड़ा शेर
চওড়া বুক	चौड़ा बुक	चौड़ी छाती
ভাল জামাই	भालो जामाइ	अच्छा दामाद
টাটকা শাক	टाट्का शाक	ताजा साग
নামজাদা ডাকাত	नामजादा डाकात	मशहूर डाकू
মন্দ কাজ	मन्दो काज	बुरा काम

* आदिके अक्षर अकारयुक्त ऐसे कुछ हिन्दी शब्द बंगलामें जाकर उच्चारणके हेरफेरके कारण, आकारयुक्त होकर इस्तेमाल होते हैं, जैसे— পাতলা, চামড়া, টাটকা, হালকা, ধাক্কা, পাকা (पक्का) কাল (कल), আচ্ছা, ছাত (छत), পাগড়ি, খাপড়া (खपड़ा), চালনী, ঢাকনী, খাজাঞ্চী, চাদর इत्यादि।

খোঁড়া শিয়াল	खोंड़ा शियाल	लंगड़ा सियार
কাণা বিড়াল	काना बिड़ाल	कानी बिल्ली
বোকা ছেলে	बोका छेले	बेवकूफ लड़का
ভারি কুমড়ো	भारी कुमड़ो	वजनदार कोंहड़ा
টক্ দই	टक दइ	खट्टा दही
ঝাল লঙ্কা	झाल लंका	तीता मिरचा
মিষ্ট (মিঠে) আখ	मिष्टो आख	मीठा ऊख
ছেঁড়া জামা	छेंड़ा जामा	फटा कुर्ता
দামী খড়ম	दामी खड़म	कीमती खड़ाऊँ
কালা কুকুর	काला कुकुर	बहरा कुत्ता
শুকনা ডাল	शुकना डाल	सूखी डार
সুশ্রী* ছেলে	शुस्त्री छेले	सुन्दर लड़का
বিশ্রী চেহারা	बिस्त्री चेहारा	भद्दा चेहरा
যুবা† পুরুষ	जुबा पुरुष	जवान आदमी

* तालव्य श या दन्त्य स के साथ र मिलने से उसका उच्चारण बंगलामें दन्त्य 'स' सा होता है।

† बंगलामें य का उच्चारण ज की तरह और अन्तस्थ व का उच्चारण वर्गीय ब की तरह होता है। दोनों ज और दोनो ब के उच्चारणमें कोई भेद नही किया जाता। परन्तु जब य शब्द के बीच या अन्तमे बैठता है तब उसके नीचे बिन्दी दी जाती है और उसका उच्चारण य की तरह ही होता है, जैसे—শয়ন (शयन)—लेटना, জয়, সময় इत्यादि।

নীলবর্ণ আকাশ	नीलवर्णो आकाश	नीला आकाश
ফিকে রং	फिके रङ	फिका रङ्ग
কুঁড়ে লোক	कुँड़े लोक	सुस्त आदमी
লাজুক বৌ	लाजुक बउ	लजीली बहू
খিট্খিটে মেজাজ	खिटखिटे मेजाज	चिड़चिड़ा मिज़ाज
মেজ ছেলে	मेजो छेले	मझला लड़का
মিষ্ট চা	मिष्टो चा	मीठी चाय
ঝগড়াটে বৌ	झगड़ाटे बउ	झगड़ालू बहू
বাসি মাছ	बासि माछ	बासी मछली
বোবা মালিনী*	बोबा मालिनी	गूँगी मालिन
হাল্কা জিনিষ	हाल्का जिनिश	हलकी चीज
রোগা হাতী	रोगा हाती	बीमार हाथी
পোষা জন্তুগুলি*	पोशा जन्तुगुलि	पालतू जानवर
বাঁকা শিং	बाँका शिङ	टेढ़ा सींग
সূচাল ছুঁচ	शूचालो छुँच	नोकीली सूई
একলা জেলে	ऐक्ला जेले	अकेला मल्लाह
কিছু চিনি	किछु चिनि	थोड़ी शक्कर (चीनी)

* वचन या लिंगके भेदसे विशेषणमें हेरफेर नहीं होता। परन्तु संस्कृत विशेषणके स्त्रीलिंग बनानेमें कहीं कहीं आकार या ईकार जोड़ा जाता है, जैसे—সুন্দর या সুন্দরী বালিকা, মনোহর या মনোহারিণী লতা, বিস্ফারিতলোচনা তন্বঙ্গী রাধিকা।

আমি ছোট *	आमि छोटो	मैं छोटा हूँ
তুই কাল	तुइ कालो	तू काला है
তুমি ভাল	तुमि भालो	तुम अच्छे हो
সে গরিব	शे गरिब	वह गरीब है
তিনি ধনী †	तिनि धनी	वे धनी हैं
আমরা অসুস্থ	आमरा अशुस्थो	हमलोग बीमार हैं
তোরা অলস	तोरा अलश	तुमलोग आलसी हो
তোমরা ভীরু	तोमरा भीरु	तुमलोग डरपोक हो
তাহারা দুর্বল	ताहारा दुर्बल	वे लोग दुबले हैं
তাঁহারা জমিদার	ताँहारा जमिदार	वे लोग जमींदार हैं
চাকর খোঁড়া	चाकर खोंडा	नौकर लंगड़ा है
আলু পচা	आलु पचा	आलू सड़ा है
দই টক	दइ टक	दही खट्टा है
টাকাগুলি ভাল	टाकागुलि भालो	रुपये अच्छे हैं
পাতাগুলি সবুজ	पातागुलि शबुज	पत्तियाँ हरी हैं
মেয়েগুলি বিশ্রী	मेयेगुलि बिश्री	लड़कियाँ बदसूरत हैं

* जहाँ विशेषण संज्ञाके बाद बैठता है, वहाँ हिन्दीकी तरह बंगलामें वर्तमान कालमें আছি, আছ, আছে হই, হও, হয় (है) क्रियाकी जरूरत नहीं होती।

† आदर अर्थमें সে के बदले তিনি और তাহারা के बदले তাঁহারা होता है।

अनुशीलनी

সত্য কথা বল (বলো),* পাতলা রুটি খাও, পাকা আম ভ
টক দই খারাপ, বাঙ্গলা বই পড (পড়ো), বড ঘোডা দৌ
(দৌড়িলো), ছোট জামাই কাশী গিযাছে. টাটকা লুচি আন, স
ছেলেরা গিয়াছে, মিঠে লিচু খা, পুরাণ দেওয়াল ভাঙ্গ, হল
বাঘ দেখ (দেখো), কাল পোষাক পর, ছেঁডা জামা ছাড. হাল
ছড়ি দাও বড বোন আসিবেন, মন্দ ছেলেরা কাঁদে, বড মে
নাচে. আমি রুগ্ন, সে অবিশ্বাসী. কচু পচা ছিল (ছিলো)।

सच बात कहो, पतली रोटी खाओ, पका आम अच्छा
खट्टा दही खराब है, बंगला किताब पढ़ो, बड़ा घोड़ा दौ
छोटा दामाद काशी गया है, ताजी पूड़ी लाओ, सब ल
गये. मीठी लीची खा, पुरानी दीवार तोड़ो, पीला शेर दे
काली पोशाक पहनो. फटा कुर्ता छोड़ो, हल्की छड़ी दो, ब
बहिन आयेगी, बुरे लड़के रोते हैं, बड़ी लड़कियाँ नाचती
मैं बीमार हूँ. वह बेईमान है, अरवी सड़ी थी।

सम्बन्ध और सम्बन्धी

বালকের বুদ্ধি	बालकेर बुद्धि	लड़केकी बु
গাছের পাতা	गाछेर पाता	पेड़की पत्ती

---

* क्रियाके अन्तिम अकारका उच्चारण ओकारका होता है। परन्
क्रियाके अन्तमें न या द रहनेसे उसका उच्चारण हलन्तसा ही होता है
'हूँ' रूपी क्रियाके अन्तिम अकारका भी हलन्तसा ही उचारण होता है

মাছের ডিম	माछेर डिम	मछलीका अण्डा
কুলের বিচি	कुलेर बिचि	बेरका बिया
সতীশের বই	शतीशेर बइ	सतीशकी किताब
রামের মা	रामेर मा	राम की माँ
কুকুরের পা	कुकुरेर पा	कुत्ते का पैर
চোরের মাসী	चोरेर माशी	चोरकी मौसी
হরিণের শিংগুলি	हरिणेर शिंगुलि	हिरनके सींग
সাহেবের চাকরেরা	शाहेबेर चाकरेरा	साहबके नौकर
বইয়ের পৃষ্ঠা	बइएर पृष्ठा	किताबका पन्ना
দইয়ের * দাম	दइएर दाम	दहीकी कीमत
ভাইএর ইচ্ছা	भाइएर इच्छा	भाईकी इच्छा
খইএর ওজন	खइएर ओजन	लावेका वजन
বৌএর বোন	बउएर बोन	बहूकी बहन
পোলাওএর গন্ধ	पोलावेर गन्ध	पुलावकी महक
বাজীরাওএর ছেলে	बाजीरावेर छेले	बाजीरावका लड़का
মার বা মায়ের আদেশ	मायेर आदेश	माँकी आज्ञा
চায়ের পেয়ালা	चाएर पेयाला	चायका प्याला
ঘাএর পুঁজ	घायेर पुँज	घावका पीब
পাএর * ঘা	पाएर घा	पैरका घाव

---

* कोई कोई দইয়ের, ঢেউয়ের, বউয়ের, পোলাওয়ের, পায়ের इस तरह लिखते हैं ; उच्चारण दोनों रूपों का एक ही है।

আমার ভাই	आमार भाइ	मेरा भाई
তোমার শ্বশুর	तोमार शशुर	तुम्हारा ससुर
আপনার গাড়ী	आपनार गाड़ी	आपकी गाड़ी
মামার শালা	मामार शाला	मामाका साला
কন্যার ননদ	कन्यार ननद्	लड़कीकी ननद्
মশার হুল	मशार हुल	मच्छड़का डंक
ভেড়ার কান	भेड़ार कान	भेड़का कान
টিয়ার ঠোঁট	टियार ठोट	तोतेकी चोंच
ছারপোকার গন্ধ	छारपोकार गन्ध-अ	खटमलकी बू
গাধার মাথা	गाधार माथा	गदहेका सिर
শালার বউ	शालार बउ	सालेकी पत्नी
বাবার কাপড়	बाबार कापड़	पिताका कपड़ा
কাঠুরিয়ার পরিশ্রম	काठुरियार परिस्रम	लकड़ीहारेकी मेहनत
ধোপার বাড়ী	धोपार बाड़ी	धोबीका मकान
মস্লার হিসাব	मशलार हिशाब	मसालेका हिसाब
কলার খোসা	कलार खोशा	केलेका छिलका
ছোলার ডাল	छोलार डाल	चनेकी दाल
পাঠশালার ছাত্র	पाटशालार छात्र	पाठशालाका छात्र
হাঁড়ির ময়লা *	हाँड़िर मयला	हण्डीकी मैल

* मयला शब्द संज्ञा (मैल) और विशेषण (मैला) दोनों प्रकारसे व्यवहृत होता है।

মুনির তপস্যা	मुनिर तपश्या	मुनिकी तपस्या
সিঁডিব ধাপ	शिड़िर धाप	सीढ़ीका डंडा
আলমাবিব কাঁচ	आल्मारीर काँच	अलमारी का शीशा
দডিব খাট	दड़िर खाट	सुतलीकी खटिया
স্বামীর সেবা	शामीर शेवा	पतिकी सेवा
পক্ষীব*(পাখীব) বাসা	पक्खीर बाशा।	चिड़ियाका घोंसला
নদীব ঘাট	नदीर घाट	नदीका घाट
ধোপানীব গাধা	धोपानीर गाधा	धोबिनका गदहा
বেজীর বাচ্চা (বাচ্ছা)	बेजीर बाच्चा	नेवलेका बच्चा
হাতীব শুঁড	हातीर शुँड़	हाथीका सूँड़
কচুব অম্বল	कचुर अम्बल	अरवीकी खटाई
লিচুর গাছ	लिचुर गाछ	लीचीका पेड़
বধুর বা বউয়েব ভাইপো	भाइपो	बहूका भतीजा
জেলের বউ	जेलेर बउ	मल्लाहकी औरत
মুটের মজুবী	मुटेर मजुरी	कुलीकी मजदूरी
মেসোর জামাই	मेशोर जामाइ	मौसाका दामाद

एर और र सम्बन्धकी विभक्तियाँ हैं। अकारान्त शब्दके अन्तिम अकारका लोप करके एर जोड़ा जाता है। जिस शब्दके अन्तमे व्यंजन-रहित केवल स्वर रहता है उसके साथ भी एर

---

* क्ष (च्च) का उच्चारण 'क्ख' की तरह होता है, जैसे, पक्षी (पक्खी) —चिड़िया, लक्ष (लक्ख)—लाख, वृक्ष (वृच्च)—पेड़ इत्यादि।

ही लगता है। (व्यंजन-युक्त) अकार भिन्न अन्य स्वरान्त शब्दके अन्तमें व जोड़ा जाता है। लिंग या वचनके भेदसे इन विभक्तियोंमें परिवर्तन नहीं होता।

अनुशीलनी

রামের ছেলে আসিয়াছে, তোমার বই কোথায়? এই আমার দোয়াত, গরুর দুধ ভাল, পশুর চারি পা, মনুষ্যের দুই হাত, ভারত আমাদের দেশ, কাশীর পাণ্ডা আসিয়াছিল, তাহার বাড়ীর দরজা ভাঙ্গা, চাউলের দর বল, গাড়ীর ভাড়া দাও, নরেন বাবুর ছেলে গিয়াছে, আমার ভাই কাল আসিবে, আপনার ছাতা কাল, এক টাকার আটা কিনিয়াছি, যাহার বেতন তাহাকে দাও, বাঘের নখ ধারাল, মেথরের পয়সা দিয়াছি, মায়ের কথা শোন (शोनो), বিদেশের জিনিষ ছাড় (छाड़ो), আমার জামাই পড়ে।

रामका लड़का आया है, तुम्हारी किताब कहाँ है? यह मेरी दावात है, गायका दूध अच्छा है, जानवरके चार पैर हैं, आदमीके दो हाथ हैं, भारत हमलोगोंका देश है, काशीका पंडा आया था, उसके मकान का दरवाजा टूटा है, चावलकी दर बताओ, गाड़ी का किराया दो, नरेन बाबूका लड़का गया है, मेरा भाई कल आयेगा, आपका छाता काला है, (मैंने या हमने) एक रुपये का आटा खरीदा है, जिसका वतन उसको दो, शेरका नाखून तीखा है, (मैंने या हमने) मेहतर का पैसा दिया है, माँकी बात सुनो, विदेशकी चीज छोड़ो, मेरा दामाद पढ़ता है।

सामान्य वर्तमान

আমি করি *	आमि करि	मैं करता हूँ
আমরা করি	आमरा करि	हम लोग करते हैं
তুই করিস	तुइ करिश	तू करता है
তুমি কর	तुमि करो	तुम करते हो
তোমরা কর	तोमरा करो	तुम लोग करते हो
আপনি করেন	आपनि करेन	आप करते हैं
আপনারা করেন	आपनारा करेन	आप लोग करते हैं
সে করে	शे करे	वह करता है
তাহারা করে	ताहारा करे	वे लोग करते हैं
তিনি করেন	तिनि करेन	वे करते हैं

* वर्तमान कालके उत्तम पुरुषकी विभक्ति ই, मध्यम पुरुषकी (निरादर अर्थमें) ইস্ या স্, साधारण अर्थमें অ या ও और अन्य पुरुषकी এ या য है। निरादर अर्थका कर्ता তুই या তোরা और साधारण अर्थका कर्ता তুমি या তোমরা है। आदर अर्थमें अन्य पुरुषकी क्रियाकी विभक्तिके अन्तमें न जोड़ा जाता है, परन्तु य रहे तो उसका लोप हो जाता है। वचनके भेदसे विभक्तिमें कोई हेरफेर नहीं होता। इसी पुस्तकके द्वितीय खण्डमें क्रियाओंकी जो फिहरिस्त दी गयी है, उसमें हरेकके सामने धातुका स्वरूप भी लिख दिया गया है। उस धातुमें विभक्ति जोडनेसे क्रिया बनती है। जैसे—কর্+ই=করি, খা+ই=খাই, কর্+ইস্=করিস্ খা+স্=খাস্ (तू खाता है), কর্+অ=কর, কর্+এ=করে, যা+য=যায, কর্+এ+ন করেন, খা+য+ন=খান इत्यादि।

তাঁহারা করেন	ताँहारा करेन	वे लोग करते हैं
নরেন্দ্র করে	नरेन्द्र करे	नरेन्द्र करता है
সকলে * পড়ে	शकले पड़े	सब लोग पढ़ते हैं
সুরেন্দ্রের (सुरेन्द्रे र) পিতা করেন		सुरेन्द्रके पिता करते हैं
আমি বা আমরা বসি	बशि	मैं बैठता हूँ या हम बैठते हैं
সে বা তাহারা ডাকে	डाके	वह बुलाता है या वे बुलाते हैं
কে বা কাহারা হাসে	हासे	कौन हँसता है या कौन हँसते हैं
রামের মা বলেন	बलेन	राम की माँ कहती हैं
তুমি বা তোমরা উঠ	उठो	तुम या तुम लोग उठते हो या उठो
কে বাঁচে কে মরে	मरे	कौन जीता है कौन मरता है
আমি বা আমরা চলি	चलि	मै चलता हूँ या हम चलते हैं
আমি বা আমরা খাই	खाइ	मै खाता हूँ या हम खाते हैं
সে বা তাহারা খায়	खाय	वह खाता है या वे खाते हैं
তুমি বা তোমরা খাও	खाओ	तुम या तुम लोग खाते हो
তিনি বা তাঁহারা খান	खान	वे या वे लोग खाते हैं
ছেলে ঘুমায়	छेले घुमाय	लड़का सोता है

* कर्त्तामें कभी-कभी अधिकरणकी सप्तमी विभक्ति ए या ते लगायी जाती है। जैसे,—'লোকে' বলে (लोग कहते हैं), 'কুকুরে' ইঙ্গিত বোঝে (कुत्ता इशारा समझता है), 'মশায়' কামড়ায় (मच्छड़ काटता है), 'ঘোড়ায়' ঘাস খায় (घोड़ा घास खाता है), 'গরুতে' ধান খায় (गाय धान खाती है) इत्यादि।

সে গড়ে	शे गड़े	वह बनाता है
পিতা ধমকান	पिता धमकान्	पिताजी धमकाते है
কে বা কাহারা পায় ?	पाय	कौन पाता है या कौन पाते हैं ?
কুকুর কামড়ায	कामड़ाय	कुत्ता काटता है
আমরা পাঠাই	पाठाइ	हम भेजते हैं
সকলে বেড়ায	बेड़ाय	सब लोग टहलते है
বেঙ লাফায়	लाफाय	मेढक कूदता है
চাকরাণী নিংড়ায়	निंड़ाय	नौकरानी निचोड़ती है
আমি বা আমরা লই	लइ	मै लेता हूँ या हम लेते है
সে বা তাহারা হয	हय	वह होता है या वे होते हैं
তুমি বা তোমরা হও	हय़	तुम या तुम लोग होते हो
তুমি বা তোমরা দাও	दाओ	तुम या तुम लोग देते हो

वचन और लिगके भेद ने क्रियामे परिवर्त्तन नहीं होता। केवल पुरुषके भेदसे क्रिया बदलती है। आदरार्थक क्रियाके अन्तमे सर्वत्र न आता है।

अनुशीलनी

তাহার ছেলে রুটি খায, সে মিথ্যা কথা বলে, কে সুতা চায ? আমি টাকা চাই, আমরা বই পড়ি, তিনি রোজ মামা-বাড়ী যান, তুমি কি লেখ ? বাম কাপড দান করেন, শিষ্য প্রশ্ন জিজ্ঞাসা করে, গুরু উত্তর দেন, কুমোর বাসন গড়ে, বানর কাঁদে, গাধা দৌড়ায়, কে যায়, সখীরা গান গায়, রোজ বাসের

চিঠি আসে, সতীশ প্রত্যহ বেড়ায়, চাষা জমি বেচে, কে কে কাজ করে? তুমি কি চাও? ছেলেরা খেলা করে, পণ্ডিত মহাশয় বক্তৃতা করেন, মাসীমায়ের একটী মেয়ে আছে।

उसका लड़का रोटी खाता है, वह झूठी बात कहता है, कौन सूत माँगता है? मैं रुपया चाहता हूँ, हम लोग पुस्तक पढ़ते हैं, वे रोज ननिहाल जाते हैं, तुम क्या लिखते हो? राम कपड़ा दान करते हैं, शिष्य प्रश्न पूछता है, गुरु जवाब देते हैं, कुम्हार बर्तन बनाता है, बन्दर रोता है, गदहा दौड़ता है, कौन जाता है, सहेलियाँ गाना गाती हैं, रोज रामकी चिट्ठी आती है, सतीश रोज टहलता है, किसान जमीन बेचता है, कौन-कौन काम करते हैं? तुम क्या माँगते हो? लड़के खेलते हैं, पण्डितजी व्याख्यान देते हैं, मौसीके एक लड़की है।

तात्कालिक वर्तमान

আমি বলিতেছি *	आमि बलितेछि	मैं कहता या कह रहा हूँ
সে বসিতেছে	शे बशितेछे	वह बैठता या बैठ रहा है
কে রাখিতেছে?	के राखितेछे	कौन रख रहा है
মামা কহিতেছেন বা বলিতেছেন	बलितेछेन	मामा कह रहे हैं
আমরা পড়িতেছি	आमरा पड़ितेछि	हम पढ़ रहे हैं

* तात्कालिक वर्तमानके उत्तम पुरुषकी विभक्ति इतेछि, मध्यम पुरुषकी निरादर अर्थमें इतेछिस्, साधारण अर्थमें इतेछ, अन्य पुरुषकी इतेछे है, और आदरार्थ में इतेछेन है।

তাহাবা চাহিতেছে	चाहितेछे	वे मॉग रहे हैं
আতা ঝুলিতেছে	झुलितेछे	शरीफा लटक रहा है
পণ্ডিত মহাশয লিখিতেছেন	लिखितेछेन	पंडितजी लिख रहे हैं
হাতী ঘুমাইতেছে	घुमाइतेछे	हाथी सो रहा है
কুকুর শুঁকিতেছে	शुँकितेछे	कुत्ता सूँघ रहा है
ললিতেব ভাই খুঁজিতেছে	खुँजितेछे	ललितका भाई ढूँढ़ रहा है
তাহারা কাটিতেছে	काटितेछे	वे काट रहे हैं
তুমি খাইতেছ	खाइतेछो	तुम खा रहे हो
কৃষক বানাইতেছে	बानाइतेछे	किसान बना रहा है
গুরু মহাশব ধমকাইতেছেন	धमकाइतेछेन	गुरुजी धमका रहे हैं
কে বা কাহারা দিতেছে ?	दितेछे	कौन दे रहा है या दे रहे हैं
আমবা লইতেছি	लइतेछि	हम ले रहे हैं
বৃষ্টি হইতেছে	हइतेछे	बारिश हो रही है
মেথব ছুঁইতেছে	छुँइतेछे	मेहतर छू रहा है
ধোপা ধুইতেছে	धुइतेछे	धोबी धो रहा है

अनुशीलनी

তাহাব ছেলে রুটী খাইতেছে, তুমি মিথ্যা কথা বলিতেছ, সে কাহাব বানব বেচিতেছে ? দেবেন্দ্র কলম চাহিতেছে, আজ কি পাঠাইতেছ ? কাছিম পলাইতেছে, আমি গল্পের বই পড়িতেছি, তিনি যাইতেছেন, মা তিবস্কাব কবিতেছেন, চাকব জল আনিতেছে, আমাব ভগ্নীপতি ছাপাখানাব কাজ শিখিতেছেন,

স্বামীজী ডাকিতেছেন, ফণিভূষণ কি লিখিতেছে? অন্ধ কেন কাঁদিতেছে? পাগল আবল তাবল বকিতেছে, তোমার মেয়েরা হাসিতেছে, বালকেরা গান করিতেছে, তিনি কাপড়ের ব্যবসা শিখিতেছেন, মা কাপড়গুলি দান করিতেছেন।

उसका लड़का रोटी खा रहा है, तुम झूठी बात कह रहे हो, वह किसका बन्दर बेच रहा है? देवेन्द्र कलम माँग रहा है, आज क्या भेज रहे हो? कछुआ भाग रहा है, मैं गल्पकी किताब पढ़ रहा हूँ, वे जा रहे हैं, माँ धमका रही हैं, नौकर पानी ला रहा है, मेरे बहनोई छापाखानेका काम सीख रहे हैं, स्वामीजी बुला रहे है, फणिभूषण क्या लिख रहा है? अन्धा क्यों रोता है? पागल अंड-बंड बक रहा है, तुम्हारी लड़कियाँ हँस रही हैं, लड़के गाना गाते या गा रहे हैं, वे कपड़ेका व्यापार सीख रहे है, माँ कपड़े दान कर रही हैं।

सामान्य भूत

আমি বা আমরা করিলাম*	করিলা।	मैंने या हमने किया
তুই করিলি	करिलि	तूने किया
সে বা তাহারা করিল	करिलो	उसने या उन्होंने किया

* सामान्य भूतके उत्तम पुरुषकी विभक्ति इलाम, मध्यम पुरुषकी निरादर अर्थमें इलि, साधारण अर्थमें इल और अन्य पुरुषकी इल है।

তুমি বা তোমরা বলিলে	बलिले	तुमने या-तुमलोगोंने कहा
তিনি বা তাঁহারা আসিলেন	आशिलेन	वे या वे लोग आये
কে বা কাহারা ভাঙ্গিল ?	भाङिलो	किसने या किनने तोड़ा ?
কি হইল ?	कि हइलो	क्या हुआ ?
মালী বা মালীরা* দিল	दिलो	मालीने या मालियोंने दिया
আমি লিখিলাম	लिखिलाम	मैंने लिखा
ঘুম ভাঙ্গিল	घुम भाङ्गिलो	नींद टूटी या टूट गयी
গাছ পড়িল	गाछ पड़िलो	पेड़ गिरा या गिर् पड़ा.
কুকুর ডাকিল	कुकुर डाकिलो	कुत्ता भूँका
ঠাকুরমা পাঠাইলেন	ठाकुरमा पाठाइलेन	दादीने भेजा
ভল্লুক শুইল	भल्लुक शुइलो	भालू लेटा
দিদিমা দিলেন	दिदिमा दिलेन	नानीने दिया

अनुशीलनी

বাড়ী পড়িল, আমি চলিলাম, কুকুর পলাইল, কে আসিল ? সে গেল, নারায়ণ বলিল, বালিকা হাসিল, তাহারা লণ্ঠন দিল, কে কি পাঠাইল ? কুকুরটা † ছুঁইল, এখনই জাহাজ ছাড়িল, সে বই চাহিল, তিনি পাঁচ টাকা হারিলেন, আমি মরিলাম, তুমি কেন গেলে ? তোমার দিদিমা কেন বকিলেন ?

---

* রা, এরা, গুলি, গুলা बहुवचनकी विभक्तियाँ हैं।

† निर्देश अर्थ जताने के लिए बंगलामें टा, टी, टुकु, खाना, खानि आदि विभक्तिरूपसे संज्ञाके साथ इस्तेमाल होते हैं।

मकान गिरा, मैं चला, कुत्ता भागा, कौन आया ? वह गया, नारायण बोला, लड़की हँसी, उनलोगोंने लालटेन दी, किसने क्या भेजा ? कुत्तेने छूआ, अभी जहाज छोड़ा, उसने किताब माँगी. उन्होंने पाँच रुपये हारे, मैं मरा, तुम क्यों गये ? तुम्हारी नानीने क्यों धमकाया ?

आसन्न भूत

আমি বা আমরা করিয়াছি* करियाछि मैंने या हमने किया है

তুই করিয়াছিস্ करियाछिस् तूने किया है

সে বা তাহারা করিয়াছে करियाछे उसने या उन्होंने किया है

তুমি বা তোমরা বলিয়াছ बलियाछो तुमने या तुमलोगोंने कहा है

অনেকে † ঘিরিয়াছে घिरियाछे बहुतोंने घेरा है

উভয়ে খুলিয়াছে खुलियाछे दोनोंने खोला है

খুড়তুত (खुड़तुतो) বোন আসিয়াছে चचेरी बहन आयी है

সতীন নামিয়াছে नामियाछे सौत उतरी है

কাঠবিড়াল কুল গিলিয়াছে गिलहरीने बेर निगला है

---

* आसन्न भूतके उत्तम पुरुषकी विभक्ति ইয়াছি, मध्यम पुरुषके निरादर अर्थमें ইয়াছিস, साधारण अर्थमें ইয়াছ और अन्य पुरुषकी ইয়াছে है।

† अकारान्त कर्त्ताके आकारके स्थानमें प्राय एकार होता है। एकार अधिकरण की विभक्ति है।

রাখাল ভাঙ্গিয়াছে	भाङियाछे	गड़ेरियेने तोड़ा है
ডাকাত বাঁধিয়াছে	बाँधियाछे	डाकूने बाँधा है
বালকেরা শিখিয়াছে	शिखियाछे	लड़कों ने सीखा है
প্রত্যেকে বেচিয়াছে	बेचियाछे	हर एकने बेचा है
জমিদার কিনিয়াছেন	किनियाछेन	जमींदारने खरीदा है
লোকেরা উঠিয়াছে	उठियाछो	लोग उठे है
তুমি পাইয়াছ ?	पाइयाछो	तुमने पाया है ?
ননীবালা ❀ খাইয়াছে	खाइयाछे	ननीबालाने खाया है
তাহারা ঘুমাইয়াছে	घुमाइयाछे	वे लोग सो गये हैं
কুমোরে গড়িয়াছে	गड़ियाछे	कुम्हारने बनाया है
চোর পলাইয়াছে	पलाइयाछे	चोर भागा है
মালীরা গিয়াছে	गियाछे	मालीलोग गये हैं
তাহার ব্যারাম হইয়াছে	बैराम हइयाछे	उसे बीमारी हुई है
রাজারা দিয়াছেন	दियाछेन	राजाओंने दिया है
সকলে শুইয়াছে	शुइयाछे	सबलोग लेटे हैं

अनुशीलनी

আমার জ্বর হইয়াছে, সে কাশী গিয়াছে, মহেশ মিথ্যাকথা বলিয়াছে, পণ্ডিত মহাশয় গিয়াছেন, আপনার কি খুব কষ্ট হইয়াছে? বাবা উঠিয়াছেন মহেন্দ্র জাগিয়াছে, দাদা ঘুমাইয়াছেন,

---

❀ स्त्रीका नाम है। बंगाली स्त्रियोंके नाममें प्राय बाला जोड़ा जाता है, जैसे—सरलाबाला, सुशीलाबाला, षोडशीबाला, निर्मलाबाला आदि।

জ্যোৎস্না উঠিয়াছে, সুরেন্দ্র চাঁদ দেখিয়াছে, কে কি খাইয়াছে? জামাই জুতা চাহিয়াছেন, আমি একটা* চিরুণি কিনিয়াছি, তুমি কাটিয়াছ, চাকর মসলা পিষিয়াছে, আমরা বুঝিয়াছি, মা ভাত খাইয়াছেন, তিনি চুড়িগুলি ভাঙ্গিয়াছেন, আমরা পুরস্কার পাইয়াছি, কবিরাজ ঔষধ (অভপধ)গুলি শুঁকিয়াছেন, দালাল বাড়ীগুলি বিক্রয় করিয়াছে, কে রুটীগুলি খাইয়াছে? লক্ষ্মণের (লক্খনের) বোন ফুলগুলি ছিঁড়িয়াছে, সে অনেক কাজ করিয়াছে।

मुझको बुखार आया है, वह काशी गया है, महेशने झूठी बात कही है, पंडितजी गये हैं, क्या आपको बहुत तकलीफ हुई है? पिताजी उठे हैं, महेन्द्र जागा है, भाई साहब सोये हैं, चाँदनी उगी है, सुरेन्द्रने चाँद देखा है, किसने क्या खाया है? दामादने जूता माँगा है, मैंने एक कंघी खरीदी है, तुमने काटा है, नौकरने मसाला पीसा है, हमलोगोंने समझा है, माँने भात खाया है, उन्होंने चूड़ियाँ तोड़ी हैं, हमलोगोंने इनाम पाया है, वैद्यने दवाओंको सूँघा है, दलालने मकानोंको बेचा है, किसने रोटियाँ खायी हैं? लक्ष्मणकी बहिनने फूलोंको तोड़ा है, उसने बहुत काम किये हैं।

---

* निर्देश अर्थमें टा (टो= टा) जोड़ा जाता है। একটা, দুটো, তিনটে, চারটে, পাঁচটা, ছটা—ऐसे गिना जाता है। छ. से आगे टा ही लगता है। কটা বেজেছে?—তিনটে (कितना बजा है?—तीन)।

पूर्ण भूत

আমি বসিয়াছিলাম*	वशियाछिलाम्	मैं बैठा था
তোরা বসিয়াছিলি	बशियाछिलि	तुम (तू) लोग बैठे थे
তোমরা বসিয়াছিলে	बशियाछिले	तुम लोग बैठे थे
সে বসিয়াছিল	वशियाछिलो	वह बैठा था
কে করিয়াছিল?	करियाछिलो	किसने किया था ?
কলম পড়িয়াছিল	पड़ियाछिलो	कलम गिर पड़ी थी
ছাত ফাটিয়াছিল	फाटियाछिलो	छत फट गयी थी
গদাধর রাঁধিয়াছিল	रॉधियाछिलो	गदाधरने (रसोई) पकायी थी
লুচিগুলি পুড়িয়াছিল	पुड़ियाछिलो	पूड़ियाँ जल गयी थीं
দরজা ভাঙ্গিয়াছিল	भाङियाछिलो	दरवाजा टूट गया था
আমরা মারিয়াছিলাম	मारियाछिलाम्	हमलोगोंने मारा था
চাষা বেচিয়াছিল	बेचियाछिलो	किसानने बेचा था
ঘোড়া দৌড়িয়াছিল	दउड़ियाछिलो	घोड़ा दौड़ा था
বিড়াল খাইয়াছিল	खाइयाछिलो	बिल्लीने खाया था
রামদয়াল গিয়াছিল	गियाछिलो	रामदयाल गया था
বানর খুলিয়াছিল	खुलियाछिलो	बन्दरने खोला था
আমি কমাইয়াছিলাম	कमाइयाछिलाम्	मैंने घटाया था

* पूर्ण भूतके उत्तम पुरुषकी विभक्ति इयाछिलाम, मध्यम पुरुषकी निरादर अर्थमें इयाछिलि, साधारण अर्थमें इयाछिले और अन्य पुरुषकी इयाछिल है।

সে নামাইয়াছিল	नामाइयाछिलो	उसने उतारा था
ছেলেরা চেঁচাইয়াছিল	चैंचाइयाछिलो	लड़के चिल्लाये थे
বন্ধু পাঠাইয়াছিলেন	पाठाइयाछिलेन	दोस्तने भेजा था
শ্বশুর ধমকাইয়াছিলেন	धमकाइयाछिलेन	ससुरने धमकाया था
ছেলে হইয়াছিল	हइयाछिलो	लड़का हुआ था
মাধব দিয়াছিল	दियाछिलो	माधवने दिया था
কে নিয়াছিল (লইয়াছিল)?	नियाछिलो	किसने लिया था
চাকর ধুইয়াছিল	धुइयाछिलो	नौकरने धोया था

অনুশীলনী

কে গিয়াছিল ? আমি আসিয়াছিলাম, রাম বলিয়াছিল, তুমি কোথায় গিয়াছিলে ? চোর আসিয়াছিল, মালী ঔষধ আনিয়াছিল, বই বড ছিল, কাপড ছেঁডা ছিল, সে কাঁদিয়াছিল, আমি গান শিখাইয়াছিলাম, পিসিমা কাপড চাহিয়াছিলেন, লোকেরা শব্দ শুনিয়াছিল, ঠাকুরমা জিজ্ঞাসা করিয়াছিলেন, শৃগাল কামডাইয়াছিল, সুশীলের বউ নামতা শিখিয়াছিল, আমরা অনেক টাকা দিয়াছিলাম, সে দুইটা বাঘ মারিয়াছিল, তোমরা কি কি দেখিয়াছিলে ? আপনি পুস্তকগুলি পডিয়াছিলেন ? রাজারা অনেক কাপড দিয়াছিলেন।

कौन गया था ? मैं आया था, रामने कहा था, तुम कहाँ गये थे ? चोर आया था, माली दवा लाया था, किताब बड़ी थी, कपड़ा फटा था, वह रोया था. मैंने गाना सिखाया था,

बूआने कपडा माँगा था, लोगोंने आवाज सुनी थी, दादीने पूछा था, सियारने काटा था, सुशीलकी स्त्रीने पहाड़ा सीखा था, हमलोगोंने बहुत रुपये दिये थे, उसने दो शेर मारे थे, तुमलोगोंने क्या-क्या देखा था ? अपने पुस्तकोंको पढ़ा था ? राजाओंने बहुतसे कपड़े दिये थे ।

सन्दिग्ध भूत

আমি করিয়া থাকিব *	करिया थाकिबो	मैने किया होगा
সে ডাকিয়া থাকিবে	डाकिया थाकिबे	उसने बुलाया होगा
তুমি ভাঙ্গিয়া (भाङिया) থাকিবে		तुमने तोड़ा होगा
তিনি দেখিয়া (देखिया) থাকিবেন		उन्होंने देखा होगा
মশা মরিয়া (मरिया) থাকিবে		मच्छड़ मरा (मर गया) होगा
পুলিসে ধরিয়া (धरिया) থাকিবে		पुलिसने पकड़ा होगा
বুড়ী চাহিয়া (चाहिया) থাকিবে		बुढ़ियाने माँगा होगा
মাতামহী (দিদিমা) কাঁদিয়া থাকিবেন		नानी रोयी होंगी
কেহ রাখিয়া (राखिया) থাকিবে		किसीने रखा होगा
সতীশ খাইয়া (खाइया) থাকিবে		सतीशने खाया होगा
কুকুর কামড়াইয়া (कामड़ाइया) থাকিবে		कुत्तेने काटा होगा
পিসিমা দিয়া (दिया) থাকিবেন		फूफीने दिया होगा

* सन्दिग्ध भूतकी अपनी कोई विभक्ति नहीं है । इसमें पूर्वकालिक क्रियाकी विभक्ति इया और थाक् धातुके भविष्यत् कालके रूप पुरुषके अनुसार जोड़े जाते हैं ।

দৌড়াইতেছিলে? কচ্ছপ হাঁটিতেছিল, ভল্লুক মরা মানুষ শুঁকিতেছিল।

वह पानी लाता था, वे उठते थे, वे नागपुर जाते थे, वे यह बात कह रहे थे, मैं आम खा रहा था, मोतिलाल फल काटता था, वे सोते थे, लड़के खेलते थे, हरिनाथ रोता था, हम लोग रोटी खाते थे, आप क्या माँगते थे? तुमलोग क्यों दौड़ते थे? कछुआ चल रहा था, भालू मुर्दा सूँघता था।

हेतुहेतुमद्भूत

আমি বা আমরা করিতাম *	करिताम	मैं करता या हम करते
সে বা তাহারা করিত	करितो	वह करता या वे लोग करते
যদি রাম মারিত	मारितो	अगर राम मारता
যদি মেয়ে কাঁদিত	काँदितो	अगर लड़की रोती
যদি মোহন ডাকিত	डाकितो	अगर मोहन बुलाता
যদি আপনারা চাহিতেন	चाहितेन	अगर आपलोग माँगते
যদি কাকীমা আসিতেন		अगर चाचीजी आतीं
যদি তোমার মেয়ে শিখিত		अगर तुम्हारी लड़की सीखती
যদি তিনি আর কিছুদিন বাঁচিতেন		अगर वे और कुछ रोज जीते

---

* हेतुहेतुमद्भूतके उत्तम पुरुषकी विभक्ति इताम, मध्यम पुरुषकी निरादर अर्थमें इति, साधारण अर्थमें इते और अन्य पुरुषकी इत है।

তুই পড়িতেছিলি *	पड़ितेछिलि	तू पढ़ता या पढ़ रहा था
তুমি হাঁটিতেছিলে	हाँटितेछिले	तुम चल रहे थे
মাসিমা কাঁদিতেছিলেন	काँदितेछिलेन	मौसी रोती थीं
মেয়েটী হাসিতেছিল	हाशितेछिलो	लड़की हँसती थी
তোমরা পলাইতেছিলে	पलाइतेछिले	तुमलोग भागते थे
আমরা খাইতেছিলাম	खाइतेछिलाम	हमलोग खाते थे
বাছুর লাফাইতেছিল	लाफाइतेछिलो	बछड़ा कूदता था
ইঁদুর চিবাইতেছিল	चिबाइतेछिलो	चूहा चबाता था
নেকড়েবাঘ দৌড়াইতেছিল	दौड़ाइतेछिलो	भेड़िया दौड़ता था
শৃগাল হাঁপাইতেছিল	हाँपाइतेछिलो	सियार हाँफता था
হাঁস সাঁতরাইতেছিল	शाँत्राइतेछिलो	हंस तैरता था
সে যাইতেছিল	जाइतेछिलो	वह जाता था
চাকরাণী ধুইতেছিল	धुइतेछिलो	नौकरानी धोती थी

अनुशीलनी

সে জল আনিতেছিল, তাহারা উঠিতেছিল, তিনি নাগপুর যাইতেছিলেন, তাঁহারা এই কথা বলিতেছিলেন, আমি আম খাইতেছিলাম, মতিলাল ফল কাটিতেছিল, তিনি ঘুমাইতেছিলেন, বালকেরা খেলিতেছিল, হরিনাথ কাঁদিতেছিল, আমরা রুটী খাইতেছিলাম, আপনি কি চাহিতেছিলেন? তোমরা কেন

---

* बंगलामें अपूर्ण भूत और तात्कालिक भूतकी क्रियामें एक ही प्रकारका रूप होता है।

পাখী মরিত, ধনে বাটিলে পুরস্কার পাইতে, যদি তুমি বাড়ী বেচিতে তবে অনেক টাকা পাইতে।

दवा खाते तो बीमारी अच्छी होती, तुम आते तो मैं जाता, रुपया होता तो (मै) दान करता या हम दान करते, मै कहता तो वह करता, वह बजाता तो लड़की नाचती, अगर मैं पढ़ता तो विद्वान् होता, आप माँगते तो मै देता, चाचाजी देखते तो सब ठीक होता, ममिया ससुर रहते तो लाड़-प्यार होता, छप्पर गिरता तो चिड़िया मरती, धनिया पीसते तो (तुम) इनाम पाते, अगर तुम मकान बेचते तो बहुत रुपये मिलते।

भविष्यत

আমি বা আমরা করিব (করিবো) -	मैं करूँगा या हम करेंगे
তুই বা তোরা করিবি	तू करेगा या तुम लोग करोगे
তুমি বা তোমরা গাহিবে	तुम या तुमलोग गाओगे
সে বা তাহারা খাইবে	वह खायेगा या वे खायेंगे
তিনি বা তাঁহারা যাইবেন	वे या वे लोग जायेंगे
কে কে আসিবে?	कौन-कौन आयेंगे ?
তাহার মা পাঠাইবেন	उसकी माँ भेजेगी

* भविष्यत् कालके उत्तम पुरुषकी विभक्ति इब, मध्यम पुरुषकी निरादर अर्थमें इबि और साधारण अर्थमें उसकी तथा अन्य पुरुषकी इबे है।

যদি তুমি যাইতে তবে সে আসিত

যা তুমি গেলে সে আসিত—तुम जाते तो वह आता

যদি রাম বলিত তবে শ্যাম খাইত

যা রাম বলিলে শ্যাম খাইত—राम कहता तो श्याम खाता

যদি বাড়ী পড়িত তবে মানুষ মরিত

যা বাড়ী পড়িলে মানুষ মরিত—मकान गिरता तो आदमी मरता

যদি মেঘ হইত তবে বৃষ্টি হইত

যা মেঘ হইল বৃষ্টি হইত—बादल होता तो पानी बरसता

যদি বাবা আসিতেন তবে হইত

যা বাবা আসিলে হইত—पिताजी आते तो होता

যদি আমি লইতাম তবে সে দিত

যা আমি লইলে সে দিত—मैं लेता तो वह देता

সত্যযুগে লোকেরা ধার্ম্মিক হইত সत्ययुगमें लोग धार्मिक होते थे

বাল্যকালে আমি ঘোল খাইতাম लड़कपनमें मैं मट्ठा पीता था

अनुशीलनी

ঔষধ খাইলে রোগ সারিত, তুমি আসিলে আমি যাইতাম, টাকা হইলে দান করিতাম, আমি বলিলে সে করিত, সে বাজাইলে বালিকা নাচিত, যদি আমি পড়িতাম তবে বিদ্বান হইতাম, আপনি চাহিলে আমি দিতাম, কাকা বাবু দেখিলে সমস্ত ঠিক হইত, মামাশ্বশুর থাকিলে আদর হইত, চাল পড়িলে

पढ़ोगे, नगेन्द्र काशी जायगा, शेर दौड़ेगा, पीपलका पेड़ गिरेगा, यह कहेगा, कौन आयेगा? स्त्रियाँ गाना गायेगी, रसोइया रोटी देगा, राजालोग जमीन खरीदेंगे, लोग हसेंगे, पिताजी समझायेंगे, आप दिखायेंगे, वे हिसाब समझायेंगे, लकड़ीकी सन्दूक खरीदूंगा, मिट्टीकी दावात फटेगी।

अनुज्ञा

তুমি বা তোমরা এস (एशो) ॐ	तुम या तुमलोग आओ
তুমি বা তোমরা কর (करो)	तुम या तुमलोग करो
তুমি বা তোমরা পড (पड़ो)	तुम या तुमलोग पढ़ो
তুমি বা তোমরা বল (बलो)	तुम या तुमलोग बोलो या कहो
তুমি বা তোমরা খাও	तुम या तुमलोग खाओ

ॐ अनुज्ञाके मध्यम पुरुषकी क्रियाके अन्तिम अकारका उच्चारण ओकारसा होता है। परन्तु ऐसे ओकारका उच्चारण बहुत लघु है।

अनुज्ञाके उत्तम पुरुषका कोई रूप नहीं होता क्योंकि, कोई अपनेको किसी कामके करनेके लिए आज्ञा नहीं देता। अनुज्ञाके मध्यम पुरुषके निरादर अर्थमें हिन्दीकी तरह धातुमात्र ही इस्तेमाल होता है। साधारण मध्यम पुरुषकी विभक्ति हलन्त धातुकी অ, अकारादि स्वरान्त धातुकी ও और अन्य पुरुषकी উন্ है। आदर अर्थमें উন্ के बदले উন্ होता है। আস্ धातुके मध्यम पुरुषके निरादर अर्थमें আস্ के बदले আয় और साधारण अर्थमें আস্ के बदले এস (एशो) होता है। कवितामें এস के स्थानमें कभी-कभी আইস का भी प्रयोग किया जाता है।

সে বুঝিবে	वह समझेगा
আমরা শুইব (শুইবো)	हमलोग लेटेंगे
অনেক লোকে দেখিবে	बहुत आदमी देखेंगे
কাকীমা খাওয়াইবেন	चाचीजी खिलायेंगी
স্ত্রীলোকেরা শুনিবে	स्त्रियाँ सुनेंगी
পাথরের সিঁড়ি ভাঙ্গিবে	पत्थरकी सीढ़ी टूटेगी
মুদির দোকান বসিবে	मोदीकी दूकान लगेगी
আপনি শিখাইবেন.	आप सिखायेंगे
আমাদের অতিথি চাহিবেন	हमारे मेहमान माँगेंगे
বাবা ধমকাইবেন	पिताजी धमकायेंगे
তুমি হাসাইবে	तुम हँसाओगे

অনুশীলনী

এখনই বাদ্য বাজিবে, বৃষ্টি হইবে, আমরা কাল কাজ করিব, পায়রা উড়িবে, বালকেরা খেলিবে, আমি টাকা নিব (লইব), তোমরা পড়িবে, নগেন্দ্র কাশী যাইবে, বাঘ দৌড়াইবে, অশ্বত্থ বৃক্ষ পড়িবে, সে বলিবে, কে আসিবে? স্ত্রীলোকেরা গান গাহিবে, পাচক রুটী দিবে, রাজারা জমি কিনিবেন, লোকেরা হাসিবে, বাবা বুঝাইবেন, আপনি দেখাইবেন, তিনি অঙ্ক বুঝাইবেন, কাঠের সিঁড়ি কিনিব, মাটির দোয়াত ফাটিবে।

अभी बाजा बजेगा, पानी बरसेगा, हमलोग कल काम करेंगे, कबूतर उड़ेगा, लड़के खेलेंगे, मै रुपया लूँगा, तुमलोग

ধোও—ধোঅো, শোও—লেটো, যাও—জাঅো, দৌড়াও—দৌড়ো, লাফাও—কূদো, ঘুমাও—সোঅো, পাঠাও—ভেজো, ধমকাও—ধমকাঅো, গড—বনাঅো, চালাও—চলাঅো, চিবাও—চাবো, আছড়াও—পটকো, উপড়াও—উখাড়ো, চেঁচাও—চিল্লাঅো, নিংড়াও-নিচোড়ো, বোন—বোঅো, বুনো, নামাও-উতারো, বদলাও—বদলো, পালাও—ভাগো, কমাও—ঘটাঅো, মোচড়াও—মরোড়ো, নাও—নহাঅো, লো, গাও—গাঅো, সাঁতরাও—তৈরো।

ওঠ্—উঠ, মর্—মর, লেখ্—লিখ, রাখ্—রখ, ছাড়্—ছোড়, যা—জা, খা—খা, নে—লে, দে—দে, ধো—ধো, পাঠা—ভেজ, নামা—উতার।

যান—জাইয়ে, খান—খাইয়ে, উঠুন—উঠিয়ে, রাখুন—রখিয়ে, দিন—দীজিয়ে, নিন—লীজিয়ে, দেখুন—দেখিয়ে, পাঠান—ভেজিয়ে, শুনুন—সুনিয়ে।

অনুশীলনী

আপনি এখানে বসুন, তুমি এখন যাও, তুই বাড়ী যা, তোরা আয়, আপনি পড়ুন, তুমি বস, তোমরা এ বাড়ী আজই ছাড়, নারিকেল ছোল, ভাত খাও, এই দেখ একটী বন, ইংরাজী লেখ, বাঙ্গলা (বাংলা) শেখ, জল ঢাল, কলসী ভর, মাদুর দাও, চাদর পাঠাও, আলো কমাও।

আপ যহাঁ বৈঠিয়ে, তুম অব জাঅো, তূ ঘর জা, তুম (তূ) লোগ আঅো, আপ পঢ়িয়ে, তুম বৈঠো, তুমলোগ যহ মকান আজ হী

আপনি বা আপনারা আসুন (আস্তুন)	आप या आपलोग आइये
সে বা তাহারা করুক	वह करे या वे करें
তিনি বা তাঁহারা করুন	वे या वे लोग करें
তুই বা তোরা কর্	तू कर या तुमलोग करो
আপনি বা আপনারা আসিবেন	आप या आपलोग आइयेगा

कुछ क्रियाओंके मध्यम पुरुषके रूप नीचे दिये जाते हैं:—

বস—बैठो, উঠ—उठो, কাঁদ—रोओ, হাস-हँसो, চল—चलो, বাঁচ—जीओ, মর—मरो, চাখ—चखो, শুঁক—सूँघो, চাট—चाटो, চোস—चूसो, কেন—खरीदो, বেচ (बैचो)—बेचो, চাহ বা চাও—चाहो, माँगो, খোঁজ—खोजो, কাট—काटो, ছাঁট—छाँटो, कतरो, ছাড—छोड़ो, জ্বাল—जलाओ, बारो, ঝোল—झूलो, খাট—मिहनत करो, ছোল-छीलो, কাস—खाँसो, দেখ (दैखो)—देखो, শুন—सुनो, গাও—गाओ, ডাক—बुलाओ, লেখ—लिखो, রাখ—रखो, শেখ—सीखो, ধর—पकड़ो, ভাঙ্গ—तोड़ो, খোঁড—खोदो, ছোঁড—फेंको, চড—चढ़ो, ঘের—घेरो, খোল—खोलो, ঝাড—झाड़ो, ডোব—डूबो, গণ—गिनो, টান—खींचो, চষ—जोतो, জাগ—जागो, ঠাস-ठूसो, ঢাল—ढालो, দোল-झूलो, নাম—उतरो, পার—सको, পোঁত—गाड़ो, ভর—भरो, বোঝ—समझो, নাচ—नाचो, পেষ—पीसो, পর—पहिनो, ফেল (फैलो)—फेंको, বাঁধ—बाँधो, বাঁধ—रसोई पकाओ, ঘোর—घूमो, তোল—उठाओ, হও—हो, লও—लो, দাও—दो, ছোঁও—छूओ

তাহাকে জিজ্ঞাসা করিব	उससे पूछूँगा
আমি আপনাকে খাওয়াইব	मैं आपको खिलाऊँगा
তাহাদিগকে ডাক	उनलोगोंको बुलाओ
তুমি যাহাদিগকে ডাকিলে	तुमने जिनलोगोंको बुलाया
তাঁহাকে লুচি খাওয়াইলাম	उन्हें (मैंने) पूड़ी खिलायी
আমি ডাল ভিজাইলাম	मैंने चना भिगोया
তোমাকে ব্যায়াম শিখাইব	तुम्हें कसरत सिखाऊँगा
কবিরাজকে হাত দেখাও	वैद्यको हाथ दिखाओ
কুকুরগুলিকে তাড়াও	कुत्तोंको भगाओ
বৃক্ষগুলি কাট	पेड़ोंको काटो

अनुशीलनी

তুমি আমাকে কি বলিবে? তাহাকে বল, সকলকে ডাক দেন? বইখানা কে ছিঁড়িল? পুত্রকে আপনি কেন বকিলেন? তুমি কাহাকে পড়াইবে? ঘোড়াটাকে থামাও, আমি তোমাদিগকে অঙ্ক বুঝাইব, তোমার পুত্রকে ডাকিলাম, এখানে ডাকুন, শরৎ বাবুর মেয়েকে আমি হিন্দী শিখাইব, কনিকে কে মারিল? গাড়োয়ানকে ৮ টাকা দিয়া দিলাম, প্রণবকে জিজ্ঞাসা কর।

छोड़ो, नारियल छीलो, भात खाओ, यह देखो एक गेंद, अंग्रेजी लिखो, बंगला सीखो, पानी ढालो, गगरा भरो, चटाई दो, नौकर भेजो, बत्ती घटाओ।

कर्म

চাকবকে * পাঠাও	नौकरको भेजो
তিনি রুটি খান না	वे रोटी नहीं खाते
আমি তোমাকে শিখাইব	मैं तुम्हें सिखाऊँगा
তাহাকে ডাক (डाको)	उसको बुलाओ
মেয়েটাকে মাব (मारो)	लड़कीको मारो
বাঁশটা কে ফেলিল ?	बाँसको किसने गिराया ?
হাঁড়িটা তুমি ভাঙ্গিলে কেন ?	हण्डीको तुमने क्यों तोड़ा
আমি তোমাকে ভাল খবব শুনাইব	मैं तुमको अच्छी खबर सुनाऊँगा

---

* कर्मकी विभक्ति के है, परन्तु बहुवचनमें उनके पहले दिग जोड़ा जाता है। निकृष्ट पशु और निर्जीव पदार्थ में दिग के बदले गुलि या गुला होता है। कर्मकी विभक्ति के का कभी कभी लोप हो जाता है। टा निर्देश अर्थका द्योतक है।

আমা কর্ত্তৃক পঠিত হইল	मुझसे पढ़ा गया
হাতে মাথা কাটিব	हाथसे सिर काटूंगा
ছুরিতে হাত কাটিল	छूरीसे हाथ कटा
টাকায় কি না হয় ?	रुपये से क्या नहीं होता ?

अनुशीलनी

আমি কান দিয়া শুনিব, রাম দা দিয়া কাঠ কাটে, পুলিশ কর্ত্তৃক চোর ধৃত হইয়াছে, যষ্টি দ্বারা প্রহার কর, বানর হাত ও পা দিয়া চলে, পশু লেজ দিয়া মাছি তাড়ায়, ইট ও পাথর দিয়া বাড়ী নির্ম্মাণ কর, লণ্ঠন দিয়া কি হইবে ? কুমার মাটি দিয়া সরা গড়ে, রাজা কান দিয়া দেখেন, বউকে দিয়া রাঁধাও, চাকরকে দিয়া পাখা টানাও, তিনি ঠাকুরকে * দিয়া পরিবেশন করাইয়াছিলেন।

मैं कानसे सुनूंगा, राम कटारी से लकड़ी काटता है, पुलिससे चोर पकड़ा गया है, डण्डेसे पीटो, बन्दर हाथों और पैरोंसे चलते हैं, जानवर दुमसे मक्खी भगाते हैं, ईंटों और पत्थरोंसे मकान बनाओ, लालटेनसे क्या होगा ? कुम्हार मिट्टीसे कसोरा बनाता है, राजा कानसे देखते हैं, बहूसे रसोई पकवाओ, नौकरसे पंखा खिंचवाओ, उन्होंने रसोइयेसे परोसवाया था।

---

* बामन ठाकुर या ठाकुर शब्दसे बंगलामें रसोइया समझा जाता है। ईश्वर, देवता, गुरु आदि अर्थमें भी ठाकुर शब्द इस्तेमाल होता है।

तुम मुझसे क्या कहोगे ? उससे कहो, सबको क्यों बुलाते हो ? किताबको किसने फाड़ा ? लड़केको आपने क्यों धमकाया ? तुम किसको पढ़ाओगे ? घोड़ेको रोको, मैं तुमलोगोंको हिसाब समझाऊंगा, (मैंने) तुम्हारे लड़के को बुलाया, अन्धेको बुलाइये, शरत् बाबूकी लड़कीको मै हिन्दी सिखाऊँगा, कूली को किसने पीटा ? गाड़ीवानको (मैंने) दो रुपये दिये, प्रमथसे पूछो।

करण

কলম দিয়া * লেখ (लेखो)	कलमसे लिखो
চক্ষু (চোখ) দিয়া দেখ (देखो)	आँख से देखो
নিজের হাত দিয়া কাজ কর	अपने हाथ से काम करो
সে মন দিয়া পড়ে	वह मनसे पढ़ता है
আমি দা দিয়া কাঠ কাটি	मैं कटारी से लकड़ी काटता हूँ
আমার দ্বারা এই কাজ হইয়াছে	मुझसे यह काम हुआ है
তোমার দ্বারা দৃষ্ট হইয়াছে	तुमसे देखा गया है
কাহার দ্বারা পড়ান হইল ?	किससे पढ़ाया गया ?
গ্রন্থকার কর্তৃক লিখিত হইয়াছে	ग्रन्थकारके द्वारा लिखा गया है

* দিয়া, দ্বারা, কর্তৃক करणकी विभक्तियाँ हैं। अधिकरणकी विभक्ति এ, তে या য় भी करणके स्थानमें व्यवहृत होती है।

हमलोग सरकारको मालगुजारी देते हैं, मैंने उसे पाजामा दिया है, उसने लड़केको साबुन दिया है, उन्होंने मुझे एक हाथीदाँतकी अंगूठी दी है, लकड़िहारेको किसने कुल्हाड़ी दी? दरजीके लड़केको उन्होंने तीन दरजन सूइयाँ दी थीं, मैंने उसे वचन दिया है, (मैंने) सालेको पुस्तक दी है, चाचीजीको रुपया दो, भतीजेको केला दूंगा।

अपादान

সে কাশী হইতে * আসিয়াছে	वह काशीसे आया है
গাছ হইতে ফল পড়িতেছে	पेड़से फल गिरता (गिर रहा) है
হাত হইতে পড়িয়া গেল (গেলো)	हाथसे गिर पड़ा
দক্ষিণ হইতে বাতাস আসিতেছে	दक्षिणसे हवा आ रही है
ডাকাত জেল হইতে পলাইয়াছে	डाकू जेलसे भागा है
পচা জল হইতে গন্ধ আসিতেছে	सड़े पानीसे बदबू आ रही है
এখান হইতে যাও	यहाँसे जाओ
শরীর হইতে ঘাম বাহির হইতেছে	शरीर से पसीना निकल रहा है
সে এখনই গাড়ী হইতে নামিল	वह अभी गाड़ीसे उतरा
কে দূর হইতে আসিয়াছে ?	कौन दूरसे आया है ?

---

* হইতে अपादानकी विभक्ति है। कथित भाषामें হইতে के बदले হতে या থেকে होता है।

সম্প্রদান

দরিদ্রকে * পয়সা দাও   गरीबको : दो पैसा

কাহাকে বই দিব (দিবো)?   किसे किताब दूं।

সে তাহাকে তেঁতুল দিয়াছে   उसने उसे इमली दी है

গাড়োয়ানকে একটা টাকা দিয়াছি

गाड़ीवानको (मैंने) एक रुपया दिया है

আমাদিগকে কাপড় দাও   हमलोगोंको कपड़ा दो

উহাদিগকে বাড়ী দিবে ?   उन लोगोंको मकान दोगे ?

সিংহগুলিকে মাংস দিব   सिहोंको मांस दूंगा

অনুশীলনী

আমরা সরকারকে খাজনা দিই, আমি তাহাকে পাজামা দিয়াছি, সে ছেলেকে সাবান দিয়াছে, তিনি আমাকে একটী হাতী-দাঁতের আংটি দিয়াছেন, কাঠুরিয়াকে কে কুড়ুল দিল? দরজীর ছেলেকে তিনি তিন ডজন ছুঁচ দিয়াছিলেন, আমি তাহাকে কথা দিয়াছি, শালাকে বই দিয়াছি, খুড়ীমাকে টাকা দাও, ভাইপোকে কলা দিব।

---

* सम्प्रदानकी विभक्ति कर्मकी तरह के है। जिसे कुछ दिया जाय उसका सम्प्रदान कारक होता है।

अधिकरण

জলে * মাছ থাকে ?	जलमें मछली रहती है
ছাতে বানর আছে	छत पर बन्दर है
কানে ব্যথা হইয়াছে	कानमें दर्द हुआ है
হাতে কাঁটা ফুটিয়াছে	हाथमें काँटा गड़ा है
বাক্সে কাপড় ছিল (ছিলো)	सन्दूक मे कपड़ा था
সহরে হাতী আসিবে	शहरमें हाथी आयेगा
ঘরে চেয়ার আছে	घरमें कुर्सी है
গাছে পাখী বসিয়াছে	पेड़ पर चिड़िया बैठी है
মাথায় চুল আছে	सिरमें बाल है
ছাত্র পাঠশালায় গিয়াছে	विद्यार्थी पाठशाला गया है
লতায় ফুল ফুটিয়াছে	लतामें फूल खिला है
ছোলায় পোকা ধরিয়াছে	चनेमें कीड़ा लगा है
সিঁড়িতে বিড়াল বসিয়াছে	सीढ़ी पर बिल्ली बैठी है
আলমারিতে ঔষধ আছে	अलमारीमें दवा है
হাঁড়িতে মসলা ছিল	हण्डीमें मसाला था
নদীতে অনেক জল আছে	नदीमें बहुत पानी है
মধুতে গন্ধ হইয়াছে	शहदमें बदबू आ गयी है

---

* अधिकरणकी विभक्ति এ, য় और তে है। अकारान्त शब्दके अन्तिम अकारका लोप करके এ लगाया जाता है। आकारान्त शब्दके अन्तमें য় और अन्य स्वरान्त शब्दके अन्तमें তে लगाया जाता है।

বই থেকে কে পাতা ছিঁড়িল (छिंड़िलो)?

किताबसे किसने पन्ना फाड़ा ?

এখনই সে এখান থেকে গেল — अभी वह यहाँसे गया

তোমরা ওখান থেকে শীঘ্র এস (एशो)

तुमलोग वहाँसे जल्दी आना (आओ)

গয়া থেকে কাশী ভাল — गयासे काशी अच्छी है

বড় লোক থেকে গরীবেরা সুখী — बड़े आदमीसे गरीब सुखी हैं

নিজের কাছ থেকে টাকা দিব — अपने पाससे रुपया दूंगा

अनुशीलनी

কাল হইতে কাজ আরম্ভ হইবে, বাহির হইতে কে ডাকিতেছে ? আমার ছেলের কান হইতে পূঁজ পড়ে, সে বাড়ী হইতে চলিয়া গিয়াছে, ডাক্তারের দোকান হইতে ঔষধ আনিয়াছি, নীম গাছ হইতে বানর পড়িল, ছেলেরা স্কুল হইতে বাড়ী গিয়াছে, মাষ্টার মহাশয়ের নিকট হইতে বই আন, ছাত হইতে কি পড়িল ? পাখীর বাসা হইতে ডিম পড়িয়াছিল, দুধ হইতে মাখন হয়, মাখন হইতে ঘী হয়।

कलसे काम शुरू होगा, बाहरसे कौन बुला रहा है ? मेरे लड़केके कानसे पीब निकलता है, वह घरसे चला गया है, डाक्टरकी दूकानसे दवा लाया हूँ, नीमके पेड़से बन्दर गिरा, लड़के स्कूलसे घर गये हैं, मास्टर साहबसे किताब लाओ, छतसे क्या गिरा ? चिड़ियाके घोंसलेसे अंडा गिरा था, दूधसे मक्खन होता है, मक्खनसे घी होता है।

এখনই যাইবে নাকি ?	क्या अभी जाओगे ?
সে কখন বাড়ী গেল (গেলো) ?	वह कब (किस समय) घर गया ?
তুমি কবে যাইবে (জাইবে) ?	तुम कब (किस दिन) जाओगे ?
কিরূপ লোক আসিয়াছিল ?	कैसा आदमी आया था ?
তাহার পোষাক কি প্রকার ছিল ?	उसकी पोशाक कैसी थी ?
সে কি বাঙ্গালী ছিল (ছিলো) ?	क्या वह बंगाली था ?
সে কি বলিয়াছিল ?	उसने क्या कहा था ?
আবার কবে আসিবে (আশিবে) ?	फिर कब आयेगा ?
রাস্তা-খরচ কত চাহিয়াছিল	रास्ता-खर्च कितना माँगा था ?
সে কথা কি মনে নাই ?	क्या वह बात याद नहीं है ?
কাহার বাড়ী পুড়িয়া গিয়াছে ?	किसका मकान जल गया है ?
কে কে আসিবেন (আশিবেন) ?	कौन-कौन आयेंगे ?

अनुशीलनी

বালিকা কি করিতেছে ? এখন আমি যাই ? কে কে মিরাট হইতে আসিবে ? তুমি কি কথা বলিবে ? তাঁহারা কি এখনই যাইবেন ? কখন আপনার ছেলে হইল ? বিবাহে কত খরচ হইয়াছে ? তোমরা কখন যাইবে ? নরেন্দ্রের ছেলে কেন আসিয়াছিল ? গাড়ী কি এখনই ছাড়িবে ? গাড়ী ভাড়া কত দিব ? তুমি কবে আসিবে ? তিনি আমাকে পড়াইবেন কি ? তুমি কত টাকা বেতন পাও ?

लड़की क्या कर रही है ? अब मैं जाऊँ ? कौन-कौन मेरटमें

অনুশীলনী

তোমার নাকে কি হইয়াছে? কাপড়ে দাগ লাগিয়াছে, ছালায চাউল আছে, মাথায বোঝা তোল (তোলো), দোকানে ছোলা আছে, ছাতায জল লাগিয়াছে, দরজায় খিল দাও, ঘায়ে মলম দিযাছিলাম, পায়ে ব্যথা হইয়াছে, আমি সে দিন রাস্তায একটা হাতী দেখিয়াছিলাম, বিজ্ঞাপনে বইয়ের প্রচার হয়, বাড়ীতে নাচ হইতেছিল, গায়ে জামা দাও (পর), পাড়াগাঁযে অনেক পুকুর থাকে, বুদ্ধিতে ত্রুটি আছে।

तुम्हारी नाकमे क्या हुआ है? कपड़ेमें दाग लगा है, बोरेमें चावल है, सिरपर बोझ उठाओ, दूकानमे चना है, छातेमें पानी लगा है, दरवाजेमे अर्गला लगाओ, (मैंने) घावपर मलहम लगाया था, पैरमें दर्द हुआ है, मैंने उस दिन रास्तेपर एक हाथी देखा था, विज्ञापन से पुस्तकका प्रचार होता है, घरमें नाच हो रहा था, बदन पर कुर्ता पहनो, दिहातोंमे अनेक तालाव रहते हैं, बुद्धिमे कसर है।

প্রশ্নবোধক বাক্য

তুমি কি করিতেছ (करितेछो)? तुम क्या करते (कर रहे) हो?
তুমি কিরূপ লোক হে? तुम कैसे आदमी हो जी?
আমি কোথায় বসি (बशि)? मैं कहाँ बैठूँ?
পাকিস্তান কেন (कैनो) হইল? पाकिस्तान क्यों हुआ?

হে ঈশ্বর ! আমাকে আর কত দুঃখ দিবে ? বৌদিদি, আমাদিগকে একটি কাঁঠাল দিবেন ? আপনি কে মহাশয় ?

मास्टर साहब, मुझे अब पढ़ायेंगे क्या ? पिताजी, मैं अब स्कूल जा रहा हूँ : सतीश, कल फिर आना ; हे ईश्वर, मुझे और कितना दुःख दोगे ? भाभीजी ! हमे एक कटहल दीजियेगा ? आप कौन हैं जी ?

पूर्वकालिक क्रिया

দেখিয়া পড় (पड़ो) देख कर पढ़ो

এই কথা শুনিয়া আমি আসিয়াছি यह बात सुनकर मैं आया हूँ

উঠিয়া সোজা হইয়া বস (बशो) उठकर सीधा होकर बैठो

আমি খাইয়া স্কুলে যাইব मैं खाकर स्कूल जाऊँगा

এখনই যাইয়া বাবাকে বল (बलो) अभी जाकर पिताजीसे कहो

টাকা পাইয়া দৌড়িল (दउड़िलो) रुपया पाकर दौड़ा

এই কাজ করিয়া যাও (जाव) यह काम करके जाओ

বাজার হইতে আনিয়া দাও बाजारसे लाकर दो

এই কথা শুনিয়া সে নামাইল यह बात सुनकर उसने उतारा

চোরকে ধরিয়া পুলিশের হাতে দাও

चोरको पकड़कर पुलिसके हाथमे दो

অযোধ্যা ত্যাগ করিয়া রাম বনে গেলেন (गेलेन्)

अयोध्या छोड़कर राम वन चले गये

आयेंगे ? तुम क्या बात कहोगे ? क्या वे अभी जायेंगे ? किस वक्त आपको लड़का हुआ ? विवाह में कितना खर्च हुआ है ? तुमलोग कब (किस समय) जाओगे ? नरेन्द्रका लड़का क्यों आया था ? गाड़ी क्या अभी छूटेगी ? गाड़ीका किराया कितना दूँगा ? तुम कब (किस दिन) आओगे ? वे मुझे पढ़ायेंगे क्या ? तुम कितने रुपये वेतन पाते हो ?

सम्बोधन

ওহে, তুমি কি চাও(चाव) ?	अजी, तुम क्या माँगते हो ?
একাওয়ালা, কত ভাড়া নিবে ?	एक्केवाले, कितना भाड़ा लोगे ?
ওরে লালু, এদিকে আয়	अरे लल्लू, इधर आ
পণ্ডিত মহাশয়, বসুন (वसुन्)	पण्डितजी बैठिये
বাবু, আপনি কোথায় যাইতেছেন (जाइतेछेन) ?	बाबूजी, आप कहाँ जा रहे हैं ?
ললিত, আমি কাল যাইব (जाइबो)	ललित, मैं कल जाऊँगा।
হে ভগবান্, পাপীকে ক্ষমা কর (करो)	हे भगवान्, पापी को क्षमा करो

अनुशीलनी

মাষ্টার মহাশয়, আমাকে এখন পড়াইবেন কি ? বাবা, আমি এখন স্কুলে যাইতেছি ; সতীশ, কাল আবার আসিও ;

निचोड़कर धूपमें (डाल) दो, कपड़ा पहनकर आओ, मैं तैरकर नदी पार गया था ।

औचित्यार्थक वाक्य

পিতার আদেশ শুনা উচিত — पिताकी आज्ञा माननी चाहिये
ঠিক সময়ে কাজ করা উচিত — ठीक समयपर काम करना चाहिये
দুধের সঙ্গে চিনি খাওয়া উচিত — दूधके साथ चीनी खानी चाहिये
দরিদ্রদিগকে অন্ন দেওয়া উচিত — दरिद्रोंको अन्न देना उचित है
এখন তোমার যাওয়া উচিত — अब तुमको जाना चाहिये
স্নানের সময় তেল মাখা উচিত — नहाते समय तेल मलना चाहिये
কাহারও নিকট হইতে ঋণ লওয়া উচিত নহে — किसीसे ऋण लेना उचित नहीं है
পথে একাকী চলা উচিত নয় — रास्तेमे अकेला चलना उचित नहीं है
মন্ত্রণা তৃতীয় ব্যক্তিকে বলা উচিত নহে — मन्त्रणा तीसरे आदमीसे कहनी न चाहिये
সকালে বিকালে ভ্রমণ করা উচিত — सुबह-शाम घूमना चाहिये
শীতকালে গরম কাপড় গায়ে দেওয়া উচিত — जाड़ेमे गर्म कपड़ा ओढ़ना चाहिये
গায়কদের পুরস্কার দেওয়া উচিত — गवैयेको इनाम देना चाहिये
রাত্রি ১০ টার পরে জাগা উচিত নয় — रातके १० बजेके बाद जागना न चाहिये

আমি যাইয়া পয়সা আনিব (আনিব্বো)	मै जाकर पैसा लाऊँगा
উঠিয়া আমার কাছে এস (এশো)	उठकर मेरे पास आओ
আমি খাইয়া উঠিয়া দাঁড়াইলাম	मैं खाकर उठ खड़ा हुआ
বাক্সে ভরিয়া পাঠাও	सन्दूक मे भरकर भेजो
খণ্ড খণ্ড করিয়া কাটুন (কাট্টুন)	टुकड़ा टुकड़ा करके काटिये
আমি বক্তৃতা দিয়া আসিয়াছি	मैं व्याख्यान देकर आया हूँ

अनुशीलनी

আমরা কাল আসিয়া করিব, দেখিয়া দেখিয়া চল, তুমি যাইয়া আনিও, বুঝিয়া পড়, ধমকাইয়া বল, ভাঙ্গিয়া দেখিয়াছিলাম, শুনিয়া শুনিয়া লেখ, এই আমটা খাইয়া দেখিও, তেল মাখিয়া স্নান করিব, বসিয়া দেখিলাম, দাঁড়াইয়া শুন, গাছের ডাল ভাঙ্গিয়া আনিয়াছিলাম, উঠিয়া বস, ধরিয়া আন, বাসন মাজিয়া রাখ, ভল্লুক ঘুরিয়া ঘুরিয়া নাচিতেছে, ভিজা কাপড় নিংড়াইয়া রৌদ্রে দাও, কাপড় পরিয়া এস, আমি সাঁতরাইয়া নদী পার হইয়াছিলাম।

हम कल आकर करेंगे, देख-देखकर चलो, तुम जाकर ले आना, समझकर पढ़ो, धमकाकर बोलो, (मैंने) तोड़कर देखा था, सुन-सुनकर लिखो, इस आमको खाकर देखना, तेल मलकर नहाऊँगा, (मैंने) बैठकर देखा, खड़े होकर सुनो, (मै) पेड़की टहनी तोड़कर लाया था, उठकर बैठो, पकड़ लाओ, बर्तन मलकर रखो, भालू घूम-घूमकर नाच रहा है, भींगा कपड़ा

তুমি পড়িবে না ?	तुम नहीं पढ़ोगे ?
তোমরা ওদিকে যাইও না	तुमलोग उधर मत जाओ (जाना)
এরূপ করিও না	ऐसा मत करना
ভিতরে যাইবেন না	भीतर मत जाइयेगा
কাল এখানে আসিবেন না	कल यहाँ मत आइयेगा
অন্ধকারে লিখিবেন না	अन्धेरेमें मत लिखियेगा

হ্রদের মধ্যে স্নান করা কর্তব্য নহে* तलावमें नहाना उचित नहीं है

কোনও অবস্থায় মিথ্যা কথা বলা উচিত নয়

किसी भी हालतमें झूठ बोलना उचित नहीं है

আমাদের ঘরে মশারী নাই †	हमारे घरमें मसहरी नहीं है
আমার যাইবার ইচ্ছা নাই	मुझे जानेकी इच्छा नहीं है
বাবার বিছানায় ছারপোকা নাই	पिताजीके बिस्तरेमें खटमल नहीं है
তাহারা বাড়ীতে নাই	वे घरमें नहीं हैं

কাল এখানে কোন (कोनो) লোক ছিল না

कल यहाँ कोई आदमी नहीं था

---

* कथित भाषा में नहे का रूप नय हो जाता है।

† हिन्दीमें जहाँ 'नहीं' युक्त 'है' दूसरी क्रियाके सहायक न होकर स्वतन्त्र रूपसे रहता है वहाँ बंगलामें सिर्फ नाइ होता है। लेकिन यही नाइ जब वर्तमान कालिक दूसरी क्रियाके साथ इस्तेमाल होता है तब वह उस क्रियाको भूत कालिक क्रिया बना देता है। जैसे—আমি ভাত খাই নাই—मैंने भात नहीं खाया है।

পরিষ্কার কাপড় পরা উচিত	साफ कपड़ा पहनना चाहिये
যেখানে সেখানে লাফান উচিত নহে	जहाँ तहाँ कूदना न चाहिये
সন্ন্যাসীদিগের সেবা করা উচিত	संन्यासियोंकी सेवा करनी चाहिये

अनुशीलनी

এখন আমাদের কি করা উচিত ? স্বদেশী জিনিষ ব্যবহার করা উচিত, সমস্ত ভারতবাসীদিগের হিন্দী শিক্ষা করা উচিত, মহাত্মা গান্ধীর আদেশ পালন করা উচিত, গুরুর নিকট হইতে শাস্ত্রীয় শিক্ষা গ্রহণ করা কর্ত্তব্য, প্রত্যহ প্রাতে গঙ্গায় স্নান করা কর্ত্তব্য, ছাত্রকে পড়ান উচিত, ছেলেকে নাওয়ান উচিত, দরিদ্রকে অন্ন দেওয়া উচিত।

अब हमें क्या करना चाहिये ? स्वदेशी चीज इस्तेमाल करनी चाहिये, सारे भारतवासियोंको हिन्दी सीखनी चाहिये, महात्मा गान्धीजीकी आज्ञाका पालन करना चाहिये, गुरुसे शास्त्रीय शिक्षा ग्रहण करनी चाहिये, हर रोज सुबह गंगामें स्नान करना चाहिये, छात्रको पढ़ाना चाहिये, लड़केको नहलाना चाहिये, दरिद्रको अन्न देना चाहिये।

निषेधार्थक वाक्य

আমি যাইব না (जाइबो ना)	मैं नहीं जाऊँगा
কেহ খাইবে না	कोई नहीं खायगा
নরেন্দ্র মাছ খায় না	नरेन्द्र मछली नहीं खाता

রামবাবু আজ গেলেন না, আমি ভাত খাই নাই, তাঁহারা টাকা পান নাই, এ বাড়ীতে কোন (-নো) লোক নাই, আমার দোয়াতে কালি নাই, কাল তুমি যাও নাই কেন? গতমাসে আমাদের বাড়ীতে চাকর ছিল না, কাল তুমি স্কুলে আস নাই কেন? কাল রাত্রিতে আমি ছাদে ছিলাম না, দুধের সঙ্গে লবণ খাওয়া উচিত নহে।

हम मास नहीं खाते, यह लड़की और गाना नहीं गायगी, मैं अंग्रेजी अखबार नहीं पढ़ता, वे उर्दूमें चिट्ठी नहीं लिखते, उनकी पत्नी अपने हाथसे रसोई नहीं पकातीं, हम दोपहर को घरमें नहीं रहते, अब आप भीतर मत आइये, रामबाबू आज नहीं गये, मैंने भात नहीं खाया है, उन्होंने रुपया नहीं पाया है, इस मकान मे कोई आदमी नहीं है, मेरी दावातमें स्याही नहीं है, कल तुम क्यों नहीं गये? गत महीनेमें हमारे घरमे नोकर नहीं था, कल तुम स्कूल क्यों नहीं आये थे? कल रातको मैं छतपर नहीं था, दूधके साथ नमक नहीं खाना चाहिये।

प्रेरणार्थक क्रिया

তুমি কাহার দ্বারা কাজ করাইবে? তুম কিসসে কাম করাओগে?

তুমি কাহার দ্বারা কাজ করাইবে?	तुम किससे काम कराओगे?
আমি তাহার দ্বারা গাছ কাটাইয়াছি	मैंने उससे पेड़ कटवाया है
মিস্ত্রি দিয়া বাড়ী বানাইব (-বো)	मिस्त्रीने मकान बनवाऊँगा
তোমাকে দিয়া চিঠি লেখাইব (-বো)	तुमसे चिट्ठी लिखवाऊँगा

আগে এদেশে রেল ছিল না	पहले इस देशमें रेल नहीं थी
ঋষিরা সাধারণ লোক ছিলেন না	ऋषि लोग मामूली आदमी नहीं थे
আমাদের এখানে কেহ (केहो) ছিল না	हमारे यहाँ कोई नहीं था
আমি দেখি নাই	मैंने देखा नहीं है
তিনি যান নাই	वे गये नहीं हैं
সে পুরস্কার পায় নাই	उसने इनाम नहीं पाया है
এখনও চাঁদ উঠে নাই	अभी चाँद उठा नहीं है
তাহারা কাল যায় নাই	वे लोग कल नहीं गये
তিনি এখানেও আসেন নাই	वे यहाँ भी नहीं आये हैं
তিনি পত্র লেখেন নাই	उन्होंने चिट्ठी नहीं लिखी है
আমি তাহাকে পাঠাই নাই	मैंने उसे भेजा नहीं है
তিনি এখনও আসিলেন না	वे अभी तक नहीं आये
সে গেল না কেন ?	वह क्यों नहीं गया ?
জাহাজ আজও ছাড়িল না	जहाज आज भी नहीं छूटा
আমি পুরস্কার পাইলাম না	मैंने इनाम नहीं पाया

अनुशीलनी

আমরা মাংস খাই না, মেয়েটী আর গান গাহিবে না, আমি ইংরাজী কাগজ পড়ি না, তিনি উর্দুতে চিঠি লেখেন না, তাঁহার স্ত্রী নিজের হাতে রান্না করেন না, আমরা দুপুরে বাড়ীতে থাকি না, এখন আপনি ভিতরে আসিবেন না,

उससे चिट्ठी क्यों नहीं लिखवायी ? नौकरके द्वारा गङ्गासे पानी मँगवाओ, तुमसे कहवाऊंगा, हमने रामदेवसे रसोई पकवायी थी, हरीशसे पेड़ कटवाऊँगा, उन्होंने मुझसे रुपया तुड़वाया था, खोटा रुपया किससे चलाया ? अपने मकानके किरायेदार मोदीसे (मैंने) तीस मन चावल खरीदवाया है, माँसे (मैंने) भीखमंगेको कपड़ा और रुपया दिलवाया था।

कर्मवाच्य

আমা কর্ত্তৃক প্রবন্ধ পঠিত হইল (हइलो) मुझसे लेख पढ़ा गया।
চোর কাহার দ্বারা ধৃত হইল ? चोर किससे पकड़ा गया ?
এই কাজ তাহার দ্বারা কৃত হইয়াছে यह काम उससे किया गया है
রাম কর্ত্তৃক রাবণ হত হইয়াছিল रामके द्वारा रावण मारा गया था
অগ্নি দ্বারা শুদ্ধ করা হইয়াছে आगसे शुद्ध किया गया है
তোমা কর্ত্তৃক আমি দৃষ্ট হইয়াছিলাম तुमसे मैं देखा गया था
চাউল কাহা কর্ত্তৃক বিতরিত (वितरितो) হইতেছে ?
चावल किससे बाँटवाया जा रहा है ?
বাণ আমা কর্ত্তৃক নিক্ষিপ্ত (निक्खिप्तो) হইবে
वाण मुझसे फेंका जायगा
তোমা কর্ত্তৃক ভক্ষিত (भक्खितो) হইবে तुमसे खाया जायगा
ওস্তাদের দ্বারা শিক্ষিত (शिक्खितो) হইয়াছে
उस्ताद से सिखाया गया है
পুস্তক প্রেরিত (प्रेरितो) হইবে किताब भेजी जायगी

চাকবকে দিযা খাবাব পাঠাইযাছি

(मैंने) नौकरसे खाना भिजवाया है

ছেলেকে দিয়া বই পাঠাইতেছি लड़के से किताब भिजवा रहा हूँ

আমাব ভাই দর্জিকে দিযা কাপড সেলাই করাইয়াছিল

मेरे भाईने दर्जीसे कपड़ा सिलवाया था

গুরু ছাত্রদের দ্বারা প্রবন্ধ লেখান (लेखान्)

गुरुजी विद्यार्थियोंसे लेख लिखवाते हैं

চাকরাণীকে দিযা গম পেষাইতেছি नौकरानीसे गेहूँ पिसवा रहा हूँ

তাহাকে দিয়া নাবিকেল ভাঙ্গাইযাছিলাম (भाङ्गाइयाछिलाम)

उससे (मैंने) नारियल तुड़वाया था

তাহাবা আমাকে দিযা বক্তৃতা দেওয়াইযাছিল (दैवाइयाछिलो)

उनलोगोंने मुझसे व्याख्यान दिलवाया था

তাহাকে দিযা চিঠি পডাও उससे चिट्ठी पढ़ाओ

अनुशीलनी

তাহাব দ্বাবা চিঠি লেখাইলে না কেন ? চাকবকে দিযা গঙ্গা হইতে জল আনাও, তোমাকে দিয়া বলাইব, আমবা বামদেবকে দিযা রাঁধাইযাছিলাম, হবীশকে দিযা গাছ কাটাইব, তিনি আমাকে দিযা টাকা ভাঙ্গাইযাছিলেন, খাবাপ টাকা কাহাকে দিযা চালাইলে ? আমাদেব বাডীব ভাডাটিযা মুদিকে দিয়া ত্রিশ মন চাউল কেনাইযাছি, মাকে দিয়া ভিখাবীকে কাপড় ও টাকা দেওয়াইযাছিলাম।

সকলকেই 'যাইতে হইবে' সভীকো জানা পড়েগা

কাঁসারি কাঁসার ঘটি 'বানাইতে চায়'
কসেরা কসকুটকা লোটা বনানা চাহতা হৈ

সে খেলনা 'কিনিতে চাহিয়াছিল'
উসনে খিলৌনা খরীদনা চাহা থা

মুটিয়া বোঝা 'নামাইতে চায়' কূলী বোঝ উতারনা চাহতা হৈ

বাবা বাড়ী 'বেচিতে চান' পিতাজী মকান বেচনা চাহতে হৈ

সে 'বলিতে লাগিল' (লাগিলো) বহ কহনে লগা

আমি 'শুনিতে লাগিলাম' মৈं সুননে লগা

ঘোড়াগুলি 'দৌড়াইতে লাগিল' ঘোড়ে দৌড়নে লগে

মুরগীগুলি ভয়ে 'কাঁপিতে লাগিল' মুর্গিয়াঁ ডরসে কাঁপনে লগীं

তাঁহারা 'খাইতে বসিয়াছেন' বে লোগ খানে বৈঠে হৈं

তাহার বউ 'কাঁদিতে বসিয়াছে' উসকী স্ত্রী রোনে বৈঠী হৈ

বুড়া 'মরিতে বসিয়াছে' বুড্ঢা মরনে বৈঠা হৈ

ছেলেরা 'লিখিতে বসিয়াছিল' লড়কে লিখনে বৈঠে থে

তাহাদিগকে 'যাইতে দাও' উনলোগোঁকো জানে দো

ভিখারীকে ভাত 'খাইতে দিব' ভিখমংগেকো ভাত খানেকো দূঁগা

দরজা 'খুলিতে দিও' না দরবাজা খোলনে মত দো

আমি খড়ম 'বানাইতে দিয়াছি' মৈंনে খড়াঊঁ বনানে দিয়া হৈ

তাহাকে 'উঠাইয়া দাও' উসে উঠা দো

তুমি লোক 'পাঠাইয়া দিয়াছ'? তুমনে আদমী ভেজ দিয়া হৈ?

বই 'রাখিয়া দাও' কিতাব রখ দো

অনুশীলনী

রামভজন কর্ত্তৃক ডাকাত ধৃত হইয়াছে, লেখক কর্ত্তৃক প্রবন্ধ পঠিত হইয়াছে, তাঁহা কর্ত্তৃক একটি সিংহ দৃষ্ট হইয়াছে, মহামণ্ডল কর্ত্তৃক শক্তিযজ্ঞ অনুষ্ঠিত হইয়াছিল, আমাদের শাসন কর্ত্তৃক একটি অতিথিশালা নির্ম্মিত হইবে, আপনা কর্ত্তৃক একটি পুষ্করিণী কাটান হইবে কি ?

रामभजनसे डाकू पकड़ा गया है, लेखकसे लेख पढ़ा गया है, उनसे एक सिह देखा गया है, महामण्डलके द्वारा शक्तियाग अनुष्ठित हुआ था, हमारी सरकारसे एक धर्म्मशाला बनवायी जायगी, क्या आपसे एक तालाब खुदवाया जायगा।

संयुक्त क्रिया

রাম এ কাজ 'করিতে পারে'	राम यह काम कर सकता है
আমি রুটি 'খাইতে পারি' না	मै रोटी नहीं खा सकता
গরুটা 'যাইতে পারিল' না (पारिलो ना)	गाय जा नहीं सकी
সে 'আসিতে পারিবে' না	वह आ नहीं सकेगा
আমাকে ছাগল 'দিতে হইয়াছিল'	मुझे बकरा देना पड़ा था
তোমাকে ইস্পাত 'কাটিতে হইবে'	तुम्हें फौलाद काटना पड़ेगा
তাহাকে কয়লা পরীক্ষা (परीक्खा) 'করিতে হয়'	उसे कोयला परखना पड़ता है

দিব, আমি আজ দেখিতে চাই যে তুমি তোমার কথা রাখিতে পার কি না, তোমার টাকা পাইলে উহার অর্দ্ধেকের দ্বারা একটি রাস্তা বানাইয়া দিব এবং বাকী অর্দ্ধেক দরিদ্রদিগকে দান করিবার জন্য রাখিয়া দিব, আমি শুনিতে পাইলাম যে তুমি তোমার বাড়ীটা বিক্রয় করিয়া ফেলিবে, দোকানদারেরা ডাকিয়া ডাকিয়া বেচিতে লাগিল, বিছানা বানাইবার জন্য চাকরকে তুলা কাপড় ও সূতা কিনিতে টাকা দিয়াছি, আগুন লাগিয়া আমাদের গ্রামখানি পুড়িয়া গিয়াছে. উহাদিগকে এখনই যাইতে দিও না, আমি তাহাকে লোক পাঠাইয়া নৌকার খবর লইতে বলিয়া দিয়াছি. এতখানি দুধ ফেলিয়া দিয়াছ? এতটুকু ছেলের এত বড় কথা শুনিতে ভাল লাগে না, আমি খাইতে আসিয়াছি, তিনি গাড়িখানা দুই শত (দু'শ) টাকায় বেচিয়া ফেলিয়াছেন।

मुझे अभी जाना होगा, काशी जाकर मर सको तो मुक्ति हो सकती है, तुम्हें आज ही मेरा रुपया चुका देना होगा, अगर न दे सको तो तुम्हें पुलिससे पकड़वा दूँगा, मैं आज देखना चाहता हूँ कि तुम अपनी बात रख सकते हो या नहीं, तुम्हारा रुपया पाने पर उसके आधेसे एक सड़क बनवा दूँगा और बाकी आधा गरीबोंको दान करनेके लिए रख दूँगा, मुझे सुननेमें आया कि तुम अपना मकान बेच डालोगे, दूकानदार चिल्ला-चिल्लाकर बेचने लगे, बिछौना बनवानेके लिए (मैंने) नौकरको रुई कपड़ा और सूत खरीदनेको रुपया दिया है, आग लगकर हमारा गाँव जल गया है, उनलोगोंको अभी जाने मत दो,

অনুগ্রহ করিয়া 'বলিয়া দিন' — कृपया कह दीजिये
হঠাৎ সে 'বলিয়া বসিল' (বশিলো) — अचानक वह कह बैठा
কুকুরটাকে * কে 'মারিয়া ফেলিল'? — कुत्तेको किसने मार डाला ?
পূর্ণেন্দু চোরটাকে 'ধরিয়া ফেলিয়াছে' — पूर्णेन्दुने चोरको पकड़ लिया है

আমি সে বাড়ীটা * বেচিয়া ফেলিয়াছি' — मैंने उस मकानको बेच डाला है
তোমাকে 'দেখিয়া ফেলিয়াছি' — तुम्हें (मैंने) देख लिया है
এখান থেকে 'চলিয়া যা' (चलिया जा) — यहाँसे चला जा
হাতীটা 'মরিয়া গিয়াছে' — हाथी मर गया है
থালাখানি 'ভাঙ্গিয়া গিয়াছে' — थाली टूट गयी है
দুধটুকু 'পড়িয়া গিয়াছে' — दूध गिर गया है
সে এখানে রোজ 'আসিয়া থাকে' — वह यहाँ रोज आया करता है
আমি প্রতি মাসে দুই সের (করিয়া) ঘী 'খাইয়া থাকি' — मैं हर महीने दो सेर घी खाया करता हूँ ।

অনুশীলনী

আমাকে এখনই যাইতে হইবে, কাশী যাইয়া মরিতে পার ত মুক্তি হইতে পারে, তোমাকে আজই আমার টাকা চুকাইয়া দিতে হইবে, যদি না দিতে পার তবে তোমাকে পুলিশে ধরাইয়া

---

* टा, टि, टी, टुकु, खाना, खानि आदि बंगलामें निर्देश अर्थ बताने के लिए इस्तेमाल होते हैं ।

'আজ' না হয় কাল আসিও (आशिओ)	आज नहीं तो कल आना
'এ দিকে' আসিয়া বস (आशिया बोशो)	इधर आकर बैठो
'ও দিকে' কেন যাইব ?	उधर क्यों जाऊँगा ?
'চারিদিকে' সবুজবর্ণ মাঠ	चारों ओर हरा मैदान है
'উপরে' কে আছেন ?	ऊपर कौन हैं ?
ছাদের 'কিনারায়' বসিও না	छतके किनारे पर मत बैठो
বোতলের 'তলায়' কি জমিয়াছে ?	बोतलकी पेंदीमे क्या जमा है ?
নদীর 'ওপারে' বন আছে	नदीके उस पार वन है
এ কাজ 'পরে' করা যাইবে	यह काम पीछे किया जायगा
আমার 'পাশে' (নিকটে) বসিয়া পড় (पड़ो)	मेरे पास बैठकर पढ़ो
বেশী 'দূরে' যাইও না	ज्यादा दूर मत जाना
'বাহিরে' কে চীৎকার করিতেছে ?	बाहर कौन चिल्ला रहा है ?
শিষ্য গুরুর 'সম্মুখে' বসিয়া আছে	शिष्य गुरुके सामने बैठा है
গাড়োয়ান ! 'ডাইনে' ফের (फेरो)	गाड़ीवान ! दाहिने घूमो
'বাম (বাঁ) দিকে' চল (चलो)	बायें चलो
'যেমন' (जैमन) বা যেরূপ ব্যারাম 'তেমন' (तैमन) বা সেইরূপ ঔষধ	जैसी बीमारी वैसी दवा
তুমি 'কেমন' বা কিরূপ লোক হে ?	तुम कैसे आदमी हो जी ?
'কিরূপে' বা কেমন (कैमन) করিয়া বলি ?	कैसे कहूँ ?
'যেরূপে' ইচ্ছা 'সেইরূপে' কর	जिस तरह चाहो उसी तरह करो

मैंने उससे आदमी भेजकर नावकी खबर लेनेके लिए कह दिया है, इतना दूध (तुमने) गिरा दिया! इतने-से लड़केकी इतनी बड़ी बात सुननेमे अच्छी नहीं लगती, मैं खाने आया हूँ, उन्होंने गाड़ीको दो सौ रुपयेमें बेच डाला है।

অব্যয

'এখানে' কে বসিযাছিল (বশিয়াছ্লিো)? यहाँ कौन बैठा था?
'ওখানে' (সেখানে) আমি যাইব না। वहाँ मैं नहीं जाऊँगा
তুমি 'কোথায়' (কোন্ স্থানে বা কোন্ খানে) যাইবে?
तुम कहाँ जाओगे?
'যেখানে' ইচ্ছা 'সেখানে' বস (ব্ৰোশো) जहाँ चाहो वहाँ बैठो
'এখানেই' বসিতে হইবে यहीं बैठना होगा
তাহাকে 'সেখানেই' যাইতে হইবে उसे वहीं जाना पड़ेगा
কুকুরটাকে 'কোথাও' পাইলাম না। कुत्तेको (मैंने) कहीं नहीं पाया
'এখন' বসিযা কি কবিব (করিবো)? अब बैठकर क्या करूँगा?
'যখন' ইচ্ছা 'তখন' যাইও (जाइओ) जब चाहो तब जाना
তুমি 'কখন' কাশী যাইবে? तुम कब (किस समय) काशी जाओगे?
'এখনই' এখান হইতে চলিযা যাও अभी यहाँसे चले जाओ
আমি 'কখনই' যাইব না। मैं कभी न जाऊँगा

আমি 'ছাড়া' ('ব্যতীত)' আর কেহ (केहो) জানে না
मेरे सिवाय और कोई नहीं जानता

রাম 'ও' শ্যাম যাইবে राम और श्याम जायेंगे

আমি আজই যাইব 'এবং' বলিব मै आज ही जाऊँगा और कहूँगा

তিনি বলিলেন 'যে,' বড় বাবু কাল আসিবেন
उन्होंने कहा कि, बड़े बाबू कल आयेंगे

আমি যদি না আসি 'তবে' তুমি চলিয়া যাইও
मै अगर न आया तो तुम चले जाना

'একে একে' সকলে চলিয়া গেল
एक एक करके सब चले गये

'মিছামিছি' কেন নিন্দা করিতেছ ? झूठमूठ क्यों निन्दा करते हो ?
'সারাদিন' কোথায় ছিলি ? (तू) दिनभर कहाँ था ?

সে 'ভিতরে ভিতরে' জ্বলিয়া মরিতেছে
वह भीतर ही भीतर जल मर रहा है

তাহাকে 'জন্মের মত' বিদায় দিতে হইবে
उसको जन्म भरके लिए विदा कर देना पड़ेगा

এ 'যেন' 'অবিকল' আমারই লেখা
यह मानो ज्योंका त्यों मेरा ही लिखा है

তোমাকে চাহিতে হইবে 'নতুবা' আমি দিব না
तुम्हे माँगना पड़ेगा नहीं तो मैं नहीं दूँगा

'এরূপ অবস্থায়' কি করা উচিত ?
ऐसी हालतमे क्या करना चाहिये ?

তুমি 'এইরূপে' যাইবে নাকি ? তুম इस तरहसे जाओगे क्या ?

'তাড়াতাড়ি' করিয়া ফেল (फैलो) जल्दी जल्दी कर डालो

'জোরে' বল जोरसे बोलो

'কিছু' ভাল টাকা সঙ্গে লও कुछ अच्छे रुपये साथ लो

এ লোকটি 'খুব' ভাল (भालो) यह आदमी बहुत अच्छा है

'এতটা' খাইতে পারিব না इतना खा नहीं सकूँगा

'অতটা' দুধ পড়িয়া গিয়াছে ! उतना दूध गिर गया है !

তুমি 'একেবারে' মূর্খ तुम एकदम (या बिलकुल) मूर्ख हो

'আচ্ছা' আমি কালই হরিদ্বার যাইব
अच्छा मैं काल ही हरद्वार जाऊँगा

দেখিও আমার কথা 'অক্ষরে অক্ষরে' (अक्खरे) সত্য
देखना, मेरी बात अक्षरशः सत्य है

'আরও' একদিন থাক না और भी एक रोज रहो न

পুকুরটী 'কাণায় কাণায়' ভরা तालाब लबालब भरा है

এক বৎসর 'পর্য্যন্ত' প্রতীক্ষা করিব एक सालतक प्रतीक्षा करूँगा

'বছর বছর' দুর্গা-পূজা হয় हर साल दुर्गापूजा होती है

আমার 'সঙ্গে' বাজারে চল मेरे साथ बाजार चलो

ছেলের 'জন্য' খেলনা আনিব लड़केके लिए खिलौना लाऊँगा

আমটী দুধের 'মত' (मतो) ('ন্যায়') সাদা (शादा)
(यह) आम दूधकी तरह सुफेद है

বিদ্যুতের 'সম্বন্ধে' কি জান বল
बिजलीके बारेमे क्या जानते हो बोलो

कृपया कह दीजिये, इतनेमे आ पहुँचा, बात-बातमें समय बीतने लगा, देखते-देखते दिन चढ़ आया, हमारे पेड़में हर साल खजूर होता है, कल फिर जरूर आऊँगा, भूखेके लिए पावभर सत्तू काफी नहीं है, मेरी (यह) इच्छा नहीं (मै नहीं चाहता) कि तुम मुझे छोड़कर चले जाओ, तुमने जैसा काम किया है उससे तुम्हे बिलकुल ही पैसा न देना चाहिये, आज कितना काम हुआ ? तुमने जितना समझा था उतना नहीं, जब वह आया था जरा भी देर न करके उसी वक्त (मैंने) उसे भेज दिया था, पहले मेरी बात सुनो उसके बाद बात करना, शामको लेटे मत रहो, माघके महीनेमें फिर आऊँगा, (तुम) बहुत देरमें आये, कल जानेसे परसों ही लौट आ सकूँगा, मैं जल्दी-जल्दी खा नहीं सकता, (मैंने) भूलसे कर डाला, ऐसे पढ़ते रहनेसे तुम इमतिहानमें पास हो सकोगे, एक किनारे बैठो, बाहर जाओ, घरके भीतर क्या है ? जिधर देखता हूँ उधर ही अंधेरा (दीख पड़ता) है, जोरसे पढ़ो, इधर-उधर क्यो ताकते हो ? आज रातको फिर आना; नहीं आज फिर नहीं आ सकूँगा, कल सुबह आऊँगा, इतना पानी बरसा कि तालाब लबालब भर गये हैं, (मैंने) बहुत थोड़ा दिया है, और भी थोड़ा घटाओ, अब कहाँ जाओगे ? यहीं थोड़ी देर बैठो, जहाँ चाहो वहीं लेट सकते हो, (मैं) कहीं नहीं जाना चाहता ।

অনুশীলনী

দয়া করিয়া বলিয়া দিন, ইতিমধ্যে আসিয়া পৌঁছিল, কথায় কথায় সময় কাটিতে লাগিল, দেখিতে দেখিতে বেলা বাড়িয়া উঠিল, আমাদের গাছে বছর বছর খেজুর হয়, কাল আবার অবশ্য আসিব, ক্ষুধার্ত্তের পক্ষে এক পোয়া ছাতু যথেষ্ট নহে, আমার (ইহা) ইচ্ছা নহে যে তুমি আমাকে ফেলিয়া চলিয়া যাও, তুমি যেরূপ কাজ করিয়াছ তাহাতে তোমাকে একেবারেই পয়সা দেওয়া উচিত নহে, আজ কতটা কাজ হইল ? তুমি যতটা মনে করিয়াছিলে ততটা নহে, যখন সে আসিয়াছিল একটুও বিলম্ব না করিয়া তখনই তাহাকে পাঠাইয়া দিয়াছিলাম, আগে (প্রথমে) আমার কথা শুন তার পর কথা বলিও, সন্ধ্যাবেলা শুইয়া থাকিও-না, মাঘ মাসে আবার আসিব, বড় বিলম্বে আসিয়াছ, কাল গেলে পরশুই ফিরিয়া আসিতে পারিব, আমি তাড়াতাড়ি খাইতে পারি না, ভুলে করিয়া ফেলিয়াছি, এইরূপে পড়িতে থাকিলে তুমি পরীক্ষায় পাস করিতে পারিবে, এক ধারে বস, বাহিরে যাও, ঘরের মধ্যে কি আছে ? যেদিকে চাই সেই দিকেই অন্ধকার, জোরে পড়, এদিক ওদিক তাকাইতেছ কেন ? আজ রাত্রে আবার আসিও, না আজ আর আসিতে পারিব না, কাল প্রাতে আসিব, এত বৃষ্টি হইয়াছে যে পুকুরগুলি কাণায় কাণায় ভরিয়া গিয়াছে, খুব কম দিয়াছি, আরও কিছু কম কর, এখন কোথায় যাইবে ? এখানেই কিছুক্ষণ বস, যেখানে ইচ্ছা সেইখানেই শুইতে পার, কোথাও যাইতে চাই না।

খুড়তুত ভাই	चचेरा भाई	বন্ধু	दोस्त
মামাত ভাই	ममेरा भाई	শত্রু	दुश्मन
পিসতুত ভাই	फुफेरा भाई	বর	दुलहा
মাসতুত ভাই	मौसेरा भाई	বিপত্নীক	रडुआ
বেয়াই	समधी	পুরুষ মানুষ	मर्द
পুত্র	समधीका लड़का	বালক, ছেলে	लड़का
ভাইপো, ভায়ের বেটা	भतीजा	বৃদ্ধ, বুড়া	बुड्ढा
আত্মীয় স্বজন	कुटुम्बी	মনুষ্য, ব্যক্তি, লোক	आदमी

कुटुम्बियोंके नाम—स्त्रीलिंग

মা, মাতা	माँ	মাসী মা	मौसी
বোন, ভগিনী, ভগ্নী	वहिन	মামী মা	मामी
দিদি	बड़ी वहिन	স্ত্রী, পত্নী	स्त्री
জেঠী মা, জ্যেঠাই	बड़ी चाची	শ্বাশুড়ী	सास
খুড়ী মা, কাকী মা	चाची	খুড় শ্বাশুড়ী	चचिया सास
মেয়ে, কন্যা	लड़की	জ্যেঠ শ্বাশুড়ী	सासकी जेठानी
পৌত্রী, নাতনি (নাত্নি)	पोती	মামী শ্বাশুড়ী	ममिया सास
দৌহিত্রী, নাতনি	नातिन	সতীন ঝী	सौतेली वेटी
ঠাকুর মা	दादी	ভাগনেয়ী, ভাগ্নী	भांजी
দিদি মা	नानी	বোন ঝী	वहिनकी लड़की
পিসী মা *	बुआ	বউ	वहू, स्त्री

* মাসী, পিসী आदिको कोई कोई মাসি, পিসি इस तरह भी लिखते हैं।

द्वितीय खण्ड

शब्दमाला

कुटुम्बियोंके नाम—पुंलिंग

বাবা, বাপ, পিতা	पिता	খুড় শ্বশুর	ककिया ससुर
ভাই, ভ্রাতা	भाई	জ্যেঠ শ্বশুর	ससुरके बड़े भाई
দাদা	बड़े भाई	মামা শ্বশুর	ममिया ससुर
জ্যেঠা (জৈঠা) মহাশয়	ताऊ	সতীন-পো	सौतेला बेटा
খুড়া মহাশয়, কাকা	चाचा	ভাগিনেয	भांजा
পুত্র, ছেলে	बेटा, लड़का	বোন-পো *	बहिनका लड़का
পৌত্র, নাতি	पोता	ভায়রা ভাই, শালীপতি ভাই	साढ़ू
দৌহিত্র, নাতি	नाती		
ঠাকুর দাদা	दादा (पितामह)	জামাই, জামাতা	दामाद
দাদা মহাশয	नाना	শালা, শ্যালক, সম্বন্ধী	साला
পিসে মহাশয	फूफा	দেবর (देवर)	देवर
মেসো মহাশয	मौसा	ভাসুর (भासूर)	जेठ
মামা	मामा	ভগনীপতি	बहनोई
স্বামী, পতি	पति	নন্দাই	ननदोई
শ্বশুর	ससुर	জ্যেঠতুত(তো) ভাই	चचेरा भाई

* पुरुषके लिए बहिनका लड़का ভাগিনেয है, परन्तु किसी स्त्रीके लिए बहिनका लड़का বোন-পো है क्योंकि, उसके लिए ভাগিনেয है उसकी ननदका लड़का ।

•খুড়ীমা চেয়ারে বসেন না, সতীন চুল বাঁধে, বড় বে
বোনেন, ঠাকুরমা কাঁদেন ।

बंगलामें अनुवाद करो—

भांजा सीखता है, बहनोई हिन्दी पढ़ता है, भती
है, पिताजी धमकाते हैं, लड़के खेलते हैं, लड़किया
साला लिखता है, जेठ आते हैं, ममेरी बहिन जात
गाती है, बुढ़िया पड़ोसिन रोती है, नानी काटती है
खरीदती हैं, ननदोई लाते हैं, भाई साहब देखते
काँपता है, सौतेली माँ जगाती हैं ।

जीवोंके नाम—पुंलिंग

জীবজন্তু, পশু	जानवर	বিড়াল
বানর	बन्दर	হাতী
হনুমান	लंगूर	উট, উষ্ট্র
সিংহ (शिह-अ)	सिंह	হরিণ
বাঘ, ব্যাঘ্র	शेर	ঘোড়া
চিতা বাঘ	तेंदुआ	গাধা
নেকড়ে বাঘ	भेड़िया	খচ্চর
ভল্লুক	भालू	পিঁপড়ে, পিপীলিক
গণ্ডার	गैंडा	চি
শৃগাল, শিয়াল	लोमड़ी	মশা, ডাঁশ

শালী, শ্যালিকা	साली	কনে	दुलहिन
যা, জা	जेठानी, देवरानी	বিধবা	राँड़
ভ্রাতৃবধূ, বৌদিদি, ভাজ	भौजाई	স্ত্রীলোক, মেয়েলোক	औरत
		বালিকা, মেয়ে	लड़की
ভ্রাতৃবধূ, ভাদ্র বউ	छोटे भाईकी स्त्री	বৃদ্ধা, বুড়ী	बुढ़िया
		সতীন	सौत
ননদ	ननद	বেযান	समधिन
পিসতুত ভগিনী	फुफेरी बहिन	জ্যেঠতুত ভগিনী	चचेरी बहिन
মাসতুত ভগিনী	मौसेरी बहिन	খুড়তুত ভগিনী	चचेरी बहिन
ভাই ঝী	भतीजी	মামাত ভগিনী	ममेरी बहिन
বিমাতা	सतेली मॉ	প্রতিবেশিনী	पड़ोसिन

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

জামাই ইংবাজী পড়ে, বাবা চাকবী করেন, সতীন-পো পাঠশালায় যায না, ছেলেবা জল খায *, দাদা প্রত্যহ কলিকাতায় যান, জ্যেঠা মহাশয বই লেখেন, মেযেবা নাচে, দেবব মাছ ধবে, বব ঘুডি উডায, মামা-শ্বশুব মাংস খান না, সতীন-ঝী পাতা পোডায়, মাসী মা বাঙ্গলা পডান, বৌদিদি নূতন কাপড় পবেন,

* बंगलामें खाना और पीना दोनों अर्थोंमें খা धातु इस्तेमाल होता है। जैसे ভাত খাইতেছে, জল খাইতেছে, 'তামাক (तामाकू) খাইতেছে इत्यादि।

উকুন, উৎকুণ	केशकीट, जूँ	হাঙ্গর	मगर
সাপ	साँप	শুশুক	सूस
কেঁচো	केंचुआ	চিঙ্গড়ী মাছ (চিঙ্‌ড়ী-)	झींगा
বিছে	बिच्छू	শাঁক	शंख
চিল	चील	ঝিনুক	सीपी
বক	बगुला	শামুক	घोंघा
ময়না	मैना	মাছ	मछली
উই	दीमक	টিকটিকি	छिपकली
ছানা, বাচ্ছা, শাবক	बच्चा	মাছি	मक्खी
গুবরে পোকা	गुबरैला	পঙ্গপাল	टिड्डी
ঝিঁঝি পোকা	झींगुर	কোকিল	कोयल
গুটি পোকা	रेशमका कीड़ा	মৌমাছি	मधुमक्खी
কুমীর	घड़ियाल	বেঙ (ব্যাঙ), ভেক	मेंढक

जीवोंके नाम—स्त्रीलिंग

সিংহী	सिंहनी	বকনা (বক্‌না), বাছুর	बछिया
বাঘিনী	शेरनी	ছাগলী	बकरी
কুকুরী	कुतिया	ময়ূরী	मोरनी
হাতিনী,	हथिनी	মুর্গী	मुर्गी
ঘোটকী, ঘোড়ী	घोड़ी	বিড়ালী	बिल्ली
মহিষী	भैंस	বানরী	बन्दरिया

মহিষ	भैंसा	শাবক	पशु या पक्षीका बच्चा
ষাঁড	साँड़	উটপাখী	शुतुरमुर्ग
ছাগল	बकरा	পেঁচা (পেঁচা)	उल्लू
ভেড়া (ভঁড়া),মেষ	भेड़, भेंड़ा	তিতির	तीतर
শূকর	सूअर	গন্ধগোকুল	सिन्धवार
ইঁদুর (ইঁদুর)	चूहा, मूस	চক্রবাক (চক্কবাক)	चकवा
ছুঁচা	छछूँन्दर	ভোঁদড, ধেড়ে	ऊद्बिलाव
বেজী, নেউল	नेवला	কাঠবিড়ালী	गिलहरी
বাদুড	चमगादड़	শকুন, শকুনী	गीध
হাঁস (হাঁশ)	हंस	সারস (শারশ)	सारस
পাতি হাঁস	बत्तक	হাড়গিলা	हड़गीला
রাজ হাঁস	राजहंस	এঁড়ে বাছুর	बछड़ा
কাক	कौआ	পক্ষি (পক্খি), পাখী	चिड़िया
ময়ূর	मोर	কাকাতুয়া	काकातुवा
পায়রা	कबूतर	পেরু (পেরু)	पेरू
কচ্ছপ, কাছিম	कछुआ	প্রজাপতি	तितली
টিয়া, শুক	तोता	ফড়িং, ফড়িঙ্গ (ফড়িঙ)	फतिंगा
মোরগ	मुर्गा	চড়াই	गौरैया
কীট, পোকা	कीड़ा	বোলতা	बर्रे
ছারপোকা	खटमल	ভীমরুল	लखेरी
জোঁক	जोंक	জোনাকী পোকা	जुगनूँ
গরু, গাভী	गौ, गाय	মাকড়সা (মাকড়্শা)	मकड़ी

ফকির	फ़कीर	নাপিত	नाई, नाऊ
ভিক্ষুক, ভিখারী	भिखमंगा	কলু	तेली, तैलकार
পাণ্ডা (पांडा)	पण्डा	তেলী	तेली
চাষী, কৃষক	किसान	রাজমিস্ত্রী (राज्‌मिस्त्री)	मिस्त्री
গোয়ালা, গয়লা	अहीर	মুচি	मोची
রাখাল	गॅंड़रिया	মেথর (मैथर)	मेहतर
সহিস (शहिश)	साईस	ওঝা	ओझा
চোর	चोर	উকিল	वकील
ডাকাত	डाकू	মোক্তার (मोक्तार)	मुख्तार
মুটে, মজুর मोटिया, मजदूर		ডাক্তার (डाक्तार)	डाक्टर
মুদি	मोदी	চিকিৎসক	हकीम
মালী	माली	কবিরাজ	वैद्य
কুমার, কুম্ভকার	कुम्हार	বাদ্যকর	बजानेवाला
তাঁতী	ताँती	গায়ক	गवैया
দরজী	दरजी	দেওয়ান (दैवान)	दिवान
কামার	लोहार	দালাল	दलाल
স্বর্ণকার, স্যাকরা	सोनार	বেনে	बनिया
কাঠুরিয়া	लकड़हारा	কসাই (कशाइ)	कसाई
কাংস্যকার, কাঁসারী	कसेरा	বিচারক	हाकिम
জেলে, ধীবর	मच्छीमार	আমীর	अमीर
ছুতার, সূত্রধর [शूत्र-] बढ़ई		সৈন্য, সেনা	फौज
ধোপা	धोबी	মাঝি, নাবিক	मल्लाह

अनुशीलनी

हिन्दीमे अनुवाद करो—

হাতী পাতা খাইতেছে, ঘোড়া দৌড়াইতেছে, ময়ূর নাচিতেছে, কাক ডাকিতেছে, ছাগল লাফাইতেছে, ইঁদুর কাপড় কাটিতেছে, হাঁস সাঁতরাইতেছে, পাখীরা বাসায় যাইতেছে, পায়রা উড়িতেছে, কুকুর শুঁকিতেছে (सूँघ रहा है), বিড়াল দুধ খাইতেছে (पी रही है), পিপীলিকায় ঘিরিতেছে, কাছিম নড়িতেছে, শৃগাল পলায়ন করিতেছে, গাধা চেঁচাইতেছে, বানর গান শুনিতেছে, ভল্লুক হাঁপাইতেছে (हाँफ रहा है)।

वंगलामें अनुवाद करो—

आदमी पछ्ता रहा है, शेर मांस खा रहा है, नेवला खेल रहा है, बिल्ली मूस पकड़ रही है, मच्छड़ काट रहा है (কামড়াইতেছে), लालाजी आ रहे हैं, पागल बक रहा है, मैं हँस रहा हूँ, लड़के गा रहे हैं, लड़कियाँ काम कर रही हैं, हमलोग जा रहे हैं, तुम क्या लिख रहे हो, अन्धा रो रहा है (কাঁদিতেছে), सरला चाँद देख रही है, वे कपड़े का व्यापार सीख रहे हैं, वे कलम काट रही हैं, माँ कपड़ोंको सन्दूकमे रख रही हैं।

विभिन्न वृत्तिवालोंके नाम

প্রভু, মনিব	मालिक	শিষ্য, চেলা (चैला)	चेला, शिष्य
চাকর, ভৃত্য	नौकर	রাজা	राजा
গুরু	गुरु	জমিদার	जमींदार

वंगलामें अनुवाद करो—

अहीरिनने दूध दिया (दिल), वकीलने मुद्दईका पक्ष लिया, गॅड़ेरियेने भेड़को पीटा, किसानने खेत (जमि) जोता, पंडा आज वाराणसी गया, डाकुओंने लूटा, कुम्हारने वर्तन बनाया, डाक्टरने दवा दी, अब मै चला, तुमने क्या देखा ? उसने पुस्तकें पढ़ीं, लक्ष्मण हँसा, किसने (কে) आम खाया ? लड़कीने लिखा, तुम क्यों (কেন) बैठे हो ? तुमने शीशेको कैसे (কিরূপে) तोड़ा ?

खाद्य वस्तुओंके नाम

চাউল, চাল	चावल	সাগু (शागु)	साबूदाना
ডাল	दाल	যব (जब)	जव
আটা	आटा	গম	गेहूँ
ময়দা	मैदा	ধান, ধান্য	धान
রুটি, রুটা	रोटी	তেল, তৈল	तेल
মসলা (मश्ला)	मसाला	লবণ, নুন	नमक
মাংস (मांश-अ)	गोश्त	ডিম	अण्डा
ঘি, ঘৃত (घृत-अ)	घी	চিনি	चीनी
মাখন	मक्खन	মধু	शहद
ঘোল	मट्ठा	মিছরী	मिसरी
দুধ	दूध	বাতাসা	बतासा
ছানা	छेना	তেঁতুল	इमली
ভাত	भात	বাঁধা কফি	बंद गोभी
শস্য [शश्य]	अनाज	ফুল কফি	फूल गोभी

সওদাগর	सौदागर	সাক্ষী (शाक्खी)	गवाह
ভাড়াটিয়া	किरायादार	নর্ত্তক (नर्तक)	नाचने वाला
ফেরিওয়ালা	फेरीवाला	রাঁধুনী, পাচক, ঠাকুর	रसोइया
গাড়োয়ান	गाड़ीवान	রায়ত	रैयत
বাদী (बादी)	मुद्दई	তাঁতী, জোলা	जुलाहा
প্রতিবাদী	मुद्दालेह	মক্কেল (मक्केल)	मुवक्किल

विभिन्न वृत्तिवालियोंके नाम

গুরুপত্নী	गुरुआइन	গোয়ালিনী, গয়লানী	अहीरिन
শিষ্যা	चेलिन	মালিনী	मालिन
রাণী (रानी)	रानी	ধোপানী	धोबिन
জমিদারণী	जमींदारिन	তেলিনী	तेलिन
বিবি	बीबी	মেথরাণী (मैथरानी)	मेहतरानी
চাকরাণী (चाकरानी)	नौकरानी	নটী, নর্ত্তকী	नाचने वाली

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

মুটে তিন টাকা লইল (लिये), ডাকাত পথিককে খুন করিল, মুচি জুতা সেলাই করিল, সে এখনই (अभी) গেল, কে সাপটাকে মারিল ? স্যাকরা কেন আংটী বানাইল না ? জেলে ছোট মাছ ধরিল না, ধোপা কাপড় কাচিল, নাপিত দাড়ি কামাইল, মেথর আজ আসিল না, চোর পলাইল, মুদি চাউল দিল না, মাঝি নৌকায় উঠিল, ভাড়াটিয়া বাড়ীর ভাড়া দিল, বেনে মসলা বেচিল (बेचा), আমি বানর নাচ দেখিলাম (देखा)।

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমি রুটী খাইয়াছি (खायी है), কে গম পিষিয়াছে ? সে ডিম ভাজিয়াছে, পাচক তরকারিতে ঝোল রাখিয়াছে, মাসিমা চিড়া ভিজাইয়াছেন, কাহারা পটল কিনিয়াছে ? চাকরাণী ছোলা ভাজিয়াছে, গোয়ালা দুধ হইতে মাখন তুলিয়াছে, মা পায়স (खीर) রাঁধিয়াছেন, তিনি দুধের সর উঠাইয়াছেন, আমরা বই পড়িয়াছি, এবার (इस साल) খুব শস্য হইয়াছে, ফের (फिर) তুমি কাঁঠাল খাইয়াছ ? অনেক বেগুন পচিয়া গিয়াছে (सड़ गये हैं)।

बंगलामें अनुवाद करो—

किसको (কাহার) बुखार हुआ है (হইয়াছে) ? मैंने जुलाब लिया है, उसकी मांकी मृत्यु हुई है, घावसे खून गिरा है, पुलिसने उसे छोड़ दिया है, मैंने साबूदाना खरीदा है, तुमने पेड़ काटा है, किसने मेरा छाता फाड़ा है ? लड़कियोंने किताब पढ़ी है, गुरुजीने घी खाना सिखाया है, उसने केला बेचा है, नौकरने मूंग पीसी है, हमने (এ) चाय पी है, समधीने दहीसे लावा खाया है ।

अंगोंके नाम

হাত	हाथ	চুল, কেশ	बाल
পা, পদ	पैर	নখ	नाखून
কান, কর্ণ	कान	মুখ	मुँह
মাথা, মস্তক, শির	सिर	কপাল	ललाट, कपार

কলা	केला	খই	लावा
কচু	अरवी	চিড়া, চিঁড়ে, চিপিটক	चिउड़ा
আলু	आलू	ঝোল	रसा
মূলা, মূলো	मूली	ঘোল	छाछ, मट्ठा
পটল (পটোল)	परवल	ঝোলাগুড়	राव
কুমড়া (কুমড়া),-ড়ো	कोंहड़ा	তরকারি	तरकारी
ধুঁধুল	नेनुवा	চা	चाय
বেগুন, বার্ত্তাকু	भंटा, वैगन	টক, অম্বল	खटाई
বর্ববটী	बोड़ा	মোচা	केलेका फूल
ঢেঁড়স (ঢেঁড়শ)	भिण्डी	পেঁয়াজ, পলাণ্ডু	प्याज
লেবু, নেবু	नींबू	কফি	गोभी
শাক	साग	রসুন (রশুন)	लहसुन
আম্র, আম	आम	গাজর	गाजर
কাঁঠাল	कटहल	ওল	सूरन
ছোলা, বুট	चना	লাউ	लौकी
মটর	मटर	বাদাম	बदाम
মুগ	मूंग	ভুট্টা	भुट्टा
খেশারি (খেঁশারি)	केसारी	মদ্য, মদ	शराब
কলাই	उर्द	সরবত (শরবত)	शरबत
পোস্তদানা	पोस्तेका दाना	প্রাতর্ভোজন	कलेवा
দধি, দই	दही	রাত্রির আহার	ब्यालू
সর (শর)	मलाई	বন-ভোজন	जंगलकी रसोई

স্বর (शर)	स्वर, आवाज	থাবা (थाबा)	पञ्जा
চোখের জল, অশ্রু	आँसू	(পশুর) নখর	नाखून
থু থু	थूक	ছাল	खाल
শিং, শৃঙ্গ (सृंग-ग)	सींग	শুঁড	सूँड
খুর	खुर	পালক	पर
লেজ	दुम	পাখা, ডানা	पंख
লোম	रोम	ঠোঁট	चोंच
বাঁট	थन	(পাখীর) বাসা	घोंसला
ডিম	अण्डा	হুল (हुल)	डंक

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

তাহার হাত ভাঙ্গিয়াছিল (टूट गया था), মেয়ের মাথাব চুল কাল ছিল (था), আমাব হাতের আঙ্গুলে ফোডা হইয়াছিল, আমি কলিকাতায় গিয়াছিলাম, তোমরা বসিয়াছিলে, আমবা তাহাব হাঁটুর ঘা দেখিযাছিলাম, রাস্তায় একটা লোক পডিযাছিল, তাহার একটাও পা ছিল না, ছেলেটাব একটা চোখ ছিল না, মেযেটীর গলা ফুলিয়াছিল, স্ত্রীলোকেবা ঘুমাইয়াছিল, তিনি এই কথাটা জিজ্ঞাসা করিয়াছিলেন, তুমি স্বপ্নে কি দেখিয়াছিলে ? আমি বাজস্থানে গিয়াছিলাম, অসমিয়ারা খুব অত্যাচার কবিয়াছিল, রুশেরা ৮০০০ মাইল দূরে অগ্নিবাণ মারিয়াছিল (फेंका था)।

গাল	গাল	হাড়	হড্ডী
ঠোঁট	হোঁঠ	বাহু	ভুজা
মস্তিষ্ক, মগজ, মাথা	দিমাগ	ভ্রূ	ভৌঁ
চক্ষু, চোখ	আঁখ	হাতের কব্জি	কলাঈ
নাক	নাক	শিরা, নাড়ী	নস
দাঁত, দন্ত	দাঁত	গোঁফ	মূঁছ
কোমব, মাজা	কমর	কোল	গোদী
পেট, উদব	পেট	মাই	চূঁচী
মাংস	মাংস	পাঁজরা	পসলী
চামড়া	চমড়া	গোড়ালী	এড়ী
রক্ত, রুধিব	খূন	মাথাব খুলি	খোপড়ী
উরু	জাঁঘ	চিবুক	ঠুড্ঢী, ঠোঢ়ী
হাঁটু	ঘুটনা	চোয়াল	জবড়া
হৃদয	দিল	মেরুদণ্ড, শিরদাঁড়া	রীঢ়
আঙ্গুল	উংগলী	তলপেট	পেড়ূ
দাড়ী	দাঢ়ী	বুড়া আঙ্গুল	অংগূঠা
জিহ্বা, জিভ	জীভ	কনুই	কোহনী
আলজিভ	গলেকী কৌড়ী, কৌআ	চোখেব পাতা	পলক
বুক	ছাতী	চোখেব পাতাব চুল	বরৌনী
পিঠ	পীঠ	হাতের তলা	হথেলী
গলা	গরদন	পায়ের তলা	তলুআ
ঘাড, স্কন্ধ, কাঁধ	কন্ধা	ফুসফুস (ফুশফুশ)	ফেফড়া

তক্তা [তক্তা]	तख्ता	প্রদীপ	दिया
চূন	चूना	বৈঠকখানা	बैठका
শুরকী	सुरखी	গোয়াল	गोशाला
রাল	राल	একতালা [ঐক্তালা]	एकतल्ला
আলকাতরা	अलकतरा	দোতালা	दुतल्ला
রং	रंग	উনন, চুল্লী	चूल्हा, अंगेठी
আদালত	अदालत	তক্তাপোষ	पलंग
দোকান	दुकान	দেরাজ	दराज
রান্নাঘর	रसोई	পেরেক	कील
ছাদ, ছাত	छत	কেদারা, চেয়ার	कुर्सी
দেওয়াল [দিৱাল]	दीवार	দেয়ালগিরি	दिवालगीर
ভিত্তি [ভিত্তি]	नींव	আয়না, আর্সি, দর্পণ	शीशा
সিঁড়ি [শিঁড়ি]	सीढ़ी	সাবান	साबुन
খিলান	मेहराब	চিরুণি	कंघी
ইট	ईंटा	ফিতা	फीता
বালু	बालू	শাল, আলোয়ান	शाल
কড়ি	धरन, कड़ी	পেয়ালা	प्याला
বাক্স, পেটরা, তোরঙ্গ	बक्स	কয়লা	कोयला
আলমারী	अलमारी	আগুন	आग
তালা, কুলুপ	ताला	ধোঁয়া	धुआँ
চাবি	चाभी, कुञ्जी	ছাই	राख

वंगलामें अनुवाद करो—

बीमारकी खोपड़ी फूट गयी थी (ফাটিয়া গিয়াছিল), गाय का सींग टूट गया था, उसकी एक आँख छोटी थी, उनकी कमरमें दर्द था, अण्डा सड़ा था, मामाने मोरका पर माँगा था, बूआने बिल्लीकी दुमकी बात कही थी, लोगोंने घोड़ेके खुरकी आवाज सुनी थी, नानीने चिड़ियाकी चोंचकी चर्चा की थी, बुढ़ियाने मुझे बुलाया था, तुमने कल क्या खाया था, हमलोग उसकी मूँछकी तारीफ सुन कर (শুনিয়া) खूब हँसे थे (হাসিয়াছিলাম), मेरा दिमाग ठिकाने नहीं था, भौंरेने डंक मारा था (ফুটাইয়াছিল)।

मकान और घर सम्बन्धी वस्तुओंके नाम

বাড়ী	मकान	মেজে, ফরাস	फर्श
প্রাসাদ, অট্টালিকা	इमारत	বারাণ্ডা (बारान्डा)	बरामदा
কুঁড়ে ঘর, কুটির	झोपड़ी	পোল, সেতু (शेतु)	पुल
বাসা [बाशा]	डेरा	থাম	खम्भा
ঘর	मकान, कमरा	দরজা	दरवाजा
গুদাম	गोदाम	চৌকাঠ	चौखट
আস্তাবল [आस्ताबल]	अस्तबल	জানালা	जंगला
স্নানাগার	गुसलखाना	ছিটকিনি	चिटकिनी
ধনাগার, কোষাগার	खजाना	উঠান, প্রাঙ্গণ	आँगन
পায়খানা	पखाना	খিল, হুড়কা	अर्गला
ফটক	फाटक	শিকল	साँकल, सिकड़ी
কব্জা (कब्जा)	कब्जा	শামাদান	समादान

बंगलामें अनुवाद करो—

जंगला टूट गया होगा (ভাঙ্গিয়া থাকিবে), दीवार गिर गयी होगी, मेहराब फट गयी होगी, तीन आदमी आये होंगे, नानीजी गयी होंगी (গিয়া থাকিবেন), उसने किताब दी होगी, रामदयालने तस्वीर खरीदी होगी, तुमने छड़से मारा होगा, नौकरने लालटेन बुतायी (নিভাইয়া) होगी, मोदीने तराजूसे तौला होगा, कुदाल किसने चुरायी है ? सूईसे सिलाई करो ।

मामूली चीजोंके नाम

বাসন (बाशन)	बर्तन	অলঙ্কার, গহনা	जेवर
ঘটী, ঘটি	लोटा	চাদর	चद्दर
বাটী, বাটি	कटोरी	পাজামা	पैजामा
কুঁজো	सुराही	কামিজ	कमीज
চামচ	चम्मच	চোগা	चोगा
হাতা	कलछुल	জেব, পকেট	जेब
কলসী (कल्शी), ঘড়া	गगरा	তোয়ালে	तौलिया
গেলাস (गेलाश)	गिलास	বোতাম	बटन
কাগজ	कागज	রুমাল	रूमाल
বিছানা	बिछौना	কাপড়	कपड़ा
পাখা	पंखा	জামা	कुर्ता
পোষাক	पोशाक	ছাতা	छाता
পোষাক-পরিচ্ছদ	पहनावा	জুতা, জুতো	जूता

গামলা	गमला	পিলশুজ	डियट
তাওয়া, চাটু	तवा	লণ্ঠন	लालटेन
চিমটা	चिमटा	বারকোষ	कठौती
শিল	सिल	কড়াই	कड़ाही
নোড়া	लोढ़ा	ছবি	तस्वीर
দাঁড়িপাল্লা	तराजू	ঝুড়ি, ডালা, ধামা	खचिया
বাটখারা	बटखरा	চালুনী	चलनी
কোদাল	फावड़ा, कुदाल	যাঁতা (जाँता)	चक्की
শিক	छड़	কুড়ুল	कुल्हाड़ी
সূতা, সূতো	सूत	ছুঁচ	सूई
সিন্দুক, বাক্স (बाक्स)	सन्दूक	দা	कटारी
বাতি, পলিতা	बत्ती	শাবল	साबर

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমার কাশীর বাড়ীখানা পড়িয়া গিয়া থাকিবে (गिर गया होगा), গুদাম খালি হইয়া থাকিবে, ফটক ভাঙ্গিয়া গিয়া থাকিবে, সে এতক্ষণ (अब तक) উনানে আগুন দিয়া থাকিবে, দোতালা উঠিয়া থাকিবে, চোর মার খাইয়া থাকিবে (खायी होगी), জানালা ফাটিয়া থাকিবে, তিনি মালা ছিঁড়িয়া থাকিবেন (तोड़ी होगी), মেজে প্রস্তুত হইয়া গিয়া থাকিবে, শিকল নড়িয়া থাকিবে, রান্না হইয়া থাকিবে, উঠান ময়লা হইয়া থাকিবে (हुआ होगा)।

প্রস্রাব (प्रस्राब)	पेशाब	সময় (शमय)	वक्त
তীর, ধার	किनारा	পাথর	पत्थर
টাকা	रुपया	স্থান (स्थान)	जगह
পয়সা (पयशा)	पैसा	রাস্তা (रास्ता)	रास्ता
আনা	आना	কারণ	वजह
আধুলী, আটানী	अठन्नी	গল্প	किस्सा
সিকি (शिकि)	चवन्नी	দিন	दिन
দুয়ানী	दुअन्नी	রাত	रात
একানী (ऐकानि)	एकन्नी	ঘণ্টা	घण्टा
প্রশ্ন (प्रस्न-अ)	सवाल	মিনিট	मिनट
উত্তর (उत्तर)	जवाब	সেকেণ্ড (सेकेन्ड)	सेकन्ड
কাজকর্ম্ম	धन्धा	বস্তু (बस्तु)	चीज
বাণিজ্য	व्यापार	কথা	बात
সুদ (शुद)	सूद	শব্দ	आवाज
লাভ	नफा	পাতা	पत्ता
লোকসান (लोक्शान)	नुकसान	কুঠরী	कोठरी
মণ	मन (वजन)	জমি	जमीन
সের (शेर)	सेर	শিশি	शीशी
পোয়া	पाव	চিঠি, পত্র	चिट्ठी
ছটাক	छटाँक	কড়ি	कौड़ी
দাম	मोल	দর	दर
কায, কাজ	काम	প্রকার	तरह

তোষক	तोसक	রেকাবী	रकाबी
গালিচা	गलीचा	হাঁড়ি	हण्डी
লাঠি	डण्डा	টুপি	टोपी
হুঁকা	हुक्का	পাগড়ি, শিরস্ত্রাণ	पगड़ी
কলিকা, কলকে	चिलम	গদি	गद्दा
খেলনা (খ়েল্না)	खिलौना	পাটী, মাদুর	चटाई
ক্ষুর (খুর্)	छुरा	ছড়ি	छड़ी
ছুরি	चाकू	ঘড়ী	घड़ी
বালিশ	तकिया	ওযাচ	जेबघडी
তাকিয়া	गोल मोटा तकिया	নৌকা	नाव
খড়ম	खड़ाऊँ	আংটি, অঙ্গুরী	अंगूठी
বই	किताब	খাদ্য	खाना
পুঁথি	पोथी	ফুল	फूल
কালি	स्याही	গাছ	पेड़
দোয়াত	दावात	চেহারা	चेहरा
কলম	कलम	বিচালি, খড়	फूस, पुआल
পেন্সিল	पेन्सिल	পাহাড়	पहाड़
কাঁচি	कैंची	ময়দান	मैदान
টেবিল	मेज	গ্রাম, গাঁ	गाँव
পিরাণ	कमीज	পল্লীগ্রাম	दिहात
মশারি	मसहरी	হিসাব	हिसाब
থাল	थाली	বাহ্য (বাহ্য-অ), মল	मल

[বাঁধ করিতে] जाता था, चवन्नी किसने भँजायी? पावभर [এক পোয়া] दूध लाओ, कोठरी अभी साफ होनी चाहिये, जमीन क्यों नहीं जोती गयी? रामदयाल रस्सीसे चोरको बाँधता था [বাঁধিতেছিল], खजूर की गुठलियों को फेंक दो, तुमने सिरमें पट्टी क्यों बाँध रखी है?

खनिज वस्तुओं और जेवरादिके नाम

সোণা, স্বর্ণ (शर्न)	सोना	ফিটকারী	फिटकिरी
রূপা, রৌপ্য (रउप्य-अ)	चाँदी	গিরিমাটি	गेरू
ইস্পাত (इश्पात)	फौलाद	সিন্দুর (शिन्दुर)	सिन्दूर
দস্তা (दस्ता)	जस्ता	ধূনা	धूना
লোহা, লৌহ (लउह-अ)	लोहा	সফেদা (शफेदा)	सफेदा
তামা, তাম্র	ताँबा	মতি	मोती
সীসা (शीशा)	सीसा	পান্না	पन्ना
অভ্র, আব	अबरक	হীরা, হীরক	हीरा
পিত্তল, পিতল	पीतल	বালা	कड़ा
কাঁসা (काँशा)	कसकुट	তাবিজ	तावीज
পারা	पारा	বাজু	बाजूबन्द
গন্ধক	गन्धक	হার	हार
সোরা (शोरा)	शोरा	নথ	नथिया
কয়লা	कोयला	মল	पाजेब
চুম্বক	चुम्बक	মাকড়ী	बाली

দড়ি	रस्सी	পাপ্‌ড়ী	पंखड़ी
মাটি	मिट्टी	বটি [ঔষধের]	गोली
বল	गेंद, ताकत	পাচক চূর্ণ	चूरण
বীচি	बिया	কুলকুচা [-চো]	कुल्ला
খোসা, তুষ	छिलका, चाकर	পট্টি, পটি	पट्टी
আঁটি	गुठली	জোলাপ	जुलाब

अनुशीलनी

हिन्दीमे अनुवाद करो—

কুমার বাসন গড়িতেছিল [बना रहा था], কামার থালা কাটিতেছিল, চাকরাণী বিছানা পাতিতেছিল [बिछा रही थी], ছেলেটা পাখা ভাঙ্গিতেছিল, সে জামা ছিঁড়িতেছিল, খোকা [लल्ला] বালিশে কালি দিতেছিল, নাপিত ক্ষুর দিয়া কামাইতেছিল [चौर कर रहा था], বউ মাটির হাঁড়িতে ডাল রাঁধিতেছিল [पका रही थी], বৃষ্টির সহিত শিল পড়িতেছিল, সে খেলনা কিনিতেছিল, তাহারা গ্রামে যাইতেছিল, আমি টাকা ভাঙ্গাইতেছিলাম।

बंगलामे अनुवाद करो—

कौन पत्थर तोड़ता था [ভাঙ্গিতেছিল] ? मै नदीके किनारे-से [ধার দিয়া] जा रहा था, लड़का किताब फाड़ता था, सोनार अंगूठी बना रहा था, मजदूरिन चटाई बिछा रही थी, चिड़िया नाव पर बैठी थी, पेड़से बन्दर गिर पड़ा [পড়িয়া গেল], वह झाड़ा फिरने

বেত গাছ	बेंत	ডাল, শাখা	टहनी, डार
চারা গাছ	पौधा	পাতা	पत्ती
আম গাছ	आमका पेड़	কুঁড়ি	कली
কলা গাছ	केलेका पेड़	গুঁড়ি	तना, धड
বাঁশ গাছ	बाँसका पेड	খোসা, ছোবড়া	छिलका
আখ, ইক্ষু	ऊख	শাঁস	गूदा
কাঠ	लकड़ी	মূল	जड़
লতা	लता	আঁশ	रेशा

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

নারিকেল গাছ কাটিব (काटूंगा), বট গাছের ডাল ভাঙ্গিয়া পড়িবে (टूट पड़ेगी), আমরা আখের রস খাইব, চোর কাঠের দরজা ভাঙ্গিয়া ফেলিবে, কলা গাছে কলা হইবে, সেগুন কাঠের সিন্দুক বানাইব, পাটের দড়ি দিয়া বাঁধিলে (बाँधने से) ছিঁড়িবে না (न टूटेगा)।

बंगलामें अनुवाद करो—

कटहलकी लकडीका पलंग बनानेसे वह मजबूत होगा, बाँसकी टट्टी (বেড়া) जल जायगी (পুড়িয়া যাইবে), बकरे पौधे खा जायेंगे, मैं चाय नहीं पीऊँगा (খাইব না), पीपलका पेड़ गिर पड़ेगा, टेढ़ा करनेसे बेंत नहीं टूटेगा, मीठा आम खाऊँगा, इमलीके पेड़की पत्ती छोटी होती है [ছোট হয়]।

अनुशीलनी

हिन्दीमे अनुवाद करो—

সোনা হইলে গহনা গড়াইতাম (मैं बनाता), কয়লা হইলে রান্না হইত (रसोई होती), যদি মতির মালা থাকিত তবে প্রতিমা (मूर्ति) সাজাইতাম, গহনা থাকিলে আদর হইত, বউয়ের মাথার সিন্দুর না থাকিলে খারাপ দেখাইত (दीखता)।

बंगलामें अनुवाद करो—

अबरककी चिमनी रहती ता प्रकाश ज्यादा होता, तुम अगर चाँदीका जेवर पहनती तो कोई नहीं आदर करता, गेरू रहता तो मै कपड़ा रँगता (রং করিতাম), कसकूटका वर्तन रहता तो उसमें खाना देते, हाथमे कड़ा रहता तो अच्छा दीखता (দেখাইত)। अमरिकियों का दबाव न रहता तो जापान स्वतन्त्र माना जाता (স্বাধীন গণ্য হইত)।

उद्भिज्जोंके नाम

নারিকেল গাছ	नारियलका पेड़	তেঁতুল গাছ	इमलीका पेड़
বট গাছ	बरगदका पेड़	শিমুল গাছ	सेमलका पेड़
শাল গাছ	साखूका पेड़	কাঁটাল গাছ	कटहलका पेड़
খেজুর গাছ	खजूरका पेड़	কেওড়া গাছ	केवड़ेका पौधा
তাল গাছ	ताड़का पेड़	পাট	पटुआ
অশ্বত্থ গাছ	पीपलका पेड़	শন	सन
সেগুন গাছ	सागवानका पेड़	চা গাছ	चायका पौधा

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

নারিকেল খাও, তরমুজ আন (आनो=लाओ), লেবু কাট, কুল খান (खान् = खाइये), সে পেয়ারা খাক্, তাঁহারা শশা কিনুন, কাঁঠাল খাইতে ভাল, কাল (काली) জাম খাইব, তিনি আতা কিনিতেছিলেন, বেদানা রোগীর পথ্য, জবা ফুল লাল, তেঁতুল টক (खट्टी है), সুপারী পানের সঙ্গে খায়।

बंगलामें अनुवाद करो—

आँवलेका तेल खरीदो (কেনো), सिंघाड़ा खाऊँगा, नारंगी बेचोगे? बादाम पीसकर खाओ, पिस्ता खरीद लाओ, खजूर नहीं खाऊँगा, अनार मीठा है, ताड़का पेड़ लम्बा है, खरबूजा मीठा नहीं था (ছিল না), गुलाबका फूल सभीको प्रिय है (সকলেরি প্রিয়), चमेलीका तेल अच्छा है (ভাল), धतूरेका फल खानेसे मनुष्य पागल हो जाता है।

मसालोंके नाम

মসলা (मश्ला)	मसाला	হলুদ	हरदी
লঙ্কা (लंका)	मिर्चा	এলাইচ	इलायची
আদা	अदरख, आदी	লবঙ্গ	लौंग
জিরা	जीरा	ডালচিনি, দারচিনি	दालचीनी
গোল মরিচ	काली मिर्च	সরিষা	सरसों, राई
ধনে	धनिया	তামাক	तमाखू
জয়ত্রী, জৈত্রী	जावित्री	চুয়া	चोआ

फलोंके नाम

নারিকেল	नारियल	দাড়িম	अनार
তরমুজ	तरबूज	তাল	ताड़
লেবু, নেবু	नींबू	খেজুর	खजूर
কুল	बेर	বাদাম	बादाम
পেয়ারা	अमरूद	পেস্তা (पेस्ता)	पिस्ता
লিচু	लीची	পানিফল	सिघाड़ा
কিসমিস (किसमिस)	किशमिश	আঙ্গুর	अंगूर
আনারস (-শ)	अनन्नास	আমলকী	आँवला
কমলালেবু	नारंगी	নাশপাতি	नाशपाती
শশা	खीरा	বেদানা	अनार
খরমুজ	खरबूजा	আখরোট	अखरोट
পেঁপে (पेंपे)	पपीता	বেল	बेल
আতা	शरीफा	মোনাক্কা	मुनक्का
কাঁঠাল (कांटाल)	कटहल	সুপারি (शुपारि)	सुपारी
আম	आम	জাম	जामुन

फूलोंके नाम

সূর্যমুখী	सूरजमुखी	গোলাপ	गुलाब
জবা	जपा	গাঁদা, গেঁদা	गेंदा
কৃষ্ণচূড়া	पनसियाना	যুথি, যুই	जूही
চামেলী	चमेली	ধুতুরা ফুল	धतूरेका फूल

बीमारियोंके नाम

ব্যারাম, অসুখ, রোগ	बीमारी	ঘা	घाव
জ্বর	बुखार	গ্রহণী	संग्रहणी
ম্যালেরিয়া	मलेरिया	বমি, বমন	कै, उलटी
কলেরা	हैजा	ব্রণ, ফুস্কুড়ি	फुनसी
চক্ষু উঠা	आँख आना	কোষ্ঠবদ্ধতা	कब्जियत
বসন্ত (বশন্ত-অ)	शीतला, चेचक	খোস, পাঁচড়া, চুলকানি	
সর্দ্দি	जुकाम, सर्दी		खुजली
মাথাঘোরা	सिर-घूमना	প্লীহা	पिलही
কাসি (কাশি)	खाँसी	যকৃৎ (জকৃত্)	तिल्ली
শ্লেষ্মা (শ্লেস্শা), শিকনি	कफ	দাদ, দদ্রু	दाद
অর্শ (অর্শ-অ)	बवासीर	ঘাম	पसीना
প্রস্রাব	बलगम	টাক	गंज
হাঁপানি	दमा	পক্ষাঘাত (পক্খাঘাত)	लकवा
ফোড়া	फोड़ा	বেদনা, ব্যথা	दर्द
আমাশয়	आँवकी बीमारी	(গেঁটে) বাত	गठिया
অতিসার (-শার)	अतिसार	ফুলো	सूजन
পেটকামড়ানি	पेचिश	কুষ্ঠ (কুষ্ঠ-অ)	कोढ़

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমার অসুখ করিয়াছে [হইয়াছে], তাহার বমি হইতেছে,

মৌরী	सौंफ	পিঁপুল	पीपर
কর্পূর	कपूर	তেজপাতা	तेजपाता
খয়ের	कत्था	মেথী	मेथी
পান	पान	তিসি	तिसी
হরিতকী	हर्रा	বয়ড়া	बहेड़ा
শুঁঠ	सोंठ	কালজিরা	मंगरेला
তিল	तिल	যোয়ান	अजवाइन

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

বেশী মসলা দিয়া রান্না করা (रसोई पकाना) উচিত নহে, লঙ্কা খাইলে বুক জ্বালা করে, কেবল ধনে হলুদ দিয়া রান্না করা যায় না, আদার চাটনী খুব হজমী, অম্বল রাঁধিতে সুবিধা লাগে, মাংসে গরম মসলা দেওয়া আবশ্যক, আচারে কালজিরা দিয়াছি, মৌরী ভিজাইয়া উহার জল চুষিয়া খাইলে পিপাসা কমে।

बंगलामें अनुवाद करो—

कपूरका अर्क सूँघो, कत्था पानके साथ खाया जाता है, मैं तमाखू नहीं पीता, अजवाइन एक दवा है, सोंठ खाँसीके लिए अच्छी है, इलायची बहुत गरम चीज है, तीन रुपयेका मंगरेला खरीद लाओ, ५० नये पैसे की हरदी बेची, तीसीका दाम १३ रु० ७५ न० पैसे दिया, चीनी फौज हिमालय लाँघ कर भारतमें घुस आयी है।

কুয়াসা	कुहरा	পৃথিবী	पृथ्वी
জল	पानी	তারা, নক্ষত্র	नक्षत्र
আগুন	आग	গ্রহ (ग्रह-अ)	ग्रह
মাটী	मिट्टी	মাস	महीना
বায়ু, হাওয়া, বাতাস	हवा	বছর, বৎসর	साल

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

এখনই বৃষ্টি নামিবে (হইবে), এত অন্ধকারে চলিতে পারি না, আকাশে চাঁদ উঠিয়াছে, বাতাস বহিতেছে, মাটীর নীচে জল আছে, ঝড় উঠিয়াছে, কুয়াসায় চারিদিক ঢাকিয়া গিয়াছে।

बंगलामें अनुवाद करो—

मकानमें आग लग गयी है, ओस गिर रहा है, गरम पानीसे भाफ निकलता है. आँधीसे धूल उड़ती है, बिजली चमकेगी, कल रातको बादलके सबबसे अँधेरा हुआ था।

प्राकृतिक विभागादिके नाम

সমুদ্র	समुद्र	খাড়ী, উপসাগর	खाड़ी
নদী	नदी	বন	वन
খাল	नाला	গুহা, গহ্বর	गुफा

রামদুলালের মাতাব মাথা-ঘোরার ব্যাবাম আছে, যাযে নিম-ঘী দেওযা উচিত, বাবার গেঁটে বাত হইযাছে, আজকাল আমাদের এদিকে কলেরা দেখা দিযাছে (फैला है), অর্শ বোগে বক্ত পডে (गिरता है), তোমাব কি চুলকানি হইয়াছে (हुई है) ?

वंगलामें अनुवाद करो—

पर साल मुझे वड़ी सख्त वीमारी हुई थी (হইযাছিল), दमाके मरीज जल्दी नहीं मरते, आँख आनेपर धूप सही नहीं जा सकती, लकवेका इलाज वैद्यसे कराओ, तुम्हारे पैरमे सूजन क्यों हुई ? हर्रा खानेसे कब्ज नहीं रहती (থাকে না), देहमें पसीना सूखने न देना चाहिये (শুকাইতে দেওযা উচিত নয)।

ग्रह और जलवायु आदिके नाम

চাঁদ	चाँद	ধূলা	धूल
সূর্য্য	सूरज	বাষ্প	भाफ
আকাশ	आसमान	ঝড	आँधी
নরক	नरक	মেঘ	वादल
স্বর্গ (शर्ग-अ)	स्वर्ग	বৃষ্টি	वारिश
স্থল (स्थल)	स्थल	অন্ধকার	अँधेरा
বালি	वालू	হিম, তুষাব	पाला
ধূম	धूआँ	আলোক, আলো	प्रकाश
বিদ্যুৎ	विजली	শিশিব	ओस

अदालती शब्द

কাছারী	कचहरी	ঘুষ	रिश्वत
আদালত	अदालत	শাস্তি (शास्ति)	सजा
আইন	कानून	সাক্ষী (शाक्खी)	गवाह
আর্জি, দরখাস্ত	अर्जी	মোকদ্দমা	मुकदमा
আসামী (आशामी)	असामी	মুনসেফ (मुनसेफ)	मुनसिफ
ওয়ারেণ্ট	वारण्ट	প্রমাণ	शहादत
কয়েদ	कैद	নালিস (नालिश)	नालिश
সালিশ (शालिश)	पञ्च	খত	दस्तावेज
বাদি, ফরিয়াদী	मुद्दई	পাট্টা	पट्टा
প্রতিবাদী	मुद्दालेह	শপথ	कसम
ওকালতনামা	वकालतनामा	মুচলিখা	मुचलका
দাবী (दाबी)	दावा	নিষ্পত্তি	फैसला
স্বত্ব (शत्त)	हक	খালাস (खालाश)	रिहाई
খাজানা	मालगुजारी	নথী	नत्थी
জরিমানা	जुर्माना	শুনানি	सुनवाई
দেউলিয়া	दिवालिया	খারিজ	खारिज

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমাদের বিবাদ সালিশে নিষ্পত্তি করিয়াছি (किया है), তিনি তিন হাজার টাকার দাবিতে নালিশ করিয়াছেন, প্রমাণ না থাকায়

মরুভূমি	मरुस्थल	বিভাগ	हिस्सा
চতুষ্ক, চত্বর (चत्तर)	चबूतरा	কূপ, পাতকো	कुआँ
সহর (शहर), নগর	शहर	পাড়া	मुहल्ला
গ্রাম, গাঁ	गाँव	গলি	गली
পাহাড, পর্ব্বত	पहाड़	ঝরণা, ফোযারা	झरना, फौहारा
পুষ্করিণী, পুকুর	तालाब	জেলা	जिला
হ্রদ	झील	চৌমাথা (चउमाथा)	चौराहा
দিক্	दिशा	বাজার, হাট	बाजार
মানচিত্র	नकशा	বাগান	बगीचा

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমি ভারতের মানচিত্র দেখিতেছি (देख रहा हूँ), আমাদের পাড়ায আজকাল বড ব্যারাম হইতেছে, পশ্চিম দিকে সূর্য্য অস্ত যায, তোমাদের গাঁযে কি একটাও পাতকো নাই? এক দিনের বৃষ্টিতেই পুকুর ভরিযা গিয়াছে, একজন সাধু গুহার মধ্যে বসিয়া তপস্যা করিতেছেন, ভারতীয সংঘে সংস্কৃতকে অন্যতম রাষ্ট্রভাষা করা উচিত।

बंगलामें अनुवाद करो—

इसी गलीमें हम रहते हैं (থাকি), आज नालेमें मछली पकड़ने जाओगे? मरुस्थलमें पानी मुश्किलसे मिलता है, जिस चौराहे पर लालटेन है उसके पास जा बैठो, चबूतरे परसे लड़का गिर पड़ा, इस बगीचेमें गुलाबका फूल नहीं है (নাই)।

কি	क्या	কোন (कोनो]	कोई भी
কোন্	कोन-सा	কেহ	कोई

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমি রুটি খাই না (नहीं खाता), তোমরা কি চাও, কে কে আসিয়াছে (आये हैं) ? আপনারা কাল একবার আমাদের এখানে আসিবেন, যে চাহিবে তাহাকে দিব, যাহা চাই তাহা পাই না, কোন্ কাজ করিব ? তিনি কি আজ আসিবেন ? কেহ যাইবে না, কোন লোকের দ্বারা এ কাজ হইবে না (नहीं होगा)।

यह [এই, এ] काम मुझसे नहीं होगा, यह [ইহা] रामनारायणकी किताब है, इस [এই] आदमीको मैं चाहता हूँ, जो आयेगा उसे दूँगा, जो काम मैं पसन्द नहीं करता तुम वही [তাহাই] कर बैठते हो, जो [যাহা] माँगोगे वही [তাহাই] दूँगा, वह [ও] तमाखू मैं नहीं पीऊँगा [খাব না], उस [ঐ] मकानमें कौन रहता है ? उसे [উহাকে] उठा लो, वह [ঐ] जो [যে] आदमी जाता है उसे [উহাকে] बुलाओ।

विशेषण शब्द

ভাল [भालो]	अच्छा *	অন্ধ [अन्ध-अ]	अन्धा
অপরিচিত [-अ]	अनजान	অন্ধকার	अंधेरा

* हिन्दीके अकारादि क्रमसे विशेषण सजाये गये हैं।

মোকদ্দমা ডিসমিস হইয়া গেল, সাক্ষী শপথ করিয়া বলিল, ওযারেণ্ট দিযা আসামীকে ধবিয়া আনা হইয়াছে (लाया गया है)।

बंगलामे अनुवाद करो—

कैदी जेलसे भाग गया (পলাইযা গেল), रिश्वत लेकर दण्डनायकने असामीको छोड़ दिया, दस्तावेज लिखने पर रुपया दूँगा, एक महीनेके बाद फिर सुनवाई होगी (শুনানী হইবে), हाकिमने दावा नामञ्जूर (খাবিজ) कर दिया, डाकूको दस सालकी सजा हुई (শাস্তি হইল)।

सर्वनाम शब्द

আমি	मैं	ইহা	यह (चीज)
আমবা (आम्रा)	हम	ও, ঐ	वह
তুই	तू	উহা, তাহা	वह (चीज)
তুমি	तुम [अकेला]	ইনি	यह [आदरणीय]
তোমরা (तोम्रा)	तुमलोग	উনি	वह [,,]
আপনি [आप्नि]	आप [अकेला]	যে (जे)	जो
আপনাবা	आपलोग	যিনি (जिनि)	जो (आदरणीय)
সে [शे]	वह	যাহা	जो [चीज, काम]
তিনি	वह[आदरणीय]	যাহারা	जो लोग
তাহাবা	वे	যাঁহাবা	जो लोग [आदरणीय]
তাঁহাবা	वे [आदरणीय]	কে	कौन
ঐ, এই	यह	কে কে, কাহাবা	कौन-कौन

সুস্থ [शुस्थो]	तन्दुरुस्त	পোষা	पाला
টাট্‌কা	ताजा	হল্‌দে	पीला
তীক্ষ্ণ [तिख्न-अ]	तीखा	পুরাতন, পুরাণ	पुराना
তোৎলা	तुतला	তৃষ্ণার্ত্ত (तृष्णार्त-अ)	प्यासा
দুর্ব্বল	दुबला	ছেঁড়া	फटा
ধনী	धनवान	ফাটা	फूटा
ধূসর (धूशर)	भूरा	বাচাল	बकवादी
নাক-কাটা	नकटा	বড (बड़ो)	बड़ा
খাঁদা	नकचैठा	কুৎসিৎ, বিশ্রী	भद्दा, बदसूरत
নূতন, নতুন	नया	কৃত্রিম	बनावटी
নরম	नरम	কালা, বধির	बहरा
বেঁটে	नाटा	বাসি (बाशि)	बासी
অকর্ম্মণ্য (न्य-अ)	नालायक	রুগ্ন	बीमार
অকেজো	निकम्मा	মন্দ (मन्द-अ)	बुरा
নিষ্ঠুর	निर्दयी	বোকা	बेवकूफ
নিচু	नीचा	বেহায়া, নির্লজ্জ (-अ)	बेहया
সূচাল (-लो), সরু (शरु)	नुकीला	ভরা, পূর্ণ (-अ)	भरा
পাকা	पक्का	ভারি	भारी, वजनदार
পাতলা	पतला, हल्का	ভিজা	भीगा
পাতলা, সরু	पतला, महीन	ক্ষুধার্ত্ত (खुधार्त)	भूखा
বিদেশী	परदेशी	মজবুত, শক্ত (शक्त-अ)	मजबूत
পাগল	पागल	মাঝারি	मध्यम

ভিন্ন (ভিন্ন-অ)	অলগ	গরিব	গরীব
সাধারণ (শাধারণ)	আম	গরম	গর্ম
অলস (অলশ)	আলসী	গভীর	গহরা
সহজ (শহজ)	আসান	দোষী	গুনহগার
বিশ্বাসী (বিশ্শাশী)	ঈমানদার	বোবা	গূঁগা
উমেদার, শিক্ষানবীশ (শিক্খা-) উম্মেদবার		গোল	গোল
		ঘন (ঘনো)	ঘনা
উচ্চ (উচ্চ-অ)	ঊঁচা	উজ্জ্বল	চমকদার
কাঁচা	কচ্চা	চালাক	চালাক
কৃপণ	কঞ্জূস	চৌকোণা, চতুষ্কোণ	চৌকোর
তিক্ত (তিক্ত-অ)	কড়ুআ (নীম)	চওড়া	চৌড়া
ঝাল	কড়ুবা [মির্চা]	চতুষ্পদ	চৌপায়া
কপট	কপটী	ছোট [ছোটো]	ছোটা
কাল [কালো]	কালা	যৌবিক [মওখিক]	জবানী
মূল্যবান	কীমতী	আবশ্যকীয়	জরূরী
জাতীয়	কৌমী	জীবিত [জীবিতা]	জিন্দা
টক, অম্ল [অম্ল-অ]	খট্টা	মিথ্যা	ঝূঠা
উত্তম, খাঁটি	খরা, অচ্ছা	ভাঙ্গা [ভাঙা]	টূটা
খালি	খালী	বাঁকা	টেঢ়া
হৃষ্ট, আনন্দিত [-অ]	খুশ	ঠাণ্ডা	ঠণ্ডা
সুন্দর [শুন্দর]	খুবসূরত	ভীরু	ডরপোক
টাকপড়া, টেকো	গংজা	ঢিলা	ঢীলা

सीधी लकड़ी लाओ, सड़े पानीसे बदबू आती है, भींगा कपड़ा निचोड़ो, मेरा नौकर होशियार है, रोजाना खर्च क्यों नहीं लिखते? मेरे पिताजी बीमार हैं, एक भूखा आदमी आया था, बहरा सुन नहीं सकता, पृथ्वीराज राजाओंमें मशहूर थे, चौपाये हँस नहीं सकते, क्या यहाँके सभी लूले और लँगड़े हैं?

क्रियाओंके नाम

क्रिया	धातु	हिन्दी
আগলান (आग्लानो)	আগলা (आगला) *	अगोरना †
আটকান (आट्कानो)	আটকা (आट्का)	अटकाना
আঁটা, ধরা ¶	আট্, ধর্	अँटना
আপন করা	আপন কর্ ‡	अपनाना
আসা (आशा)	আস্	आना

* धातुके ही साथ ইতেছে, ইয়াছিল, ইতেছিল, ইব आदि विभक्तिके चिह्न लगाकर क्रिया बनायी जाती है। जैसे, আগলা+ইতেছে =আগলাইতেছে [अगोरता है], আস্+ইয়াছিল = আসিয়াছিল (आया था), উঠ্+ইতেছিল=উঠিতেছিল (उठता था), কর্+ইবে = করিবে [करेगा], খা+ইতেছে = খাইতেছে [खा रहा है]।

† हिन्दीके अकरादि क्रमसे क्रियायें सजायी गयी हैं।

¶ ধরা का अर्थ पकड़ना भी होता है। परन्तु यहाँ—ইহাতে এক সের দুধ ধরিবে না—इसमें सेर भर दूध नहीं अँटेगा—ऐसा अर्थ है।

‡ जहाँ दो शब्द मिलकर क्रिया बनती है, वहाँ धातु तथा क्रियाके रूपमे पहले शब्दमें कुछ भी परिवर्तन नहीं होता।

মরা	मरा	শক্ত (शक्तो)	सख्त, कड़ा
বিখ্যাত, নামজাদা	मशहूर	খাঁটি	खच्चा, खरा
পরিশ্রমী (परिस्रमी)	मिहनती	পচা	सड़ा
মিষ্ট (मिष्ट-अ), মিঠা	मीठा	সস্তা (शस्ता)	सस्ता
ময়লা (मयला)	मैला	পরিষ্কার	साफ
মোটা	मोटा	সোজা (शोजा)	सीधा
দৈনিক (दइनिक)	रोजाना	সাদা (शादा), ধলা	सुफेद
লম্বা (लम्बा)	लम्बा	শুষ্ক, শুক্না	सूखा
খোঁড়া	लंगड़ा	সবুজ (शबुज)	हरा
লাল	लाल	হালকা	हल्का
নুলো	लूला	খোজা, নপুংসক	हिजड़ा
বন্য (बन्य-अ)	बनैला	হুঁসিয়ার, চালাক	होशियार

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

কাঁচা আম টক, কৃপণ লোক পরিশ্রমী, বোবা কথা বলিতে পারে না, কাল কুকুর ঘেউ ঘেউ করিতেছে, আজকাল খাঁটি ঘী পাওয়া দুষ্কর, সূচাল তীর ছুঁড়িও না, বেঁটে লোকটি বুদ্ধিমান, মহিষের শিং বাঁকা, ঘাসের রং সবুজ, ভীরু সেনাপতি পলায়ন করিল (करिलो, भागा), চাকরটা অকর্ম্মণ্য, আমাদের একটা পোষা (पालतू) বানর আছে, মাছগুলি বিশ্রী, তোমার ছেলেটা বোকা।

बंगलामें अनुवाद करो—

हिजड़े गाना गाते हैं (গান গায়), तालाब बिलकुल सुखा है,

क्रिया	धातु	हिन्दी
কাটা	কাট্	काटना
(সূতা) কাটা	কাট্	कातना
মাড়ান(মাড়ানো), পদদলিত করা, মাড়া, পদদলিত কর্		कुचलना
কুটা, কোটা	কুট্	कूटना
লাফান (লাফানো)	লাফা	कूदना
কেনা	কিন্	खरीदना
খাওয়া	খা	खाना
কাসা (কাশা)	কাস্ (কাশ্)	खाँसना
(ফুল) ফোটা	ফুট্	खिलना
খাওয়ান (খাবানো)	খাওয়া	खिलाना
টানা	টান্	खींचना
খুলিয়া যাওয়া	খুলিয়া যা (জা)	खुलना
খোলান (খোলানো)	খোলা	खुलवाना
খেলা (খেলা করা)	খেল্	खेलना
খোঁড়া (খনন করা)	খুঁড়্	खोदना
হারান (হারানো)	হারা	खोना
খোলা	খুল্	खोलना
ফোটা (সিদ্ধ হওয়া)	ফুট্	खौलना
ফোটান (সিদ্ধ করা) (ফোটানো)	ফুটা	खौलाना
গড়ান (গড়ানো)	গড়া	गढ़ना
গলিয়া যাওয়া	গলিয়া যা [জা]	गलना

क्रिया	धातु	हिन्दी
উপড়ান (उपड़ानो) ❀	উপড়া (उपड़ा)	उखाड़ना
উঠা, ওঠা	উঠ্	उठना
উঠান (उठानो), তোলা	উঠা, তুল্	उठाना
উড়া, ওড়া	উড্	उड़ना
উড়ান (उड़ानो)	উড়া	उड़ाना
নামা	নাম্	उतरना
নামান (नामानो)	নামা	उतारना
উল্টাইয়া যাওয়া	উল্টাইয়া যা (जा)	उलटना
উলটান (उल्टानो)	উল্টা	उलटाना
আউটান (आउटानो)	আউটা	औटाना
কাটিয়া যাওয়া	কাটিয়া যা (जा)	कटना
কাটান (काटानो)	কাটা	कटवाना
করা	কর্	करना
করান (करानो)	করা	कराना
কসা (কসিয়া বাঁধা) (कशा)	কস্ (कश्)	कसना
বলা, কহা	বল্, কহ্	कहना, बोलना
বলান (बलानो)	বলা	कहलाना
কাঁপা	কাঁপ্	काँपना
কাঁপান (काँपानो)	কাঁপা	कँपाना

---

* मूल क्रियाके अन्तमें अकार युक्त न रहे तो उस अकारका ओकारसा उच्चारण होता है।

क्रिया	धातु	हिन्दी
চাটা	চাট্ *	चाटना
চালা	চাল্	चालना
চেঁচান [चैंचानो]	চেঁচা	चिल्लाना
বিদ্ধ হওয়া	বিদ্ধ হ	चुभना
বেঁধা	বিঁধ্	चुभाना
চোয়ান [चोआनो]	চুয়া	चूना
চুম্বন করা	চুম্বন কর্	चूमना
চোষা	চুষ	चूसना
ছাঁটা	ছাঁট্	छाँटना, कतरना
ছিটান [छिटानो]	ছিটা	छिटकाना
লুকান [लुकानो]	লুকা	छिपना
গোপন করা	গোপন কর্	छिपाना
ছোলা	ছুল্	छीलना

* दो अक्षरवाली आकारान्त क्रियाके आकारका लोप करनेसे धातु बनता है, इसलिए-आकारान्त क्रियाका धातु हलन्त है। परन्तु হওয়া খাওয়া, যাওয়া, ধোওয়া ছোঁওয়া, দেওয়া, লওয়া आदि तीन अक्षरवाली आकारान्त क्रियाके धातु क्रमश হ, খা, যা, ধু, ছুঁ, দ্, ল हैं, जो धातुकी सूचीमे दिखाये गये हैं। इनमें হ और ল हलन्त नहीं हैं, इनके तथा খা, যা, ধু, ছুঁ, के आगे विभक्तियाँ जोड़ी जाती हैं, सन्धि नहीं होती, जैसे—হ+ইতেছে = হইতেছে, ল+ইবে =লইবে, খা+ইয়াছে = খাইয়াছে, ধু+ইয়াছিল = ধুইয়াছিল, ছুঁ+ইতে থাকিবে = ছুঁইতে থাকিবে, इत्यादि। দ্ हलन्त है, इसके साथ विभक्तियाँ मिल जाती हैं, जैसे–দ্+ইতেছে=দিতেছে, দ্+ইবে=দিবে।

क्रिया	धातु	हिन्दी
গলান [गलानो]	গলা	गलाना
পোতা	পুৎ	गाड़ना
গাওযা (গান করা)	গা, গাহ্	गाना
গণা	গণ্	गिनना
পড়া (পড়িযা যাওয়া)	পড্	गिरना
ফেলা [फैला]	ফেল্ [फेल्]	गिराना
কমা	কম্	घटना
কমান [कमानो]	কমা	घटाना
ব্যাকুল হওয়া	ব্যাকুল হ	घबराना
ঘষা	ঘষ্	घिसना
ঢোকা (প্রবেশ করা)	ঢুক্	घुसना
ঢোকান [ढोकानो]	ঢোকা	घुसाना
ভ্রমণ করা	ভ্রমণ কর্	घूमना
ঘেরা	ঘির্	घेरना
চাখা	চাখ্	चखना
চড়া	চড্	चढ़ना
চড়ান (चड़ानो)	চড়া	चढ़ाना
চিবান (चिबानो)	চিবা	चबाना
জ্বলা (চক চক করা)	জ্বল্	चमकना
চলা, হাঁটা	চল্, হাঁট্	टहलना, चलना
চালান, হাঁটান (हाँटानो)	চালা, হাঁটা	चलाना

ক্রিয়া	ধাতু	हिन्दी
ঝোলান [झोलाना]	ঝুলা	झुलाना
ঝোলা	ঝুল্	झूलना
ঘোরা	ঘুর্	टहलना, घूमना
ভাঙ্গিয়া যাওযা	ভাঙ্গিয়া যা [जा]	टूटना
ঠাসা [ठाशा]	ঠাস্ [ठाश्]	ठूसना
ভয কবা	ভয় কর্	डरना
দংশন করা	দংশন কব্	डसना [साँपका]
হুল ফুটান [फुटानो]	হুল ফুটা	डसना [बिच्छूका]
ডুবান [डुबानो]	ডুবা	डुबाना
ডুবিযা যাওয়া	ডুবিযা যা [जा]	डूबना
ঢাকা	ঢাক্	ढाँपना
ঢালা	ঢাল্	ढालना
খোঁজা	খুঁজ্	ढूँढ़ना
তাকান [ताकानो], চাওয়া	তাকা, চাহ্, চা	ताकना
ভাঙ্গান [भाङानो]	ভাঙ্গা	तुड़वाना
সাঁতাব দেওয়া	সাঁতাব দ্	तैरना [हंसका]
ভাসা [भाशा]	ভাস্ [भाश्]	तैरना [लकड़ीका]
ভাঙ্গা [भाङा]	ভাঙ্গ্	तोड़ना
মাপা [ওজন করা]	মাপ্	तौलना
ক্লান্ত হওযা	ক্লান্ত হ	थकना
থু থু ফেলা	থু থু ফেল্	थूकना

ক্রিয়া	ধাতু	हिन्दी
হাঁচা	হাঁচ্	छींकना
ছাড়ান [छाड़ानो]	ছাড়া	छुड़ाना, छीलना
ছোঁওয়া [छोंवा]	ছুঁ	छूना
ছাড়া	ছাড়্	छोड़ना
জাগান [जागानो]	জাগা	जगाना
জানান [जानानो]	জানা	जताना
জপ করা	জপ কর্	जपना
পোড়া, জ্বলা	পুড়্, জ্বল্ [जल]	जलना
পোড়ান, জ্বালান [जालानो]	পোড়া, জ্বালা [जाला]	जलाना
জাগা	জাগ্	जागना
জানা	জান্	जानना
যাওয়া [जावा]	যা [जा]	जाना
জীবিত করা	জীবিত কর্	जिलाना
জয় করা	জয় কর্	जीतना
বাঁচিয়া থাকা	বাঁচিয়া থাক্	जीना
মেলা [একত্র হওয়া]	মিল্	जुटना
মেলান [একত্র করা] [मैलानो]	মিলা	जुटाना
যোড়া [যোগ করা]	যুড়্ [जुड़्]	जोड़ना
চষা	চষ্	जोतना
ঝগড়া করা	ঝগড়া কর্	झगड़ना
ঝাড়া	ঝাড়্	झाड़ना

ক্রিয়া	ধাতু	हिन्दी
আছড়ান [आछड़ानो]	আছডা	पटकना
পডা [পাঠ কবা]	পড্	पढ़ना
পডান [पड़ानो]	পডা	पढ़ाना
যাচাই করা [जाचाइ करा]	যাচাই কর্	परखना
পবা [পরিধান কবা]	পর্	पहनना
পহুঁছা, পেঁছা	পহুঁছ্, পেঁছ্	पहुँचना
পহুঁছান, পেঁছান [पँउछानो]	পহুঁছা, পেঁছা	पहुँचाना
পাওয়া	পা	पाना
পালন করা	পালন কর্	पालना
পেষাণ [पेषानो]	পিষা, পেষা	पिसाना [गेहूँ या मसाला]
বাটান [बाटानो]	বাটা	पिसाना [मसाला]
পান করা	পান কর্	पीना
খাওয়া [खावा]	খা	पीना, खाना
পেষা	পিষ্	पीसना [गेहूँ या मसाला]
বাটা	বাট্	पीसना [मसाला]
জিজ্ঞাসা করা	জিজ্ঞাসা কর্	पूछना
মোছা	মুছ্	पोंछना
ছিঁড়িয়া যাওয়া	ছিঁড়িয়া যা [जा]	फटना [कपड़ा]
আবদ্ধ হওয়া	আবদ্ধ হ	फँसना
বাঁধা, ফাঁসান [फाँशानो]	বাঁধ্, ফাঁসা	फँसाना, बाँधना
ছেঁড়া	ছিঁড্	फाड़ना
পিছলাইয়া যাওয়া	পিছলাইয়া যা [जा]	फिसलना

क्रिया	धातु	हिन्दी
দেখান [दैखानो] *	দেখা [दैखा]	दिखाना
দেখা [दैखा]	দেখ্ [दैख्]	देखना
দেওয়া [दैवा] *	দ্	देना
দৌড়ান [दउड़ानो]	দৌড়া [दउड़ा]	दौड़ना
ধমকান [धमकानो]	ধমকা	धमकाना
ধোওয়ান [धोवानो]	ধোওয়া	धुलाना
ঠকান [ठकानो]	ঠকা	धोखा देना
ধোওয়া [धोवा]	ধু	धोना
নাচান [नाचानो]	নাচা	नचाना
নামান, নাবান (नाबानो)	নামা	नवाना, उतारना
নাওয়া [नावा]	না	नहाना
নাচা	নাচ্	नाचना
মাপা	মাপ্	नापना [जमीन]
গেলা	গিল্	निगलना
নিংড়ান [निंड़ानो]	নিংড়া	निचोड़ना
ধরা	ধর্	पकड़ना
অনুতাপ করা	অনুতাপ কর্	पछताना

---

* हिन्दी ऐ-कार के उच्चारण के अन्तमे एक य् की ध्वनि निकलती है, उसे छोड़कर उसके प्रथमांश के उच्चारण की तरह ही बंगला के उस विकृत उच्चारण वाले এ [ए-कार] का उच्चारण है।

क्रिया	धातु	हिन्दी
বসান (बशानो)	বসা	बिठाना
বোনা, বুনান (बुनानो)	বুন্, বুনা	बीनना
ডাকান (डाकानो)	ডাকা	बुलवाना
ডাকা	ডাক্	बुलाना
বেচা	বেচ্	बेचना
বসা (बशा)	বস্	बैठना
তাড়ান (ताड़ानो)	তাড়া	भगाना
ভরা	ভর্	भरना
পালান (पालानो)	পালা	भागना
ভিজান (भिजानो)	ভিজা	भिगाना
ভিজা	ভিজ্	भींगना
ভোলান (भोलानो)	ভুলা, ভোলা	भुलाना
ভাজা	ভাজ্	भूनना
ভোলা	ভুল্	भूलना
পাঠান (पाठानो)	পাঠা	भेजना
মরা	মর্	मरना
সারা	সার্	मरम्मत करना, खतम करना, आराम होना
মোচড়ান (मोच्ड़ानो)	মোচড়া	मरोड़ना
মলা (মর্দ্দন করা)	মল্	मलना
চাওয়া (चावा)	চাহ্	माँगना

क्रिया	धातु	हिन्दी
ছোঁড়া (নিক্ষেপ করা)	ছুঁড়্	फेंकना
বিস্তৃত হওয়া	বিস্তৃত হ	फैलना
বিস্তার করা	বিস্তার কর্	फैलाना
বকা	বক্	बकना, गाली देना, धमकाना
বাঁচা	বাঁচ্	बचना
বাঁচান (बाँचानो)	বাঁচা	बचाना
বাজা	বাজ্	बजना
বাজান (बाजानो)	বাজা	बजाना
বাড়া	বাড়্	बढ़ना
বাড়ান (बाड़ानो)	বাড়া	बढ़ाना
বদলান (बद्लानो)	বদলা	बदलना
বানান (बानानो)	বানা	बनाना
বর্ষিত হওয়া	বর্ষিত হ	बरसना
বর্ষণ করা	বর্ষণ কর্	बरसाना
বাস করা (बाश करा)	বাস কর্	बसना
বহা	বহ্	बहना
বাঁধা	বাঁধ্	बाँधना
জ্বালা, জালা	জ্বাল্, জাল্	बालना, सुलगाना
নষ্ট হওয়া	নষ্ট হ	बिगड़ना
নষ্ট করা	নষ্ট কর্	बिगाड़ना
বিছান (बिछानो), পাতা	বিছা, পাত	बिछाना

ক্রিয়া	ধাতু	हिन्दी
শোওয়ান (शोवानो)	শোওয়া	लिटाना
লুণ্ঠন করান, লুঠান (लुठानो)	লুণ্ঠন করা, লুঠা	लुटवाना
প্রলোভিত করা	প্রলোভিত কর্	लुभाना
লুণ্ঠন করা, লুঠা	লুণ্ঠন কর্, লুঠ্	लूटना
শোওয়া (शोवा)	শু	लेटना
লওয়া [लवा]	ল	लेना
পারা	পার্	सकना
লজ্জিত হওয়া	লজ্জিত হ্	सकुचाना
বোঝা	বুঝ্	समझना
বোঝান [बोझानो]	বুঝা	समझाना
সরা [शरा]	সর্	सरकना, हटना
সঙ্কুচিত হওয়া [शंकुचित-ह-]	সঙ্কুচিত হ	सिकुड़ना
সঙ্কুচিত করা	সঙ্কুচিত কর্	सिकोड़ना
শেখান (शेखानो)	শিখা	सिखाना
সিদ্ধ করা (शिद्ध करा)	সিদ্ধ কর্	सिझाना
সেলাই করান (शेलाइ करानो)	সেলাই করা	सिलाना
শেখা, শিখা	শিখ্	सीखना
সেঁচা (সিঞ্চন করা) (शेंचा)	সিঁচ্	सींचना
সিদ্ধ হওয়া (शिद्ध हवा)	সিদ্ধ হ	सीझना
সেলাই করা (शेलाइ करा)	সেলাই কর্	सीना
শোধরান (शोध्रानो)	শুধরা	सुधरना, सुधारना

ক্রিয়া	धातु	हिन्दी
মাজা	মাজ্	माँजना, मलना
মারা	মার্	मारना
মেলা (মিলিত হওয়া)	মিল্	मिलना
মেলান (मैलानो)	মিলা, মেলা	मिलाना
খাটা	খাট্	मिहनत करना
রাখা	রাখ্	रखना
রাঁধা (রন্ধন করা)	রাঁধ্	रसोई पकाना
থাকা, রহা	থাক্, রহ্	रहना
কাঁদান (काँदानो)	কাঁদা	रुलाना
কাঁদা	কাঁদ্	रोना
লাগা	লাগ্	लगना
লাগান (लागानो)	লাগা	लगाना
ঝোলা	ঝুল	लटकना
ঝোলান (झोलानो)	ঝুলা	लटकाना
যুদ্ধ করা (जुद्ध करा)	যুদ্ধ কর্	लड़ना
যুদ্ধ করান (-करानो)	যুদ্ধ করা	लड़ाना
বোঝাই হওয়া	বোঝাই হ	लदना
বোঝাই করান	বোঝাই করা	लदवाना
বোঝাই করা	বোঝাই কর্	लादना
আনা	আন্	लाना
লেখা	লিখ্	लिखना

দিয়াছে, চুল ছাঁটিতে (छाँटनेको) নাপিতের দোকানে যাইব, কুকুরটা হাঁচিতে হাঁচিতে (छींकते छींकते) যাইতেছে, চীনারা তিব্বতে বৌদ্ধদের মারিয়া ফেলিতেছে।

बंगलामें अनुवाद करो—

डाकुओंने उसे घेर लिया, भाई साहबको (দাদাকে) जगा दो, मशीन किसने चलायी ? तीन रुपयेकी सरसों खरीद लो, किसने गाना सिखाया ? मूली नहीं सीझती, लड़केको लिटा दो, लड़कीको रुलाओ मत, गाड़ी ज्यादा लादी गयी, लोटा मलकर साफ करो, किसको बुखार हुआ ? मेरे लड़केने इनाम पाया, कुर्ता पहनकर स्कूल जाओ, एक रुपया तुड़वा लाओ, घोड़ा थक गया।

क्रिया-विशेषण शब्द

প্রায়শঃ, প্রায়ই	अकसर ❀	একত্র করিয়া	इकट्ठा करके
অক্ষরে অক্ষরে	अक्षरशः	এত (ऐतो)	इतना
হঠাৎ, দৈবাৎ	अचानक	ইতি মধ্যে	इतनेमें
এখন (ऐखन)	अब	এদিকে	इधर
এখনই [ऐखनि]	अभी	এদিক ওদিক, ইতস্ততঃ	
চক্ষু বুজিয়া	आँख मूँदकर		इधर उधर
সম্মুখে, সামনে, অগ্রে	आगे	এইরূপে	इस तरहसे
আজকাল	आजकल	অত (अतो), তত (ततो)	उतना
অষ্টপ্রহর	आठोंपहर	ওদিকে, সেদিকে	उधर
আশে পাশে	आसपास	তার পর	उसके बाद

❀ हिन्दीके अकारादि क्रमसे क्रिया-विशेषण सजाये गये हैं।

क्रिया	धातु	हिन्दी
শোনা, শুনা	শুন্	सुनना
ঘুম পাডান [पाड़ानो]	ঘুম পাড়া	सुलाना
শুঁকান (शुँकानो), শোঁকান	শুঁকা	सुँघाना
শুকান [शुकानो]	শুকা	सूखना, सुखाना
শুঁকা, শোঁকা	শুঁক্	सूँघना
সেকা, সেঁকা (शेंका)	সেক্ , সেঁক্	सेंकना
শোষণ করা	শোষণ কর্	सोखना
ঘুমান (घुमानो)	ঘুমা	सोना
সবান [शरानो]	সবা	हटाना, सरकाना
হাসা [हाशा]	হাস্	हँसना
হাঁপান [हाँपानो]	হাঁপা	हाँफना
নড়া	নড়্	हिलना
নাড়ান (नाड़ानो)	নাড়া	हिलाना
হওয়া [हवा]	হ	होना

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

আমাকে টানিতেছ কেন? তাহার ছেলে হাবাইযা গিয়াছে, মশারি আপনি (खुद) খুলিযা গিযাছে, ফোড়া নিজেই (खुद ही) ফাটিযা গিযাছে, হাঁসগুলি জলে সাঁতবাইতেছে, আগুন জ্বাল, তোমাকে আমি ছুঁইব না, পুলিস চোবকে ছাডিযা দিয়াছে, চাকর নাবিকেল ছুলিবে, সে জল ছিটাইযা আমার কাগজ ভিজাইযা

জন্মের মত(-तो)	जन्मभरके लिए	পর্য্যন্ত (पर्जन्त-अ)	तक
যখন (जखन्)	जब	ভোরে (भोरे)	तड़के
যতক্ষণ (जतोक्खन्)	जबतक	তখন (तखन)	तब
যখন হইতে	जबसे	তখন পর্য্যন্ত, ততক্ষণ	तबतक
যখনই (जखनि)	जभी	তখন হইতে	तबसे
অবশ্য (अवश्य-अ), নিশ্চয	जरूर	তখনই (तखनि)	तभी
তাড়াতাড়ি	जल्दी जल्दी	তলায় (तलाय)	तले
যেখানে (जेखाने)	जहाँ	তীব্র দৃষ্টিতে	तेज नजरसे
যেখানেই	जहीं	অবিলম্বে (अविलम्बे)	तुरन्त
যত, যতটুকু (जतो-)	जितना	অল্প, কিছু, একটু	थोड़ा
যে দিকে (जे दिके)	जिधर	ডাইনে (डाइने)	दाहिने
আজ্ঞে হাঁ (आग्गे हाँ)	जी हाँ	সারাদিন (शारादिन)	दिनभर
যেরূপ, যেমন (जैमन)	जैसा	দুপুরে, মধ্যাহ্নে	दुपहरको
মত (मतो)	जैसा, ऐसा	দুর্ভাগ্য বশতঃ	दुर्भाग्यवश
যেরূপে (जे रूपे)	जैसे	দূরে (दूरे)	दूर
জোরে, বেগে (वेगे)	जोरसे	দেরীতে, বিলম্বে	देरसे
বেশী, অধিক	ज्यादा	ধীরে ধীরে	धीरे धीरे
অবিকল (अविकल)	ज्योंका त्यों	তরশু (तरशु)	नरसों
যেন তেন (जेन-अ तेन-अ) প্রকারেণ	ज्यों त्यों करके	নয়, না (नय, ना)	नहीं
		নয় ত (तो), নতুবা	नहीं तो
মিছামিছি (मिछामिछि)	झूठमूठ	নীচে, তলে	नीचे
একদৃষ্টে	टकटकी लगाये	পরশু (परशु)	परसों

উপরে	ऊपर	প্রচুর, যথেষ্ট (-ष्ट)	काफी
একে একে (ऐके)	एक २ करके	কার্য্য বশতঃ	कार्यवश
একদিকে (ऐक्‌दिके)	एक ओर	কত, কতটা, কতটুকু *	कितना
একেবারে (ऐकेबारे)	एकदम	কোন্ দিকে	किधर
অকস্মাৎ [-स्मात्], হঠাৎ	एकाएक	ধারে (धारे)	किनारे
এইরূপ (एइरूप)	ऐसा	কোন না কোন দিন (कोनो-)	किसी न किसी रोज
এইরূপে	ऐसे		
এরূপ অবস্থায়	ऐसी हालतमें	কিছু (किछु)	कुछ
দিকে (दिके)	ओर	দয়া করিয়া, অনুগ্রহ করিয়া	कृपया
এবং, ও (ओ)	और		
আরও (आरो)	और भी	কিরূপ (किरूप)	कैसा
কখন (कखन्)	कब	কিরূপে	कैसे
কখনও, কখনই (कखनि)	कभी	কেন (कैनो), কি জন্য (-न्य)	क्यों
কখন কখন(कखनो)	कभी कभी	ক্রমে ক্রমে (क्रमे)	क्रमसे
কখনও (कखनो) না	कभी नहीं	খুব, অত্যন্ত (अत्यन्त-न्त)	खूब
প্রায়	प्राय, करीब करीब	চুপেচাপে, চুপে চুপে	गुपचुप
কাল, কল্য (-ल्य)	कल	ঘণ্টায় ঘণ্টায়	घंटे घंटे
কোথায় (कोथाय)	कहाँ	নীরবে	चुपचाप
কোথাও (कोथाओ)	कहीं	চারিদিকে	चारों-ओर

---

* কত (क्तो) দিন একথা মনে হইয়াছে=कितने दिन यह बात याद आयी, পুকুরে কতটা জল আছে মনে হয় = तालाबमें कितना जल है समझते हो, তরকারীতে কতটুকু ঘি দিব=तरकारीमें कितना घी दूँगा ?

अनुशीलनी

हिन्दीमें अनुवाद करो—

বিড়ালের বাচ্ছা হঠাৎ পড়িয়া গেল [गैलो], এইটুকু [इतनासा] দুধ আনিয়াছ? উপরে যাইতেছ কেন? এতখানি ঘী মাটিতে ফেলিয়াছিস? ধারে বসিও না, কিছু ডাল চাই, যখনই আসি তখনই দেখি তুমি লিখিতেছ, যেখানকার [जहाँकी] জিনিষ সেই খানেই রাখ, যেরূপে হউক [हो] তোমাকে যাইতেই হইবে, আজ্ঞে হঁা আমিই আসিয়াছিলাম, যেমন তোমার রূপ তেমনই চরিত্র, ডাইনে চল, ভিতরে বাহিরে সব একাকার, মিছামিছি তাহাকে বকিতেছ কেন? কাছে আসিয়া বস [बोशो]।

बंगलामें अनुवाद करो—

फिरसे लिखना पड़ा, पुर्जे पुर्जे काट डाला, फजूल मिहनत हुई, थोड़ासा [একটুখানি] दूध पी लो, अबतक वह बहुत दूर चला गया होगा, मैं कभी नहीं कर सकता, पट्टुयेकी आमदनी आजकल काफी है, हरसाल दुर्गा-पूजा होती है, मणिलाल शायद कल आया था, तुम उसके ऐसी अंग्रेजी नहीं बोल सकते, कैसे कहूँ वे [তিনি] किस लिए आये थे, इस मकानको मैंने खूब सस्तेमें खरीदा, आज ही क्यों जाना चाहते हो? जबतक वह बैठा था तबतक मजदूरें काम करते थे, रूसी कृत्रिम ग्रह 'ल्यूनिक १' ने ४५० दिनोंमें सूर्यकी अपनी प्रथम परिक्रमा पूरी कर ली है।

নিমেষ মধ্যে, চক্ষের নিমেষে [চক्खेर-]	पलक मारते ही	এখানে [एखाने]	यहाँ
		এখানেই	यहीं
প্রথমে, আগে, পূর্ব্বে	पहले	মনে করিয়া	याद करके
সর্ব্ব প্রথমে	पहले पहल	রাত্রে, রাত্রিতে [रात्रिते]	रातको
পারে [पारे]	पार [में]	রাতারাতি	रातोंरात
নিকটে, কাছে [काछे]	पास	প্রত্যহ [प्रत्यह-अ]	रोजरोज
পাছে, পশ্চাতে, পরে	पीछे	কানায় কানায়	लबालब
টুকরা টুকরা করিয়া	पुर्जे पुर्जे	ওখানে, সেখানে, তথায়	वहाँ
পূরা, পূর্ণ, সম্পূর্ণ	पूरा	ওখানেই, সেখানেই	वहीं
বৃথা [वृथा]	फजूल	ওরূপ, সেরূপ, ঐরূপ, সেইরূপ, তেমন	वैसा
আবার, পুনরায়	फिर		
আবার কখনও	फिर कभी	ঐরূপে, সেইরূপে	वैसे
পরে [परे]	बाद में	সন্ধ্যাবেলা [शन्ध्यावैला]	शामको
বাঁযে [बाँये], বামদিকে	बायें	সম্ভবতঃ, বোধ হয় [हय]	शायद
বাহিরে [बाहिरे]	बाहर	সত্য সত্য [शत्य]	सचमुच
মধ্যে [मध्ये]	बीचमें	সময়ে সময়ে	समय समय पर
মধ্যস্থলে	बीचोबीच	প্রাতে, সকালে [शकाले]	सवेरे
ও [ओ]	भी	সাবধানে	सावधानीसे
ভিতরে [भितरे]	भीतर	কেবল [केवल]	सिर्फ
ভিতরে ভিতরে	भीतर ही भीतर	প্রত্যহ [प्रत्यह-अ]	हर रोज
ভুলে [भुले]	भूलसे	বছর বছর [बछर]	हर साल
মনে মনে [मने]	मन ही मन	ই [इ]	ही

করিলাম—करिलाम् (मैंने या हमने किया), করিয়াছিলাম—करियाछिलाम् (मैंने या हमने किया था), করিতেছিলাম—करितेछिलाम् (मै करता था या हम करते थे या करती थी), করিতাম–करिताम (मैं करता या हम करते)। कर् धातुके सभी रूपोंके उच्चारण तथा अर्थ ऊपर दिखा गये हैं, इसी तरह और और धातुओंके रूपोंके भी उच्चारण तथा अर्थ होंगे ।

शब्दके अन्तिम अकारका प्रायः उच्चारण नहीं होता। जैसे—গাছ—गाछ् (पेड़), পাথর—पाथर् (पत्थर), মানুষ—मानुष् (आदमी), ঘর—घर् (घर, कमरा), মত—मत् (मत सम्मति, पन्थ), কাঠ—काठ् (लकड़ी)।

ऐसे दो तीन शब्द समास-बद्ध होकर एकसाथ बैठने पर किसी शब्दके भी अन्तिम अकारका उच्चारण नहीं होता। जैसे—বনমানুষ—बनमानुष्, ঘরদুয়ার—घर-दुआर, ফলফুল—फल्फुल्, পুকুরপাড়—पुकुर्पाड़् (तालाबका किनारा)।

परन्तु বড—बड़ो (बड़ा), কত—कतो (कितना), যত—जतो (जितना), তত—ततो (उतना), মত—मतो (तरह), কাল—कालो [काला], ছোট—छोटो (छोटा), খাট—खाटो (नाटा), ঘন—घनो (घना), মেজ ছেলে—मेजो छेले (मझला लड़का), সেজ ছেলে—शेजो छेले (तीसरा लड़का), ভাল—भालो (अच्छा, खरा, उत्तम) आदि कुछ शब्दोंके अन्तिम अकारका ओकार-सा उच्चारण होता है ।

अन्तिम संयुक्त वर्णमें अकार रहे तो उसका पूरा

तृतीय खण्ड

व्याकरण

उच्चारण

बंगलामें অ का उच्चारण कभी 'अ' और कभी 'ओ' की तरह होता है। क्रियाके अन्तिम अकारका बहुधा ओकारसा उच्चारण होता है; जैसे—করিতেছ—करितेछो ❀ (करते हो), কর—करो (करो या करते हो), করিল—करिलो (उसने किया), করিয়াছিল—करियाछिलो (उसने किया था), করিতেছিল—करितेछिलो (वह करता था), করিত—करितो (वह करता), করিয়াছ—करियाछो (तुमने किया), করিব—करिबो (करूँगा या हम करेंगे)।

परन्तु क्रियाके अन्तमें न या म रहनेसे उसका उच्चारण हलन्त-सा होता है; जैसे—করেন †—करेन् (वे या आप करते हैं), করিতেছেন-करितेछेन् [वे या आप कर रहे हैं], করিয়াছেন—करियाछेन् [उन्होंने या आपने किया है.], করিলেন—करिलेन् (उन्होंने या आपने किया), করিয়াছিলেন—करियाछिलेन् (उन्होंने या आपने किया था), করিতেছিলেন—करितेछिलेन् (वे या आप करते थे), করিতেন—करितेन् (वे या आप करते);

❀ इस तरहके ओकारका उच्चारण बहुत लघु है।

† क्रियाके अन्तमें न आदर अर्थमें और म उत्तम पुरुषमें होता है।

जाता। तमाम दीर्घ स्वरोंका उच्चारण प्रायः ह्रस्व जैसा होता है। जैसे, মরা—मरा * (मरा हुआ), ইংরাজী—इंराजि (अंग्रेजी), দূর—दुर, বেশী—वेशि (ज्यादा), খৈ—खइ (लावा), কোনো—कोनो (किसी), দৌড—दउड़ *।

परन्तु कविता, गान या पुकार आदिमें ह्रस्व और दीर्घ दोनों प्रकारके स्वरोंका ही उच्चारण करने में ज्यादा समय लगता है, इन्हें प्लुत स्वर कहते हैं।

मूर्द्धन्य ণ का उच्चारण दन्त्य न की तरह है। जैसे, গুণ गुन, লবণ—लवन, ফণা—फना (फण), ঘণ্টাকর্ণ—घन्टाकर्न-अ।

अन्तस्थ ব का रूप और उच्चारण वर्गीय ব के अनुरूप है। लिखने या बोलनेमें इन दोनों ব में कुछ भी भेद नहीं किया जाता। जैसे, বসন্ত—वशन्त, বাঘ—बाघ (शेर), বিবিধ—विविध।

য का उच्चारण ज की तरह है। जैसे, যখন—जखन (जब), যদি—जदि (अगर)। परन्तु য के नीचे जब बिन्दी दी जाती है † तब उसका उच्चारण य की तरह ही होता है। जैसे, সময়—शमय्, জয়—जय्, শয়ন—शयन, পলায়ন। য় जब आकारादि अन्य स्वरसे युक्त होता है तब उसका उच्चारण आकारादि स्वर जैसा होता है। जैसे, গোয়ালা—गोआला (ग्वाला), খাওয়ান—खाओआनो या खावानो (खिलाना),

---

* आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ तथा औ का उच्चारण बहुत ही संक्षिप्त है।

† शब्दके मध्य तथा अन्तमें য रहनेसे उसमें प्रायः बिन्दी दी जाती है। परन्तु সুযোগ (मौका), বিযুক্ত (पृथक), নিযুক্ত आदि कुछ शब्दोंके য के नीचे बिन्दी नहीं दी जाती, उनका उच्चारण ज की तरह होता है।

उच्चारण होता है। जैसे—সর্প—शर्प-अ, দয়ানন্দ—दयानन्द (-अ), রতিকান্ত—रतिकान्त, শুদ্ধসত্ত্ব—शुद्धसत्त्व, পক্ক—पक्क, কৃষ্ণ—कृष्ण।

ং अनुस्वार और ঃ विसर्गके आगेके अक्षरके अन्तिम अकारका उच्चारण होता है। जैसे, সংঘ—शंघ-अ, মাংস—मांश-अ, দুঃখ—दुक्ख-अ ⊛।

संयुक्त वर्णके पीछेके अकारका भी उच्चारण होता है। जैसे, পরব্রহ্ম, पर [-अ] ब्रह्म, রাগদ্বেষ, रागद्वेष, রোগক্লিষ্ট, रोगक्लिष्ट।

कुछ संस्कृत शब्द ऐसे भी हैं जिनके अन्तिम अकारका उच्चारण होता है। जैसे, পরিস্ফুট—परिश्फुट-अ, প্রিয়—प्रिय-अ, বিবিধ—बिबिध-अ, সম্পাদিত—शम्पादित-अ, লিখিত, लिखित-अ, কৃত—कृत, মূর্চ্ছিত—मूर्छित, জিত—जित, মৃত—मृत, পূত—पुत, অযাচিত—अजाचित, স্থিত—स्थित, সংস্কৃত—शंस्कृत, পঠিত—पठित, স্থানীয়—स्थानीय, সৌর—शउर, শৈব—शइव, ভারতীয়—भारतीय -अ, দেয় —देय-अ, শ্রেয়—स्रेय-अ, বিংশ—बिंश-अ, মূঢ—मूढ़-अ, দৃঢ—दृढ़-अ।

এ का ऊच्चारण कभी ए और कभी 'ऐसा' 'जैसा' आदिके ऐ-कारकी तरह होता है। जैसे, একুশ—एकुश (इक्कीस), দেশ—देश, বিষয়ে—बिशये (विषयमें); এক—ऐक्, দেখা—दैखा (देखना), যেমন—जैमन् (जैसा), এমন—ऐमन् (ऐसा), তেমন—तैमन् (वैसा), কেমন—कैमन (कैसा)।

बंगलाके उच्चारणमें प्रायः ह्रस्व-दीर्घका ख्याल नहीं किया

⊛ विसर्गके आगेका अक्षर दुगुना होकर उच्चारित होता है।

सन्धि

संस्कृतमें और उसके अनुसार हिन्दीमें सन्धिके जो नियम हैं, वे बंगलामें भी माने जाते हैं। इसलिए यहाँ उनके दुहराने की आवश्यकता नहीं है। बंगलाके कुछ खास-खास नियम यहाँ लिखे जाते हैं।

অৰ্দ্ধ + এক = অৰ্দ্ধেক (आधा), ক্ষণ + এক = ক্ষণেক (क्षणभर), দশ+এক = দশেক (दश), দিন+এক = দিনেক (एक दिन), বার+এক=বারেক (एक वार)।

इन सब स्थानोंमे अकारके आगे एकार है, दोनों मिल कर एकार हुआ है। संस्कृतके अनुसार यहाँ ऐकार होना चाहिये था।

नीचे लिखे पद निपातन-सिद्ध हैं :—

দুই+এক = দুয়েক (दो-एक), কুড়ি+এক = কুড়িক=(बीस), শ (শত)+এক=শয়েক (एक सौ)।

निश्चयार्थक 'ही' के स्थानपर शब्दके अन्तमे ই जोड़ा जाता है। यह ই अगर नीचे लिखे कुछ अकारान्त शब्दोंके आगे रहे, तो उन शब्दोंके अन्तिम 'अ' का कभी कभी लोप हो जाता है। जैसे, যখন +ই = যখনই, যখনি (जभी), তখন + ই = তখনই, তখনি (तभी), এখন+ই=এখনই, এখনি (अभी), অমন+ই = অমনই, অমনি (उसी वक्त ; विना-मूल्य), তেমন+ই = তেমনই, তেমনি (वैसा ही), যেমন+ই = যেমনই,

थाओया—खाओआ या खावा (खाना), प्रणयी—प्रनइ (प्रणयी), विषये—विशए (विषयमें)।

तालव्य श, मूर्द्धन्य ष और दन्त्य स इन तीनों का उच्चारण तालव्य श की तरह है। जैसे, शत्रु—शत्रु, विषय—विशय, सकल—शकल (तमाम), सब—शब (समस्त) इत्यादि।

श और स के साथ यदि ऋ, र या न रहे तो उनका उच्चारण स के सदृश होता है। जैसे, शृगाल—सृगाल् (स्यार), श्री—स्री, परिश्रम—परिस्रम, मसृण—मसृन् [चिकना], प्रस्राव—प्रस्राव् [पेशाव], स्नान—स्नान्, प्रश्न—प्रस्न इत्यादि।

स अगर त या थ के साथ रहे तो उसका उच्चारण ठीक स की तरह ही होता है। जैसे, समस्त—शमस्त, वस्तु—वस्तु, रास्ता—रास्ता, स्थान—स्थान्, प्रस्थान—प्रस्थान इत्यादि।

क्ष का उच्चारण क्ख के सदृश है। जैसे, वृक्ष—वृक्ख-अ, पक्षी—पक्खी [चिड़िया] इत्यादि।

य, म या व जिस व्यञ्जन वर्णके साथ रहता है, उसका सिर्फ दुगुना उच्चारण होता है, य, म या व का बिलकुल उच्चारण नहीं होता। जैसे, विद्या—बिद्दा, पद्म—पद्द, लक्ष्मण—लक्खन्, माहात्म्य—माहात्त, ऐश्वर्य—इश्शर्त्त; आत्मतत्त्व—आत्ततत्त इत्यादि। परन्तु कहीं कहीं म का उच्चारण होता है। जैसे गुल्म—गुल्म-अ, शाल्मली—शाल्मली (सेमल), जन्म, उन्माद, हिरण्मय, उन्मूलित, वाङ्मय—वाङ्मय [वाक्यमय, साहित्य), पराङ्मुख—पराङ्मुख [विमुख, विरुद्ध, उदासीन] इत्यादि।

হিন্দী—পাতলা, ঠাণ্ডা, কাল (कल), ধাক্কা, আচ্ছা, আঁখি (आँख), গাধা, ঝাল (झल), হালকা, পাহাড, আনাডী, কামরা, চালনী, চাদর. বাদাম, পাগডী, আড্ডা, লাঠি, ঠিক, ভিতর, উচ (ऊँचा), কাছারী, (कचहरी), কোরা (कोरा), খাডা (खड़ा), খালি (खाली), খোলা (खुला), দাম, তুম, বাচ্চা (बच्चा), রং বা রঙ্ (रंग), দর, ঘুস (घूस) আদি।

অরবী—আক্কেল [अक्ल], আদব, আদালত, আবির [अबीर], আমল [अमल], আমলা, আমানত, আমীন [अमीन], আমীর, আর্জি [अर्जी], আলকাতরা, আলোযান [अलवान], আলাদা [अलाहदा], আসবাব, আসল, আস্তাবল, আহাম্মক [अहमक], ঈদ, বদর, কাবাব, কব্জা, কবর [कब्र], কবাব, কেরামত [करामात], কর্জ, কলাই [कलई], কলম, কালিয়া, কসম, খবর, খয়রাত [खैरात], খাতির, খারাপ [खराब], জবাব [जवाब], জল্লাদ, দখল, দফা, দলিল [दस्तावेज], দুনিয়া, নগদ [नकद], নফা [नफ़ा], নকল, নজর, নজির, নালায়েক, পেনশন, মজুদ [मौजूद], রেওয়াজ [रिवाज], শহীদ, শরিক, সেলাম [सलाम], হয়রান [हैरान] ইত্যাদি।

ফারসী—আন্দাজ (अंदाज), আজব, আফসোস, আল্লা, আশর্ফি (अशरफी), আস্তর, আইন, আয়না (आईना), আখের (आखिर), আজাদ, আদত, আবরু, আবহাওয়া, আবাদ, আমদানী, আরাম, আওয়াজ, আশনাই, আশমান, আস্তিন. আস্তে (आहिस्ता), উমেদার (उम्मेदवार), কমজোর, কোমর (कमर), কাগিজ, খোদ (खुद), খুশী (खुश), খুন, খুব, দাখিল, দোকান (दूकान), নালিশ;

যেমনি [जैसा या जैसे ही], কেমন+ই = কেমনই, কেমনি [कैसा ही.], এমন+ই = এমনই, এমনি [ऐसा या ऐसे ही]।

संख्यावाचक দুই, ছয় और নয় शब्दोंके साथ दूसरे शब्दों की सन्धि होनेसे इनके अन्तिम ই और য় का प्रायः लोप हो जाता है। जैसे, দুই+এক = দু'এক [दो-एक], দুই+টাকা= দু টাকা [दो रुपये], ছয়+জন = ছ'জন [छ आदमी], ছয়+আনা = ছ' আনা [छ आने], নয়+সের = ন'সের [नौ सेर], নয়+সিকা = ন'সিকা [नौ चौवन्नी या सवा दो रुपये]।

शब्द

वंगलामे अनेक संस्कृतके शब्द व्यवहृत होते हैं। उनमें कुछ अविकल वंगलामें आये हैं ; जैसे—বৃক্ষ, মনুষ্য, ফল, জল, নদী, পর্ব্বত, বন, গৃহ, দুগ্ধ, মগ্ন, সত্তা, সমর্থ, সীমা, সুখ, হরিণ, হৃদয়, হোম आदि और कुछ रूपान्तरित होकर आये हैं ; जसे—রৌদ্র से রোদ [धूप], চক্ষুঃ से চোখ [आँख], স্বর্ণ से সোনা [सोना], রৌপ্য से রূপা [चाँदी], পার্শ্ব से পাশ [पास], মাতা से মা [माँ] आदि।

हिन्दीभाषियों, उर्दूभाषी मुसलमानों तथा अंग्रेजोंके संसर्गसे वंगलामे हिन्दी, अरवी, फारसी तथा अंग्रेजीके वहुतसे शब्द आये हैं ; ये शब्द उच्चारणके हेरफेरके कारण प्रायः विकृतरूपसे ही वंगलामे इस्तेमाल होते है। जैसे—

शब्द पाँच प्रकारके हैं, जैसे—संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया और अव्यय।

संज्ञा

वस्तुओं तथा व्यक्तियोंके नाम संज्ञा कहाते हैं। संज्ञा पाँच प्रकारके होते हैं, जैसे—

व्यक्तिवाचक—राम, नरेन्द्र, कलिकाता (कलकत्ता) सूर्य्य, जापान, हिमालय, गङ्गा आदि।

जातिवाचक—हिन्दू, मुसलमान, बाङ्गाली, ब्राह्मण, गरु (गौ), बाडी (मकान) आदि।

भाववाचक—सुख, मित्रता, दौड, छूँत (छूत) शुत्रत्व, चुरि [चोरी], चीत्कार [चिल्लाहट] आदि।

समुदायवाचक—दल, सैन्य, भिड [भीड़], मेला, क्लास आदि।

द्रव्यवाचक—सोना; रूपा चाँदी, काठ [लकड़ी], पाथर पत्थर, माटि मिट्टी आदि।

संज्ञाके लिङ्ग, वचन, विभक्ति और कारक होते हैं।

लिंग *

लिङ्ग दो प्रकारके हैं–पुलिंग और स्त्रीलिंग। स्त्रीवाचक शब्द ही सिर्फ स्त्रीलिंग हैं और बाकी सब पुलिंग हैं।

---

* हिन्दीकी तरह बंगलामें कर्ता या कर्मके लिंगके अनुसार क्रियामें हेरफेर नहीं होता। केवल विशेषण मिलानेके लिए बंगलामें लिंग जाननेकी आवश्यकता है।

পাঞ্জা (পংজা), পরগনা, পবদা, পবোওয়ানা (পরওয়ানা), পরী, পলিতা (পলীতা), পশমী, পছন্দ (পসংদ), পালোয়ান [পহলবান], পাকিস্থান [পাকিস্তান], পায়খানা [পাখানা], পাযজামা [পাজামা] পীব, পেঁচ (পেঁচ), পেশ, পেশা, পয়গম্বর (পৈগংবর), পোষাক, বন্দোবস্ত, বদনাম (বদনামী), বগল, বনাম, বাগ, বাগিচা, বেগম, বাজাব, বাজি [বাজী], বেদখল, মজুব [মজদুর], মগজ, মজা, মদ ; রসিদ, রোজ, রোজগাব, লশকর, শহর (সহর), শামিল, শাল, শিকার, শিশি, সলা [সলাহ], সওয়ার [সবার], সাদা, সবদাব, হুঁস (হোশ) ইত্যাদি।

অংগ্রেজী—স্কুল, টেবিল, চেয়াব, আমেরিকা, আফ্রিকা, ইটালী, ইংলণ্ড, অষ্ট্রিয়া, স্টেশন, মিল, এসিয়া, কংগ্রেস, মিটিং, ইঞ্জিন, মাষ্টার, ডাক্তার, জেনাবেল, আফিস, কোম্পানী, কমিশন, পেন, পেনসিল, কাউন্সিল, অর্ডব, ব্যাঙ্ক, কমিটী, জানুযারী, ফেব্রুযাবী মার্চ্চ, এপ্রেল, মে, জুন, জুলাই, আগষ্ট, সেপ্টেম্বব, অক্টোবর, নভেম্বব, ডিসেম্বর, হাই কোর্ট, জজ, ষ্টীমার, চিমনী, বল, পাসবুক, মনিঅর্ডাব, ট্যাক্স, ট্রাম, ট্রেন, পাইপ, কলেরা, টাইফয়েড পোষ্ট আফিস, টেলিগ্রাম, টেলিফোন, রেডিও, ক্রেন, বেল্ট, শার্ট, কোট, মেলব্যাগ, রুজ, পাউডাব, লিপষ্টিক, হোটেল, পার্সেল, লেটর বক্স, বেজিষ্ট্রী, ব্যাক, আদি।

पुल्लिंग शब्द	पत्नी अर्थमें	स्त्रीजाति अर্थমে
স্বামী	স্ত্রী, বৌ	স্বামিনী
শ্বশুর	শাশুড়ী (सास)	
ভাই	ভাদ্দর বৌ, ভাজ	বোন (बहिन)
মদ্দ, মদ্দা (पुरुष)		মাদি, মেয়ে
শালা (साला)	শালাজ (सलहज)	শালী
দেবর, দেওর ;		
ভাসুর (पतिके बड़े भाई)	बा	ননদ, ননদী
ঠাকুরদাদা,	ঠাকুর মা,	ঠাকুর মা,
দাদা, দাদাভাই	ঠাকরুণ দিদি,	ঠাকুরুণ দিদি,
(पितामह)	ঠানদিদি, ঠানদি	ঠানদিদি, ঠানদি
দাদা মহাশয়,		
দাদা [नाना]	দিদি মা	দিদি মা
ভাগনে [भाग्ने, भांजा]	ভাগনে বৌ	ভাগনী [भाजी]

वचन

वचन दो हैं—एकवचन और बहुवचन। प्राणीवाचक शब्दके अन्तमें রা लगाकर एकवचनसे बहुवचन बनाया जाता है। जैसे—ছেলে—ছেলেরা, দেবতা—দেবতারা, সাধু—সাধুরা, দাদা—দাদারা, পণ্ডিত—পণ্ডিতেরা, শূদ্র—শূদ্রেরা आदि। ऐसे स्थलपर अकारान्त शब्दका अन्तिम अकार एकार बन जाता है।

स्त्री-प्रत्यय

पुल्लिग शब्द का स्त्रीलिंगमें परिवर्तन करनेके लिए कहीं कहीं णी या नी जोड़ा जाता है। जैसे—

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिग
ঠাকুর (देवता, ब्राह्मण)	ঠাকুরাণী	ধোপা (धोबी)	ধোপানী
চৌধুরী	চৌধুরাণী	বাঘ	বাঘিনী
চাকর	চাকরাণী	পাগল	পাগলিনী

कहीं कहीं पुल्लिग शब्दके अन्तिम स्वरका लोप करके स्त्रीलिंगमें ঈ जोड़ा जाता है। जैसे—

খুড়া (चाचा)	খুড়ী	পাঁঠা (बकरा)	পাঁঠী
কাকা (चाचा)	কাকী	বুড়া (बूढ़ा)	বুড়ী
মামা	মামী	ব্রাহ্মণ	ব্রাহ্মণী

कुछ स्त्रीलिंग शब्द ऐसे भी हैं, जो पुल्लिगसे अनियमित रूपसे बनते हैं। उनमें कुछ पत्नी अर्थमें, कुछ स्त्रीजाति अर्थमें और कुछ दोनों अर्थोंमें व्यवहृत होते हैं। जैसे—

पुल्लिग शब्द	पत्नी अर्थमें	स्त्रीजाति अर्थमें
দাদা (बड़े भाई)	বৌদিদি,বৌঠাকরুণ (भौजाई)	দিদি (बड़ी बहिन)
কর্ত্তা	কর্ত্রী, গৃহিণী, গিন্নী	কর্ত্রী, গৃহিণী, গিন্নী
ছেলে (लड़का)	বৌ (बहू)	মেয়ে (लड़की)
বর (दुलहा)	বৌ	ক'নে (दुलहिन)

পুত্রদিগকে (पुत्रोंको), রাজাদিগের হইতে (राजाओंसे), পশুদিগের (पशुओंका), কন্যাদিগকে (कन्याओंको) आदि।

दिग के बदले सकल, समूह आदिका भी प्रयोग हो सकता है; जैसे—বালক সকলকে (बालकोंको); পর্ব্বত সমূহ হইতে (पहाड़ोंसे), ঘোড়াগুলির (घोड़ोंका) आदि।

विभक्ति

विभक्ति सात प्रकार की है; यथा—

		एकवचन	बहुवचन
प्रथमा	[कर्ता]		রা, গুলি *
द्वितीया	[कर्म]	কে, রে	কে, রে
तृतीया	[करण]	দ্বারা, দিয়া	দ্বারা, দিয়া

* प्रायः मनुष्यवाचक शब्दमें ही রা लगाया जाता है और निकृष्ट प्राणी तथा अप्राणीवाचक शब्दमें গুলি लगाया जाता है। जैसे–রাজারা (राजालोग), প্রজারা (प्रजालोग), ঋষিরা (ऋषिलोग), ঘোড়াগুলি (घोड़े), লতাগুলি (लतायें), পাতাগুলি (पत्तियाँ) इत्यादि।

कभी-कभी निकृष्ट मनुष्य-वाचक शब्दमें গুলি और उत्कृष्ट पशुवाचक शब्दमें রা लगाया जाता है। इस प्रकारका प्रयोग वक्ता या लेखकके इच्छाधीन है। वे निकृष्ट मनुष्य या किसी श्रेष्ठ पशुको आदरके साथ दिखाना चाहें तो রা लगाते हैं और अनादरके साथ दिखाना चाहें तो গুলি लगाते हैं; जैसे—তোমার ছেলেগুলি অকর্ম্মণ্য (तुम्हारे लड़के निकम्मे हैं), তাঁহার সব ছেলেরাই চাকরী করিতেছে (उनके सभी लड़के नौकरी करते हैं). আফ্রিকার সিংহেরা পৃথিবীর সব জন্তু অপেক্ষা বলবান (अफ्रीकाके सिंह दुनियाँके सब जानवरोंसे बलवान हैं), শেলর্স সার্কাসের সিংহগুলি ঠিক মড়ার মত (शेलर्स सर्कसके सिंह ठीक मुर्दके समान हैं)।

बहुत्व-प्रकाशक गण शब्द लगा कर भी प्राणीवाचक शब्दका बहुवचन बनाया जाता है, जैसे—বালক—বালকগণ, দেবতা—দেবতাগণ, কন্যা—কন্যাগণ। प्रायः संस्कृत शब्दमे ही गण लगता है।

किसी किसी स्त्रीलिंग आकारान्त शब्दके बाद बहुवचनमे এ या যে आ जाता है। जैसे—মা—মাএরা या মাযেরা, যা (देवरानी या जठानी)—যাএরা या যাযেরা आदि; अप्राणीवाचक शब्दमे अगर जीवत्व आरोप हो, तो उसका भी इसी तरह बहुवचन होता है, जैसे—গাছ—গাছেরা, মেঘ—মেঘেরা, নদী—নদীরা आदि। ऐसे ही—বৃক্ষগণ, গ্রহগণ आदि।

अप्राणीवाचक शब्दके आगे बहुवचनमें बहुत्व-बोधक সকল, সমূহ, রাশি, গুলি, গুলা, চয, নিচয, সমুদায়, মালা, বৃন্দ आदि शब्द जोड़े जाते हैं; जैसे—নদীসকল, মেঘসমূহ, জলরাশি, নক্ষত্রগুলি, গাছগুলা, পুষ্পচয, কমলনিচয, বৃক্ষসমুদায, আলোক-মালা, বারিদবৃন্দ (मेघ-समूह) आदि। इनमें किसी किसी शब्दका प्रयोग प्राणीवाचक शब्दमे भी हो सकता है; जैसे—ভাই-সকল, ছাত্র-সমূহ, বালকগুলি, ছেলেগুলা *, মানব-নিচয, প্রাণী-সমুদায, বালক-বৃন্দ आदि।

विभक्तियुक्त शब्दके बहुवचन करनेमे प्राणीवाचक शब्दके बाद दिग लगाकर विभक्तिका चिह्न जोड़ा जाता है: जैसे—

---

* घृणा, निन्दा या तुच्छता जतानेके लिए निकृष्ट अर्थमें ही গুলা का प्रयोग होता है।

५—তাহার 'জয়' হইল—उसकी जय हुई। क्या हुई?
—জয়।

६—পৃথিবী হইতে 'চন্দ্র' ছোট দেখায়—पृथ्वी से चन्द्र छोटा दीखता है। क्या दीखता है? চন্দ্র।

७—তাহার জল 'খাওয়া' হইয়াছে—उसका पानी पीना हो गया है। क्या हो गया है? খাওয়া।

८—'তুমি' বড় রোগা দেখাইতেছ—तुम बड़े दुबले मालूम हो रहे हो। कौन मालूम हो रहा है?—তুমি।

९— 'ইহা' আমার জানা আছে—यह मुझे ज्ञात है। क्या है?—ইহা। 'জানা' ইহা का विशेषण है।

१०—এ কাজ 'করা যাইতে' পারে—यह काम किया जा सकता है। क्या सकता है?—'করা যাইতে' यह वाक्यांश ही कर्ता है।

११— আমার 'না গেলে' নয়—मेरे न जानेसे नहीं चलेगा। क्या नहीं चलेगा?—'না গেলে' यह वाक्यांश ही कर्ता है।

कर्तामें प्रथमा विभक्ति होती है *। प्रथमा विभक्तिके एक-वचनमें कोई चिन्ह नहीं है, बहुवचनमे রা होता है; जैसे—'শিশু' খেলা করিতেছে, 'শিশুরা' পড়িতেছে।

---

* कर्तामें दूसरे कारकोंकी भी विभक्ति लगायी जाती है। आगे 'विभक्तिका प्रयोग' अध्यायमें उसके दृष्टान्त दिये गये हैं।

		एकवचन	बहुवचन
चतुर्थी	[सम्प्रदान]	কে	কে
पञ्चमी	[अपादान]	হইতে	হইতে
षष्ठी	[सम्बन्ध]	এব, র	এর, র
सप्तमी	[अधिकरण]	এ, য়, তে	এ, য, তে

कारक

क्रियाके साथ जिसका सम्बन्ध है, उसीको कारक कहते हैं। कारक छः प्रकारके होते हैं; जैसे—कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान और अधिकरण।

कर्ता

जो कार्य करता है, या जो होता है, वही कर्ता है; जैसे—

१—'সে' পড়িতেছে (वह पढ़ रहा है)।

२—'বৃষ্টি' হইতেছে (बारिश हो रही है)।

क्रियाके पीछे 'कौन', 'किसने' या 'क्या' जोड़कर प्रश्न करनेसे ही कर्ता जाना जा सकता है; जैसे ऊपरके वाक्योंमे—

१—कौन पढ़ रहा है?—সে।

२—क्या हो रही है?—বৃষ্টি।

३—এই জগৎ 'ঈশ্বর' সৃষ্টি করিয়াছেন—यह संसार ईश्वरने रचा है। किसने रचा है? ঈশ্বর।

४—এ কাজ 'তিনি করিতে পারিবেন না—यह काम वे नहीं कर सकेंगे। कौन नहीं कर सकेंगे?—তিনি।

লিখিতেছি (कलमसे लिख रहा हूँ), 'চক্ষু দ্বারা' (चक्खु द्वारा) দেখিতেছে (आँखसे देखता है) ।

क्रियाके पीछे 'किससे' या 'किसके द्वारा' यह प्रश्न करनेसे करण कारक जाना जा सकता है ; जैसे ऊपर के वाक्योंमें—

१—किससे लिखता हूँ ?—কলম দিয়া ।

२—किसके द्वारा देखता है—চক্ষু দ্বারা ।

३—অগ্নি দ্বারা পাক হইতেছে (आगसे रसोई हो रही है)। किसके द्वारा रसोई हो रही है ?—অগ্নি দ্বারা ।

४—হাত দিয়া খাইতেছে (हाथसे खा रहा है)। किससे खा रहा है ?—হাত দিয়া ।

सम्प्रदान

जिसको कोई चीज दी जाय उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं। सम्प्रदानमें चतुर्थी विभक्ति होती है। जैसे—'গরিবকে' অন্ন দেওয়া উচিত (गरीबको अन्न देना चाहिये), 'ব্রাহ্মণগণকে' দক্ষিণা (दक्खिना) দিব (ब्राह्मणोंको दक्षिणा दूंगा)।

अपादान

जिससे कोई वस्तु अलग या उत्पन्न होती है, उसे अपादान कारक कहते हैं। अपादानमें पञ्चमी विभक्ति होती है। जैसे— 'গাছ হইতে' পাতা পড়িতেছে (पेड़से पत्ती गिरती है), 'ফুল হইতে' ফল হয় (फूलसे फल होता है)।

कर्म

कर्ता जिसे कर सकता है, खाता है, देखता है, सुनता है, समझता है, देता है, लेता है, लाता है, पढ़ता है या कहता है—उसे कर्म कहते हैं। जैसे, १—তিনি 'টাকা' দিয়াছেন (उन्होंने रुपया दिया है), २—আমি 'তাহাকে' মারিয়াছিলাম (मैंने उसे मारा था), ३—সে 'কাহাকে' ডাকিল? (उसने किसे बुलाया)।

क्रियाके पीछे 'क्या' या 'किसको' ऐसा प्रश्न करनेसे ही कर्म जाना जा सकता है; जैसे ऊपरके वाक्योंमे—

१—क्या दिया है?—টাকা।

२—किसको मारा था?—তাহাকে।

३—किसको बुलाया?—কাহাকে।

४—নবীন বাবু 'বই' পড়িতেছেন (नवीन बाबू किताब पढ़ रहे हैं)। क्या पढ़ रहे हैं?—বই।

कर्ममें द्वितीयाकी विभक्ति কে या রে लगायी जाती है, परन्तु कहीं-कहीं द्वितीयाकी विभक्ति लुप्त हो जाती है; जैसे—ऊपरके १ और ४ दृष्टान्तोंमें कर्म টাকা और বই के साथ কে या রে विभक्ति नहीं लगी है।

करण

कर्ता जिसके द्वारा काम करता है, उसे करण कहते हैं। करणमे तृतीया विभक्ति होती है; जैसे,—'কলম দিয়া'

इत्यादि। संज्ञाकी अपेक्षा सर्वनामके साथ ही इस রে का प्रयोग अधिक है। यह রে नीच सम्बोधनका भी चिन्ह है; वहाँ अकारान्त शब्दका अकार एकार नहीं होता। जैसे—প্রহ্লাদ রে (अरे प्रह्लाद), সতীশ রে (अरे सतीश)।

प्रायः सम्बन्धकी विभक्ति लगा कर तब करणकी विभक्ति দ্বারা लगायी जाती है। जैसे—পত্র या 'পত্রের দ্বারা' নিমন্ত্রণ করিলাম (चिट्ठीके द्वारा निमन्त्रण किया)। कभी कभी करणकी विभक्ति দিয়া के पीछे कर्म की विभक्ति কে लगायी जाती है। जैसे—'তাহাকে দিয়া' या তাহা দ্বারা या তাহার দ্বারা পত্র লিখাইব (उससे चिट्ठी लिखाऊंगा)।

अपादानकी विभक्ति থেকে सिर्फ पद्यमें और कथित भाषामें इस्तेमाल होता है। जैसे—স্বর্গ থেকে (स्वर्गसे), কোথা থেকে (कहाँसे)। अन्य सर्वत्र হইতে होता है। जैसे—ঘর হইতে (घरसे), কাশী হইতে (काशीसे)। पद्यमें और कथित भाषामें হইতে का ই प्रायः लुप्त हो जाता है। ऊपर ' कमा देकर लोप जताया जाता है। जैसे—সেথা হ'তে (वहाँसे), বাড়ী হ'তে (घरसे), মাথা হ'তে (सिरसे)।

अगर सम्बन्धकी विभक्ति র या अधिकरणकी विभक्ति তে आगे रहे तो अकारान्त शब्दका अन्तिम अकार एकार हो जाता है; जैसे—হাত+র = হাতের (हाथका), মন+তে = মনেতে (मनमें)। अकारान्त शब्दमें अधिकरणके তে का प्रयोग गद्य साहित्यमें नहीं होता, वहाँ এ का प्रयोग होता है; जैसे—

अधिकरण

क्रियाके आधारको अधिकरण कारक कहते हैं। अधिकरण मे सप्तमी विभक्ति होती है। जैसे—'চন্দ্রে' কলঙ্ক আছে (चन्द्रमे कलंक है), 'মাথায়' চুল নাই (सिरमे बाल नहीं है); আমি 'রাত্রিতে' পড়ি না (मैं रातको नहीं पढ़ता)।

सम्बन्ध

एक वस्तुके साथ दूसरी वस्तुके मेलको सम्बन्ध कहते हैं। सम्बन्धमे षष्ठी विभक्ति होती है। जैसे, 'রামের' বাড়ী—रामका मकान, 'গাছের' পাতা—पेड़की पत्ती, 'মাথার' ব্যথা—सिरका दर्द, 'নদীর' জল—नदीका जल, 'আমার' 'ছেলের' টুপী হারাইয়া গিয়াছে—मेरे लड़केकी टोपी हिरा गयी है।

क्रियाके साथ इसका कोई सम्बन्ध नहीं है, इसलिए सम्बन्धको कारक नहीं कहते।

शब्दरूप बनानेके नियम

कर्मकी विभक्ति কে के बदले कहीं कहीं রে होता है। जैसे—দীর্ঘ প্রবাস - যামিনী 'আমারে' ডুবায়ে রাখিল তিমিরে (बहुत दिनोंके प्रवास-त्रास-रूप रात्रिने मुझे अँधेरेमे डुबो रखा)। कवितामें तथा कहीं कहीं कथित भाषामें ही इस রে का प्रयोग होता है। রে विभक्ति लगाने पर अकारान्त शब्दका अकार एकार हो जाता है। जैसे–বালক+রে=বালকেরে, পুত্র+রে=পুত্রেরে

	एकवचन	वहुवचन
করণে	বালক দ্বারা (लड़केसे) *	বালকদিগ, দিগের বা বালকদের দ্বারা (लड़कोंसे)
সম্প্রদান	বালককে (लड़केको)	বালকদিগকে (लड़कोंको)
অপাদান	বালক হইতে [लड़केसे]†	বালকদিগ হইতে [लड़कोंसे]
সম্বন্ধ	বালকের [लड़केका]	বালকদের, বালকদিগের [लड़कोंका]
অধিকরণে	বালকে, বালকের মধ্যে [लड़केमें]	বালক সকলে, বালকগুলিতে [लड़कोंमें]

---

* বালকের দ্বারা, বালককে দিয়া, বালকদিগকে দিয়া करणमें ऐसे भी रूप होते हैं। जैसे—এ কাজ বালকের দ্বারা হইবে না (यह काम बालकसे नहीं होगा), বালককে দিয়া বা বালকদিগকে দিয়া কি হইবে ? (लड़केसे या लड़कोंसे क्या होगा) ?

† अपादानमें বালক থেকে, বালকের নিকট হইতে, বালকের কাছ থেকে, বালকের চেয়ে, বালকদিগের নিকট হইতে, বালকদিগের কাছ থেকে, বালকদিগের চেয়ে ऐसे भी रूप होते हैं। जैसे—বালক থেকে বৃদ্ধ পর্য্যন্তকে নিমন্ত্রণ করিয়াছি [लड़केसे बुड्ढे तकको निमन्त्रण दिया है], বালকের নিকট হইতে তাহার বল চাহিয়া লও [लड़केसे उसकी गेंद माँग लो], বালকের কাছ থেকে এর চেয়ে আর বেশী কি আশা করিতে পার ? [लड़केसे इससे ज्यादा और क्या आशा कर सकते हो ?], বালকের চেয়েও এই বৃদ্ধের বুদ্ধি কম [लड़केसे भी इस बुड्ढेकी अक्ल कम है]। वहुवचनमें तथा आगेके और और शब्दमें ऐसे ही रूप तथा प्रयोग हो सकते हैं।

মন+এ = মনে। एके आगे रहनेसे अकारान्त शब्दका अन्तिम अकार लुप्त हो जाता है।

ठेठ बंगलाके आकारान्त शब्दके बाद र या তে रहनेसे कहीं कहीं बीचमें এ या য়ে का आगम होता है; जैसे—পা+র= পাএর या পায়ের (पैरका), পা+তে = পায়েতে (पैरमें), মা+র = মায়ের (माँका), গা+র = গাএর या গায়ের (शरीरका)। अन्य स्वरान्त शब्दमें ऐसा नहीं होता। जैसे—মাথা+র = মাথার (सिरका), মাথা+তে = মাথাতে (सिरमें), নদীর, সাধুর, গরুতে, (गौमें), ভালোর (अच्छेका), আলোতে आदि।

दूसरी भाषाके शब्दमें ऐसा এ या য়ে का आगम कभी नहीं होता। जैसे—মাতা + র = মাতার, আত্মা + র = আত্মার, দুনিয়া+র = দুনিয়ার, ইণ্ডিয়া+র = ইণ্ডিয়ার, ইণ্ডিয়া+তে= ইণ্ডিয়াতে, কমিটীতে, আমেরিকাতে आदि।

अधिकरणकी विभक्ति এ अकारान्त और व्यञ्जनान्त शब्दमें, য় आकारान्त शब्दमें और তে सर्वत्र लगायी जाती है। जैसे লোকে, শরতে, বিদ্যুতে, লতায়, আকাশেতে, লতাতে, মরুতে, বাড়ীতে, ভ্রূতে, ঘটিতে, ছেলেতে, আমাতে इत्यादि।

शब्दरूप

अ-कारान्त प्राणीवाचक বালক (लड़का) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	বালক (बालक, लड़का)	বালকেরা, বালকগুলি (लड़के)
कर्म	বালককে (लड़केको)	বালকদিগকে, বালকদের (लड़कोंको)

হাত, কান, মুখ, পেট, কোমব, নাক, হাড, দোকান, ছাদ, ইট, স্কুল বানর, সিংহ, বাঘ, কুকুব, হরিণ, ষাঁড, ইঁদুর (मूस)* আদি अप्राणीवाचक तथा मनुष्य भिन्न प्राणीवाचक अकारान्त शब्दके रूप গাছ शब्दकी तरह हैं। इन शब्दोंके बहुवचनमें গুলি के बदले সমূহ, সকল आदि बहुत्ववाचक शब्द भी लगाये जाते हैं।

आ-कारान्त प्राणीवाचक বাজা शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	বাজা	বাজাবা, রাজাগণ
कर्म	বাজাকে	বাজাদিগকে
करण	বাজা দ্বাবা, বাজাকে দিয়া	বাজাদিগেব দ্বাবা, বাজাদিগকে দিযা
सम्प्रदान	বাজাকে	বাজাদিগকে
अपादान	বাজা হইতে	বাজাদিগেব হইতে
सम्बन्ध	বাজাব	রাজাদেব, বাজাদিগেব

---

* परन्तु তেল, জল, মদ, ঘোল, অম্বল (खटाई), আগুন, বাতাস आदि शब्द एकवचनान्त हैं। इनके रूप গাছ शब्दके एकवचनके रूपों-की तरह हैं। निर्देश अर्थ जतानेमें টা, টি के बदले इन शब्दोंके साथ খানি या টুকু जोड़ा जाता है। जैसे—এই দুধটুকু খাও (यह जरासा दूध पी लो), তেলখানি কে ফেলিয়া দিযাছে? (यह तेल किसने गिरा दिया?)। টুকু या খানি के बाद भी कर्मकी विभक्ति नहीं लगायी जाती। টা, টি संख्यावाचक और খানি টুকু परिमाण-वाचक हैं। টি, টুকু प्रेम या स्नेह अर्थमें तथा টা, খানি अवज्ञा अर्थमें इस्तेमाल होते हैं।

सम्बो० ওহে বালক [हे लड़के] ওহে বালকগণ [हे लड़को]

মনুষ্য, পুত্র, পৌত্র, দৌহিত্র, ভাগিনেয় [भांजा], শ্বশুর, পিতামহ, বৃদ্ধ, পাচক, ভিক্ষুক, ডাকাত [डाकू], রাখাল, অন্ধ आदि मनुष्यवाचक शब्दके रूप बालक शब्दकी तरह हैं।

अ-कारान्त अप्राणीवाचक গাছ [पेड़] शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	গাছ (গাছ্)	গাছগুলি
कर्म	গাছ *	গাছগুলি
करण	গাছ দ্বারা বা দিয়া	গাছগুলি দ্বারা বা দিয়া
सम्प्रदान	গাছকে	গাছগুলিকে
अपादान	গাছ হইতে	গাছগুলি হইতে
सम्बन्ध	গাছের	গাছগুলির
अधिकरण	গাছে	গাছগুলিতে

ভাত, গম, যব, ডিম (अंडा), বাঁশ, বেগুন, আম, কাপড, কলম, দোয়াত, চেয়ার, ফুল, ফল, ঘর, গ্রাম, প্রশ্ন, উত্তর,

---

* अप्राणीवाचक शब्दमें कर्मकी विभक्ति प्राय. नहीं लगायी जाती ; जैसे—গাছ কাট (पेड़ काटो), গাছগুলি কাটিব (पेड़ोंको काटूँगा)। परन्तु जब निर्देश अर्थ जनानेके लिए টা, টি आदि जोड़े जाते हैं, तब उसके बाद कर्मकी विभक्ति लगायी जा सकती है ; जैसे—ঐ ছোট গাছটাকে কাটিয়া ফেল (उस छोटे पेड़को काट डालो)। টা, টি न लगाकर भी कहीं-कहीं निर्देश अर्थ जताया जाता है ; वहाँ कर्मकी विभक्ति लगायी जा सकती है ; जैसे— চারা গাছগুলিকে ছাঁটিয়া সমান করিয়া দাও [पौधोंको छाँट कर बराबर कर दो]। अप्राणीवाचक शब्दके सम्बोधनका प्रयोग प्राय· नहीं होता ।

চাযের বা চাএর इस प्रकार रूप होते हैं। इन शब्दों के अन्य रूप और গাথা, ছাতা, জুতা, পাঁঠা (बकरा), হাতা (कलछुल), পাখা (पंखा), ঘডা (गगरा), দরজা (दरवाजा), ঘণ্টা, মশা (मच्छड़) ভেডা (भेड़ा), ছুঁচা (छछून्दर), পাযরা (कबूतर), ছারপোকা (खटमल), মসলা, কলা, কুমড়া (कोंहडा), ছোলা (चना) आदि आकारान्त अप्राणीवाचक तथा मनुष्य भिन्न प्राणीवाचक शब्दोंके रूप পাতা शब्दकी तरह हैं।

आ-कारान्त प्राणीवाचक स्त्रीलिंग কন্যা शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	কন্যা (कन्या)	কন্যারা, কন্যাগুলি
कर्म	কন্যাকে	কন্যাদিগকে, কন্যাগুলিকে

दूसरे कारकोंके रूप রাজা शब्दकी तरह हैं।

মাতা, বিমাতা (सौतेली माँ), বিধবা, শ্যালিকা (साली), বালিকা, বৃদ্ধা, বনিতা (पत्नी), সেনা (शेना, सेना) आदि मनुष्य-वाचक आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दोंके रूप কন্যা शब्दोंकी तरह हैं।

इ-कारान्त प्राणीवाचक ভাই शब्द

कर्ता	ভাই (भाइ)	ভাইয়েরা, ভাইএরা (एरा)
कर्म	ভাইকে	ভাইদিগকে

---

* छोटे छोटे भाइयोंको ভাইগুলি, ভাইগুলিকে, ভাইগুলির, ভাইগুলিতে भी कहा जा सकता है। जैसे—তোমার ছোট ছোট ভাইগুলিকে আদর করা উচিত (तुम्हें अपने छोटे छोटे भाइयोंको प्यार करना चाहिये)।

	एकवचन	बहुवचन
अधिकरण	राजाय, राजाते *	राजागणे
सम्बोधन	हे राजा वा राजन्	हे राजागण

प्रजा, चाषा (किसान), पाण्डा, गोयाला, धोपा (धोबी), पिता, भ्राता, खुडा (चाचा), मामा, जामाता, शाला, काना (काना, अन्धा), खोंडा (लंगड़ा), बोबा (गूँगा), काला (बहरा), आदि मनुष्यवाचक आकारान्त शब्दोंके रूप राजा शब्दकी तरह है।

आ-कारान्त अ-प्राणीवाचक पाता (पत्ती) शब्द

कर्ता	पाता (पाता)	पातागुलि (गुलि)
सम्बन्ध	पातार	पातागुलिर
अधिकरण	पाताय, पाताते	पातागुलिते

दूसरे कारकोंके रूप गाछ शब्दकी तरह है।

पा (पैर), गा (अङ्ग, शरीर), चा (चाय) आदि कुछ शब्दोंके सिर्फ सम्बन्धके एकवचनमे पायेर वा पाएर, गायेर वा गाएर,

---

* अधिकरणमें राजार मध्ये, राजागणेर मध्ये, बालकेर मध्ये, बालकगणेर मध्ये, गाछेर मध्ये, गाछगुलिर मध्ये ऐसे रूप ही अधिक प्रचलित हैं। जैसे—राजाते वा राजार मध्ये अष्टदिक्पालेर अंश आछे (राजामें या राजाके भीतर आठ दिक्पालोंके अंश हैं), बालकेर मध्ये एत बुद्धि केमन करिया हइबे ? (बालकमें इतनी अक्ल कैसे होगी ?), आतागुलि बालकगणेर मध्ये भाग करिया दाओ (शरीफाओंको लड़कोंमें बाँट दो), गाछेर मध्ये एकटा बानर आछे (पेड़में एक बन्दर है)।

पर अर्थमे गाछेर उपर, गाछगुलिर उपर ऐसे रूप होते हैं। जैसे—गाछेर उपर पाखी बसियाछे (पेड़ पर चिड़िया बैठी है), गाछगुलिर उपर दिया मेघ याइतेछे (पेड़ोंपरसे बादल जा रहा है)।

दूसरे कारकोंके रूप मुनि शब्दकी तरह हैं। केवल गण के बदले सकल होगा। बुद्धि, मति आदि शब्द विधि शब्दके एक-वचन की तरह होता है। बहुवचनमें इनका प्रयोग नहीं होता।

इ-कारान्त अप्राणीवाचक मई [बाँसकी सीढ़ी] शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	मई [मइ]	मईगुलि
सम्बन्ध	मईएर, मईयेर	मईगुलिर
अधिकरण	मईए, मईये	मईगुलिते

दूसरे कारकोंके रूप गाछ शब्दकी तरह हैं। बई [किताब], छई [नौकाका छप्पर], উई [दीमक], खई [लावा], कडाई [कड़ाही], चई [हरदीकी तरहका एक मूल], कई * [एक मछली], माई [चूची], छाई [राख], बाई [छोटी सरसों], ताई [हाथोंकी ताली], बाई (उन्माद), दुई (दो), दई (दही) आदि शब्द मई शब्दकी तरह हैं। स्त्रीलिंग गाई (गाय) शब्द भी मई शब्दकी तरह है। परन्तु बाई, दुई और दई शब्द एकवचनमें ही इस्तेमाल होते हैं।

इ-कारान्त अप्राणीवाचक घटि (लोटा) शब्द

कर्ता	घटि (घटि)	घटिगुलि
सम्बन्ध	घटिर	घटिगुलिर
अधिकरण	घटिते	घटिगुलिते

---

* कोई कोई खई, कई ओ मई को खै, कै, मै इस तरह लिखते हैं। इस आकारमें भी शब्दरूप ऊपरकी तरह ही हैं।

	एकवचन	बहुवचन
सम्बन्ध	ভাইযের, ভাইএর	ভাইদেব, ভাইদিগেব
अधिकरण	ভাইএ, ভাইযে, ভাইয়েতে	ভাইদিগে, ভাইসমূহে
सम्बोधन	হে ভাই	হে ভাইযেবা, ভাইএরা

दूसरे कारकोंके रूप बालक शब्दकी तरह हैं। জামাই, বেযাই [समधी], কসাই, নন্দাই [ननदोई], চাঁই [मुखिया] आदि इकारान्त मनुष्यवाचक शब्दोंके रूप ভাই शब्दकी तरह है। स्त्रीलिंग দাই शब्द भी ভাই शब्दकी तरह है।

इ-कारान्त प्राणीवाचक মুনি शब्द

कर्ता	মুনি [मुनि]	মুনিবা, মুনিগণ
सम्बन्ध	মুনির	মুনিদেব, মুনিদিগেব
अधिकरण	মুনিতে	মুনিগণে
सम्बोधन	হে মুনি বা মুনে	হে মুনিগণ

दूसरे कारकोंके रूप বাজা शब्दकी तरह हैं।

ঋষি, পতি, যতি आदि मनुष्यवाचक इकारान्त शब्दोंके रूप মুনি शब्द की तरह हैं।

इ-कारान्त प्राणीवाचक स्त्रीलिंग বিবি [बीबी] शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	বিবি [बिबि]	বিবিবা, বিবি সকল (शकल)
कर्म	বিবিকে	বিবিদিগকে, বিবি সকলকে
अधिकरण	বিবিতে	বিবি সকলে

	एकवचन	बहुवचन
सम्बन्ध	নদীর	নদীগুলির
अधिकरण	নদীতে	নদীগুলিতে, নদীসকলে

दूसरे कारकोंके रूप গাছ शब्दकी तरह हैं।

বাড়ী मकान, কুঠরী कोठरी, চামেলী, সূর্য্যমুখী, সুপারী, মৌরী सौंफ, হরীতকী हरें, कस्तुरी, পুষ্করিণী तालाब, হাতুড়ী हाथौड़ी आदि अप्राणीवाचक शब्द ; হাতী, বেঁজী, পাখী चिड़िया, কাঠবিড়ালী गिलहरी, শকুনী गीध आदि प्राणीवाचक पुल्लिंग शब्द तथा বাঘিনী, সিংহী, কুকুরী, ঘোটকী, ছাগলী बकरी, ভেড়ী भेड़, মুরগী मुर्गी, বিড়ালী बिल्ली आदि प्राणीवाचक स्त्रीलिंग शब्द নদী शब्दके तुल्य हैं।

उ-कारान्त प्राणीवाचक সাধু शब्द

कर्ता	সাধু	সাধুরা, সাধুগণ
सम्बन्ध	সাধুর	সাধুদিগের, সাধুদের
अधिकरण	সাধুতে	সাধুগণে

दूसरे कारकोंके रूप রাজা शब्दकी तरह हैं। বন্ধু दोस्त, শত্রু दुश्मन, কলু आदि उकारान्त पुल्लिंग तथा পুত্রবধূ आदि ऊकारान्त स्त्रीलिंग प्राणीवाचक शब्द সাধু शब्दके तुल्य हैं।

निकृष्ट प्राणीवाचक उ-कारान्त পশু जानवर शब्द।

कर्ता	পশু	পশুগুলি *

* গুলি कुछ निर्देश अर्थ प्रकाश करता है। जाति अर्थमें इसका प्रयोग नहीं होता। जैसे,—এই পশুগুলি দেখিতে বেশ সুন্দর (ये

दूसरे कारकोंके रूप গাছ शब्दकी तरह हैं।

চিনি [चीनी]. রুটি (रोटी), লাঠি [डंडा], ছুরি [चाकू], কাঁচি [कैंची], মশারি [मसहरी], হাঁড়ি [हण्डी], টুপি [टोपी], গদি, ঘড়ি, আংটি, শিশি, চিঠি, কড়ি, চাবি, আলমারি, চিরুণি कंघी, ছবি तस्वीर, ঘি घी, কালি स्याही, মাটি मिट्टी, आदि शब्द ঘটি शब्दकी तरह हैं। परन्तु ঘি, কালি और মাটি शब्द एकवचनमे ही इस्तेमाल होते हैं।

ई-कारान्त प्राणीवाचक সম্বন্ধী [साला] शब्द।

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	সম্বন্ধী सम्बन्धी	সম্বন্ধীরা, সম্বন্ধীগণ
कर्म	সম্বন্ধীকে	সম্বন্ধীদিগকে
अधिकरण	সম্বন্ধীতে	সম্বন্ধীগণে, সম্বন্ধীসকলে

दूसरे कारकोंके रूप রাজা शब्दकी तरह हैं।

স্বামী, সন্ন্যাসী, ব্রহ্মচারী, মালী, বাদী, সাক্ষী, দরজী, তেলী, মিস্ত্রী, গৃহী गृहस्थ, দেহী आत्मा, ধনী, মানী, জ্ঞানী, ঋণী आदि पुल्लिंग शब्द तथा স্ত্রী, ভগিনী, ভাগিনেয়ী भांजी, খুড়ী चाची, পিতামহী दादी, পৌত্রী, শাশুড়ী सास, পিসী बूआ, মাসী मौसी, রাণী, তেলিনী तेलिन, ধোপানী धोबिन आदि स्त्रीलिंग शब्द সম্বন্ধী शब्दके तुल्य हैं।

ई-कारान्त अप्राणीवाचक নদী शब्द।

कर्ता	নদী नदी	নদীগুলি, নদীসকল नदियाँ
कर्म	নদী, নদীকে	নদীগুলি, নদীগুলিকে

	एकवचन	बहुवचन
करण	বউকে দিযা	বউদেব দিয়া, বউসকলকে দিযা
सम्प्रदान	বউকে	বউদের, বউসকলকে
अपादान	বউ হইতে	বউদেব হইতে, বউসকল হইতে
सम्बन्ध	বউএর, বউয়েব	বউদিগের, বউদেব, বউসকলের
अधिकरण	বউএ, বউএতে, বউএব মধ্যে	বউদেব যা বউ সকলেব মধ্যে
सम्बोधन	ও বউ	ও বউএবা, ও বউযেবা

कोई कोई বউ को বৌ लिखते हैं ; इस आकारमें भी उसके रूप বউ शब्दके तुल्य हैं।

ए-कारान्त प्राणिवाचक ছেলে (लड़का) शब्द

कर्ता	ছেলে	ছেলেবা
कर्म	ছেলেকে	ছেলেদিগকে, ছেলেদের
सम्बन्ध	ছেলের	ছেলেদিগেব, ছেলেদেব
अधिकरण	ছেলেয়, ছেলেতে	ছেলেদিগে, ছেলেদিগেব মধ্যে

दूसरे कारकोंके रूप বালক शब्दकी तरह हैं।

• পিসে फूफा, মুটে कुली, জেলে धीवर, দুবে, চোবে, বেনে बनिया आदि पुल्लिंग तथा মেযে लड़की, কনে दुलहिन आदि स्त्रीलिंग शब्द ছেলে शब्दके तुल्य हैं।

उसीका प्रयोग कर्ममें होता है और कर्ममें इस रूपका प्रयोग দিগকে, গণকে, সকলকে आदिसे अच्छा है। जैसे,—'ছেলেদেব' ডাক [लड़कोंको बुलाओ)।

	एकवचन	बहुवचन
सम्बन्ध	পশুর	পশুগুলির
अधिकरण	পশুতে	পশুগুলিতে

दूसरे कारकोंके रूप গাছ शब्द की तरह हैं।

পেরু, जन्तु जानवर, সাগু साबूदाना, কচু अरवी, আলু, লেবু नींबू, উরু जांघ, হাঁটু घुटना, চক্ষু आँख, বাহু भुजा, ভ্রূ भौं, বালু, চাটু तवा आदि शब्द পশু शब्दके तुल्य हैं।

परन्तु লাউ लौकी, शब्दमे লাউএর বা লাউযের और লাউযেতে इस प्रकार के रूप होते हैं।

उ-कारान्त प्राणीवाचक स्त्रीलिंग বউ (बहू, पत्नी) शब्द।

कर्ता	বউ	বউরা, বউ এরা, বউযেরা, বউগুলি, বউসকল
कर्म	বউকে	বউদের, * বউসকলকে

जानवर देखनेमें बहुत खूबसूरत हैं)। जाति अर्थमें कभी-कभी बहुवचनकी विभक्तिका चिन्ह लगाया ही नहीं जाता, कभी-कभी वा लगाया जाया है। जैसे—'পক্ষী' অপেক্ষা 'পশুরা' বুদ্ধিমান [चिड़ियोंसे जानवर अक्लमन्द हैं], বন্য 'পশুরা' দিনের বেলায বাহির হয় না [जंगली जानवर दिनको नहीं निकलते)। मनुष्य भिन्न सब प्राणीवाचक शब्दोंके सम्बन्धमें ही ऐसा समझना चाहिए।

* कर्मके बहुवचनमें प्राय. सम्बन्धके बहुवचनका रूप ही इस्तेमाल होता है। परन्तु দিগের, গণের, সকলের आदि युक्त रूपोंका कर्ममें इस्तेमाल कभी नही होता। सिर्फ দিগের के बदले जो দের होता है;

ছোট छोटा, বড় बड़ा, খাট नाटा, মেজ मझला, সেজ तीसरा, ভাল अच्छा, কাল काला, এগার ११, বার १२, তের १३, চৌদ্দ १४, পনর १५, ষোল १६, সতের १७, আঠার १८, आदि कुछ अकारान्त विशेषण हैं जिनके अन्तिम अकारका उच्चारण ओकारसा होता है, उनके रूप মেসো या কেঁচো शब्दकी तरह हैं। अथात् इनमें से यदि कोई शब्द मनुष्यवाचक शब्दके बदलेमे व्यवहृत हो तो उसके रूप মেসো शब्दकी तरह और यदि वह निकृष्ट प्राणीवाचक या अप्राणीवाचक शब्दके बदलेमे हो तो उसके रूप কেঁচো शब्दकी तरह होते है। जैसे—বড়রা আসিতেছেন बड़ेलोग आ रहे हैं, বড়দের কথাই স্বতন্ত্র बड़ोंकी बात ही अलग है, ভালগুলি (আম) তোমাকে দিব अच्छे आमों को तुम्हें दूँगा, আঠারর নামতা মুখস্থ কর अठारहका पहाड़ा याद करो। এগার, বার आदि संख्यावाचक विशेषणोंका बहु-वचन नहीं होता।

अनुस्वारयुक्त अप्राणीवाचक শিং (सींग) शब्द।

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	শিং	শিংগুলি
सम्बन्ध	শিংএর, শিংয়ের	শিংগুলির

दूसरे कारकोंके रूप গাছ शब्दकी तरह हैं।

রং रंग, ফড়িং टिड्डी, आदि शब्दोंके रूप শিং शब्दके तुल्य हैं।

বক্ষঃ, তমঃ, তেজঃ, মনঃ, যশঃ, आदि विसर्ग-युक्त शब्द जब अकेले रहते हैं तब वंगलामें उनका विसर्ग लुप्त हो कर अ-कारान्त

ए-कारान्त निकृष्ट प्राणीवाचक নেকড়ে (भेड़िया) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	নেকড়ে	নেকড়েগুলি
सम्बन्ध	নেকড়ের	নেকড়েগুলির

दूसरे कारकोंके रूप গাছ शब्दकी तरह हैं। পিঁপড়ে चिऊँटा, ধেড়ে ऊदबिलाव, কুঁড়ে झोंपड़ी, টিমে दीया, পেঁপে पपीता, ধনে धनिया, आदि शब्द নেকড়ে शब्दके तुल्य हैं।

ओ-कारान्त प्राणीवाचक মেসো (मौसा) शब्द।

कर्ता	মেসো	মেসোরা
सम्बन्ध	মেসোর	মেসোদের

दूसरे कारकोंके रूप ছেলে शब्दकी तरह हैं।

ओ-कारान्त अप्राणीवाचक পোলাও (पुलाव) शब्द।

कर्ता	পোলাও	পোলাওগুলি
सम्बन्ध	পোলাওএর, পোলাওয়ের	পোলাওগুলির

दूसरे कारकोंके रूप বই शब्दकी तरह हैं।

ओ-कारान्त निकृष्ट प्राणीवाचक কেঁচো (केंचुआ) शब्द।

कर्ता	কেঁচো	কেঁচোগুলি
सम्बन्ध	কেঁচোর	কেঁচোগুলির

दूसरे कारकोंके रूप পাতা शब्दकी तरह हैं।

আলো प्रकाश, পাতকো कुआँ, ফটো फोटो, आदि ओकारान्त शब्दोंके रूप কেঁচো शब्दके तुल्य हैं।

सर्वनाम

संज्ञाको बार-बार न कहकर उसके बदले में जो शब्द इस्तेमाल होता है, उसे सर्वनाम कहते हैं, जैसे—কবিরাজ মহাশয় বলিলেন;—তিনি কাল আবার আসিবেন (वैद्यजीने कहा—वे कल फिर आयेंगे)। यहाँ তিনি शब्द सर्वनाम है क्योंकि वह কবিরাজ মহাশয় के बदलेमें बैठा है।

আমি (मैं), মুই (मैं), তুমি (तुम), তুই (तू), সে (वह), আপনি (आप), যে (जो व्यक्ति), যাহা (जो चीज), ইহা (यह चीज), এ (यह व्यक्ति), ও (वह व्यक्ति), উহা (वह चीज), তাহা (वह चीज), কোন (कौन चीज), কে (कौन व्यक्ति), কি (क्या), और কেহ (कोई)—ये सर्वनाम शब्द हैं।

विभक्ति लगाने पर सर्वनाम शब्दोंके स्वरूप ही बदल जाते हैं। कर्ताके बहुवचनमें अलग ही रूप होता है। जैसे—

सर्वनाम शब्द	विभक्तियुक्त रूप	कर्ताके बहुवचनके रूप
আমি (मैं)	আমা (मुझ)	আমরা (हम)
মুই (मैं)	মো (मुझ)	মোরা (हम)
তুমি (तुम अकेले)	তোমা (तुम)	তোমরা (तुमलोग)
তুই (तू)	তো (तू)	তোরা (तुमलोग अनादरणीय)
সে (वह)	তাহা, তা (उस)	তাহারা, তারা (वे)
তিনি (वह आदरणीय)	তাঁহা, তাঁ (उन)	তাঁহারা, তাঁরা (वे आ०)
আপনি (आप)	আপনা (आप)	আপনারা (आपलोग)
যে [जो व्यक्ति]	যাহা, যা [जिस]	যাহারা, যারা [जो लोग]

शब्द बन जाते हैं और उनके रूप अप्राणीवाचक গাছ शब्द की तरह होते हैं। जब ये दूसरे शब्द से मिल जाते हैं तब कोई कोई इनका विसर्ग नहीं रखते ; परन्तु संस्कृतके पक्षपाती लोग विसर्ग लगा कर ही प्रयोग करते हैं। यथा—রজতমমিশ্রিত या রজস্তমোমিশ্রিত ; রজগুণ या রজোগুণ ; তেজযুক্ত या তেজঃপুঞ্জ, তেজস্কর ; মনদুঃখ या মনোদুঃখ, মনঃক্লেশ ; যশসৌরভ या যশঃসৌরভ, যশস্কর इत्यादि। संस्कृतकी सन्धिके नियमानुसार : विसर्गके बदले कहीं ओकार और कहीं स् हो जाता है। ❀

মহান্, শ্রীমান্, বিদ্বান্, বুদ্ধিমান্, ধনবান্, জ্ঞানবান্, বণিক্ সম্রাট্, সৎ, মহৎ आदि व्यंजनान्त मनुष्यवाचक शब्दोंके रूप বালক शब्दके तुल्य हैं। तथा বাক্, দিক্, ষট্ (छः), শরৎ, বিপদ্, সমিধ্ आदि व्यंजनान्त अप्राणीवाचक शब्दोंके रूप গাছ शब्दकी तरह है, परन्तु इन अप्राणीवाचक शब्दोंके बहुवचनके रूप प्राय: इस्तेमाल नहीं होते।

❀ वर्गके प्रथम और द्वितीय वर्ण अर्थात् क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ आगे रहे तो : विसर्गके स्थानमें स् हो जाता है ; परन्तु यह स्—च, छ के साथ श् होकर और ट, ठ के साथ ष् होकर मिल जाता है। वर्गके तृतीय, चतुर्थ और पञ्चम वर्ण अर्थात् ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म और य, र, ल, व या ह आगे रहे तो अकार सहित : विसर्गके स्थानमें ओकार होता है। और श, ष, स आगे रहे तो : विसर्ग क्रमशः श् ष् स् होता है अथवा विसर्ग ज्यों का त्यो रहता है। कहीं कहीं क, ख, प, फ के आगे रहनेसे भी : विसर्ग ही रहता है।

सर्वनामके रूप

আমি (मैं) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	আমি मैं, मैंने	আমরা हम, हमने
कर्म	আমাকে, আমারে मुझे	আমাদিগকে, আমাদের हमें
करण	আমা দ্বারা, আমার দ্বারা, আমাকে দিয়া मुझसे	আমাদিগের দ্বারা, আমাদের দ্বারা, আমাদিগকে দিয়া हमसे
सम्प्रदान	আমাকে मुझे, मुझको	আমাদিগকে हमें, हमको
अपादान	আমা হইতে मुझसे	আমাদের হইতে हमसे
सम्बन्ध	আমার मेरा	আমাদিগের, আমাদের हमारा
अधिकरण	আমাতে, আমার মধ্যে मुझमें	আমাদিগে, আমাদিগের মধ্যে हममें

सर्वनाममे सम्बोधन नहीं होता, तथा लिंगके भेदसे कुछ परिवर्तन भी नहीं होता।

তুই और মুই को छोड़ कर তুমি, সে, তিনি, আপনি, যে, যিনি, এ, ইনি, ও, উনি, কে आदि सब मनुष्यवाचक सर्वनाम शब्दोंके रूप আমি शब्दके तुल्य हैं। परन्तु ध्यान रखना चाहिये कि १६८-१६९ पृष्ठोंमे इन शब्दोंके जो विभक्तियुक्त रूप लिखे गये हैं उन्हींके साथ विभक्ति लगेगी और वहाँ कर्त्ताके वहु-वचनमे जो रूप लिखे गये हैं, कर्त्ताके वहुवचनमें वे ही रूप होंगे। তুই और মুই शब्दोंमे सिर्फ দ্বারা नहीं लगाया जाता।

सर्वनाम शब्द	विभक्तियुक्त रूप	कर्ताके बहुवचनके रूप
যিনি जो आद०	যাঁহা, যাঁ जिन	যাঁহারা, যাঁবা जो लोग
এই, এ यह व्यक्ति	ইহা, এ इस	ইহাবা, এবা ये व्यक्ति
ইনি यह आद०	ইঁহা, এঁ इन	ইঁহারা, এঁবা ये आद०
ঐ, ও वह व्यक्ति	উহা, ও उस	উহাবা, ওবা वे व्यक्ति
উনি वह आद०	উঁহা, ওঁ उन	উঁহাবা, ওঁবা वे आद०
কে कौन व्यक्ति	কাহা, কা किस	কে কে, কাহাবা কাবা कौन कौन
কেউ, কেহ कोई व्यक्ति,	কোন লোক किसी आदमी	কেহ কেহ, কোন কোন লোক* कोई कोई
যাহা, যা जो चीज	যাহা, যা जिस	যেগুলি, যাহা যাহা, যা যা
ইহা यह चीज	ইহা इस	এগুলি ये चीजें
উহা वह चीज	উহা उस	ঐগুলি, ওগুলি वे चीजें
তাহা, তা वह चीज	তাহা, তা उस	ঐগুলি, ওগুলি, সেগুলি
কোন্ कौनसा	কোন্ কাজ या বস্তু किस काम या चीज	কোনগুলি, কোন্ কোন্ কাজ या বস্তু कौन कौन काम या चीजें
কি क्या	কি किस	” ” ”

* 'कोई' अर्थमे কোন शब्दका उच्चारण 'कोनो' सा होता है; परन्तु 'कौन' अर्थमें हलन्त सा ही उच्चारण होता है। जैसे—কোন कोनो লোক আসিয়াছিল कोई आदमी आया था, কোন কোন্ ব্যক্তি আসিয়াছে ? कौन आदमी आया है ?

	एकवचन	बहुवचन
सम्बन्ध	কাহার, কার	কাহাদিগের, কাহাদের, কাদের
अधिकरण	কাহাতে, কাতে, কার মধ্যে	কাহাদিগের, কাহাদের या কাদের মধ্যে

কেহ या কেউ (कोई व्यक्ति) शब्द कर्ताके एकवचनमें तो वैसा ही रहता है, परन्तु दूसरे वचन तथा कारकोंमें उसका रूप কোন লোক इस तरह अकारान्त हो जाता है। अतः अकारान्त বালক शब्दकी उसके तरह रूप होंगे।

अप्राणीवाचक ইহা (यह—चीज या काम) शब्द

कर्ता	ইহা (यह, इसने)	এগুলি, এইগুলি
कर्म	ইহা, ইহাকে (इसे)	এগুলি, এইগুলি, এগুলিকে
करण	ইহা দ্বারা (इससे)	এগুলি দ্বারা या দিয়া
सम्प्रदान	ইহাকে (इसे)	এগুলিকে
अपादान	ইহা হইতে (इससे)	এগুলি হইতে
सम्बन्ध	ইহার (इसका)	এগুলির
अधिकरण	ইহাতে (इसमें)	এগুলিতে

যাহা, উহা और তাহা शब्द ইহা शब्दके तुल्य हैं।

अप्राणीवाचक কি (क्या) शब्द

कर्ता	কি, কিসে (क्या, किसने)	কোন্‌গুলি, কি কি (क्या-क्या, किनने)
कर्म	কি (क्या, किसे)	কোন্‌গুলি, কোন্‌গুলিকে
करण	কি দিয়া (किससे)	কোনগুলি দ্বারা या দিয়া
सम्प्रदान	কি (किसे)	কোন্ গুলিকে (किन्हे)

तुइ (तू) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	তুই (तू)	তোরা (तुम)
कर्म	তোকে, তোরে (तुम्हे)	তোদের (तुम्हें)
करण	তোকে দিয়া (तुम्हसे)	তোদের দিয়া (तुमसे)
सम्प्रदान	তোকে (तुम्हे)	তোদের (तुम्हें)
अपादान	তোর থেকে (तुम्हसे)	তোদের থেকে (तुमसे)
सम्बन्ध	তোর (तेरा)	তোদের (तुम्हारा)
अधिकरण	তোতে, তোর মধ্যে (-में)	তোদের মধ্যে (-में)

मुइ शब्द तुइ शब्दके अनुरूप है। प्राचीन कविता और निम्न श्रेणीके अशिक्षित लोगोंके सिवाय आजकल मुइ शब्दका कोई प्रयोग नहीं करता।

प्राणीवाचक के (कौन) शब्द

	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	কে (कौन, किसने)	কাহারা, কারা
कर्म	কাহাকে, কাকে, কাহারে, কারে	কাহাদিগকে, কাহাদের, কাদের
करण	কাহা या কাহার দ্বারা, কাহাকে দিয়া	কাহাদের या কাদের দ্বারা, কাহাদিগকে দিয়া
सम्प्रदान	কাহাকে, কাকে, কাহারে, কারে	কাহাদিগকে, কাহাদের, কাদের
अपादान	কাহা হইতে, কা হ'তে या থেকে	কাহাদিগের হইতে, কাহাদের या কাদের থেকে

एकवचनमे ही होते हैं। परन्तु जब ये निकृष्ट प्राणीवाचक तथा अप्राणीवाचक शब्दके बदलेमे बैठते हैं तब इनके रूप গাছ शब्दकी तरह दोनों वचनोंमे ही होते हैं। जैसे,—সব মেয়েলোক [सब औरतें], সবগুলি গাছ, যে সকল প্রজা [जो सब रैयत], সকলগুলির মধ্যে ; অনেক রাজা, অনেকগুলি আম इत्यादि।

নিজ शब्दके रूप বালক शब्दके तुल्य हैं। परन्तु इसके बहुवचनमे দিগ के बदले দের ही होता है। बहुतसे लोग इसके कर्म और सम्बन्धमें एकारान्त करके लिखते हैं। जैसे—নিজেকে, নিজেদের।

যে, সে, এ, ও, এই, ঐ, কোন और কি शब्द कभी-कभी विशेषण रूपसे भी इस्तेमाल होते हैं ; जैसे—

যে ব্যক্তি কাল আসিয়াছিল [जो आदमी कल आया था]
সে চাকরটা বড় খারাপ ছিল [वह नौकर बड़ा खराब था]
এ বাড়ীতে কে থাকে ? [इस मकानमे कौन रहता है ?]
ও পুকুরে আমি নাইব না [उस तालाबमे मैं नहीं नहाऊँगा]
এই কুকুরটা কাল [यह कुत्ता काला है]
ঐ ফুলটা ছিঁড়িয়া আন (वह फूल तोड़ लाओ)
কোন্ জায়গায় বসিব ? (किस स्थान पर बैठूँगा ?)
কি জিনিষ আনিয়াছ ? (क्या चीज लाये हो ?)

यहाँ যে, সে, এ, ও, এই, ঐ, কোন্ और কি शब्द क्रमश ব্যক্তি, চাকর, বাড়ী, পুকুর, কুকুর, ফুল, জায়গা और জিনিষ के विशेषण रूपसे बैठे हैं।

अपादान	কি হইতে (किससे)	কোনগুলি হইতে (किनसे)
सम्बन्ध	কিসের (किसका)	কোনগুলির (किनका)
अधिकरण	কিসের মধ্যে (किसमें)	কোন্‌গুলির মধ্যে (किनमें)

উভয়, অমুক, এক, অনেক, অন্য, পর, অপর, সব, সকল, নিজ, একতর, একতম, অন্যতর, অন্যতম, ইতর आदि कुछ सर्वनाम विशेषण-रूपसे भी इस्तेमाल होते हैं। जैसे—

উভয় (सर्वनाम)—তুমি বল ইহলোকের সুখ অপেক্ষা পারলৌকিক সুখ শ্রেষ্ঠ ; আমি বলি 'উভয়ই' সমান (तुम कहते हो इस लोकके सुखसे परलोकका सुख श्रेष्ठ है ; मैं कहता हूँ दोनों ही बराबर हैं)। यहाँ উভয় शब्द ইহলোকের সুখ तथा পারলৌকিক সুখ दोनोंके बदलेमें बैठा है, इसलिए सर्वनाम है।

উভয় [विशेषण]—'উভয়' লোকের সুখই ধ্বংসশীল [दोनों लोकोंके सुख ही नाशवान है]। यहाँ উভয় शब्द লোক शब्द का विशेषण है।

উভয় शब्द बहुवचनान्त होने पर भी एकवचनमें ही इसके रूप होते हैं। जैसे—উভয়, উভয়কে, উভয়কে দিয়া, উভয় হইতে, উভয়ের, উভয়ের মধ্যে।

অমুক [फलाना], এক, পর [दूसरा], অপর [दूसरा], একতর, একতম, অন্যতর, অন্যতম और ইতর [दूसरा, नीच] शब्द एकवचनान्त हैं और इनके रूप উভয় शब्दकी तरह हैं।

সব, সকল और অনেক शब्द जब मनुष्यवाचक शब्दके बदलेमें बैठते हैं तब इनके रूप উভয় शब्दकी तरह केवल

कर्म

कर्ममे द्वितीया और सप्तमी विभक्तियाँ होती हैं ; जैसे,—

২. 'রামকে' ডাক (रामको बुलाओ), 'তাহাকে' দরকার।

২. 'তোমাকে' মারিব (तुम्हें मारूँगा), 'কাকে' চাও ?

৭ তুমি 'আমায়' কি বলিতে চাও ? (तुम मुझसे क्या कहना चाहते हो ?)

৭. হেন 'জনে' মারিলে নাহিক কোন পাপ (ऐसे आदमीको मारनेसे कोई पाप नहीं है)

कभी-कभी कर्ममें द्वितीया विभक्तिका लोप हो जाता है; जैसे—

'ছেলে' খুঁজিতে গিযাছিলাম (मैं लड़का ढूँढ़ने गया था)

'গাছ' কাটিব (पेड़ काटूँगा), 'এক টাকা' দি ?

'জল' খাইবে কি ? (क्या पानी पियोगे ?)

कभी कभी द्वितीयाके কে के बदले রে या এরে होता है। जैसे,—

'তাহারে' বল (उससे कहो), 'তোমারে' বলিবে যে

'ছেলেরে' ডাকিয়া করাও (लड़केको बुलाकर कराओ)

'রামেরে' কহিও (रामसे कहना), 'সীতারে' আনিতে যাব।

षष्ठीके बहुवचनमे দিগের के बदले जो দের होता है, उसका भी कभी कभी कर्मके बहुवचनमे प्रयोग होता है। जैसे,—

'বালকদের' ডাকিযা বল (लड़कोंको बुला कर कहो)

'কাঙ্গালীদের' খাওয়াইলে পুণ্য হয (कंगालियोंको खिलाने से पुण्य होता है)

विभक्तिके प्रयोग

कर्ता

कर्तामें प्रथमा, द्वितीया, तृतीया और सप्तमी विभक्तियाँ होती हैं; जैसे,—

१. 'রাম' পড়িতেছে राम पढ़ रहा है।
१. 'আমরা' যাইব না हम लोग नहीं जायेंगे।
२. 'তোমাকে' পড়িতেই হইবে तुम्हे पढ़ना ही होगा।
२. 'রামকে' যাইতে হইল रामको जाना पड़ा।
३. 'তাহা দ্বারা' প্রবন্ধ পঠিত হইল उससे लेख पढ़ा गया।
३. 'তোমাকে দিয়া' এ কাজ হইবে না तुमसे यह काम नहीं होगा।
७. 'লোকে' বলে लोग कहते हैं।
७. 'গাছে' কথা বলিতে পারে না पेड़ बोल नहीं सकता
७. 'ঘোড়ায়' ঘাস খায় घोड़े घास खाते हैं।
७. অপূর্ব্ব বচিল লক্ষ্য দ্রুপদ 'নৃপেতে' द्रुपद राजाने अपूर्व लक्ष्यकी रचना की

कभी कभी कर्तामें तृतीया के बदले कर्त्तृक शब्दका प्रयोग होता है, जैसे,—

३. 'ভৃত্য কর্ত্তৃক' একটী অশ্ব ধৃত হইয়াছে नौकरसे एक घोड़ा पकड़ा गया है।
३. 'আমা কর্ত্তৃক' লিখিত হইয়াছে मुझसे लिखा गया है।

कर्ममें কে के बदले जो রে या এরে होता है उसका प्रयोग सम्प्रदानमें भी हो सकता है। जैसे,—

'ধনীরে' ধন দেওয়া বৃথা [धनीको धन देना वृथा है]

'দীনেরে' করিলে দান সফল জনম [गरीबको दान देनेसे जन्म सफल होता है]

अपादान

अपादानमें पंचमी तथा सप्तमी विभक्तियाँ होती हैं ; जैसे—

'বৃক্ষ হইতে' ফল পড়িল [पेड़से फल गिरा]

'ঘর হইতে' বাহির হইব না [घरसे नहीं निकलूँगा]

সে 'কাশী থেকে' চলিয়া গিয়াছে [वह काशीसे चला गया है]

সে 'গাছ থেকে' লাফাইয়া পড়িল [वह पेड़से कूद पड़ा]

'লোকমুখে' শুনিলাম [मैंने लोगोंके मुँहसे सुना]

तृतीयाकी দিয়া विभक्तिका योग करके भी पंचमीका अर्थ प्रकट किया जाता है। जैसे,—

আমার 'মুখ দিয়া' এমন কথা বাহির হয় না
[मेरे मुखसे ऐसी बात नहीं निकलती]

सम्बन्ध

सम्बन्धमें षष्ठी विभक्ति होती है। जैसे,—

'আমার' মা আসিয়াছেন [मेरी माँ आयी हैं]

'কাকার' পা ভাঙ্গিয়াছে [चाचाका पैर टूट गया है]

'গাছের' ডাল কাট [पेड़की डार काटो]

'পায়ের' আঙ্গুল ফুলিয়াছে [पैरकी अँगुली सूजी है]

करण

करणमें तृतीया और सप्तमी विभक्तियाँ होती हैं। जैसे,—

'দন্ত দ্বারা' চর্ব্বণ করিতেছে (दाँतोंसे चबा रहा है)

'কলম দিয়া' লিখিতেছি (कलमसे लिख रहा हूँ)

'পা দিয়া' চলিতেছে (पैरसे चल रहा है)

এ 'কলমে' লেখা যায় না (इस कलमसे लिखा नहीं जाता)

খাদ্য 'দন্তে' পিষ্ট হয় (खाना दाँतोंसे पीसा जाता है)

'গাড়ীতে' মাল আনা হইয়াছে (गाड़ीसे माल लाया गया है)

कभी कभी করিয়া शब्द लगा कर करणकी तृतीया विभक्तिका लोप किया जाता है। ऐसे प्रयोगमें प्रायः सप्तमी विभक्ति लगाकर तब করিয়া लगाया जाता है। जैसे,—

'ঘটী করিয়া' জল তুলিতেছে (लोटेसे पानी भर रहा है)

'পিঠে করিয়া' বোঝা উঠাইতেছে (पीठसे बोझ उठा रहा है)

'হাতে করিয়া' দিয়াছি (मैंने हाथसे दिया है)

'মাথায়' করিয়া আনিয়াছি (सिर पर रखकर लाया हूँ)

सम्प्रदान

सम्प्रदानमे चतुर्थी और सप्तमी विभक्तियाँ होती हैं, जैसे,—

'ক্ষুধার্ত্তকে' অন্ন দাও (भूखेको अन्न दो)

'তাহাকে' বই দিয়াছি (मैंने उसे किताब दी है)

'তোমায়' দিলাম [मैंने तुम्हे दिया]

'দুর্য্যোধনে' কন্যা দিব [दुर्योधनको कन्या दूँगा]

ऊपरके सब विशेषण गुण प्रकाश करते हैं। 'युवा पुरुष (जवान आदमी) इस वाक्यमे युवा शब्द पुरुष की अवस्था और 'কুড়ি' টাকা (बीस रुपये) इस वाक्यमे कुड़ि शब्द टाका की संख्या प्रकट करता है, इसलिए ये दोनों भी विशेषण हैं।

कभी कभी विशेषण विशेष्यके बाद बैठता है। जैसे,— ছেলেটী 'বুদ্ধিমান' (यह लड़का बुद्धिमान है), তেঁতুল 'টক' (इमली खट्टी है), বাঘ 'ভয়ানক' ছিল (शेर डरावना था)।

सर्वनामका विशेषण सदा उसके बाद ही बैठता है जैसे,—আপনি 'অত্যন্ত' 'দয়ালু' (आप बड़े दयालु हैं), তুমি 'মিথ্যাবাদী' (तुम झूठे हो)।

विशेषणमें प्रायः लिंगभेद नहीं किया जाता। जैसे,— সুন্দর বালক, সুন্দর মেয়ে (लड़की), খোঁড়া (लंगड़ा) মানুষ, খোঁড়া মেয়ে, খোঁড়া গাইগুলি (गायें), ভাল ছেলে (अच्छा लड़का), ভাল বোন (अच्छी बहिन), ভাল বউ (अच्छी बहू)।

किसी किसी विशेषणमे किसी-किसी स्थानमे लिंगभेद किया भी जाता है। जैसे,—

মেয়েটি বেশ 'সুন্দরী' (लड़की बहुत खूबसूरत है)

'খুঁড়ী' খোঁড়াইতে খোঁড়াইতে আসিল

(लंगड़ी लंगड़ाते लंगड़ाते आयी)

এই স্ত্রীলোকটী আমার 'অপরিচিতা'

(यह स्त्री मेरी अपरिचित है)

अधिकरण

अधिकरणमें सप्तमी विभक्ति होती है ; जैसे,—

'ঘরে' লোক নাই (घरमें आदमी नहीं हैं)

'মাথায়' চুল নাই (सिरमें बाल नहीं है)

'ধ্যানেতে' দেখিনু আমি কমললোচন

(मैंने ध्यानमें कमल-नयनको देखा)

विशेषण

जिससे किसीका गुण, अवस्था या संख्या प्रकट होती है उसे विशेषण कहते हैं। जैसे— 'লম্বা' গাছ (लम्बा पेड़), 'বড' 'কঠিন' কথা (बड़ी कठिन बात है), 'আস্তে আস্তে' চল (धीरे धीरे चलो)। *

विशेषण तीन प्रकारके हैं,—(१) विशेष्य (संज्ञा) या सर्वनाम का विशेषण, (२) विशेषणका विशेषण और (३) क्रियाका विशेषण। ऊपरके লম্বা গাছ इस वाक्यमें লম্বা विशेष्य (গাছ) का विशेषण है। বড কঠিন কথা इसमें কঠিন विशेष्य (কথা) का विशेषण और বড विशेषण (কঠিন) का विशेषण है। और আস্তে আস্তে চল इसमें আস্তে আস্তে क्रिया (চল) का विशेषण है।

---

* विशेषण विशेष्यका जितना अधिक गुण प्रकाश करता है विशेष्य की संख्या उतनीही घटती जाती है। जैसे—মনুষ্য (सारे मनुष्य), "শ্বেতকায়' মনুষ্য (सुफेद मनुष्य, काले मनुष्य नहीं), 'আমেরিকাবাসী' 'শ্বেতকায়' মনুষ্য [अमेरिकाके सुफेद मनुष्य, युरोप आदि देशोंके सुफेद मनुष्य नहीं]।

पुं० विशेषण	स्त्री० विशेषण	पुं० विशेषण	स्त्री० विशेषण
প্রিয়	প্রিয়া	মুখর	মুখরা (झगड़ालू)
প্রিয়তম	প্রিয়তমা	মুক্তকেশ	মুক্তকেশী
বনবাসী	বনবাসিনী	শ্রীমান্	শ্রীমতী
বিদ্বান	বিদুষী, বিদ্যাবতী	সঙ্গী (साथी)	সঙ্গিনী
বুদ্ধিমান	বুদ্ধিমতী	সহচর [साथी]	সহচরী
ভাগ্যবান	ভাগ্যবতী	সুরূপ	সুরূপা

इसी ढंग पर कुछ बंगला स्त्रीलिंग विशेषण भी बनते हैं। जैसे—অবলা [दुबली], এলোকেশী [खुले बाल वाली], নীলবরণী [नीले रंग वाली], বিদ্যাময়ী [विदुषी], রাগান্বিতা [क्रोधित], পাপিনী, মনোলোভা, স্বরূপিণী इत्यादि।

कुछ तिथिवाचक और विभक्तिवाचक संस्कृत स्त्रीलिंग विशेषण बंगलामे व्यवहृत होते हैं, जैसे,—প্রতিপদা *, প্রথমা, দ্বিতীয়া, তৃতীয়া, চতুর্থী, পঞ্চমী, ষষ্ঠী, সপ্তমী, অষ্টমী নবমী, দশমী, একাদশী, দ্বাদশী, ত্রয়োদশী, চতুর্দ্দশী, অমাবস্যা, পূর্ণিমা, পৌর্ণমাসী।

ये सब तिथिवाचक और विभक्तिवाचक विशेषण विशेष्य रूपसे भी इस्तेमाल होते हैं। जैसे,—

এ পক্ষে 'একাদশী' কবে বলিতে পার কি না ?

[इस पखवारेमें एकादशी कब है बता सकते हो या नहीं ?]

এখানে 'সপ্তমী' হইবে না [यहाँ सप्तमी नहीं होगी]

---

* প্রতিপদা की अपेक्षा প্রতিপদ शब्द बंगलामें अधिक चलता है।

'বিদেশিনী' রমণী বিপদে পড়িয়াছেন

(परदेशी स्त्री आफतमें पड़ी है)

আমার স্ত্রী 'রুগ্না' ※ (मेरी स्त्री बीमार है)

'পাগলী'† আসিয়াছে (पगली आयी है)

তুমি [স্ত্রী] বড় 'অভিমানিনী' (तुम बड़ी अभिमानिनी हो)

संस्कृतमें स्त्रीलिंग बनानेमे विशेष्यके साथ जो আ और ঈ प्रत्यय लगाये जाते हैं, विशेषणमें भी स्त्रीलिंगमें वे ही प्रत्यय लगाये जाते हैं। ऐसे कुछ संस्कृतके विशेषण नीचे लिखे जाते हैं, जो बंगलामें प्रायः इस्तेमाल होते हैं :—

पु० विशेषण	स्त्री० विशेषण	पु० विशेषण	स्त्री० विशेषण
অবসন্ন (थका)	অবসন্না	ক্ষীণাঙ্গ	ক্ষীণাঙ্গী
আকুল (घबड़ाया)	আকুলা	গুণবান	গুণবতী
উৎপাদক (जन्मदाता)	উৎপাদিকা	চপল (चंचल)	চপলা
		চঞ্চল	চঞ্চলা
কুপিত (क्रोधित)	কুপিতা	দয়াবান	দয়াবতী
কোপন (क्रोधी)	কোপনা	নবীন (युवा)	নবীনা (युवती)
কোমলাঙ্গ	কোমলাঙ্গী	পাপী	পাপিনী, পাপীয়সী
কৃশাঙ্গ	কৃশাঙ্গী	প্রবল	প্রবলা

※ जो विशेषण विशेष्यके बाद बैठता है, ज्यादातर उसीमे लिंगभेद किया जाता है।

† পাগলী और খুঁড়ী शब्द विशेषण होने पर भी यहाँ विशेष्यकी तरह इस्तेमाल हुए हैं।

क्रिया

जिस शब्दसे किसी कामका होना या करना समझा जाय उसे क्रिया कहते हैं। जैसे,—আসা (आना), উঠা (उठना), করা (करना), খাওয়া (खाना), বলান [कहलाना] * इत्यादि।

क्रिया दो प्रकारकी है—सकर्मक और अकर्मक।

जिस क्रियाका कर्म रहता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे,—আমি 'ভাত' খাইতেছি [मैं भात खा रहा हूँ], সে 'পুস্তক' পড়িবে [वह किताब पढ़ेगा]। यहाँ খাইতেছি क्रियाका कर्म ভাত और পড়িবে का পুস্তক है।

जिस क्रियाका कर्म नहीं रहता उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे,—ছেলে কাঁদিতেছে [लड़का रो रहा है], তিনি আসিবেন [वह आयेंगे], কে যাইবে ? [कौन जायगा ?]।

আসা आना, উড়া उड़ना, কাঁদা रोना, কাঁপা काँपना, খসা खुलना, अलग होना, খেলা खेलना, ঘটা किसी घटनाका होना, ঘুমান सोना, ঘোরা घूमना, চটা चिढ़ना, क्रोधित होना, চলা चलना, চেঁচান चिल्लाना, জন্মান जन्म होना, उत्पन्न होना,

---

* जैसे हिन्दीकी क्रियाके अन्तमें ना रहता है उसी प्रकार बंगलाकी क्रियाओंके अन्तमें (া) आकार रहता है, सिर्फ प्रेरणार्थक क्रियाके अन्तमें उस आकारके आगे न लगता है। জানান, জাগান, শুনান, ঘুমান आदि कुछ सकर्मक और अकर्मक क्रियाओंके अन्तमेंभी न ही रहता है। इस पुस्तकके ११४ पृष्ठसे १२७ पृष्ठ तक क्रियाकी सूची द्रष्टव्य है।

जो विशेषण विशेष्यरूपसे इस्तेमाल होते हैं उनके साथ संज्ञाकी विभक्ति लगायी जाती है; जैसे,—'দরিদ্রের' মরণই মঙ্গল (गरीबका मरना ही अच्छा है), 'বিদ্বানের' দুঃখ কি ? (विद्वानको दुःख क्या है ?) 'মূর্খে ও 'বিদ্বানে' অনেক তফাৎ (मूर्ख और विद्वानोंमें बहुत अन्तर है), 'একাদশীতে' উপবাস করা উচিত (एकादशीको उपवास करना चाहिये), 'তৃতীয়ার' পরিবর্ত্তে কোন কোন স্থানে 'সপ্তমীর' প্রয়োগ হয় (तृतीयाके बदले किसी किसी स्थानमें सप्तमीका प्रयोग होता है), 'পূর্ণিমার দিন ব্রাহ্মণ ভোজন করাইব।

পাপ, পুণ্য. সত্য, মিথ্যা आदि कुछ विशेष्य भी विशेषण रूपसे इस्तेमाल होते हैं। जैसे,—

'পাপ' চিন্তা ত্যাগ করিবে (पाप चिन्ता छोड़ देनी चाहिये)
'পুণ্য' কার্য্য করা উচিত (पुण्य कार्य करना चाहिये)
সদা 'সত্য' কথা বলিবে (सदा सच बात कहनी चाहिये)
তুমি 'মিথ্যা' কথা বলিতেছ (तुम झूठी बात कहते हो)
'বোবায়' কথা বলিতে পারে না (गूंगा बोल नहीं सकता)
'পাগলে' কি না বলে (पागल क्या नहीं बोलता)
'বোকারা' বেশী কথা বলে [मूर्ख ज्यादा बातें बोलते हैं]

क्रिया-विशेषण 'क्रिया' प्रकरणके आगे एक स्वतन्त्र अध्यायमें दिखाये गये है।

আনিযাছে पुलिस चोर पकड़ कर बाँध लायी है।

যা+ইয়া, আন্+ইযা—'যাইযা' 'আনিযা' দিব जाकर ला * दूँगा,

ভাঙ্+ইয়া, ফেল্+ইযা, পলা+ইয়া—বানরটা ছবিখানি 'ভাঙ্গিযা' 'ফেলিয়া' 'পলাইয়া' গেল वन्दर तस्वीरको तोड़ डाल कर भाग गया।

पूर्वकालिक क्रियाको वंगलामे असमापिका क्रिया कहते हैं क्योंकि इस प्रकारकी क्रियासे वाक्यका कोई अर्थ समाप्त या पूरा नहीं होता, दूसरी समापिका क्रिया लगानेसे तब अर्थ पूरा होता है। जैसे—আমি করিয়া, তিনি যাইযা कहनेसे कोई पूरा अर्थ प्रकट नहीं होता, परन्तु আমি করিয়া যাইব मैं करके जाऊँगा, তিনি যাইযা আনিবেন वे जाकर लायेंगे,—ऐसा कहनेसे ही पूरा अर्थ प्रकट होता है। इसी लिए इनको असमापिका क्रिया कहते हैं।

धातुके साथ ইতে और ইলে जोडकर और भी दो प्रकारसे असमापिका क्रिया बनायी जाती है। जैसे—

পড্+ইতে—সে 'পড়িতে' গিয়াছে वह पढ़ने गया है।

বস্+ইতে—তাহাকে 'বসিতে' দিও না उसे बैठने मत देना

---

* हिन्दीमें पूर्वकालिक क्रियाके बदले कहीं कहीं सिर्फ धातुसे ही काम चलाया जाता है। परन्तु बंगलामें ऐसा नहीं होता, बंगलामें पूर्वकालिक क्रिया बनानेमें ইয়া जोड़ना ही पड़ता है।

জাগা जागना, জ্বলা जलना, ঝরা चूना, गिरना, ঝোঁকা झुकना, টলা हिलना, ঠকা ठगा जाना, हारना, ঠেকা छूआ जाना, लगना, बाधा प्राप्त होना, ডোবা डूबना, থাকা रहना, থামা रुकना, ठहरना, দাঁড়ান ठहरना, खड़ा होना, দৌড়ান दौड़ना নড়া हिलना, নাচা नाचना, পচা सड़ना, পড়া गिरना, পলান भागना, পাকা पकना, পোড়া जलना, ফলা फलवान होना, ফোলা सूजना, বসা बैठना, বাঁকা टेढ़ा होना, বাঁচা जीना, বাড়া बढ़ना, বেড়ান घूमना, टहलना, ভোগা बीमारी या दुःख भोगना, মরা मरना, মিলা मिलना, যাওয়া जाना, যুঝা लड़ना, রাগা क्रोधित होना, শোওয়া लेटना, সরা हटना, হওয়া होना, হাঁকা हाँकना, হাঁপান हाँफना, হাসা हँसना आदि क्रियायें अकर्मक हैं। इनके सिवा अन्यान्य क्रियायें सकर्मक हैं।

पूर्वकालिक क्रिया

हिन्दीमें 'अनन्तर' अर्थमें जहाँ धातुके साथ—'के', 'कर' या 'करके' लगाया जाता है वहाँ बंगलामें धातुके साथ ইয়া जोड़ा जाता है। जैसे,—

কর্+ইয়া—হাতের কাজ শেষ 'করিয়া' যাইব हाथका काम खतम करके जाऊँगा,

খা+ইয়া—'খাইয়া' যাইও खाकर जाना,

উঠ্+ইয়া—'উঠিয়া' বস उठ कर बैठो,

ধর্+ইয়া, বাঁধ্+ইয়া—পুলিশ চোর 'ধরিয়া' 'বাঁধিয়া'

भूतकाल छः प्रकारके हैं,—

(१) सामान्य भूत ; जैसे,—গাছ হইতে ফল পড়িল पेड़से फल गिरा, এ কাজ কে করিল ? यह काम किसने किया ?, আমি খাইলাম मैंने खाया।

(२) आसन्न भूत ; जैसे,—তাহার একটী ছেলে হইয়াছে उसकी एक लड़का हुआ है, আমি বড় বিপদে পড়িয়াছি मैं बड़ी आफतमें पड़ा हूँ।

(३) पूर्ण भूत ; जैसे,—আমি বলিয়াছিলাম मैंने कहा था, সে জিজ্ঞাসা করিল, কাল তোমার কি হইয়াছিল ? उसने पूछा, कल तुम्हें क्या हुआ था ?

(४) सन्दिग्ध भूत ; जैसे,—তোমার চাকরটা ভাঙ্গিয়া থাকিবে তুম্হারে नौकरने तोड़ा होगा, পরশু সে বাঘ দেখিয়া থাকিবে परसों उसने शेर देखा होगा।

[५] अपूर्ण भूत ; जैसे,—তখন আমরা খাইতেছিলাম उस समय हमलोग खा रहे थे, কাল রাত্রিতে সকলে ছাতে দাঁড়াইয়া গ্রহণ দেখিতেছিল कल रातको सबलोग छतपर खड़े होकर ग्रहण देख रहे थे।

(६) हेतुहेतुमद् भूत ; जैसे,—যদি সে বলিত তবে আমি খাইতাম वह कहता तो मैं खाता, যদি তোমার ছেলে এ বছর পরীক্ষা দিত তবে পাশ হইতে পারিত अगर तुम्हारा लड़का इस साल इमतिहान देता तो पास हो सकता।

দেখ্+ইতে—সকলে তামাসা 'দেখিতে' আসিয়াছে [सब लोग तमाशा देखने आये हैं]

মার্+ইতে—সে আমাকে 'মারিতে' আসিয়াছিল [वह मुझे मारने आया था]

দেখ্+ইতে—আমি চন্দ্র 'দেখিতে দেখিতে' চলিলাম [मै चाँद देखते देखते चला]

খা+ইতে—'খাইতে খাইতে' ঘুমাইয়া পড়িল [खाते खाते सो गया]

কর্+ইতে—'করিতে' চায় [करना चाहता है]
দেখা+ইতে—'দেখাইতে' চাই [दिखाना चाहता हूँ]
যা+ইতে—'যাইতে' হইবে (जाना होगा या पड़ेगा]
শুন্+ইতে—'শুনিতে' লাগিলাম [मैं सुनने लगा]
চল্+ইতে—গাড়ী 'চলিতে' লাগিল [गाड़ी चलने लगी]
বুঝ্+ইতে—'বুঝিতে' দাও [समझने दो]
আন্+ইতে—'আনিতে' যাও—लाने जाओ।
বল্+ইতে—মিথ্যা কথা 'বলিতে' নাই—झूठ नहीं बोलना चाहिये

উঠ্+ইতে—প্রত্যূষে 'উঠিতে' হয—सुबह उठना चाहिये
বাড়্+ইতে আজ হইতে গঙ্গার জল 'বাড়িতে' থাকিবে आजसे गंगाका जल बढ़ता रहेगा
হ+ইতে—এইরূপ বৃষ্টি 'হইতে' থাকিলে এবার শস্য ভাল

सन्दिग्ध भूत

उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	प्रथम या अन्य पुरुष
इया थाकिब [थाकिब्बो]	इया थाकिबे	इया थाकिबे

अपूर्ण भूत

इतेछिलाम [इतेछ्लिाम]	इतेछिले	इतेछिल

हेतुहेतुमद् भूत

इताम [इताम]	इते [इते]	इत [इतो]

भविष्यत्

इब [इब्बो]	इबे [इब्बे]	इबे [इब्बे]

अनुज्ञा

	अ, ओ * [अ, ओ]	उक [उक्]

मध्यम पुरुषके तुमि और तोमरा के स्थानमें निरादर अर्थमें तुइ और तोरा तथा आदर अर्थमें आपनि और आपनारा होते हैं। और अन्य पुरुषके से और ताहारा के स्थानमें आदर अर्थमें तिनि और ताँहारा होते हैं। ऊपरकी विभक्तियोंसे निरादर तथा आदर अर्थकी विभक्तियाँ अलग हैं।

निरादरकी विभक्तियाँ क्रमशः—इस्, इतेछिस्, इलि, इयाछिस्,

* अ हलन्त धातुमें और ओ स्वरान्त धातुमें लगता है ; जैसे,— कर्+अ=कर [करो], चल्+अ=चल (चलो), ह+ओ=हओ [हो], ल+ओ=लओ लो, खा+ओ = खाओ खाओ, या = ओ = याओ जाओ। अनुज्ञामें कर, चल आदिका उच्चारण करो, चलो आदि की तरह होता है।

भविष्यत् काल एक ही है; जैसे,—আমি যাইব [मैं जाऊँगा], সে কাজ করিবে (वह काम करेगा)।

अनुज्ञा वर्तमानके अन्तर्गत हैं; जैसे,—তুমি যাও (तुम जाओ), সে করুক [वह करे], আপনি যান [आप जाइये]।

क्रिया-विभक्ति

सामान्य वर्तमान

उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	प्रथम या अन्य पुरुष
(আমি, আমরা)	[তুমি, তোমরা]	[সে, তাহারা]
ই [इ]	অ,ও * [अ, ओ]	এ, য [ए, य]

तात्कालिक वर्तमान

ইতেছি [इतेछि]	ইতেছ [इतेछो]	ইতেছে [इतेछे]

सामान्य भूत

ইলাম [इलाम]	ইলে [इले]	ইল [इलो]

आसन्न भूत

ইয়াছি [इयाछि]	ইয়াছ [इयाछो]	ইয়াছে [इयाछे]

पूर्ण भूत

ইয়াছিলাম [इयाछिलाम]	ইয়াছিলে	ইয়াছিল (इयाछिलो)

---

* অ और এ हलन्त धातुमें लगता है। ও और য় स्वरान्त धातु में होता है। जैसे—কর্+অ=কর (करो, करते हो), কর্+এ=করে (करता है); হ+ও=হও [होते हो], হ+য=হয় (होता है), খা+ও= খাও [खाते हो], খা+য=খায [खाता है]। दूसरी विभक्तियाँ सभी धातुओं में लगती हैं, जैसे—আমি আসিলাম, কে যাইত।

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
आदर अर्थमें—		করেন (आप करते हैं)	করেন '(वे -)
निरादर-अर्थमें—		করিস্ (तू करता है)	—

तात्कालिक वर्तमान

	করিতেছি (कर रहा हूँ)	করিতেছ (रहे हो)	করিতেছে (रहा है)
आदर अर्थमें—		করিতেছেন	করিতেছেন
निरादर अर्थमें—		করিতেছিস্	—

सामान्य भूत

	করিলাম (मैंने किया)	করিলে (तुमने..)	করিল (उसने...)
आ० अ०—		করিলেন (आपने....)	করিলেন (उन्होंने··..)
निरा० अ०—		করিল (तूने किया)	—

आसन्न भूत

	করিয়াছি (मैंने किया है)	করিয়াছ (तुमने....)	করিয়াছে (उसने)
आ० अ०—		করিয়াছেন (आपने....)	করিয়াছেন (उन्होंने ··)
निरा० अ०—		করিয়াছিস্ (तूने····)	—

पूर्ण भूत

	করিয়াছিলাম (मैंने किया था)	করিয়াছিলে (....थे)	করিয়াছিল [था]
आ० अ०—		করিয়াছিলেন [....थे]	করিয়াছিলেন [....थे]
निरा० अ०—		করিয়াছিলি [तूने किया था]	—

धातुकी तरह हैं। परन्तु আট্, ফুট্, বাজ্ आदि जिन धातुओंमें मनुष्य कर्ता नहीं हो सकता उनके आदर अर्थ, निरादर अर्थ, उत्तम तथा मध्यम पुरुषके रूप नहीं होते। केवल अन्य पुरुषके साधारण अर्थके ही रूप होते हैं।

ইয়াছিলি, ইয়া থাকিবি, ইতেছিলি, ইতিস, ইবি और अनुज्ञामें केवल धातुमात्र है।

आदरकी विभक्तियाँ क्रमशः— এন, ইতেছেন, ইলেন, ইয়াছেন, ইয়াছিলেন, ইয়া থাকিবেন, ইতেছিলেন, ইতেন, ইবেন और উন * हैं।

धातुरूप

हलन्त कর্ করना धातु

सामान्य वर्तमान

उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
করি † करि, करता हूँ	কর করো	করে करे

---

* এন और উন हलन्त तथा अकारान्त धातुमें ही लगता है, आकारान्त आदि धातुमे এ और উ का लोप हो जाता है, केवल ন रह जाना है। आजकल बहुत लोग अकारान्त धातुमे भी এ और উ का लोप कर देते हैं। जैसे,—ধর+এন=ধরেন पकड़ते हैं, ল+এন=লএন, লযেন या ল'ন लेते हैं ; যা+এন=যা'ন जाते हैं ; কর্+উন = করুন करे, চল্+উন = চলুন चले, হ+উন = হউন या হ'ন हों, ল+উন = লউন या ল'ন ले, খা+উন = খান खायँ, যা+উন = যান जायँ।

† दोनों वचनों तथा दोनों लिंगोंमे क्रियाका रूप एकसा रहता है ; जैसे,-আমি করি मैं करता हूँ, আমরা করি हम करते हैं, বালক করে लड़का करता है, বালকেরা করে लड़के करते हैं, বালিকা করে लडकी करती है, বালিকারা করে लड़कियाँ करती हैं। इस पुस्तकके प्रथम खण्डमे क्रियाओंके विभिन्न कालोंके रूप क्रमशः अर्थ सहित विस्तारके साथ दिखाये गये हैं।

আস্, থাক্, আছ্, লিখ্, শুন্, চাহ্, বহ্ और দ্ आदि कुछ धातुओंके सिवाय উঠ্, কাট্, দেখ্, মার্, ধর্ आदि सब हलन्त धातुओंके रूप কর্

हलन्त আস্ [आना] धातु

सामान्य वर्तमान

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	আসি मैं आता हूँ	এস * एशो, आते हो	আসে आता है
आदर अर्थमें	—	আসেন आते हैं	আসেন आते हैं
निरादर अर्थमें	—	আসিস্ तू आता है	—

सामान्य भूत

	আসিলাম, এলাম †	আসিলে, এলে आये	আসিল, এল
आ० अ०	—	আসিলেন, এলেন	আসিলেন, এলেন
निरा० अ	—	আসিলি, এলি तू आया	—

अनुज्ञा

	—	এস * एशो, आओ	আসুক आये
आ० अ०	—	আসুন आइये	আসুন आयें
निरा० अ०	—	আয় * तू आ	—

अन्यान्य कालोंमें কর্ धातुकी तरह रूप हैं।

---

* वर्तमान और अनुज्ञामें আস के बदले এস होता है। पद्यमें कहीं कहीं এস के स्थानमें আইস और আসে के स्थानमें আইসে होता है। अनुज्ञाके निरादर अर्थमें আস্ न होकर (তুই या তোরা) আয় होता है।

† सामान्य भूतमें जो दो प्रकारके रूप लिखे गये, उनमें এলাম, এলে आदि कथित भाषामें ही अधिक इस्तेमाल होते हैं। कथित भाषाके रूप इस पुस्तकके चतुर्थ खण्डमें द्रष्टव्य है। पद्यमें कदाचित् আইলাম, আইলে और আইল [या আইলা] का प्रयोग देखा जाता है।

সন্দিগ্ধ ভূত

	উত্তম পুরুষ	মধ্যম পুরুষ	অন্য পুরুষ
	করিয়া থাকিব किया होगा	করিয়া থাকিবে	করিয়া থাকিবে
আ০ অ০	—	করিয়া থাকিবেন	করিয়া থাকিবেন
নিরা০ অ০	—	করিয়া থাকিবি तूने किया होगा	—

অপূর্ণ ভূত

	করিতেছিলাম मैं करता था,	করিতেছিলে तुम,	করিতেছিল
আ০ অ০	—	করিতেছিলেন	করিতেছিলেন
নিরা০ অ০	—	করিতেছিলি तू करता था	—

হেতুহেতুমদ্ ভূত

	করিতাম मैं करता	করিতে तुम करते	করিত
আ০ অ০	—	করিতেন आप करते	করিতেন
নিরা০ অ০	—	করিতিস্ तू करता	—

ভবিষ্যত্

	করিব मैं करूँगा	করিবে तुम करोगे	করিবে
আ০ অ০	—	করিবেন आप करेंगे	করিবেন
নিরা০ অ০	—	করিবি तू करेगा	—

অনুজ্ঞা

	—	কর करो	করুক वह करे
আ০ অ০	—	করুন आप करें	করুন वे करें
নিরা০ অ০	—	কর্ तू कर	—

सामान्य भूत

	ছিলাম मै था	ছিলে तुम थे	ছিল वह था
आ० अ०	—	ছিলেন आप थे	ছিলেন वे थे
निरा० अ०	—	ছিলি तू था	—

और किसी कालमे इसके रूप नहीं होते। इसके प्रयोग इस प्रकार हैं— আমি আছি मै हूँ, তাঁহারা আছেন वे हैं, সতীশ আজকাল কলিকাতায় আছে सतीश आजकल कलकत्तेमे है, আমরা ছিলাম हम थे, তুই ছিলি तू था. এ ঘরে একটা কুকুর ছিল इस घरमे एक कुत्ता था। भविष्यत् कालमे इस अर्थमे হ धातुका प्रयोग होता है, जैसे,— আমি হইব मैं हूँगा, তুমি হইবে तुम होगे, এ মাসেই তাহার ছেলে হইবে इसी महीनेमें उसको लड़का होगा।

जहाँ विशेष्य और विशेषणसे या सम्बन्ध और सम्बन्धीसे वाक्य पूरा होता है वहाँ আছ্ या হ धातुके वर्तमान कालके रूप बिल्कुल लुप्त हो जाते है। जैसे—তিনি অসুস্থ वे बीमार हैं, লোকটা বড খারাপ वह आदमी बड़ा खराब है, কাপড ময়লা कपड़ा मैला है, তুই কাল কালো, तू काला है, পশুর চারি পা जानवरके चार पैर हैं, মানুষের দুই হাত मनुष्यके दो हाथ हैं।

निषेधवाचक না (नहीं) लगनेसे আছ্ धातुके वर्तमान कालके सब रूपोंके बदले নাই होता है। जैसे,—তাহার কান নাই उसके कान नहीं हैं, আমার বই নাই मेरे पास किताब

हलन्त थाक् [रहना] धातु

अनुज्ञा

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	—	थाक (थाको) रहो	थाकुक, थाक् ॰ रहे
आ॰ अ॰	—	थाकुन रहिये	थाकुन वे रहें
निरा॰ अ॰	—	थाक् तू रह	—

अन्यान्य कालोंमे कर् धातुके तुल्य रूप है। परन्तु इसके पूर्ण, सन्दिग्ध और अपूर्ण भूतके रूपों का प्रयोग प्रायः नहीं देखा जाता। भूत कालमें थाक् धातुके वदले वह् [रहना] धातुका व्यवहार ही अधिक है। जैसे,—राम काल आमादेव एखाने रहिल [थाकिल] ना। [राम कल हमारे यहाँ नहीं रहा]।

हलन्त आछ् [होना] धातु

सामान्य वर्तमान

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	आछि मैं हूँ	आछ आछो, हो	आछे वह है
आदर अर्थमे	—	आछेन आप हैं	आछेन वे हैं
निरादर अर्थमे	—	आछिस् तू है	—

---

* अनुज्ञाके अन्य पुरुषमे थाकुक के वदले थाक् का ही व्यवहार अधिक है। जैसे—तोमार छेले आज आमादेव वाडीते 'थाक्' तुम्हारा लड़का आज हमारे घरमे रहे, 'थाक्', आज निव ना रहने दो, आज नहीं लूंगा।

इकार-युक्त है उनके रूप लिख् धातुकी तरह हैं अर्थात् उन उन स्थानोंमें इकारके बदले एकार हो सकता है।

हलन्त শুন্ (सुनना) धातु

सामान्य वर्तमान

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	শুনি सुनता हूँ	শুন, শোন * शोनो	শুনে, শোনে
आदर अर्थमें	—	শুনেন, শোনেন	শুনেন, শোনেন
निरादर अर्थमे	—	শুনিস্ तू सुनता है	—

अनुज्ञा

	—	শোন (शोनो) सुनो	শুনুক
आ० अ०	—	শুনুন सुनिये	শুনুন
निरा० अ०	—	শোন্ तू सुन, শুনিস্ तू सुनना	—

और सब कालोंमें कर् धातुके तुल्य रूप हैं। जहाँ जहाँ শু के उकारके स्थानमें ओकार हो सकता है वह दिखाया गया है। इनके सिवाय और कहीं ओकार नहीं होता, सर्वत्र শু ही रहता है।

তুল্ (उठाना), কুট্ (कूटना), ফুট্ (खिलना), খুঁড্ (खोदना), খুল্ (खोलना), পুঁত্ (गाड़ना), ঢুক্ (घुसना), চুষ্ (चूसना), ছুল্ (छीलना), পুড্ (जलना), যুড্ (जोड़ना), ঝুল্ (झूलना), ঘুর্ (घुमना), খুঁজ্ (ढूँढ़ना), মুছ্ (पोंछना), ছুড্ (फेंकना), ভুল্ (भूलना), বুঝ্ (समझना) आदि जिन दो अक्षरवाले धातुओंके आदिका अक्षर उकार-युक्त है उनके

---

* শোন, শোনে आदि ओकारयुक्त रूपोंका ही प्रयोग अधिक है।

नहीं है, তিনি এখানে নাই वे यहाँ नहीं हैं, তুমি এখনও ঘুমাও নাই ? तुम अभी तक सोये नहीं हो, কেবল আমিই তোমাদের দলে নাই सिर्फ मैं ही तुम्हारे दल मे नहीं हूँ।

हलन्त लिथ् (लिखना) धातु

सामान्य वर्तमान

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	लिथि मैं लिखता हूँ	लिथ, लेथ ❀	लिथे, लेथे
आदर अर्थमें	—	लिथेन, लेथेन	लिथेन, लेथेन
निरादर अर्थमें	—	लिथिस् तू लिखता है	—

अनुज्ञा

	—	लेथ (लेखो) लिखो	लिथुक
आ० अ०	—	लिथुन लिखिये	लिथुन
निरा० अ०	—	लेथ् तू लिख, लिथिस् † लिखना	—

और सब कालोमे कर् धातुके तुल्य रूप हैं। जहाँ जहाँ लि के इकारके स्थानमे एकार हो सकता है वह ऊपर दिखाया गया है। इनके सिवाय और कहीं एकार नहीं होता।

किन् खरीदना, घिर् घेरना, मिल् जुटना, मिलना, गिल् निगलना, पिष् पीसना, छिँड् फाड़ना, भिज् भींगना, शिथ् सीखना आदि जिन दो अक्षरवाले धातुओंके आदिका अक्षर

❀ लेथ, लेथे आदि एकारयुक्त रूपोंका ही व्यवहार अधिक है।

† अनुज्ञामें लिथिस्, करिस्, आदि भविष्यत् अर्थमें होता है।

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
आदर अर्थमें—		বহেন, ব'ন आप ढोते हैं	বহেন ব'ন वे····
निरादर अर्थमे—		বহিস্, ব'স্ तू ढोता है	—

अनुज्ञा

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	—	বহ, বও ढोओ	বহুক, বউক वह ढोये
आ० अ० —		বহুন, বউন, ব'ন ढोयें	বহুন, বউন, ব'ন
निरा० अ०—		ব, বহিস্, বস্ तू ढो	—

अन्यान्य कालोंमें কব্ धातुके तुल्य है। सामान्य वर्तमान और अनुज्ञामें বহ্ धातुके बदले विकल्पमें ব होता है और अकारान्त হ धातुकी तरह इसके रूप होते हैं। इन दोनों कालोंमें ব धातुके रूपोंका ही व्यवहार अधिक है।

কহ্ कहना, সহ্ सहना, রহ্ रहना, आदि হ্ कारान्त धातुके रूप ठीक বহ্ धातुकी तरह हैं।

हलन्त দ্ देना, धातु

सामान्य वर्तमान

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	দি, দিই, দেই * देता हूँ,	দেও, দাও देते हो	দেয় वह...
आदर अर्थमें—		দেন आप देते हैं	দেন वे....
निरादर अर्थमें—		দিস্ तू देता है	—

* দ্ धातु किसी किसी स्थानमें एकारान्त দে हो जाता है। দেও के बदले দাও का प्रयोग आजकल अधिक है। अनुज्ञामे দিউক, দিউন संक्षिप्त होकर आजकल দিক্, দিন্ हो गये हैं।

रूप शुन् धातुके अनुरूप हैं अर्थात् शुन् धातुके जिन जिन स्थानोंमें शु के उकारके बदले ओकार हुआ है इन धातुओंके भी उन उन स्थानोंमें उकारके बदले ओकार होगा।

हलन्त চাহ্ [ताकना, माँगना] धातु

सामान्य वर्तमान

उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
চাহি, চাই [माँगता हूँ]	চাহ चाहो, চাও	চাহে, চায
आदर अर्थमे—	চাহেন, চান	চাহেন, চান
निरादर अर्थमे—	চাহিস্, চাস্ तू ताकता या माँगता है	

अनुज्ञा

	চাহ चाहो, চাও ताको माँगो,	চাহুক, চাউক, চা'ক
आ० अ०—	চাউন, চান	চাউন, চান
निरा अ०—	চা, চাস্ तू ताक् या माँग्	

अन्यान्य कालोंमें कर् धातुके तुल्य है। सामान्य वर्तमान और अनुज्ञामे চাহ্ धातुके बदले विकल्पमे চা हो जाता है और आकारान्त খা धातुकी तरह इसके रूप होते हैं। इन दोनों कालोंमें চা धातुके रूपोंका ही व्यवहार अधिक है।

গাহ্ गाना, धातुके रूप ठीक চাহ্ धातुकी तरह हैं।

हलन्त বহ্ (ढोना, बहना) धातु

सामान्य वर्तमान

বহি, বই ढोता हूँ, বহ, বও ढोते हो বহে, বয ढोता है

सामान्य भूत

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	হইলাম (मैं हुआ)	হইলে तुम हुए	হইল वह हुआ
आ० अ०	—	হইলেন आप हुए	হইলেন वे हुए
निरा० अ०	—	হইলি तू हुआ	—

आसन्न भूत

	হইযাছি मैं हुआ हूँ	হইযাছ हुए हो	হইযাছে वह हुआ है
आ० अ०	—	হইয়াছেন आप हुए हैं	হইযাছেন वे हुए हैं
निरा० अ०	—	হইযাছিস্ तू हुआ है	—

पूर्णभूत

	হইযাছিলাম मैं हुआ था	হইযাছিলে -हुए थे	হইয়াছিল -था
आ० अ०	--	হইয়াছিলেন आप हुए थे	হইযাছিলেন वे हुए थे
निरा० अ०	—	হইযাছিলি तू हुआ था	—

सन्दिग्ध भूत

	হইয়া থাকিব हुआ हूँगा	হইযা থাকিবে	হইযা থাকিবে
आ० अ०	—	হইযা থাকিবেন आप हुए होंगे	হইয়া থাকিবেন
निरा० अ०	—	হইযা থাকিবি तू हुआ होगा	—

अपूर्ण भूत

	হইতেছিলাম मैं हो रहा था	হইতেছিলে रहे थे	হইতেছিল -रहा था
आ० अ०	—	হইতেছিলেন आप हो रहे थे	হইতেছিলেন वे—
निरा० अ०	—	হইতেছিলি तू हो रहा था	—

तात्कालिक वर्तमान

	उत्तम पुरुप	मध्यम पुरुप	अन्य पुरुप
	দিতেছি (दे रहा हूँ)	দিতেছ (रहे हो)	দিতেছে (वह—)
आ० अ०	—	দিতেছেন (आप दे रहे हैं)	দিতেছেন (वे—)
निरा० अ०	—	দিতেছিস্ (तू दे रहा है)	—

भूत और भविष्यत् कालके रूप কর্ धातुकी तरह हैं

अनुज्ञा

	—	দেও, দাও (दो)	দিক্ (दे)
आ० अ०	—	দিন (आप दीजिये)	দিন (वे दें)
निरा० अ०	—	দে, দিস্ (तू दे)	—

अकारान्त হ होना धातु

सामान्य वर्तमान

	হই (हूँ)	হও (हो)	হয় (है)
आदर अर्थमे—		হয়েন, হ'ন * (आप हैं)	হয়েন, হ'ন (वे हैं)
निरादर अर्थमे—		হইস, হস্ (तू है)	—

तात्कालिक वर्तमान

	হইতেছি (हो रहा हूँ)	হইতেছ (हो रहे हो)	হইতেছে
आ० अ०	—	হইতেছেন (हो रहे हैं)	হইতেছেন
निरा० अ०	—	হইতেছিস্ (तू हो रहा है)	—

---

* स्वरान्त धातुमे এন के स्थानमे যেন हो जाता है। হযেন, হইস্ संक्षिप्त होकर आजकल হন, হস্ हो गये हैं। अकारान्त ল (लेना) धातुके रूप হ धातुकी तरह हैं।

বই 'নয়' (यह मेरी किताब नहीं है), তিনি শোকে ব্যাকুল 'হন না' (वे शोकसे नहीं घबराते), আপনি কি যাইতে ইচ্ছুক ন'ন ? (क्या आप जानेके इच्छुक नहीं हैं या जाना नहीं चाहते?)। इन उदाहरणोंसे यह स्पष्ट हुआ कि হই না, হয় না, হন না आदि रूप 'स्वभाव' अर्थ और নই, নয়, নন आदि रूप 'वर्तमान' अर्थ प्रकाश करते हैं।

आकारान्त খা (खाना) धातु *

सामान्य वर्तमान

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	খাই मैं खाता हूँ	খাও तुम खाते हो	খায় वह खाता है
आदर अर्थमे—		খান आप खाते हैं	খান वे खाते हैं
निरादर अर्थमे—		খাস্ तू खाता है	—

अनुज्ञा

	—	খাও तुम खाओ	খাক্ वह खाय
आ० अ० —		খান आप खायँ	খান वे खायँ
निरा० अ०—		খা, খাস্ तू खा	—

---

* খা धातुके सिवाय আগলা, আটকা, উপড়া, উঠা, হাবা, চিবা आदि सब आकारान्त धातुओंके रूप খা धातुकी तरह हैं। परन्तु চূয়া (चूना), ছিঁড়িয়া যা फट जाना आदि जिन धातुओंका मनुष्य कर्ता नहीं हो सकता उनके केवल अन्य पुरुषके साधारण अर्थके ही रूप होते हैं, आदर अर्थ तथा निरादर अर्थके रूप नहीं होते। हलन्त, अकारान्त, आकारान्त आदि धातुओंकी सूची इस पुस्तकके ११४ से १२७ पृष्ठोंमें है।

हेतुहेतुमद् भूत

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
	হইতাম मैं होता	হইতে तुम होते	হইত वह होता
आ० अ०	—	হইতেন आप होते	হইতেন वे होते
निरा० अ०	—	হইতিস্ तू होता	—

भविष्यत्

	হইব मैं हूँगा	হইবে तुम होगे	হইবে वह होगा
आ० अ०	—	হইবেন आप होंगे	হইবেন वे होंगे
निरा० अ०	—	হইবি तू होगा	—

अनुज्ञा

	—	হও तुम हो	হউক, হ'ক * वह हो
आ० अ०	—	হউন, হ'ন आप हों	হউন, হ'ন वे हों
निरा० अ०	—	হ, হইস, হ'স্ तू हो	—

निषेधार्थक না लगने पर হ धातुके वर्तमान कालके रूप कहीं कहीं बदल जाते है। जैसे,—হই না=নই, হও না = নও, হয়েন না = নহেন, হ'ন না = ন'ন, হইস या হ'স না = নস, হয় না = নয়। इन दोनों प्रकारके रूपोंके अर्थोंमे बहुत अन्तर है। जैसे,—আমি সহজে অসুস্থ 'হই না' (मै जल्दी बीमार नहीं होता), এ সর্ত্তে আমি বাজি 'নই' (इस शर्तमे मैं राजी नहीं हूँ), এ আমার গাছে ফল 'হব না' (इस पेड़में फल नहीं होता), এ আমার

---

* स्वरान्त धातुके উক, উন आदिका উ लुप्त करके आजकल হোক या হ'ক, হন, খাক, খান इस तरहके रूप ही अधिक इस्तेमाल होते हैं।

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
आ० अ०—		গিয়া থাকিবেন आप गये होंगे	গিয়া থাকিবে वे गये होंगे
निरा० अ०—		গিযা থাকিবি तू गया होगा	—

अन्यान्य कालोंके रूप था धातुकी तरह हैं।

उकारान्त শু (लेटना, सोना) धातु

सामान्य वर्तमान

	শুই मै लेटता हूं	শোও * तुम लेटते हो	শোয वह लेटता है
आदर अर्थमे —		শোন आप लेटते हैं	শোন वे लेटते हैं
निरादर अर्थमें—		শুস् तू लेटता है	—

अनुज्ञा

	—	শোও तुम लेटो	শুক् वह लेटे
आ० अ० —		শোন आप लेटें	শোন वे लेटें
निरा० अ०—		শো तू लेट	—

छूँ (छूना), धू (धोना) आदि उकारान्त धातुके रूप শু धातु की तरह हैं।

वाच्य

वाच्य तीन प्रकारके हैं, जैसे—कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य †।

---

* वर्तमान और अनुज्ञामें শু के वदले जहाँ जहाँ শো हो सकता है वह ऊपर दिखाया गया है। अन्य सर्वत्र শু ही रहेगा। इसी प्रकार और और उकारान्त धातुओंके सम्बन्धमे भी समझना चाहिये।

† वंगलामें कर्मवाच्य और भाववाच्यका प्रयोग वहुत ही कम है। जैसे-

आकारान्त या (जाना) धातु

सामान्य भूत

उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
যাইলাম, গেলাম * गया	যাইলে, গেলে गये	যাইল, গেল गया
आदर अर्थमें —	যাইলেন, গেলেন	যাইলেন গেলেন
निरादर अर्थमें—	যাইলি, গেলি तू गया	—

आसन्न भूत

গিযাছি मैं गया हूँ	গিযাছ तुम गये हो	গিযাছে वह गया
आ० अ० —	গিয়াছেন आप गये हैं	গিযাছেন वे गये हैं
निरा० अ०—	গিযাছিস तू गया है	—

पूर्ण भूत

গিযাছিলাম मैं गया था	গিযাছিলে तुम गये थे	গিযাছিল वह गया था
आ० अ० —	গিয়াছিলেন आप गये थे	গিয়াছিলেন वे गये थे
निरा० अ०—	গিয়াছিলি तू गया था	—

सन्दिग्ध भूत

গিয়া থাকিব मैं गया हूँगा†	গিযা থাকিবে होगे	গিয়া থাকিবে होगा

---

* या धातुके सामान्य भूतमें या के स्थानमे ग तथा आसन्न भूत, पूर्ण भूत और सन्दिग्ध भूतोंमें ग् आदेश होता है। ग के आकारके साथ विभक्तिके इकारकी सन्धि होकर एकार हो जाता है। যাইলাম, যাইল आदि रूपोंका व्यवहार बहुत कम है। कोई कोई कवितामें इनका व्यवहार करते हैं।

† যাইয়াছিলাম, যাইয়া থাকিব आदि रूप बन सकते हैं; परन्तु इनका व्यवहार बहुत कम है।

भी कर्ता हो सकता है। भाव-वाच्य में क्रिया सदा ही अन्य पुरुषकी रहती है।

प्रेरणार्थक क्रिया

कर्ता जहाँ किसीको प्रेरणा देकर कार्य कराता है वहाँ प्रेरणार्थक क्रिया इस्तेमाल होती है। जैसे,—আমি ললিতকে দিয়া চিঠি 'লিখাইয়াছিলাম' (मैंने ललितसे चिट्ठी लिखवायी थी), তিনি ভৃত্য দ্বারা কাজ 'করান' (वे नौकरसे काम कराते हैं), সে চাকরাণীকে দিয়া বাসন মাজাইবে।

हलन्त धातुमे आकार जोड़नेसे प्रेरणार्थक धातु बनता है। इस प्रकारसे प्रेरणार्थक धातु बनानेपर मूल धातुमें कहीं कहीं कुछ कुछ परिवर्तन होता है। जैसे,—

हलन्त धातु	क्रिया		प्रेरणार्थक धातु	क्रिया	
উঠ্ *	উঠিতেছি	उठितेछि	উঠা	উঠাইতেছি	उठाइतेछि
উড়্	উড়িতেছে	उड़ितेछे	উড়া	উড়াইতেছে	उड़ाइतेछे
কর্	করিতেছি	करितेछि	করা	করাইতেছি	कराइतेछि
বল্	বলিতেছে	बलितेछे	বলা	বলাইতেছে	बलाइतेछे
কাঁপ্	কাঁপিতেছি	कँपितेछि	কাঁপা	কাঁপাইতেছি	काँपाइतेछि
কাট্	কাটিতেছি	काटितेछि	কাটা	কাটাইতেছি	काटाइतेछि
কিন্	কিনিতেছি	किनितेछि	কেনা	কেনাইতেছি	केनाइतेछि
খুল্	খুলিতেছি	खोल रहा हूँ	খোলা	খোলাইতেছি	खुला रहा हूँ

* अर्थ सहित धातुओंकी सूची ११४ से १२७ पृष्ठोंमें देखो।

कर्तृवाच्य में कर्ता ही प्रधान है ; जैसे,—'রাম' পড়ে (राम पढ़ता है), 'সে' কাজ করিবে না वह काम नहीं करेगा।

कर्मवाच्य मे कर्मकी प्रधानता है ; जैसे,—আমা কর্তৃক 'চন্দ্র' দৃষ্ট হইতেছে (मुझसे चाँद देखा जा रहा है), ধাত্রী দ্বারা 'বালক' শায়িত হইয়াছে (धायके द्वारा लड़का लिटाया गया है)।

कर्मवाच्यके कर्तामें तृतीया और कर्ममें प्रथमा विभक्ति होती है।

कर्मवाच्यमें कर्मके पुरुषके अनुसार क्रिया बदलती है। जैसे,—আমা দ্বারা 'তিনি' দৃষ্ট 'হইতেছেন' (मुझसे वे देखे जा रहे हैं), শিক্ষক কর্তৃক 'আমি' প্রহৃত (प्रहृतो) 'হইয়াছি' (शिक्षकके द्वारा मैं पीटा गया हूँ)।

भाववाच्य में क्रियासे केवल धातुका अर्थ ही प्रकाशित होता है। क्योंकि अकर्मक क्रियाका ही भाववाच्य होता है, इसलिए भाववाच्यमें कर्म रहता ही नहीं और कर्ता भी प्रायः लुप्त रहता है। जैसे,—শয়ন করা হইতেছে (लेटा जा रहा है), এখন বাজারে যাওয়া হউক या যাক (अब बाजार जाया जाय)। इन दोनों वाक्योंमें আমার, তোমার, তাহার, আপনার आदि कोई

मुझसे रोटी नहीं खायी जाती—আমার দ্বারা রুটি ভক্ষিত হইতে পারে না इसके बदले আমি রুটি খাইতে পারি না। और तुमसे रोया नहीं जाता—তোমার দ্বারা কাঁদা যায় না इसके बदले তুমি কাঁদিতে পার না—ऐसे कर्तृवाच्यके प्रयोग ही बंगलामें अधिक प्रचलित है।

सारे हलन्त और आकारान्त धातुओंसे प्रेरणार्थक धातु नहीं बनते।

आगला, आटका, উপড়া, আউটা, গড়া, ধমকা, নিংড়া, তাড়া, পাঠা, শুধরা आदि कुछ आकारान्त मूल धातु खुद ही प्रेरणार्थक रूपसे इस्तेमाल होते हैं। जैसे—আমি চাকর পাঠাইয়াছি (मैंने नौकर भेजा है); प्रेरणार्थक—কাল তিনি ছেলেকে দিয়া আমার কাছে বই 'পাঠাইয়াছিলেন' (कल उन्होंने लड़के से मेरे पास किताब भेजवायी थी), কুকুরটাকে তাড়াও (कुत्तेको भगाओ), प्रेरणार्थक—আমাদের গ্রামের জমিদার দারোয়ানদের দিয়া ডাকাত 'তাড়াইয়াছিলেন' (हमारे गाँवके जमींदारने दरवानोंके द्वारा डाकुओंको भगाया था)।

अकर्मक धातुसे उत्पन्न प्रेरणार्थक क्रिया सकर्मक हो जाती है। जैसे—

अकर्मक—মেয়েটী কাঁদিতেছে लड़की रो रही है।

प्रेरणार्थक—সে তার 'মেয়েটীকে' নিরর্থক কাঁদাইতেছে वह अपनी लड़कीको व्यर्थ ही रुला रही है।

अकर्मक—সে নিজেই উঠিবে वह स्वयं ही उठेगा।

प्रेरणार्थक—আমি 'তাহাকে' উঠাইব मैं उसे उठाऊँगा।

अकर्मक क्रियाका कर्ता ही प्रेरणार्थकमें कर्म हो जाता है।

सकर्मक धातुसे उत्पन्न प्रेरणार्थक क्रिया द्विकर्मक हो जाती है। जैसे,—

सकर्मक—আমি 'ব্যায়াম' শিখিতেছি [मैं कसरत सीखता हूँ]

হলন্ত ধাতু	ক্রিয়া	প্রেরণার্থক ধাতু	ক্রিয়া
পড়্	পড়িতেছি पढ़ रहा हूँ	পড়া	পড়াইতেছি पढ़ा रहा हूँ
কম্	কমিতেছে घट रहा है	কমা	কমাইতেছে घटा रहा है
ঢুক্	ঢুকিতেছে घुस रहा है	ঢোকা	ঢোকাইতেছে घुसा रहा है
ছুল্	ছুলিতেছে छील रहा है	ছোলা	ছোলাইতেছে छिला रहा है
পুড়্	পুড়িতেছে जल रहा है	পোড়া	পোড়াইতেছে जला रहा है
মিল্	মিলিতেছে मिल रहा है	মিলা	মিলাইতেছে मिला रहा है
ঝুল্	ঝুলিতেছে लटक रहा है	ঝুলা	ঝুলাইতেছে लटका रहा है
দেখ্	দেখিতেছে देख रहा है	দেখা	দেখাইতেছে दिखा रहा है
ডাক্	ডাকিতেছে बुला रहा है	ডাকা	ডাকাইতেছে बुलवा रहा है

स्वरान्त धातुमें ওয়া जोड़कर प्रेरणार्थक धातु बनाया जाता है। यहाँ भी मूल धातुमें कुछ परिवर्तन होता है। जैसे,—

স্বরান্ত ধাতু	ক্রিয়া	প্রেরণার্থক ধাতু	ক্রিয়া
হ	হইল (लो)	হওয়া	হওয়াইল (लो)
ল	লইল लिया	লওয়া	লওয়াইল लिवाया
খা	খাইল खाया	খাওয়া	খাওয়াইল खिलाया
যা	যাইল गया	যাওয়া	যাওয়াইল
পা	পাইবে पायेगा	পাওয়া	পাওয়াইবে प्राप्त करायगा
গা	গাইবে गायेगा	গাওয়া	গাওয়াইবে गवायेगा
শু	শুইবে लेटेगा	শোওয়া	শোওয়াইবে लिटायेगा
ধু	ধুইবে धोयेगा	ধোওয়া	ধোওয়াইবে धुलायेगा
ছুঁ	ছুঁইবে छूएगा	ছোঁওয়া	ছোঁওয়াইবে छुलायेगा

করিতেছ না? तुम्हें बार बार मना किया तो भी तुम क्यों नहीं कुसंग छोड़ते? বার বার জিজ্ঞাসা 'করিতেছি' তথাপি কেন উত্তর দিতেছ না? तुमसे मैंने बार बार पूछा तथापि क्यों नहीं जवाब देते?

যদি, যেন, যতক্ষণ आदि शब्दोंके योगसे भविष्यत्‌में भी वर्तमानका प्रयोग होता है; जैसे—যদি আপনি আমার সঙ্গে 'আসেন' তবে বড় উপকৃত 'হই' यदि आप मेरे साथ आवें तो बड़ा उपकृत हूँगा, যেন * জন্মান্তরে তোমার মত গুণের দেবর 'পাই' परमात्मा करें, अगले जन्ममें मुझे तुम्हारे ऐसे गुणवान् देवर प्राप्त हों, কাল যেন আপনি আমাদের বাড়ী একবার 'আসেন' कृपया कल आप हमारे मकानपर एक बार आइयेगा, তুমি যতক্ষণ আমার নিকটে 'থাক' ততক্ষণ তোমার কোন ভয় নাই जब तक तुम मेरे पास रहोगे तब तक तुम्हे कोई डर नहीं है।

अतीतको वर्तमानमें प्रत्यक्षवत् दिखानेके लिए कभी कभी अतीतके स्थानमे वर्तमानका प्रयोग होता है। जैसे,—যখন রাম, সীতা ও লক্ষ্মণের সহিত বনে 'যান' তখন অযোধ্যায় এমন একজন লোকও ছিল না যে কাঁদে নাই जब राम, सीता और लक्ष्मणके साथ वनमें जाने लगे तब अयोध्यामे ऐसा एक भी आदमी नहीं था जो न रोया हो, মুসলমান রাজত্বের সময়

---

* যেন शब्दका साधारण अर्थ 'मानो' है। जैसे—তিক্ত যেন নিম ऐसा कडुआ मानो नीम है, সাদা যেন দুধ ऐसा सुफेद मानो दूध है।

द्विकर्मक—আমি 'তাহাকে' আমার আখড়ায় 'ব্যায়াম' শিখাইতেছি—मैं उसे अपने अखाड़ेमे कसरत सिखाता हूँ

सकर्मक—সে 'ইংরাজী' পড়ে वह अंग्रेजी पढ़ता है

द्विकर्मक—আমি 'তাহাকে' 'হিন্দী উপন্যাস' পড়াই मैं उसे हिन्दी उपन्यास पढ़ाता हूँ

द्विकर्मक धातुसे उत्पन्न प्रेरणार्थक क्रिया द्विकर्मक ही रहती है। जैसे—

द्विकर्मक—আমি গ্রামের দুইজন 'অন্ধকে' 'কাপড়' দিলাম मैंने गाँव के दो अन्धों को कपड़ा दिया

प्रेरणार्थक—বাবা আমাকে দিয়া 'অন্ধকে' 'কাপড়' দেওয়াইলেন पिताजीने मुझसे अन्धेको कपड़ा दिलवाया।

धातु-विभक्तिके प्रयोग

अनुरोध अर्थमे भविष्यत्का प्रयोग होता है; जैसे,—অনুগ্রহ করিয়া তাহাকে আমার এই কথা 'বলিবেন' कृपया उससे मेरा यह बात कह दीजियेगा।

विधि अर्थमे भी भविष्यत्का प्रयोग होता है। जैसे,—সদা সত্য কথা 'বলিবে' सदा सत्य बोलना चाहिये, পিতা-মাতার কথা 'শুনিবে' पिता-माताकी बात माननी चाहिये, পরিমিত আহার 'করিবে' परिमित भोजन करना चाहिये।

पुनः पुनः, बार बार आदि शब्दोंके योगसे कभी कभी भूत कालमें वर्तमानका प्रयोग होता है। जैसे,—তোমাকে পুনঃ পুনঃ নিষেধ 'করিতেছি' তথাপি তুমি কেন কুসংসর্গ ত্যাগ

हइते लागिल बार बार या जल्दी जल्दी तोपकी आवाज होने लगी ; 'घन घन' श्वशुरबाडी याओया भाल नय बार बार .या शीघ्र शीघ्र ससुराल जाना अच्छा नहीं है।

कुछ सप्तमी विभक्तियुक्त पद क्रियाविशेषणके रूपमे इस्तेमाल होते हैं ; जैसे,—

'सुखे' थाक [सुखसे रहो]
'वेगे' दौडिल [तेजीसे दौड़ा]
'गज-गमने' चलिल [हाथीकी चालसे चला]
'आनन्दे' करिबे पान [आनन्द से पियेगा]
'आदरे' पालन कर [आदर से पालो]
सकले 'कुशले' आछेन त ? [सब लोग कुशलसे तो हैं ?]
'पुलके' शिहरे अङ्ग [हर्षसे शरीर सिहरता है].
'अविलम्बे' रथ प्रस्तुत कर [तुरन्त रथ तयार करो]
'त्वराय' आसिया उपनीत हइल [जल्दी आ पहुँचा]
अविरल 'धाराय' बृष्टि पडितेछे [अविच्छेद धारासे या लगातार पानी बरस रहा है]।

क्रियावाचक विशेष्यके बाद मात्र शब्द लगा कर भी क्रियाविशेषण बनाया जाता है। जैसे,—तिनि 'शुनिबामात्र' उठिलेन [वे सुनते ही उठे], से बाघ 'देखिबामात्र' चीत्कार करिया उठिल [वह शेरको देखते ही चिल्ला उठा]।

करिया, दिया, पूर्व्वक, पुरःसर आदि कुछ शब्दोंके योगसे भी क्रिया-विशेषण बनते हैं। जैसे—

ইংরেজেরা এদেশে 'আসেন' मुसलमानोंके शासनकालमें अंग्रेज लोग इस देशमें आये थे।

क्रिया-विशेषण

जो शब्द क्रियाकी हालत जाहिर करता है उसे क्रिया-विशेषण कहते हैं। जैसे,—'হঠাৎ' পড়িয়া গেল [अचानक गिर पड़ा], 'শীঘ্র' এস (जल्दी आओ), এখানে বস [यहाँ बैठो)।

সত্বর [जल्दी], অবশ্য, সতত, সদা, সর্ব্বদা, নিরন্তর (सदा), নিয়ত (सदा), প্রায়, সহসা (अचानक) অকস্মাৎ, যুগপৎ (एकसाथ), আবার (फिर), আস্তে [धीरे], ক্রমশঃ, পুনরায [फिर], পুনর্ব্বার [फिर], প্রায়শঃ, বারবার, বারংবার [वारंवार] आदि बहुतसे अव्यय शब्द क्रियाविशेषणके रूपमे इस्तेमाल होते हैं। जैसे;—আমি আজ 'আবার' যাইব [मै आज फिर जाऊँगा], 'সদা' সত্য কথা বলিবে [सदा सत्य बोलना चाहिये], ধীরে ধীরে এস [धीरे धीरे आओ]।

আস্তে আস্তে, ধীরে ধীরে, পুনঃ পুনঃ [बार बार], অল্পে অল্পে [थोड़ा थोड़ा करके], ক্রমে ক্রমে [क्रमशः], কানে কানে [कानोंमे], মুহুর্মুহু [वारंवार], বার বার, ঘন ঘন [पास पास, वार वार], মন্দ মন্দ [धीरे धीरे], आदि कुछ युग्म अव्यय शब्द क्रिया-विशेषण हैं। जैसे,—সে তোমার 'কানে কানে' কি বলিল? [उसने तुम्हारे कानोंमें क्या कहा ?], 'মন্দ মন্দ' বাতাস বহিতেছে [धीरे धीरे हवा चल रही है], 'ঘন ঘন' তোপধ্বনি

ইতি	इति	নচেৎ, নতুবা नतुबा	नहीं तो
একান্ত (-अ)	एकान्त, अत्यन्त	নয, না, নহে	नहीं
একান্তই	इतना अनुरोध करने पर भी	নিতান্ত (-अ)	अत्यन्त
		নিরন্তব	सदा
কাজে কাজেই	इसी कारण	পরন্তু	परन्तु
কি	क्या	পুনঃ পুনঃ	बार बार
কিন্তু (किन्तु)	परन्तु	পুনশ্চ, পুনরায়, পুনর্ব্বাব	फिर
কেবল (केवल)	सिर्फ	প্রায	प्रायः
কোথা	कहाँ	ববাবর	बराबर
ক্রমশঃ, ক্রমে ক্রমে	क्रमसे	বার বাব, বারংবার	बार बार
খামকা	वृथा, बिना कारण	ভাগ্যে	भाग्यसे
গর	गैर	ভূয়োভূয়ঃ, মুহুর্মুহুঃ	बार बार
চট্‌পট্‌	तुरन्त	যৎপরোনাস্তি	अत्यन्त
ঝট	झट	যথা जथा	यथा, जैसे
ঝটিতি	जल्दी	যদবধি जदबधि	जबसे
ত, তো	तो	যদি जदि	अगर
তথা	वहाँ, वैसे	যদ্যপি, যদিও, যদিচ	यद्यपि
তথাচ, তথাপি	तो भी	যাবৎ जावत	जबतक
তবে (तबे)	तो, तब	যুগপৎ (जुगपत्)	एकसाथ
তদবধি (तदबधि)	तबसे, तबतक	যেন (जैनो)	मानो, तरह
তাবৎ (तावत्)	तबतक	সহসা (शाहशा)	अचानक
দৈবাৎ (दइबात्)	दैवयोगसे	সুতরাং (शुतरां)	अतः, सुतराम्

তোমরা 'ভাল করিয়া' পড তुम लोग अच्छी तरह पढ़ो।
তেল 'অল্প করিয়া' লও तेल थोड़ा थोड़ा करके लो।
সকলে 'মন দিয়া' শুন सब लोग मन लगाकर सुनो।
আমি 'বিনয় পূর্ব্বক' কহিলাম [मैंने विनयके साथ कहा]
রাম ভরতকে 'সস্নেহ-সম্ভাষণ পুরঃসর' কহিতে লাগিলেন
[राम भरतसे स्नेह-सम्भाषण कर कहने लगे]।

अव्यय

जो शब्द सब लिंगों, वचनों और विभक्तियोंमें एकसा रहता है, उसे अव्यय कहते हैं। * कुछ अव्यय शब्दोंकी सूची नीचे दी जाती है। उनमेंसे कुछ अव्यय क्रिया-विशेषण भी हैं।

অকস্মাৎ [अकस्मात्]	अचानक	অবশ্য [अवश्य-अ]	जरूर
অন্ততঃ (-अ)	कमसे कम	আচম্বিতে आचम्बिते	अचानक
অপিচ अपिच-अ	और भी	আবার	फिर
অবধি § अवधि	से, तक	আস্তে आस्ते	धीरे

* যথা, তথা, কোথা आदि कुछ अव्यय शब्दोंके आगे विभक्ति भी बैठती है। जैसे,—'যথায়, (যেখানে) ইচ্ছা রাখিতে পার (जहाँ चाहो रख सकते हो), সে 'তথা হইতে' চলিয়া গিয়াছে (वह वहाँसे चला गया है), 'কোথায়' বসিব ? [कहाँ बैठूँगा ?]।

§ অবধি शब्द 'से, और 'तक' इन दोनों अर्थोंमे इस्तेमाल होता है जैसे,— প্রাতঃকাল 'অবধি' সন্ধ্যা পর্য্যন্ত सुबहसे शाम तक, ১১ টা 'অবধি' বসিয়া ছিলাম [११ बजे तक मै बैठा था]।

কষ্ট পাইতেছি (सिरके दर्दके कारण बड़ा कष्ट पा रहा हूँ), তোমার 'দোহাই' [तुम्हारी दुहाई], চাকরকে 'দিয়া' করাও [नौकरसे कराओ], তাহার 'দ্বারা' এ কাজ হইবে না [उससे यह काम नहीं होगा], আপনাকে 'ধিক্' [आपको धिक्कार है], বিবাহের 'নিমিত্ত' দিন স্থির কর [विवाहके लिए दिन ठीक करो], তোমার ব্যবহার পশুর ন্যায়' [तुम्हारा वर्ताव पशुकी तरह है], আমার 'পানে' তাকাও [मेरी ओर ताको], কুকুর ভাল্লুকের 'পিছু পিছু' ছুটিল [कुत्ता भालूके पीछे पीछे दौड़ा], আমি কাহারও 'প্রতি' খারাপ ব্যবহার করি না [मैं किसीसे बुरा वर्ताव नहीं करता], তোমার 'মত' আমি সুখী নই [तुम्हारे ऐसा मैं सुखी नहीं हूँ], কাহার 'মারফতে' টাকা পাঠাইলে ? [किसके मारफत रुपया भेजा ?], তোমার 'সঙ্গে' যাইব না [तुम्हारे साथ नहीं जाऊँगा], কাহার সহিত ঝগড়া করিয়াছ ? [किससे लड़े हो]।

कुछ अव्यय भावबोधक हैं। जैसे,—অবাক্, অহো, আ, আঃ, আহা, আহাহা, আমরি, ইঃ, ইস্, ইহিহি, উঃ, উহু, উহুহু, ওঃ, ওমা, ওবাবা, ওহো, কি, ক্যাবাৎ ছি, ছিঃ, ছিছি, দূ, দুয়ো, দূর, দূর দূর, দোহাই, ধন্য, ধন্য ধন্য, ধিক্, পুঃ, বলিহারি, বলিহারি যাই, বহুত আচ্ছা, বাপ্ , বাপ্‌রে বাঃ, বা, বাহবা, বেশ, বেশ বেশ, মরিমরি, মহাভারত, মাগো, মাগো মা, যাই, রামরাম, রে, সাবাস, হায়, হায়রে, হায় হায়, হায় হায় হায়, হাহা হা, হাঁরে, হাঁ, হাঁ হাঁ, হাঁ হাঁ হাঁ, হো হো হো इत्यादि।

স্বভাবতঃ স्वभावसे হাঁ हाँ
হয়ত (ह्यतो) शायद् হা, হায় हाय

कुछ अव्यय शब्द विशेषणरूपसे भी व्यवहृत होते हैं। जैसे,—তিনি 'অতি' মহৎ লোক (वे अति महान पुरुष हैं), এ বাড়ীটা 'অত্যন্ত' ছোট (यह मकान बहुत छोटा है), ইহা 'অতীব' অন্যায় বিচার (यह बहुत ही अन्याय विचार है), 'আর' একটা দোয়াত আন (एक दूसरी दावात लाओ), আমার 'যৎপরোনাস্তি' আগ্রহ সত্ত্বেও তিনি আসিলেন না (मेरे बहुत आग्रह करने पर भी वे नहीं आये); 'বৃথা' কাজে সময় নষ্ট করিও না (फजूल काममें वक्त न गँवाना); 'কিঞ্চিৎ' ক্ষুদ্র (कुछ छोटा), 'ঈষৎ' উচ্চ (थोड़ा ऊँचा), বাগান 'নানা' বৃক্ষে সুশোভিত (बगीचा विविध वृक्षोंसे सुशोभित है), তুমি 'কেমন' লোক হে ? (तुम कैसे आदमी हो जी ?)।

कुछ अव्यय पदान्वयी हैं अर्थात् उनके योगसे विशेष्य या सर्वनाम पदके साथ विभक्ति लगती है, कहीं कहीं विभक्तिका लोप भी हो जाता है। जैसे,—আমা (র) 'অপেক্ষা' তুমি বড় (मुझसे तुम बड़े हो), দুধের 'চেয়ে' দই উপকারী (दूधसे दही उपकारी हैं), মেয়ের 'জন্য' কাপড় আনিয়াছি (लड़कीके लिए कपड़ा लाया हूँ), তোমার 'জন্যে' বসিয়া আছি (तुम्हारे लिए बैठा हूँ), তোমারি 'তরে' মা সঁপিনু দেহ তোমারি (তোমারই) 'তরে' মা সঁপিনু প্রাণ (हे माँ जन्मभूमि, तुम्हारे ही लिए मैंने शरीर और प्राण सौंप दिये हैं), মাথা ধরার 'দরুণ' বড়

ड्यांং ड्यांং, ढक् ढक्, ढং ढং, তড়তড়, তরতর, থপথপ (हाथीके

ोका), ঢুমঢুম, ধকধক, ধস্, ধাঁ ধাঁ, ধূ ধূ, ফিক, ফিকফিক,

ন, বম্‌বম্, বোঁ বোঁ, ব্যাঁ, ভনভন বরেকা, ভেন ভেন, ভোঁ

, ভ্যা भेड़का, মড়মড, মরমর, মসমস, মিউমিউ

ीके बच्चेका, ম্যা बकरेका, ম্যাও ঝিল্লীকা, শনশন

ा, শরশর, সাঁ, সাঁ সাঁ, হনহন जल्दी चलनेका,

হা, হি হি हँसीका, হো হো इत्यादि।

कुछ अव्यय वाक्यालंकार हैं। जैसे,—

ই—আজই যাইব आज ही जाऊँगा।

কেন—তুমি যতই অনুরোধ কর না কেন, আমি কিছুতেই যাইব না तुम कितना ही अनुरोध क्यों न करो मैं कभी नहीं जाऊँगा।

ত—তিনি ত বলিলেন, কিন্তু আমি যাই কি করিয়া?
उन्होंने तो कहा, परन्तु मैं जाऊँ कैसे?

তা—তা, তোমার যাহা ইচ্ছা করিতে পার তো, तुम्हारी जैसी इच्छा हो वैसे ही कर सकते हो।

তাই ত—তাইত, এখন আর আমি কি করিতে পারি?
खैर, अब मैं क्या कर सकता हूँ?

বলিতে কি—বৎস, বলিতে কি, যদি আমি অবলা না হইতাম
बेटा, क्या कहूँ, अगर मैं अबला स्त्री न होती।

(কথা) টথা—আর কথাটথা বলিতে ইচ্ছা নাই और बातचीत करनेकी इच्छा नहीं है।

कुछ अव्यय संयोजक हैं अर्थात् ये शब्दों या वाक्योंको मिलाते हैं। जैसे—অতএব, অথচ, অথবা, অনন্তর, অপিচ, আর और, আরও, এবং और, ও और, ❀ भी, কি या, কিংবা, কিন্তু, কেননা क्योंकि, তথাচ, তথা वहाँ, वैसे, তবু तो भी, তবে तो, তবেই, তাই, वही, इसीलिए, নতুবা, নচেৎ, পরন্তু, প্রত্যুত बल्कि, বরঞ্চ, বা या, যাই या যেই ज्यों ही, যদিও, যদিচ, যদ্যপি, যদিস্যাৎ, সুতরাং इत्यादि।

कुछ अव्यय, शब्दोंके अनुकरणसे इस्तेमाल होते हैं, इनका कुछ अर्थ नहीं होता। जैसे—কচমচ, কটাস্, কড়কড়, কলকল जलका, কা কা कौएका, বুলবুল झरनेका, কুটুব কুটুর, কুহু কুহু কুহু कोयलका, খট, খলখল, খিলখিল हँसीका, খ্যাচখ্যাচ, গবগর, গড়গড় मेघका, গুড়গুড় बादलका, গুণগুণ भौंरेका, গুমগুম, গুবগুর ঘটঘট, ঘড়ঘড়, ঘুটঘুট, ঘেউঘেউ कुत्तेका, চটাস, চড়চড়, ঝমঝম बारिशका, ঝরঝর, ঝনঝন बर्तनका, ঝনাৎ, ঝাঁ ঝাঁ, টং টং, টন টন, টপ টপ, টুকটাক্, টুপ টাপ, টুপ টুপ, টুক টুক, ঠক্ ঠক্, ঠন

❀ शब्दोंके मिलानेमें ও, वाक्योंके मिलानेमें এবং और कथितभाषामें दोनोंके बदले আর इस्तेमाल होता है। जैसे,—রাম, শ্যাম ও যদু আসিয়াছিল राम श्याम और यदु आये थे, গুরু উপদেশ দিতেছেন এবং শিষ্যগণ শ্রবণ করিতেছেন गुरु उपदेश दे रहे हैं और शिष्य लोग सुन रहे हैं। ও जब शब्दोंमें मिल जाता है तब उसका अर्थ 'भी' होता है। जैसे,—'রামও' যাইবে रामभी जायगा।

ওহে—ওহে, তুমি এখানে কি করিতেছ ? (अजी तुम यहाँ क्या कर रहे हो ?)

হারে যা হাঁরে—হাঁরে, তুই এতক্ষণ কোথায় ছিলি ? [अबे तू अबतक कहाँ था ?]

গো—বাবা গো ! আর সইতে পারি না [बाप रे, और सहा नहीं जाता].

ওলো, লা, লো, হেঁলো যা হ্যাঁলা—ওলো বউ, তোমার কথা কি শেষ হবে না ? [अरी बहू, तुम्हारी बातें क्या खतम नहीं होंगी ?], সই লো, কাল আবার আমাদের বাড়ী এস [आरी सखी, काल फिर हमारे यहाँ आना], হ্যাঁলা লক্ষী, তোর নাইতে আজ এত দেরী হ'লো কেন ? (अरी लक्ष्मी, तेरे नहानेमें आज इतनी देर क्यों हुई ?), হ্যাঁলো তুলসী, তুই এতক্ষণ কোথায় ছিলি লা ? अरी तुलसी, तू इतनी देर कहाँ थी री ?

समास

समास दो या दोसे अधिक शब्दोंको मिलाकर एक शब्द बना देता है। जैसे—গাড়ী और ঘোড়া = গাড়িঘোড়া, ইট और সুরকি = ইটসুরকি (ईंटा - सुरखी), দই, দুধ, ক্ষীর और সর=দইদুধক্ষীরসর (दही-दूध-खोआ-मलाई)।

समास होनेपर पिछले शब्दोंकी विभक्तियोंका लोप हो जाता है, सिर्फ अन्तिम शब्दमें विभक्ति रहती है। जैसे,—রেলের গাড়ী = রেলগাড়ী, গিনির সোনা = গিনিসোনা, ফুলের

(কাপড) চোপড—এখন কাপড় চোপড ছাড় अब कपड़े उतारो
(বই) টই—বই টই সব ফেলিযা দিযাছি (मैंने किताब
वगैरह सब फेंक दिया है)
(ছেলে) পিলে—তোমার ছেলে-পিলে সব ভাল ত?
(तुम्हारे लड़के-बच्चे सब अच्छे हैं न ?)
(বাসন) কোসন—বাসন-কোসনেই তোমাব ঘব ভবা
(वर्तन वगैरह से ही तुम्हारा घर भरा है)
(চাষা) ভুষো—চাষা-ভুষোরা কি জানে? (किसान-मजदूर
लोग क्या जानते हैं ?)
कुछ अव्यय सम्बोधनके चिन्ह हैं, जैसे—

অয়ি—অযি সুন্দরী (हे सुन्दरी)
ওরে যা রে—ওরে সতীশ, এদিকে আয (अबे सतीश,
इधर आ)
ও—ও হরে, তামাক নিয়ে আয় (अबे हरि, तम्बाकू ले आ),
ও মধু, তুমি কেন আসিয়াছ ? (मधु, तुम क्यों आये
हो ?), ও মশায, একটা কথা শুনুন (अजी साहब,
एक बात सुनिये)
ওগো, হ্যাগা যা হ্যাঁগো—ওগো, রান্না হ'লো ? (पति
पत्नीसे—क्या, रसोई हुई?), হ্যাঁগা, এখন একবার
বাজারে যাও (पत्नी पतिसे—अजी, अब एकबार
बाजार जाओ), ওগো, তোমার পাযে পডি (पत्नी
पतिसे—अजी, तुम्हारे पैरों पर गिरती हूँ)।

तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समासमें सिर्फ अन्तिम पद्का अर्थ प्रधानरूपसे प्रकट होता है। जैसे ;—রাজপুতদের দ্বারা শাসিত—রাজপুত-শাসিত, গুর্খাদের পল্টন—গুর্খাপল্টন, শ্বশুরের বাড়ী-শ্বশুরবাড়ী ससुराल, মনের দ্বারা গড়া—মনগড়া मनकल्पित, গাছে পাকা—গাছপাকা पेड़का पका, সহরের তলী—সহরতলী शहरके आस-पास की बस्ती, জেলের দারোগা—জেলদারোগা, চাএর বাগান चायका बगीचा, পটলের ক্ষেত—পটলক্ষেত परबलका खेत, কামারের দোকান—কামারদোকান लोहारकी दूकान, রাজার বাড়ী—রাজবাড়ী, জাপানের রাজা—জাপানরাজ, কাশীর রাজা—কাশীরাজ, * ঠাকুরের পো—ঠাকুরপো ससुर-पुत्र, देवर, ঠাকুরের ঝি—ঠাকুরঝি ननद, শ্রী দ্বারা যুক্ত—শ্রীযুক্ত, বিলাতে হইতে ফেরত—বিলাতফেরত विलायतसे लौटा हुआ, হিন্দু-দের (পড়িবার) কলেজ—হিন্দুকলেজ, মেয়েদের পড়িবার স্কুল—মেয়েস্কুল, পায়ের দ্বারা চালিত গাড়ী—পাগাড়ী पैरगाड़ी, ডাক বহিবার গাড়ী—ডাকগাড়ী, জলে মাছের ন্যায় জীয়ন্ত—জলজীয়ন্ত पानीमें मछलीकी तरह जिन्दा, ঘীর সহিত পাক করা ভাত—ঘীভাত घीके साथ पकाया हुआ भात, পলের (মাংসের) সহিত পাক করা অন্ন—পলান্ন पुलाव, জলের সহিত পাক করা সাগু—জলসাগু

---

* समास होने पर राजा शब्दका अन्तिम आकार प्राय: लुप्त हो जाता है।

বাগানে= ফুলবাগানে फुलवारीमें, আগা হইতে গোড়া=আগাগোড়া शुरूसे आखिर तक या सिरसे पैर तक।

समास होने पर, यदि सन्धिकी योग्यता रहे तो सन्धि हो जाती है। जैसे—খাদ্য और অখাদ্য = খাদ্যাখাদ্য, লাভ या অলাভ =লাভালাভ नफा-नुकसान, সৎ और অসৎ = সদসৎ अच्छा-बुरा, পদ দ্বারা আঘাত=পদাঘাত लात।

समास होनेपर कहीं-कहीं शब्दोंका थोड़ा-बहुत रूपान्तर हो जाता है। जैसे,—দুই দিক=দুদিক दो तरफ, दोनों ओर, ছয় শত= ছশ छः सौ, সমান ঘর=সঘর बराबरका वंश।

समास अनेक प्रकारके हैं। नीचे उनके लक्षण और कुछ प्रचलित प्रयोग दिये जाते हैं।

द्वन्द्व समास

द्वन्द्व समासमें सभी पदोंका अर्थ प्रधानरूपसे प्रकट होता है। जैसे,—পিতা ও মাতা=পিতামাতা, বাপ ও মা = বাপমা, মা ও বাপ,=মাবাপ, ভাই ও বোন = ভাইবোন (भाई-बहिन), নাম ও ধাম = নামধাম, মাছ ও তরকারী—মাছতরকারী (मछली-तरकारी), শীত ও উষ্ণ—শীতোষ্ণ (ठण्डा-गरम), জায়া ও পতি—জায়াপতি, দম্পতি ; কায় ও মনঃ ও বাক্য—কায়মনোবাক্য (शरीर-मन-वाणी), পশু ও পক্ষী ও কীট ও পতঙ্গ = পশুপক্ষীকীটপতঙ্গ, ব্রাহ্মণ ও ক্ষত্রিয় ও বৈশ্য ও শূদ্র—ব্রাহ্মণক্ষত্রিয়বৈশ্যশূদ্র इत्यादि।

काम करने वाला, একচক্ষু एक आँखवाला, पक्षपाती, দ্বি অহ दिन—দ্ব্যহ दो दिन, দ্বি-বচন, দ্বিভুজ दो हाथोंवाला ত্রি অহ— ত্র্যহ तीन दिन, ত্রি কাল तीन काल, ত্রি-কুল पिता, माता और ससुरका कुल, ত্রি-কোণ तीन कोनो वाला, ত্রি-গুণ सत्त्व, रज और तम ये तीन गुण, ত্রি-জগৎ तीन लोक, ত্রি-ভুবন तीन लोक, ত্রি-লোক, ত্রি-লোকী, ত্রি-সংসার, ত্রি-দিব स्वर्ग, ত্রি-দোষ वायु, पित्त और कफका विकार, ত্রি-নয়ন तीन नेत्रों वाले शिव, ত্রি-লোচন शिव, ত্রি-ফলা आँवला, हर्रे और बहेड़ा, ত্রি-মূর্ত্তি ब्रह्मा, विष्णु और शिव, চতুঃসীমা चौहद्दी, চতুঃ বর্গ—চতুর্ব্বর্গ, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ये चार पुरुषार्थ, চতুর্ব্বর্ণ ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण, চতুর্ভুজ चार भुजाओं वाले विष्णु, চতুর্মুখ ब्रह्मा, চতুর্যুগ सत्य, त्रेता, द्वापर और कलि ये चार युग, চতুঃ পথ— চতুষ্পথ चार पथ, चौराहा, চতুষ্পদ चार पैरों वाला, जानवर, চতুষ্পাঠী संस्कृत पाठशाला, পঞ্চকোষ, পঞ্চগব্য दूध, दही घी, गोबर और गोमूत्र, পঞ্চগুপ্ত कछुआ, পঞ্চনদ पञ्जाब, পঞ্চপিতা जनक, गुरु, ससुर, अन्नदाता और भयत्राता, পঞ্চভূত पृथिवी, जल, अग्नि, वायु और आकाश, পঞ্চমকার मछली, मांस, मद्य, मैथुन और मुद्रा, পঞ্চমহাপতক ब्रह्महत्या, सुरापान, गुरुपत्नीगमन, सुवर्णहरण और ऐसो ही पापीके साथ संसर्ग, পঞ্চমুখ, পঞ্চানন शिव, পঞ্চেন্দ্রিয় आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा—ये पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ या वाक्, हाथ, पैर, पायु और उपस्थ—ये पाँच कर्मेन्द्रियाँ, ষট্কর্ম্ম पढ़ना, पढाना, यजन करना,

জলসায়ু, খ্রীষ্টের দ্বারা প্রচারিত ধর্ম্ম—খ্রীষ্টধর্ম্ম ईसाई धर्म, শ্রী দ্বারা যুক্ত রবীন্দ্রনাথ—শ্রীরবীন্দ্রনাথ, বিয়ের নিমিত্ত পাগ্‌লা—বিয়েপাগ্‌লা विवाहके लिए पागल।

कर्मधारय समास

विशेषण और विशेष्यके समासको कर्मधारय समास कहते हैं। जैसे,—শুক্লা দ্বিতীয়া—শুক্লদ্বিতীয়া सुदी दूइज, সৎ জন—সজ্জন, রক্ত অশোক—রক্তাশোক लाल अशोकका फूल या पेड़, ক্ষুদ্রা নদী—ক্ষুদ্রনদী छोटी नदी, মহান দেশ—মহাদেশ, মহান্ রাজা—মহারাজা, মহৎ নগর—মহানগর बड़ा शहर, সমান জাতি—সজাতি एकजातिका, কুৎসিত পুরুষ—কাপুরুষ डरपोक, কু আচার—কদাচার, নয় সের—নসের नौ सेर, চার রাস্তা—চৌরাস্তা; দুই টানা—দুটানা या দোটানা दोनों तरफका खिचाव।

कर्मधारय समासमें कभी कभी विशेषण विशेष्यके आगे जाकर बैठता है। जैसे,—বীর রাজপুত—রাজপুতবীর, এক জন—জনেক एक आदमी, এক ক্ষণ—ক্ষণেক एक क्षण, এক বার—বারেক एक बार, এক মাস—মাসেক एक मास, তিন বছর—বছরতিন तीन साल।

द्विगु समास

संस्कृत संख्यावाचक शब्दोंके आगे दूसरा संस्कृत शब्द जोड़कर जो समास होता है, उसे द्विगु समास कहते हैं। जैसे,—একজ্বর जिस ज्वरका विराम नहीं होता, এককর্ম্মা एकसा

बहुव्रीहि समास

जिसमें समास करनेपर अन्य पदकी प्रधानता हो वह बहुव्रीहि समास है। इस समासमें 'जो' शब्द का किसी न किसी रूपमें प्रयोग होता है। जैसे,—দশ है আনন (मुख) जिसके वह—দশানন, পীত है অম্বর (वस्त्र) जिसका वह—পীতাম্বর, শীর্ণ है কলেবর (शरीर) जिसका वह—শীর্ণকলেবর, প্রসন্ন (निर्मल) है সলিল (जल) जिस (नदी) का वह—প্রসন্নসলিলা, কৃত है কর্ম্ম जिसके द्वारा वह—কৃতকর্ম্মা, কৃত है অঞ্জলি जिसके द्वारा वह—কৃতাঞ্জলি, প্রিয় है ভূষণ जिस (स्त्री) को वह—প্রিয়ভূষণা या ভূষণপ্রিয়া, ছন্ন (विकृत) है মতি (बुद्धि) जिसकी वह—ছন্নমতি या মতিচ্ছন্ন, অল্প है আয়ু जिसकी वह—অল্পায়ু, বিডাল (बिल्ली) की तरह চক্ষু है जिसकी वह—বিডালচোখো या বিডাল-চক্ষু, উঁচু (ऊँचा) है কপাল जिसका वह—উঁচকপালে, কাটা (कटी) है নাক जिसकी वह—নাক-কাটা, ভাঙ্গা (टूटा) है হাত (हाथ) जिसका वह—হাতভাঙ্গা, মোটা है পেট जिसका वह—পেটমোটা, ছড়ি (छड़ी) है হাতে (हाथमें) जिसके वह—ছড়িহাতে, চশমা है নাকে (नाकमें) जिसकी वह—চশমানাকে, কালা है মুখ जिसका वह—কালামুখ (-অ), কাটা (कट गया) है নাম जिसका वह—নামকাটা, পোড়া (जल गया) है কপাল [भाग्य] जिसका वह—পোড়াকপালে, চড়া है মেজাজ [मिजाज] जिसका वह—চড়ামেজাজ, বদ [खराब] है মেজাজ जिसका वह—বদমেজাজ

यजन कराना, दान देना और दान लेना—ब्राह्मणोंके ये छः कर्म, षड्रिपु काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और ईर्षा, षड्दर्शन न्याय, वैशेषिक, सांख्य, पातञ्जल, मीमांसा और वेदान्त, सप्तपदी गमन विवाहके बाद यज्ञके समय वरवधूका सात पैर चलना, सप्तलोक भू, भुव, स्व, मह, जन, तप और सत्य लोक, सप्ताह हफ्ता, अष्टपद मकड़ी, अष्टप्रहर आठों पहर, दिन-रात, नवद्वार शरीरके नौ छिद्र,—दो आँखें. दो कान, दो नाक-छिद्र, मुख, पायु और उपस्थ या मलत्याग और पेशाब करनेके द्वार, नवरत्न राजा विक्रमादित्यकी सभाके नौ पण्डित—कालिदास, धन्वन्तरी, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेतालभट्ट, वराहमिहिर, वररुचि और घटकर्पर, नवरात्र, दशभुजा दुर्गा, दशमहाविद्या भगवतीके दश रूप—काली, तारा, षोड़शी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगला, मातंगी और कमला, दशमुख, दशानन रावण, दशहरा, दशावतार विष्णुके दश अवतार—मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि इत्यादि ।

———

घरमे), প্রতি+লোক=প্রতিলোক [फी आदमी], উপ+কথা=উপকথা [कहानी], উপ+দেবতা = উপদেবতা [हीन देवता], প্রতি+ঘণ্টা = প্রতিঘণ্টা [हर घंटे], প্রতি+জেলা = প্রতিজেলা [हर जिलेमें], যথা+ইচ্ছা = যথেচ্ছ [इच्छानुसार], ন+সুখ = অসুখ [बीमारी], যথা+শক্তি = যথাশক্তি [शक्तिके अनुसार], অনু+রূপ=অনুরূপ [रूपके सदृश, एकसा], সহ+মূল=সমূল [मूलके सहित], নির্+ভয়=নির্ভয় [भयरहित), নির্+মূল = নির্ম্মূল [मूलरहित], নির+বিঘ্ন = নির্বিঘ্ন [विघ्नरहित], আ+জানু = আজানু (घुटनों तक], আ+সমুদ্র = আসমুদ্র [समुद्र तक], ন+মিল = অমিল [बेमेल], বে+বন্দোবস্ত = বেবন্দোবস্ত इत्यादि ।

नञ् समास

निषेधवाचक 'न' के अर्थमे जो समास होता है वह नञ् समास कहाता है। संस्कृतके नियमानुसार स्वर परे रहने से 'न' का 'अन्' तथा व्यञ्जन परे रहनेसे 'न' का 'अ' हो जाता है जैसे—ন+অন্ন = অনন্ন [अन्नहीन], ন+আদি = অনাদি, ন+অতিদূর = অনতিদূর [थोड़ी दूर], ন+আবশ্যক = অনাবশ্যক [बेजरूरत] ; ন+ধর্ম্ম = অধর্ম্ম, ন+লৌকিক = অলৌকিক ।

कहीं कहीं অ के बदले আ भी होता है। जैसे—ন+কাল = অকাল [अशुद्ध काल] या আকাল [दुर्भिक्ष], ন+ ভাঙ্গা=

বা বদমেজাজী, कमल की तरह আঁথি [आँख] है जिसकी वह—कमलআঁথি, বাঁধা है সূতা (सूत) जिसमें वह—সূতাবাঁধা, বুঝ (समझ) नहीं है जिसको वह—অবুঝ (बेसमझ), হিসাব नहीं है जिसको वह—বেহিসাবি, হায়া (हया) नहीं है जिसको वह—বেহায়া, হেড্ (सिर, बुद्धि) नहीं हैं जिसको वह—বেহেড্, সমান है धर्म्म जिसका वह—समानधर्म्मा, সহ (समान) है উদর (मातृगर्भ) जिसका वह সোদর या সহোদর (सगा भाई), মৃত है पत्नी जिसकी वह—মৃতপত্নীক, প্রোষিত (प्रवासमे गये हुए) हैं भर्त्ता (पति) जिस स्त्रीके वह—প্রোষিতভর্ত্তৃকা, न (नहीं) है अर्थ (मतलब) जिस वाक्यका वह—অনর্থক, সম (समान) है वयः (वयस, उम्र) जिसका वह—সমবয়স্ক, অন্য (दूसरी तरफ) है मनः (मन, ख्याल) जिसका वह—অন্যমনস্ক, ভগ্ন (टूटी) है शाखा (डाल) जिस पेड़की वह—ভগ্নশাখ, वीत (गयी) है স্পৃহা (इच्छा) जिसकी वह—वीतস্পৃহ, পদ্ম है নাভিতে [नाभीमे] जिसके वह—পদ্মনাভ [विष्णु], ঊর্ণা [जाला] है নাভিতে जिसके वह— ঊর্ণনাভ [मकड़ी] इत्यादि ।

অব্যয়ীভাব समास

অব্যয়के साथ किसी संज्ञाका जो समास होता है वह অব্যয়ীভাব समास है, जैसे,—প্রতি+ঘর=প্রতিঘর (घर-

हुआ, बाड্‌+अन्त=बाडन्त बढ़ा हुआ, ऐसे ही अयुबन्त जिसका अन्त न हो या जो खतम न हो, जीबन्त या जीयन्त जिन्दा।

না—খেল্‌+না = খেলনা खिलौना, বাজ্‌+না = বাজনা बाजा, কাঁদ্‌+না = কান্না रुलाई, বাঁধ্‌+না বান্না रसोई, শুখ্‌+না = শুখনা सूखा, দে+না = দেনা देना, जो रुपया किसीको देना बाकी हो, পা+না = পাওনা पावना, लेना, जो रुपया किसीसे लेना बाकी हो, গা+না = গাওনা गाना।

আই—ঢাল্‌+আই = ঢালাই ढालनेका काम, বাছ্‌+আই = বাছাই चुननेका काम, বাঁধ্‌+আই = বাঁধাই बाँधनेका काम, যাচ্‌+আই=যাচাই जाँचनेका काम, परन्तु চোরাই चोरीका माल।

অন—চল্‌+অন = চলন चलनेका ढंग, মিল্‌+অন = মিলন मेल, मिलाप, সৃজ্‌+অন = সৃজন सृष्टि, দেখ্‌+অন=দেখন दर्शन।

ইত—চিন্ত্‌+ইত=চিন্তিত चिन्तित, सोची, ভাব্‌+ইত = ভাবিত चिन्तित, জান্‌+ইত = জানিত जाना हुआ, অজানিত न जाना हुआ, লিখ্‌+ইত = লিখিত लिखा हुआ, চল্‌+ইত = চলিত (কথা) प्रचलित।

टूटा, अभाङ्गा या आभाङ्गा साबूत, न+काचा=अकाचा न धोया, या आकाचा विनधोया इत्यादि।

कृत् प्रत्यय

धातुके साथ कुछ प्रत्यय जोड़कर विशेष्य या विशेषण पद बनाये जाते हैं, उन प्रत्ययोंको कृत् कहते हैं। जैसे,—बाँध् रसोई पकाना+उनि=बाँधुनि रसोइया, खेल खेलना+ना=खेलना खिलौना इत्यादि।

कुछ प्रचलित कृत् प्रत्ययोंके उदाहरण नीचे दिये जाते हैं :—

नि—बिला लुटा देना+नि=बिलानि लुटा देनेवाली, बेडा घूमना+नि = बेडानि घूमनेवाली, ज्वाल् जलाना+नि+ज्वालानि जलाने लायक लकडी, हाँप हाँफना+नि=हाँपानि दमा।

अनि वा उनि—बाँध् + उनि = बाँधुनि, धर् पकडना + उनि = धरुनि पकडनेवाली धाय, छाँक् छनना +अनि = छाँकनि छन्ना, चाह् चा+उनि = चाहुनि या चाउनि दृष्टि, नजर।

इये—गा+इये = गाइये गवैया, बाज्+इये = बाजिये बजानेवाला, बल्+इये = बलिये बोलनेवाला, कह्+इये = कहिये कहनेवाला।

अन्त—फुट्+अन्त = फुटन्त खिला हुआ, घुम्+अन्त = घुमन्त सोया हुआ, ज्वल् + अन्त = ज्वलन्त जलता

কাশ্মীরি, পাঞ্জাবি *, সরকারি, চালানি (चालानका माल या काम), নিলামি (निलामके लिए निर्दिष्ट), সুদি (जो सूदपर दिया जाय), সুতি (सूतका बना हुआ), রেশমি, পশমি, সাহেবি, পণ্ডিতি (पण्डिताई), মাস্টারি (मास्टरका काम), কবিরাজি (वैद्यकी), উকিলি या ওকালতি (वकीलका काम), নায়েবি, দেওয়ানি (दीवानका काम), চাকরি [नौकरी], আমিরি, বাহাদুরি, সয়তানি, চালাকি, ডাক্তারি (डाक्टरका काम), মজুরি, তালুকদারি, দোকানি (दूकानदार), ভাণ্ডারি, পোষাকি (खास पोशाकके लायक), পাঁচই (पाँचवीं तारीख), ऐसे ही ছই (छअइ), সাতই, আটই, নই, দশই, এগারই বারই, আঠারই।

উড়ে, উড়িয়া—সাপ से সাপুড়ে या সাপুড়িয়া (संपेरा, मदारी), গাছ से গাছুড়ে या গেছো (पेड़पर चढ़ने या पेड़ काटनेमें उस्ताद)।

এ—জাল से জেলে धीवर, मच्छीमार, মোট से মুটে कुली, সহর से সহুরে शहरका रहनेवाला, শান্তিপুর से শান্তিপুরে शान्तिपुरमें उत्पन्न, পাড়াগাঁ से পাড়াগেঁয়ে देहाती, খোসামোদ से খোসামুদে खुशामदी, অহঙ্কার

* कोई कोई इन शब्दोंको दीर्घ ई कार से भी लिखते हैं।

तद्धित प्रत्यय

संज्ञा शब्दोंके साथ कुछ प्रत्ययोंको जोड़ कर भिन्न शब्द बनाये जाते है, वे तद्धित कहाते हैं। कुछ तद्धित प्रत्ययोंके उदाहरण नीचे दिये जाते हैं :—

আই—বামন (ब्राह्मण) से বামনাই [ब्राह्मणका भाव या काम], ऐसे ही বড से বডাই (घमण्ड), সাফ से সাফাই (सफाई), বাদশা से বাদশাই। परन्तु মোগল से মোগলাই (मुगलके सम्बन्धका), পাটনা से পাটনাই (पटनामें उत्पन्न)।

আনা—বাবু से বাবুআনা * (बाबूकी तरह चाल)।

আমি—ঘর से ঘরামি [घर बनानेवाला], বোকা (बेवकूफ), से বোকামি (बेवकूफी), দুষ্ট से দুষ্টামি (दुष्टपन), ছেলে से ছেলেমি (बालक-सा आचरण या बुद्धि), পাগল से পাগলামি (पागलपन)।

আলি—চতুর से চতুরালি (चतुराई), নাগর (प्रेमिक) से নাগরালি [लम्पटता], ঘটক से ঘটকালি (घटकका काम, विवाहका सम्बन्ध जोड़ना), গৃহস্থ से গৃহস্থালি (गृहस्थी, घरके असबाब), মিতা से মিতালি (दोस्ती)।

ই—হিন্দুস্থান से হিন্দুস্থানি, ऐसे ही মণিপুরি, উদয়পুরি, আরবি, কাবুলি, বর্ম্মি, বেহারি, বাঙ্গালি, বিলাতি

---

* বাবুয়ানা, সাহেবিয়ানা आदि ऐसे या से भी लिखे जाते हैं।

তখনকার उस समयका, সেদিনকার उस दिनका।

কে—আজ্কে या আজিকে आज, কাল্কে या কালিকে कल।

খানা, খানি *—থালাখানি थाली, মুখখানি मुख, গহনাখানি, যতখানি जितना, কতখানি कितना, তিনখানা, দু'খানি।

গিরি—বাবুগিরি बाबूकी तरह चाल, নবাবগিরি नवाबकी तरह चाल, গুরুগিরি गुरुका काम, মুহুরিগিরি मुहर्रिका काम, মাঝিগিরি मल्लाहका काम, দারোগাগিরি दारोगा का काम, কেরাণিগিরি क्लर्क या करणिकका काम।

পনা—গৃহিণীপনা या গিন্নিপনা गृहिणीपन, গুণপনা गुणीपन, ধূর্ত্তপনা धूर्तपन।

পানা, টে—রোগাপানা या রোগাটে बीमारसा, জলপানা पानीसा, রাঙাপানা लालसा, ভাড়াটে किरायेदार।

রি—পূজারি पुजारी, ভিখারী भिखारी, কাঁসারি कसेरा, জুয়ারি जुआरी।

---

* आदरार्थमें तथा क्षुद्रार्थमें খানি और अनादरार्थमें तथा आपेक्षिक बृहत् अर्थमें খানা इस्तेमाल होता है। द्रव्यवाचक संज्ञा के अर्थमें भी খানি ही इस्तेमाल होता है।

से অহঙ্কেবে या 'অহঙ্কারে' घमण्डी, দেমাক से দেমাকে' घमण्डी, পশ্চিমে पश्चीम देशीय, পাথুরে पत्थरसे बना, উনিশে उन्नीसवीं तारीख, বিশে, একুশে, পঁচিশে, ত্রিশে, একত্রিশে * एकतीसवीं तारीख ।

ও—মাছ से মেছো धीवर, मच्छीमार, बन से বুনো बनैला, बनका निवासी, घव से ঘ'বো जो हर वक्त घरमे ही रहता है, বাত से বেতো वातका रोगी, সাথ से সেথো साथमे जाने वाला ।

ওযালা वाला—পাহাবাওযালা पहरावाला, চাউল-ওযালা चावलवाला, বাড়ীওযালা मकानवाला, শালওয়ালা, মিঠাইওয়ালা हलवाई, ডাকওযালা, মাছওয়ালা ।

কবা—শত से শতকবা प्रति सैकड़े, হাজারকবা प्रति हजार, মনকরা प्रतिमन, সেবকবা प्रति सेर ।

কার—আপনকাব अपना, ভথাকাব वहाँका, আগেকাব पहलेका, এখনকাব इस समयका, आज-कलका, আজিকাব आजका, কালিকাব कलका, সবাকার सब लोगोंका,

---

* तारीखके পহেলা या পযলা (पहली), দোসবা (दूसरी), তেসরা (तीसरी) और চৌঠা (चौथी) शब्द हिन्दीसे लिये गये हैं। পাঁচই से আঠারই तक ই लगाया जाता है जो वीं का अपभ्रंश है और উনিশে से বত্রিশে [बत्तीसवीं] तक এ लगाया जाता है ।

लिखित भाषा	कथित भाषा	हिन्दी
কাটিতেছে	কাট্‌ছে	काट रहा है
দেখিতেছে	দেখ্‌ছে	देख रहा है
পড়িতেছে	পড়্‌ছে पोड़्छे	पड़ या गिर रहा है
ডাকিতেছেন	ডাক্‌চেন *	बुला रहे हैं
যাইতেছেন	যাচ্ছেন	जा रहे हैं
খাইতেছেন	খাচ্ছেন	खा रहे हैं
পলাইতেছে	পালাচ্চে	भाग रहा है
উঠিতেছে	উঠ্‌ছে	उठ रहा है
বসিতেছে बशितेछे	বস্‌ছে बोश्चे	बैठ रहा है
শুনিতেছি	শুন্‌চি	सुन रहा हूँ
ধুইতেছে	ধুচ্চে	धो रहा है
ঘুমাইতেছে	ঘুমুচ্চে	सो रहा है
দিতেছে	দিচ্চে	दे रहा है
তুলিতেছি	তুল্‌চি	उठा रहा हूँ

सामान्य भूत

দেখিলাম देखिलाम्	দেখ্‌লাম	मैंने या हमने देखा
করিলাম	কল্লাম †	मैंने या हमने किया
কাটিলাম	কাট্‌লাম	मैंने या हमने काटा

---

* आदरार्थक व्यक्तिकी क्रियाके अन्तमें न लगता है।

† कल्लाम, दिलाम आदि उत्तम पुरुषकी क्रियाकेरूपोंके बदले कल्लुम, दिलुम या कल्लेम, दिलेम आदि भी इस्तेमाल होते हैं।

चतुर्थ खण्ड

कथित भापा

वंगलामें लिखित और कथित भापाओंमे विशेप अन्तर पाया जाया है । प्राय: सर्वत्र ही लिखित भापासे कथित भापा मे कुछ संक्षेप करके उच्चारण किया जाता है । कथित भापामे भी वंगालके जिले-जिलेमे विभिन्नता पायी जाती है । परन्तु कलकत्ता और उसके आसपासकी कथिन भापाको ही प्रमाण मानकर वंगलाके नाटक और उपन्यासके लेखकोंने अपने अपने पात्रोंके मुखसे कहलाया है, इसीलिए उसीके कुछ उदाहरण नीचे लिखे जाते हैं ।

क्रियाओंमे ही लिखित भापासे कथित भापामें अन्तर अधिक है, इसलिए विभिन्न कालोंकी क्रियाओंके उदाहरण पहले दिये जाते हैं ।

सामान्य वर्तमान और अनुज्ञाकी क्रियाओंमे लिखित भापा और कथित भाषा एक-सी है, इस कारण इन दोनों कालोंके उदाहरण नहीं दिये गये ।

तात्कालिक वर्तमान

लिखित भापा	कथित भापा	हिन्दी
করিতেছে करितेछे	কচ্চে * कच्चे	कर रहा है

---

* কচ্চে, দিচ্চে, ডাক্‌চেন, শুনচি आदिके स्थानमें কচ্ছে, দিচ্ছে, ডাক্‌ছেন, শুনছি आदि लिखे जाते हैं । श्रुति-मधुर होनेके कारण वर्गके दूसरे वर्ण থ, ছ, ঝ, ঠ, থ के बदले प्रथम वर्ण क, च, ज, ट, बोला जाता है जैसे—কতা বোলতে শেকোনি बात करना नहीं सीखा यहाँ कथा और শেখো के बदले কতা और শেকো हुआ है ।

पूर्ण भूत

लिखित भाषा	कथित भाषा	हिन्दी
আসিযাছিল	এসেছিল एशेछिलो	आया था
বসিযাছিল	বসেছিল बोशेछिलो	बैठा था
ঘুমাইয়াছিলাম	ঘুমিয়েছিলাম	मैं सोया था या हम सोये थे
ভাঙ্গিযাছিল	ভেঙ্গেছিল भेङे छिलो	उसने तोड़ा था
বলিযাছিলাম	বলেছিলাম	मैंने या हमने कहा था
কবাইয়াছিলাম	করিযেছিলাম	मैंने या हमने कराया था
খাওযাইয়াছিল	খাইয়েছিল (-লো)	उसने खिलाया था

सन्दिग्ध भूत

হইয়া থাকিবে	হ'য়ে থাকবে हये थाक्बे	हुआ होगा
হাসিযা থাকিবে	হেসে থাকবে	हँसा होगा
পলাইযা থাকিবে	পালিযে থাকবে	भाग गया होगा
করিয়া থাকিবেন	ক'রে থাকবেন	उन्होंने या आपने किया होगा
খাইয়া থাকিব	খেয়ে থাকব (-বো)	मैंने या हमने खाया होगा
উঠাইযা থাকিবে	উঠিযে থাক্‌বে	उठाया होगा
দিযা থাকিব	দিয়ে থাক্‌ব	मैंने या हमने दिया होगा
চড়াইয়া থাকিবে	চড়িযে থাকবে	तुमने चढ़ाया होगा
করাইয়া থাকিবে	করিয়ে থাক্‌বে	कराया होगा
ফাটাইযা থাকিবে	ফাটিযে থাক্‌বে	तोड़ा या तुड़वाया होगा

अपूर्ण भूत

হইতেছিল	হচ্ছিল हच्छिलो	होता था

लिखित भाषा	कथित भाषा	हिन्दी
খাইল खाइलो	খেল खेलो	उसने या उन्होंने खाया
দিলাম दिलाम्	দিলাম	मैंने या हमने दिया
করিল करिलो	কল্ল कल्लो	उसने या उन्होंने किया
বলিল बलिलो	বল্ল बल्लो	उसने या उन्होंने कहा
করাইল	করা'ল करालो	उसने या उन्होने कराया
হইল	হ'ল होलो	हुआ
আসিল	এলো, এল एलो	आया
বসিল	বস্‌লো, বস্‌ল बोश्लो	बैठा
রইল	রইলো, রইল रइलो	रहा
গেলাম गैलाम्	গেলাম गैलाम्	मैं गया या हम गये

आसन्न भूत

হইয়াছে	হয়েছে	हुआ है
আসিয়াছে	এসেছে, এয়েছে	आया है
বসিয়াছে	বসেছে बोशेछे	बैठा है
ঘুমাইয়াছে	ঘুমিয়েছে	सोया है
পলাইয়াছে	পালিয়েছে	भागा है
গিয়াছেন	গেছেন गैछेन	गये हैं
দেখিয়াছি	দেখেছি	मैंने या हमने देखा है
খাইয়াছ	খেয়েছ खेयेछो	तुमने खाया है
লইয়াছে	নিয়েছে	उसने लिया है
শুনিয়াছেন	শুনেছেন	उन्होंने सुना

लिखित भाषा	कथित भाषा	हिन्दी
শুনিতেন	শুন্‌তেন	वे सुनते
শিখাইতেন	শেখাতেন	वे सिखाते
চাহিতে	চাইতে	तुम चाहते या ताकते
ধম্‌কাইতে	ধম্‌কা'তে	तुम धमकाते
শুনিতেন	শুন্‌তেন	(वे) सुनते
করিতাম	কর্‌তাম *	(मैं) करता या (हम) करते
	भविष्यत्	
হইবে (हइबे)	হবে (हबे)	होगा
করিব	ক'রব [करबो]	करूँगा
করাইবেন	করাবেন	करायेंगे
শুইবেন	শোবেন	[वे या आप] लेटेंगे
দেখিব	দেখ্‌ব	[मैं] देखूंगा या [हम] देखेंगे
পারিবেন	পার্‌বেন	[वे या आप] सकेंगे
যাইবে	যাবে (जाबे)।	जाओगे, जायेगा
খাইবে	খাবে	खाओगे, खायेगा
আসিবে	আস্‌বে [आश्‌बे]	आओगे, आयेगा
চাইবে	চাইবে	माँगोगे, माँगेगा, ताकेगा
বলিবে	বল্‌বে [बोल्बे]	कहोगे, कहेगा

* কর্‌তাম, আস্‌তাম, দিতাম आदिके स्थानमें কর্‌তুম, আস্‌তুম, দিতুম या করতেম, আস্‌তেম, দিতেম आदि भी इस्तेमाल होते हैं।

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
ঘুমাইতেছিল	ঘুমুচ্ছিল	सोता था
হাসিতেছিল	হাস্‌ছিল	हँसता था
দৌড়াইতেছিল	দৌড়চ্ছিল	दौड़ता था
হাঁপাইতেছিল	হাঁপাচ্ছিল	हाँफता था
ধুইতেছিলাম	ধুচ্ছিলাম	मैं धोता था या हम धोते थे
খাইতেছিলাম	খাচ্ছিলাম	मैं खाता था या हम खाते थे
কাঁদিতেছিলেন	কাঁদ্‌ছিলেন	वे रोते थे
করিতেছিল	কচ্ছিল	करता था
দেখিতেছিল	দেখ্‌ছিল	देखता था
মারিতেছিল	মারছিল	मारता था
লইতেছিল	নিচ্ছিল	लेता था

हेतुहेतुमद्‌भूत

হইত हइतो	হ'ত हतो	होता
করিত	ক'রত, কত্ত कत्तो	करता
যাইত	যেত जेतो	जाता
পাইত	পেত	पाता
লইত	নিত	लेता
বাঁচিত	বাঁচ্‌ত	बचता
শিখিত	শিখ্‌ত	सीखता
মরিত	মরত	मरता
আসিতাম	আস্‌তাম	मैं आता या हम आते

लिखित भाषा	कथित भाषा	हिन्दी
রাখিলে	রাখ্লে	रखने पर
কাঁদিলে	কাঁদ্লে	रोने पर
করিলে	কর্লে	करने पर
খুলিলে	খুল্লে	खुलने या खोलने पर
বসিলে	বস্লে [बोश्ले]	बैठने पर
ঘুমাইলে	ঘুমুলে	सोने पर
পাইলে	পেলে	पाने पर
বলিলে	বল্লে [बोल्ले]	कहने पर
লইলে	নিলে	लेने पर

अनुज्ञा

কর	করো	करो
ধর	ধরো	धरो
আসিও	এসো	आना *
পড	পড়ো	पढ़ो, गिरो
এস	এসো [एशो]	आओ
উঠ	উঠো, ওঠো	उठो
কাট	কাটো	काटो
বল	বলো	कहो
কহ, কও	কও	कहो

* कल तुम मेरे यहाँ 'आना'—इसी अर्थमें यहाँ आना, करना, पढना आदि लिखे गये हैं।

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
ধুইবে	ধোবে	धोओगे, धोयेगा
লইবে	নিবে	लोगे, लेगा
শিখাইবে	শেখাবে	सिखाओगे, सिखायेगा
শোয়াইবে	শোযাবে	सुलाओगे, सुलायेगा
	পূর্বকালিক ক্রিয়া	
হইযা	হ'যে [हये]	हो कर
পাইযা	পেযে, [पेये]	पा कर
যাইযা	যেযে, গিযে	जा कर
দেখিযা	দেখে	देख कर
রহিযা, থাকিযা	রযে, থেকে	रह कर
পার হইযা	পেরিযে	पार होकर
মারিয়া	মেরে	मार कर
শুনিযা	শুনে	सुन कर
করিয়া	ক'রে [कोरे]	करके
আনিযা	এনে	ला कर
লইয়া	নিযে	ले कर
মিলিয়া	মিলে	मिल कर
পলাইয়া	পালিয়ে	भाग कर
বাড়াইযা	বাড়িযে	बढ़ा कर
বসিযা	ব'সে [बोशे]	बैठ कर
হইলে	হ'লে	होने पर

संयुक्त क्रिया

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
হইতে পারে	হ'তে পারে	हो सकता है
করিতে পারে	করতে যা কত্তে পারে	कर सकता है
যাইতে চায়	যেতে চায়	जाना चाहता है
আসিতে চাই	আসতে চাই	आना चाहता हूँ
দেখিতে আসিতেছেন	দেখতে আস্‌চেন	वे देखने आ रहे हैं
উঠিতে চাহিতেছেন	উঠ্‌তে চাচ্চেন	वे उठना चाहते हैं
কাটিতে হইবে	কাট্‌তে হবে	काटना पड़ेगा
যাইতে হইবে	যেতে হবে	जाना पड़ेगा
কিনিতে চাহিযাছিলাম	কিনতে চেয়েছিলাম	मैंने या हमने खरीदना चाहा था
শুনিতে লাগিলাম	শুন্‌তে লাগ্‌লাম	मैं सुनने लगा
কাঁপিতে লাগিল	কাঁপ্‌তে লাগ্‌ল	काँपने लगा
লিখিতে বসিয়াছিল	লিখ্‌তে বসেছিল	लिखने बैठा था
বসিতে দাও	বস্‌তে দাও वोशते दाओ	बैठने दो
উঠাইয়া দিব	উঠিযে দেবো যা দোবো	उठा दूँगा
করিয়া ফেলিল	ক'রে ফেল্‌ল বা ফেল্‌লে	कर डाला
বলিয়া দিন	ব'লে দিন बोले दिन	कह दीजिये
ধরিয়া ফেলিয়াছে	ধ'রে ফেলেছে	पकड़ लिया है
মরিয়া গিয়াছে	ম'রে গেছে गैछे	मर गया है
চলিয়া যাইবে	চ'লে যাবে	चला जायेगा

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
ল (অপ্রচলিত)	নে	ले
করিও	ক'রো	करना
উঠিও	উঠো	उठना
কাটিও	কেটো	काटना
বলিও	ব'লো [बोलो]	कहना
কহিও	ক'ও [कयो]	कहना
খাইও	খেও	खाना
যাইও	যেযো, যেও [जेयो]	जाना
লইও	নিও	लेना
দিও	দিও	देना
রাখিও	রেখো	रखना
থাকিও	থেকো	रहना
লিখিও	লিখো	लिखना
বসিও	ব'সো (बोशो)	बैठना
উঠাইও	উঠিও	उठाना
নামিও	নেমো	उतरना
করাইও	করিও	कराना
কিনিও	কিনো	खरीदना
টানিও	টেনো	खींचना
খুলিও	খু'লো	खोलना
গাহিও	গেও	गाना

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
কুব্জ	কুঁজো	कुबड़ा
টাকপড়া	টেকো	गंजा
তাহার, উহার	তার, ওর	उसका
ইহার	এর	इसका
তাঁহার, উঁহার	তাঁর, ওঁর	उनका
তাহাদের	তাদের	उन लोगोंका
তাহাকে	তাকে	उसको
তাহাদিগকে	তাদের	उन लोगोंको
ইঁহার	এঁর	इनका
উহাকে	ওকে	उसको
দিয়া	দিয়ে	द्वारा, से
উপর	ওপর, ওপোর	ऊपर
তাহাতে	তাতে	उसमें
তাহা হইতে	তা থেকে	उससे
যাহা হউক	যাব্ জাক্	जो हो
নাই	নেই	नहीं है
ঐ	ওই	वह, उस
চারি	চার	चार
যাহার	যার জার	जिसका
যাহাকে	যাকে জাকে	जिसको
কেহ	কেউ	कोई

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
দেখ গিয়া (যাইয়া)	দেখো গে देखो गे	देखो जाकर
হাজিয়া গিয়াছে	হেজে গেছে	पानीसे कुछ सड़ गया है
আগাইয়া	এগিয়ে	आगे जाकर
আগাইবে	এগোবে	आगे जायेगा
বাহির হইয়া	বেরিয়ে	बाहर निकल कर
	সাধারণ শব্দ	
চক্ষু	চোখ	आँख
বসু	বোস্ बोश	कायस्थोंकी एक उपाधि
বন্দ্যোপাধ্যায	বাড়ুয্যে, ব্যানার্জি	ब्राह्मणोंकी ,,
মুখোপাধ্যায	মুখুয্যে, মুখার্জি	,, ,,
চট্টোপাধ্যায়	চাটুয্যে, চ্যাটার্জি	,, ,,
গঙ্গোপাধ্যায	গাঙ্গুলি	,, ,,
কাহারও	কারু, কারো	किसीका
দুইটা	দুটো	दो (ठो)
তিনটা	তিনটে	तीन ,,
চারিটা	চারটে *	चार ,,
লাউটা	লাউটো	लौकी ,,
গুঁড়া	গুঁড়ো	चूर्ण
মুড়া, মুণ্ড	মুড়ো	मछलीका सिर
বুড়া, বৃদ্ধ	বুড়ো	बुड्ढा

* একটা, পাঁচটা ছটা आदि संख्यावाचक शब्दोंमें टा ही कहा जाता है।

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
তৈয়ার, তৈয়ারী	তৈরি	तैयार
উল্টা	উল্টো	उल्टा
করিস্ না	করিস্নে	मत कर
যাস্ না	যাস্নে	मत जा
করি নাই	করিনি	[मैंने या हमने] नहीं किया है
সত্য	সত্যি [शत्ति]	सच
মিথ্যা	মিথ্যে [मित्थे)	झूठ
ভিক্ষা	ভিক্ষে (भिक्के)	भीख
রক্ষা	রক্ষে (रक्खे)	रक्षा
সন্ধ্যা	সন্ধ্যে [शन्धे]	सन्ध्या
মহাশয়	মশাই, মশায়, মশয়	महाशय, जी
তাহা হইলে	তাহলে	तब, ऐसा होने पर
বাহির	,বার, বের	बाहर
উপবাস	উপোস (ष)	उपवास
মাতাঠাকুরাণী	মাঠান, মা ঠাক্‌রুণ	माँ जी
ঠাকুরুণ দিদি	ঠান্‌দি	नानी, दादी
এখনই	এখনি, এখুনি, এক্ষুণি	अभी
বধূ ঠাকুরাণী	বৌঠান, বৌদি	भाभी, भौजाई
নাতি বৌ	নাৎ বৌ	पोते या नातीकी स्त्री
মূর্খ	মুক্খু	बेवकूफ
ভাগ্য	ভাগ্যি	भाग्य

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
রও, থাক	র'সো রোশো, রও, থাকো	ठहरो
বিড়াল	বেড়াল	बिल्ली
শিয়াল, শৃগাল	শেয়াল, শ্যাল	लोमड़ी
কাহার	কার	किसका
ক্ষুধা	খিদে	भूख
নুলা	নুলো	लूला
পুরাণ, পুরাতন	পুরনো	पुराना
শুষ্ক	শুক্নো	सूखा
পূজা	পূজো	पूजा
ধূলা	ধূলো	धूल
টুকরা	টুক্‌রো	टुकड़ा
বিয়া, বিবাহ	বিয়ে	विवाह
সম্মুখে	সুমুখে	सामने
হউক	হোক	हो
যাহা	যা জা	जो
তাহা	তা	वह
এইটা	এইটে	यह
সেইটা	সেইটে	वह
কতকগুলা	কতক্‌গুলো	कितने
রূপা	রূপো	चाँदी
মূলা	মূলো	मूली

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা	हिन्दी
রৌদ্র	রোদ্দুর	धूप
জিজ্ঞাসা	জিজ্ঞেস	जिज्ञासा, सवाल
কৌটা	কোটো	डिबिया
চারটি, অল্প কিছু	চাট্টি	थोड़ा सा
বৈদ্য	বদ্যি	वैद्द
নূতন	নতুন, নোতুন	नया
ব্যবহার	ব্যাভার	बर्ताव
কত দূর	কদ্দুর	कितनी दूर
নিত্য	নিত্যি	रोज
গোঁফযুক্ত	গুঁফো	मुछन्दर
গ্রাম	গেরাম	गाँव
প্রদীপ	পিদ্দিম	दीया
কুৎসা	কুচ্ছো	निन्दा
কীর্ত্তন	কেত্তোন	कीर्तन
শ্রদ্ধা	ছেদ্দা	भक्ति, श्रद्धा
পিণ্ড	পিণ্ডি	पिण्ड
দুর্গা	দুগ্গা	दुर्गा
পত্র	পত্তর	चिट्ठी, पत्र
বড	বড্ড (বড্ডো)	बड़ा, बहुत
লেজ	ল্যাজ	दुम, पूँछ
বাহাত্তর বর্ষীয়	বাহাত্তুরে	बहत्तर वर्ष का

কথিত ভাষা

লিখিত ভাষা	কথিত ভাষা
বিঘা	বিঘে জমীনকী নাপ [দ০ হ
পূরা	পূরো
চূড়া	চূড়ো
কখনও	কক্ খনো
শত্রু	শত্তুর
পুত্র	পুত্তুর
নিঃশ্বাস নিহশাশ	নিশ্বেস
বুদ্ধিটা	বুদ্ধিটে
রাত্রি	রাত্তির, রাত
কুটুম্ব কুটুম্ব	কুটুম
অতিথি	অতিথ
এক মুঠা	এক মুটো
হিস্যা হিহশা	হিস্যে
দ্বিপ্রহর দিপ্রহর	দুপুর, দুবুর
কর্ত্তা	কত্তা
গৃহিণী	গিন্নী
বৃক্ষ (বৃক্খ-অ)	গাছ
পদ্ম	পদ্দ
কেমন	কেমন কৈমন
গল্প	গপ্প

কাহারও অভাব 'দূর করা' যায় না—किसीके भी अभावकी पूर्ति नहीं की जा सकती

ক্ষতি 'স্বীকার করিতে' বাধ্য হইয়াছি— (मुझे) नुकसान उठाना पडा है।

আমি 'স্বীকার করি' যে, সে ভাল ছেলে—मैं मानता हूँ कि, वह अच्छा लड़का है।

কাল তাঁহার সহিত 'দেখা করিতে' যাইব—कल उनसे भेंट करने जाऊँगा।

'এতে করে' দেশের কোন উপকার হয় না—इससे देशका कोई उपकार नहीं होता।

সে যে রকম রোগে ভুগছে 'তাতে করে' হঠাৎ মারা যেতে বাধা কি?—वह जिस तरह रोग भोग रहा है उससे सम्भव है कि वह अचानक मर जाय।

আমি তাকে চোর 'মনে করিয়াছিলাম'— मैंने उसे चोर समझा था।

তাহার 'অসুখ করিয়াছে'—वह बीमार पड़ा है।

মায়ের দুঃখে কেষ্ট কাঁদিয়া কাটিয়া 'জ্বর করিয়া' ফেলিল—मांके (मरनेके) दुःखसे कृष्णने रो धो कर बुखार बुला लिया।

আমার 'শীত করে'—मुझे जाड़ा लग रहा है।

'কামাই করিলে' জরিমানা হইবে — गैरहाजिर होनेसे जुर्माना होगा।

পরীক্ষায় তুমি এবারও 'ফেল করিয়াছ'?—इमतिहानमें तुम अबकी बार भी असफल हो गये हो?

পঞ্চম খণ্ড

मुहावरा

'ভাল করিয়া' লেখ—अच्छी तरह लिखो।

'কি করিয়া' বলি ?—कैसे कहूँ।

''যেমন করিয়া' আসিয়াছি তাহা আমিই জানি—जैसे आया हूँ वह मैं ही जानता हूँ।

তুমি এত শীঘ্র 'কেমন করিয়া' আসিলে ?—तुम इतनी जल्दी कैसे आये ?

বিলাতি কাপড় এদেশে 'জাহাজে করিয়া' আসে—विलायती कपड़ा इस देशमें जहाजसे आता है।

কুলী বিছানা 'মাথায় করিয়া' আনিয়াছে—कुली बिस्तरा सिर पर रख कर लाया है।

'এত করিয়া' সাধিলাম তবু তিনি আসিলেন না—(मैंने) इतना अनुरोध किया तो भी वे नहीं आये।

আমি তাহাকে 'ভাল করিয়াছি'—मैंने उसे आराम किया है।

এ কলিকালে বিনা প্রয়োজনে কাহারও 'ভাল করিতে' নাই—इस कलिकालमें बिना प्रयोजन किसीका उपकार नहीं करना चाहिये।

তোকে বাড়ী হইতে 'দূর করিয়া' দিব—तुझे घरसे निकाल दूँगा।

উহার ক্ষুধা 'দূর কর'—उसकी भूख मिटाओ।

রোগী 'যায় যায়' হ'য়েছে—बीमार आदमी अवतर हुआ है
'মুখোমুখি' ছেড়ে শেষে 'হাতাহাতি' হ'তে লাগল—झगड़ा छोड़कर अन्तमें मार-पीट होने लगी।
আমি তাঁহার সহিত 'মুখোমুখি' কথা বলিতে পারি না—मैं उनके मुंह पर बात नहीं कर सकता।
খানিক একত্র গিয়া আমরা 'ছাড়াছাড়ি' হইলাম—कुछ दूर एक साथ जाकर हम लोग अलग हो गये।
পরীক্ষার সময় তোমরা 'বলাবলি' কচ্ছ কেন?—इमतिहानके समय तुम लोग बात-चीत क्यों करते हो?
এত 'বাড়াবাড়ি' ভাল নয়—इतनी ज्यादती अच्छी नहीं है।
এত 'টানাটানি' কচ্ছ কেন—इतनी खींचा-तानी क्यों करते हो?
তাহারা 'লাঠালাঠি' করিতেছে—वे लोग लठ चला रहे हैं।
এত 'তাড়াতাড়ি' পড়িও না—इतनी जल्दी जल्दी मत पढ़ो।
আজ মাসের পয়লা 'বই ত নয়'—आज इस महीनेकी तो सिर्फ पहली ही तारीख है न? (अभी सारा महीना पड़ा हुआ है)।
হেসে নাও দু'দিন 'বই ত নয়'—हँस लो यानी आनन्द कर लो क्योंकि इस दुनियामें सिर्फ २।४ दिन ही तो रहना है।
'বটে' আমার সঙ্গে চালাকি!—अच्छा, मेरे साथ चालबाजी!
সে বুদ্ধিমান 'বটে' কিন্তু বড় অলস—वह बुद्धिमान है सही परन्तु बड़ा आलसी है।
তোমার কথাই 'বটে'—तुम्हारी बात ही ठीक है।
যা রটে তার কিছু না কিছু 'বটে'—जिसकी अफवाह उड़ती है उसके मूलमें कुछ न कुछ सत्य अवश्य है।

আমাব মেযেটার একটা 'গতি ক'বে' দিতে পাব ?—मेरी लड़कीका कोई उपाय (विवाहका सम्बन्ध) कर दे सकते हो ?

বলটা 'ফেলিয়া দিযাছি'—मैंने गेंद को फेंक दिया है।

সে জুতা 'ফেলিয়া গিযাছে'—वह जूता छोड़ गया है।

সে 'দীর্ঘ নিঃশ্বাস ফেলিল'—उसने लम्बी साँस छोड़ी।

এখানে 'থুথু ফেলিও' না—यहाँ थूको मत।

জাহাজখানি 'নঙ্গব ফেলিল'—इस जहाजने लंगर डाला (ठहरा)।

আমি সব 'খাইয়া ফেলিযাছি'—मैंने सब खा डाला है।

কে এ 'প্রশ্ন তুলিযাছিল ?'—किसने यह प्रश्न उठाया था।

কুয়া হইতে 'জল তোলো'—कुएँ से पानी उठाओ।

এ 'ফুলটি তুলিলে' কেন ?—तुमने इस फूल को क्यों तोड़ा।

'হাই তুলিতেছ' কেন ?—जम्हाई क्यों ले रहे हो ?

'মনে মনে' পড়—चुपचाप पढ़ो।

'মুখে মুখে' এ প্রশ্নেব উত্তব কবা যায না—जवानी इस सवालका जवाब नहीं दिया जा सकता।

'কথায় কথায়' আসিযা পডিলাম—बात की बातमें हम आ पड़े।

লোকটী 'মব মব' হয়েছে—यह आदमी मरणासन्न है।

তোমাকে 'রোগা বোগা' দেখাচ্ছে—तुम बीमार-से मालूम होते हो।

আমাব 'শীত শীত' কচ্ছে—मुझे जाड़ा मालूम हो रहा है।

বাডীখানা 'পড-পড়' হযেছে—मकान गिरने लायक हो रहा है।

তিনি 'যাব যাব' কচ্ছেন—वे अब जाना ही चाहते हैं।

শীত 'পডি পডি' করিতেছে—जाड़ा पड़ना ही चाहता है।

আমার 'মনে পড়ে' না—मुझे याद नहीं आती।
এখনও তোর 'রাগ পড়িল' না?—अभी तक तेरा क्रोध नहीं उतरा?
এ বাড়ীটা তৈরী করিতে আমার অনেক টাকা 'পড়িয়াছে'—इस मकानके बनानेमे मेरे बहुत रुपये खर्च हुए है।
আমি কাহারও 'গায়ে পড়িয়া' ঝগড়া করি না—मैं सिर चढ़कर किसी से झगड़ा नहीं करता।
গায়ে 'মাটি পড়িয়াছে'—देहमे मिट्टी जम गयी है।
পচা লিচুতে 'পোকা পড়িয়াছে'—सड़ी लीचीमे कीड़े पड़ गये हैं।
তুমি 'বাতাস পাচ্চ' কি?—क्या तुम्हे हवा लग रही है?
'বেলা হচ্চে' আমি যাই—धूप चढ़ रही है, मैं जाता हूँ।
'বেলা গেল' শীঘ্র চল—साम हो रही है, जल्दी चलो।
সে 'কানে খাট' (-টো)— वह कानसे कम सुनता है।
তোমাকে 'মজা দেখাব'—तुम्हे मजा चखाऊँगा।
আমার 'অসুখ হয়েছে' যা 'অসুখ করেছে'—मैं बीमार हुआ हूँ।
তুমি 'গাড়ী পেয়েছিলে'?—तुम्हे गाड़ी मिली थी?
সব ছেলেরা 'দাঁড়াও'—सब लड़के खड़े हो जाओ।
একটু 'দাঁড়াও' আমি আসছি—जरा ठहरो, मैं आता हूँ।
ইহার ফল কি 'দাঁড়াইবে'?—इसका नतीजा क्या निकलेगा?
তিনি যেন 'মাথা কিনে নিয়েছেন'— मानो उन्होंने सिर खरीद लिया है
শুভ কর্ম্মের আরম্ভেই 'টুকো না'—शुभ कार्यके शुरूमे ही टोको मत।

আম পাকিল 'বলিযা'—आम पकना ही चाहता है।

আমাব অসুখ হইয়াছিল 'বলিযা' কাল স্কুলে যাইতে পাবি নাই
—मैं बीमार हो गया था इस लिए कल स्कूल नहीं जा सका।

ধনী 'বলিযা' তোমার এত অহঙ্কাব ভাল নয—तुम धनी हो इस
लिए तुम्हारा इतना घमण्ड अच्छा नहीं है।

গাজীপুর জেলায দেওরিযা 'বলিযা' একটা গ্রাম আছে—गाजीपुर
जिलेमें देवरिया नामका एक गाँव है।

তিনি ধাৰ্ম্মিক 'বলিয়া' পবিচিত—वे धार्मिक नामसे परिचित हैं।

'কি বলিযা' তুমি তাহাব বাড়ীটা আত্মসাৎ কবিলে—क्या कारण
है कि, तुमने उसके मकानको हजम कर लिया ?

তোমাব কি খিদে পেযেছে ?—क्या तुम्हे भूख लगी है ?

আমার পায়ে বড 'লেগেছে'—मेरे पैरमे बड़ी चोट लगी है।

তাহাব ঠাণ্ডা 'লাগিযাছে'—उसे सर्दी लगी है।

বাজাবেব সব আম দেখ্‌তে দেখ্‌তে 'উঠে' গেল—बाजारके सब
आम देखते देखते बिक गये।

তাঁহারা এ বাড়ী থেকে 'উঠে' গেছেন—वे यह मकान छोड़ गये हैं

আমার মাথা 'ধরিযাছে'—मेरे सिर मे दर्द हुआ है।

এ পাত্রে আর 'ধবে' না—इस बर्तनमे और नहीं अँटता।

এ গাছটীতে ফুল 'ধবিয়াছে'—इस पेड़मे फूल लगा है।

ছেলে হইযাছে তাঁহাব আহ্লাদ 'ধবে' না—लड़का हुआ है सुन
कर खुशीके मारे वह आपेमें न रहे।

তাহাবা একটা চোর 'ধবিযাছে'—उन्होंने एक चोर पकडा है।

কি ছেলে হয়েছে, ব্যাটা ছেলে, না 'মেয়ে ছেলে, ?—कैसा बच्चा हुआ है, लड़का या लड़की ?

তোমার মুখে 'ফুল চন্দন'—(सुसमाचार सुन कर लोग कहते हैं—) तुम्हारे मुँह मे घी शक्कर।

যুদ্ধের বাজারে সে 'অপর্য্যাপ্ত' ধন কামিয়েছে—लड़ाई के बाजार मे उसने वहुत अधिक धन कमाया है।

আমি কাহারও 'সাতেও নেই পাঁচেও নেই'—मैं किसीके मामले मे दखल नहीं देता, या वात नहीं करता।

আমি 'স্বখাত সলিলে' ডুবে মরি—मै अपने खोदे हुए कुएँ मे गिर कर मर रहा हूँ यानी अपने कर्म का फल भोग रहा हूँ

আজ মেয়ের 'পাকা দেখা'—विवाह निश्चित करने के लिए लड़के वालों द्वारा आज लड़की को आशीर्वाद दिया जायगा।

তুমি সব কথায় 'ফোড়ন দেও' কেন ?—तुम हर वात में वात क्यों करते या चुटकी क्यों भरते हो ?

'ডুবে ডুবে' জল খাওয়া—उपवास के दिन डूबकर पानी पीना यानी छिपकर पाप करना।

গলায় দড়ি জোটে না !—फाँसी लगाने की रस्सी नहीं मिलती यानी शरम नहीं आती !

হাটে হাঁড়ি ভাঙ্গা—भंडाफोड़ करना।

ঘাড়ে হাগা—पाजीपन में दूसरे को हराना।

শিঙে ফোঁকা—मर जाना, चल बसना।

আপনি আমাব সব কাজেই 'বাদ সাধেন' কেন ?—आप मेरे सभी कामोंमे बाधा क्यों देते यानी शत्रुता क्यों करते ?

মাটিতে 'দাগ কাটিও' না—जमीनमे लकीर मत खींचो ।

বিছানা 'পাতিযাছ' ?—(तुमने) बिस्तरा बिछाया है ?

আমি কাহারও বাড়ীতে 'পাত পাতিতে' যাই না—मैं किसीके यहाँ पत्तल बिछाने यानी खाने नहीं जाता ।

উপদেশ 'মাথা পাতিযা' লইলাম—(मैंने) उपदेश सिर धर लिया ।

সে নিজেব 'ছেলেপুলে' লইযা 'ঘব সংসার পাতিযা' বসিযাছিল—वह अपने बालबच्चे लेकर गृहस्थी सजाये बैठा था ।

সংসাবের 'রকমাবি' খবচ আব আমি চালাইতে পাবি না—गृहस्थीके तरह तरहके खर्च मैं और चला नहीं सकता ।

উভযেব 'মাঝখানে' বসিল—दोनोंके बीचमे बैठा ।

তিনি বাহিবেব ঘবে 'নিদ্রা দিচ্চেন' वे बाहर के कमरेमे सो रहे हैं ।

আমার 'হাত জোড়া'—मेरा हाथ फँसा है ।

লজ্জায 'মাথা হেঁট' করিল—शरमके मारे शिर झुका लिया ।

সে 'বোদ পোয়াইতেছে'—वह धूप ताप रहा है ।

এত 'ঝঞ্ঝাট পোযাতে' পারি না—मैं इतनी झंझट सह नहीं सकता ।

'কেটে পড়ো'—सरक जाओ, हट जाओ, भाग जाओ ।

নরেশ কোথায 'কেটে পড়লো'—(कई आदमी एकसाथ जा रहे थे, एक आदमीको न देख कर एकने कहा) नरेश कहाँ सरक गया) ।

'মাবমুখো' হযে এসেছে—मारने के लिए आमादा होकर आया है ।

ওর বিন্দু বিসর্গও বুঝতে না পারা—उसका अणुमात्र भी समझ न सकना।

পাকা ধানে মই দেওয়া-तैयार खेत पर हेंगा चलाना, बहुत अधिक हानि करना।

পরের মুখে ঝাল খাওয়া—पराये मुख मे स्वाद लेना।

পরের মাথায় হাত বুলানো—दूसरे के सिर मौज उड़ाना।

कहावत

অতি চালাকের গলায় দড়ি—चौबे गये छब्बे होने, हो गये दूबे।

অতি বাড় বেড়ো না ঝড়ে পড়ে যাবে ऊँचे बोल का मुँह नीचा।

অতি ভক্তি চোরের লক্ষণ—अति भक्ति चोरके लक्षण हैं।

অতি মেঘে অনাবৃষ্টি—गरजता मेघ बरसता नहीं।

অতি লোভে তাঁতি নষ্ট—आधी तज सारीको धावै आधी रहै न सारी पावै।

অনেক সন্ন্যাসীতে গাজন নষ্ট—अधिक जोगी मठ उजाड़।

অভাগা যেখানে যায় সমুদ্র শুকায়ে যায়—जहाँ जाय भूखा वहाँ पड़े सूखा।

অরণ্যে রোদন করা, উলুবনে বা বেনাবনে মুক্ত ছড়ান—जंगलमें रोना, अन्धेके आगे रोये अपना दीदा खोये।

আদা জল খেয়ে লাগা—सतुआ बाँधकर पीछे पड़ना।

শিঙ ভেঙে বাছুরেব দলে মেশা—बड़ों का बच्चों के साथ खेलना या काम करना।

মেঘ না চাইতেই জল—मांगने के पहले ही प्राप्ति।

হাত দিযে জল গলে না—हाथ से पानी नहीं निकलता, बहुत कृपण।

হাতেব জল শুদ্ধ হওয়া—विवाह होना, पूर्वपुरुषों के तर्पण की योग्यता प्राप्त करना।

হাত পুডিয়ে খাওযা—अपने हाथ से पकाकर खाना।

হাত কামডানো—हाथ मलना, पश्चात्ताप करना।

সসেমিবে অবস্থা—संकटजनक मरणासन्न अवस्था। गल्प है कि एक राजपुत्र पागल होकर स से मि रा ये चार अक्षर बार बार बोलता था।

যমে মানুষে টানাটানি—संकटजनक रोग, मरणासन्न अवस्था।

মাযেব অনুগ্রহ—बसन्त रोग की देवी हैं माँ शीतला, उनका अनुग्रह यानी चेचक रोग।

মাথাব চুল বিকিয়ে যাওয়া—इतना अधिक ऋण होना कि सारी सम्पत्ति के साथ सिर के केश भी बिक जायँ।

মা গঙ্গাই জানেন—कोई नहीं जानता या विश्वास नहीं करता।

ভেবেণ্ডা ভাজা—व्यर्थ का काम करना, बेकारीका जीवन बिताना।

নাম কবলে হাঁড়ি ফাটে—नाम लेने पर हंडी फूट जाती है यानी कृपण का नाम लेने पर अन्न मिलना कठिन हो जाता।

গণেশ উলটানো যা লাল বাতি জ্বালানো—दिवालिया होना।

फूँक फूँक कर पीता है। [सिद्ध, घरकी मुरगी साग बराबार]।
গেঁয়ো যোগী ভিখ পায় না—घरका योगी जोगड़ा बाहर वाले
গাঁয়ে মানে না আপনি মোড়ল—मान न मान मैं तेरा मेहमान।
চোখে সরিষার ফুল দেখা—आँखके आगे तारा देखना।
চোরকে বলে চুরি করতে গৃহস্থকে বলে সজাগ থাকতে—चोर से कहे तू चोरी कर और साहसे कहे तू सावधान रह।
চোর পালালে বুদ্ধি বাড়ে—फिर पछताये क्या हुआ जब चिड़ियाँ चुग गयीं खेत।
চোরে চোরে মাসতুত ভাই—चोर चोर मौसेरे भाई।
জলে কুমীর ডাঙ্গায় বাঘ—दो शत्रुओंके बीचमें, दो रैयाके सामने अल्हर जियरा जाय।
জোর যার মুল্লুক তার—जिसकी लाठी उसकी भैंस।
নাচতে না জানলে উঠান বাঁকা—नाचे न जाने आँगन टेढ़ा।
পাপের ধন প্রায়শ্চিত্তে যায়—सूमका धन शैतान खाय। [जमते हैं।
পিপীলিকার পাখা উঠে মরিবার তরে—चींटीके मरते समय पर
পেটে খেলে পিঠে সয়, দুধাল গরুর লাথিটাও সয়—दुधार गायकी दो लात भली।
ফোপরা ঢেঁকির আওয়াজ বেশী—अधजल गगरी छलकत जाय।
বৃদ্ধবেশ্যা তপস্বিনী—नौ सौ चूहे खायके बिलाई चली हज्जको।
ভিতরে ছুঁচোর কীর্ত্তন বাহিরে কোঁচার পত্তন—ऊँची दूकान फीका पकवान।

আতুরে নিয়মো নাস্তি—जरूरतके सामने कानून नहीं चलता।

কাঠ খাবে যে আঙ্গার হাগ্‌বে সে—आग खा गया तो अंगारा हगेगा।

আদায় কাঁচকলায়, সাপে নেউলে—आग फूसमें बैर।

আকাশের দিকে থুথু ফেল্লে নিজের মুখেই পড়ে—आसमान पर थूका अपने मुँह पर आता है।

আপনি বাঁচলে বাপের নাম—पहले आत्मा फिर परमात्मा।

আপন চরকায় তেল দাও—अपने धन्धेमें मन लगाओ।

আদার ব্যাপারী জাহাজের খবর রাখা—घरमें भूँजी भाँग नहीं बाहर करै नाच, या घरमें अनाज नहीं माँ गयीं पिसाने।

আপনার নাক কেটে পরের যাত্রা ভঙ্গ করা—अपनी नाक काट कर दूसरेका असगुन करना।

উঠন্তি মূলো পত্তনেই বুঝা যায়—पूतका पैर पालनेमें ही देखा जाता है या होनहार बिरवानके होत चिकने पात।

এক হাতে তালি বাজে না—एक हाथसे ताली नहीं बजती।

কথা বল্‌বে যে পাত কাটিবে সে—जो बोले सो घीको जाय।

ইল্লত যায় ধুলে, স্বভাব যায় না মলে—इल्लत जाय धाये धोये आदत कहाँ जाय?

কাজের বেলা কাজী কাজ ফুরুলে পাজী—काम होने तक काजी हो गया तो पाजी।

কানা ছেলের নাম পদ্মলোচন—आँखोंके अंधे नाम नैनसुख।

ঘরপোড়া গরু সিন্দুরে মেঘ দেখ্‌লে ভয় পায়—दूधका जला छाँछ

शब्द कोश

बंगला

অকর্ম্মণ্য	नालायक	ওখানে	वहाँ
অক্লেশে	अनायास	ওদিকে	उस तरफ
অম্বল	खटाई	ওল	सूरन
অর্শ	बवासीर	ওস্তাদ	उस्ताद
অসুস্থ	बीमार	কখন	कब
আংটী	अंगूठी	কথা	बात
আগুন	आग	কাজ, কায	काम
আদা	आदी	কাঠ	लकड़ी
আমরা	हम	কাপড	कपड़ा
আমি	मैं	কাল	कल, काल, काला
ইংরাজী	अंग्रेजी	কি	क्या
ঈষৎ	थोड़ा	কিরূপ	कैसा
উচ্ছে	करेला	কেন (कैनो)	क्यों
উপর	ऊपर	কেমন (कैमन)	कैसा
উরু	जाँघ	কোথায	कहाँ
একাকার	एकसा	কোথাও	कहीं
একাকী	अकेला	কোল	गोदी
এখন (ऐखन)	अब	খেলনা	खिलौना
এখানে	यहाँ	গম	गेहूँ
এখানেই	यहीं	গয়না, গহনা	जेवर, गहना
এমন (ऐमन)	ऐसा	গরু	गौ
ঐ	वह	গোঁফ	मूँछ

বসে না থাকি বেগাব খাটি—बैठे से बेगार भला।

বানবেব গলায মুক্তাব মালা—अन्धेके आगे दीपक।

বাঁশেব চেযে কঞ্চি দড—गुरु तो गुड़ ही रहे चेला हो गये शक्कर।

ভাগেব মা গঙ্গা পায না—साझेकी खेती गदहन खाय।

মশা মাবতে কামান দাগা—चिड़ियोंके शिकारमे शेरका सामान।

যার ধন তাব ধন নয নেপো মাবে দই—बोया जोता टुकटुक देखे चोर लगावे घानी।

যার শিল যাব নোড়া তাবি ভাঙ্গি দাঁতেব গোড়া—जिसकी जूती उसके सिर।

বডব পিবিতি বালিব বাঁধ, ক্ষণে হাতে দড়ি ক্ষণেক চাঁদ—[राजाकी प्रीति बालूकी भीति।

যাব নুন খাই তাব গুণ গাই—जिसका खाइये उसका गाइये।

রাখে কৃষ্ণ মাবে কে?—जाको रखे साइयाँ मारि न सकि है कोय।

রথ দেখা কলা বেচা—एक पंथ दो काज।

শুকনো বনের কাছে কাঁচা বনও পুডিযা যায—गेहूँ के साथ घुन भी पिस जाता है।

সমুদ্রে পেতেছি শয্যা শিশিবে কি ভয?—ओखलीमें सिर दिया तो मूसलोंका क्या डर।

সুবচনে তরি আব কুবচনে মবি—मीठी वाणी से तर जाता हूँ और कटु वचन से मरता हूँ यानी निन्दा होती है।

লোকে যাবে বলে ছি তাব আব বইল কি?—लोग जिसे छि छि करते हैं उसका फिर क्या रह गया? यानी मान गया तो सब कुछ गया।

———

যেখানে	जहाँ	শিল	सिल्ली, ओला
রান্না	रसोई	সর	मलाई
রুটী	रोटी	সাপ	साँप
রোগী	बीमार	সেখানে	वहाँ
লোক	आदमी	স্বপ্ন	सपना

हिन्दी

अंगूठी	আংটী	ऊख	আখ
अंग्रेजी	ইংরাজী	ऐब	দোষ ত্রুটি
अंडा	ডিম	ऐसा	এমন, এরূপ
अंधा	অন্ধ	औरत	স্ত্রীলোক
अक्सर	সচরাচর, প্রায়শঃ	कपड़ा	কাপড়
अब	এখন	कल	কাল
अभी	এখনই	काम	কাজ
अर्क	আরক	कुर्ता	জামা
आजकल	আজকাল	केला	কলা
आदमी	জন, লোক	कैदी	কয়েদী
आम	আম	कैसा	কেমন, কিরূপ
आमदनी	আয়	कोठरी	কুঠরী, কামরা
आवाज	শব্দ	क्या	কি
इनाम	পুরস্কার	क्यों	কেন, কিজন্য
इलाज	চিকিৎসা	खून	রক্ত
ईमान	বিশ্বাস	गाड़ी	গাড়ী

ঘা	घाव	নৌকা	नाव, किश्ती
ঘুড়ি	गुड्डी	পাচক	रसोइया
চাউল	चावल	পাতা	पत्ती
চাকর	नौकर	পিপাসা	प्यास
চাকরী	नौकरी	প্রত্যহ	रोज
চুল	केश, बाल	বই	किताब
চোখ, চক্ষু	आँख	বাচ্ছা	बच्चा
ছেলেরা	लड़के	বাড়ী	मकान
জিনিষ	चीज	বাসা (পাখীর)	घोंसला
ঝোল	रसा	বিড়াল	बिल्ली
টাক	गंज	বিবাদ	झगड़ा
টাকা	रुपया	বৃষ্টি	बारिश
ডাল	दाल, डार	বুক	छाती
ডিম	अंडा	ভায়া	भाई
থাম	खम्भा	ভাল	अच्छा
থালা	थाली	মশারী	मसहरी
দড়ি	रस्सी	মসলা	मसाला
দরজা	दरवाजा	মাছ	मछली
দুষ্কর	मुश्किल	মাটি	मिट्टी, जमीन
ধারে	किनारे	মেয়েরা	लड़कियाँ
নখ	नाखून	যখন	जब
নূতন	नया	যত (জতো)	जितना

मछली	মাছ	लकड़ी	কাঠ
मजदूर	কুলী, মজুর	लड़का	ছেলে
मजबूत	শক্ত	लड़की	মেয়ে
मरीज	রোগী	लोग	লোক
मशीन	মেশিন, কল	लोटा	ঘটি
महीना	মাস	वैद्य	কবিরাজ
मिहनत	পরিশ্রম	व्यापार	ব্যবসা
मूली	মূলো	शीशा	আয়না, দর্পণ
यह	এই, ইহা, এ	सख्त	কঠিন, শক্ত
यहाँ	এখানে	सन्दूक	বাক্স
रस्सी	দড়ি	सस्ता	সস্তা
रुपया	টাকা	साफ	পরিষ্কার
रोजाना	দৈনিক	साल	বছর, বৎসর

गाना	গান
घाव	ঘা
घोड़ा	ঘোড়া
चना	ছোলা
चिड़िया	পাখী
चिमनी	চিমনী
चीज़	জিনিষ, বস্তু
चैन	সুখ, আরাম
जुलाब	জোলাপ
जेल	জেল
ठठेरा	কাঁসারী
डंडा	লাঠী
तकलीफ	কষ্ট
तमाखू	তামাক
ताकत	শক্তি
तारीफ	প্রশংসা
तालाब	পুকুর
दवा	ঔষধ
दिमाग	মাথা, মস্তিষ্ক
दूध	দুধ
धूप	রৌদ্র
नाव	নৌকা

नौकर	চাকর
पड़ोसिन	প্রতিবেশিনী
पटुआ	পাট
पत्ती	পাতা
पलंग	খাট, পালঙ্ক
पर साल	আর বছর
पसंद	পছন্দ
पान	পান
पानी	জল
पेड़	গাছ
पैसा	পয়সা
फिर	আবার
बदबू	দুর্গন্ধ
बर्तन	বাসন
बहुत	খুব, অত্যন্ত
बाद	পরে
बिलकुल	একেবারে
बिल्ली	বিড়াল
बीमार	রোগী
बुखार	জ্বর
भेड़	ভেড়া
मकान	বাড়ী